CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 12-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAHFP User: cci Time: 01-11-2026 23:05 Color:

नई दिल्ली > सोमवार, 12 जनवरी 2026 > पौष 23 शक संवत 1947 माघ कृष्ण नवमी, विक्रम संवत 2082

WATCH GOD WATCHDOG

वर्ष 80, संख्या 10 > पेज 14 > मूल्य ₹5.00 या ₹10.00* द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित www.nbt.in
*वार्षिक खरीद पर ही लागू

विवेकानंद जयंती
(राष्ट्रीय युवा दिवस की शुभकामनाएं)

NBT नवभारत टाइम्स

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

WPL आज के मैच

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु vs यूपी वॉरियर्ज
7:30pm से, नवी मुंबई में
टेलिकास्ट स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर

NBT नवभारत टाइम्स Wealth

क्या आपने NBT Wealth लिया?
पर्सनल फाइनेंस की खबरें आपकी भाषा हिंदी में।
हर सोमवार पढ़ें NBT Wealth
सिर्फ 6 रुपये में
अपने वेंडर से संपर्क करें या 18001205474 पर भी कॉल कर सकते हैं।
NBT Wealth आपको कैसा लगता है, इसमें क्या पसंद आता है और क्या नहीं? क्या और चाहते हैं आप? ऐसे विषयों पर आप कॉल करके अपनी बात नोट करा सकते हैं। आपका संदेश संपादक तक पहुंच जाएगा।
कॉल करें 011-4978 0064 पर आज दिन में 11 से 12 बजे तक

फटाफट खबरें

फोन नियम सख्त करने का प्रस्ताव

भारत सरकार ने स्मार्टफोन निर्माताओं से सोर्स कोड साझा करने और सॉफ्टवेयर में बदलाव की शर्तों का प्रस्ताव रखा है। 83 सुरक्षा मानकों में बड़े अपडेट की सूचना देना भी शामिल है। ऐपल और सैमसंग ने इसका विरोध किया है। सोर्स कोड वह भाषा है जिससे पता चलता है ऐप कैसे काम करेगा।

हर की पैड़ी पर पहचान जांच, विवाद

हरिद्वार के हर की पैड़ी ब्रह्मकुंड की मैनेजिंग बॉडी गंगा सभा ने घाटों पर दुकानदारों, मजदूरों और फेरीवालों की पहचान दस्तावेज जांचने की कार्रवाई की।

सभा ने कुंभ मेला क्षेत्र में गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग की है। रेहड़ी लगाने वालों और भिक्षा मांगने वालों से हो रही पूछताछ से विवाद बढ़ रहा है।

100 करोड़ की ठगी में दो गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा से ऐसे दो ठगों को गिरफ्तार किया गया है जो महंगे होटलों में सेमिनार कर 1500 से अधिक लोगों से करीब 100 करोड़ रुपये ठग चुके हैं। मास्टरमाइंड विनोद कुमार और विनय कुमार ठाकुर क्रिप्टो करेंसी में निवेश पर सात गुना मुनाफे का लालच देते थे।

हैपी मॉर्निंग

टीचर: बताओ विश्व का सबसे पुराना जीव कौन सा है?
पिंटू: सर, जेबरा
टीचर: वो कैसे?
पिंटू: वो ब्लैक एंड वाइट है ना...

मौसम

अधिकतम तापमान 18.8°
4.8° न्यूनतम तापमान
सूर्यास्त 5:44 सोमवार | सूर्योदय 7:15 मंगलवार
कश्मीर शीतलहर की चपेट में, शोपियां सबसे ठंडा स्थान।

ईरान पर हमले की तैयारी?

ट्रंप को बताया गया हमला कैसे किया जाए: रिपोर्ट | 'ईरान की आज़ादी' को इस्राइल से भी समर्थन | ईरान बोला, अटैक तो US-इस्राइल भी निशाना

■ एपी/एएफपी, दुबई/पेरिस

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को ईरान पर हमला करने के नए विकल्पों के बारे में बताया गया है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, ट्रंप ने अभी कोई अंतिम फैसला नहीं लिया है, लेकिन वे इस पर गंभीरता से सोच रहे हैं। इस्राइल के विदेश मंत्री ने रविवार को कहा कि वह ईरानी जनता की आजादी के संघर्ष का समर्थन करते हैं। ईरान की संसद के अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि अगर उस पर हमला हुआ तो अमेरिकी सेना और इस्राइल निशाना बनेंगे।

ईरान की राजधानी पर हमले का भी दिया गया है सुझाव

न्यू यॉर्क टाइम्स के मुताबिक, आर्थिक परेशानियों के कारण ईरान में शुरू हुए प्रदर्शनों को सरकार की ओर से दबाने के जवाब में ट्रंप हमले की इजाजत दे सकते हैं। उन्हें कई तरह के विकल्प बताए गए हैं, जिनमें ईरान की राजधानी तेहरान के कुछ गैर-सैन्य ठिकानों पर हमला करना भी शामिल है। शनिवार को ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'ईरान आजादी की ओर देख रहा है। अमेरिका मदद के लिए तैयार है!' ईरान के राष्ट्रपति ने राष्ट्र के नाम संबोधन में रविवार को कहा कि दंगाइयों को समाज को बिगाड़ने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों को विदेश से ईरान लाया जा रहा है। पेज 14

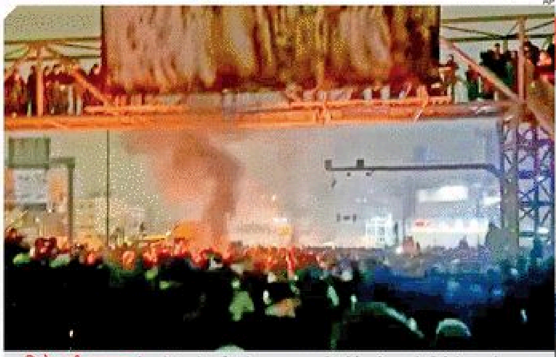

विरोध की आवाज ईरान में इंटरनेट और फोन लाइन काट दी गई है। रविवार को भी विरोध प्रदर्शन हुआ।

ईरान के राष्ट्रपति ने की अपील, दंगाइयों से लोग दूर रहें

अमेरिका-इस्राइल भड़का रहे दंगे: ईरान

रॉयटर्स के अनुसार, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने कहा कि अमेरिका और इस्राइल ईरान में दंगे भड़काकर अव्यवस्था फैलाना चाहते हैं। ईरानी जनता दंगाइयों से दूर रहे।

मसूद पेजेशकियान

ईरान की संसद में लगा US मुर्दाबाद का नारा

यूरोन्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान में चल रहे प्रदर्शनों के समर्थन में कई यूरोपीय शहरों में रैलियां निकाली गईं। ईरान की संसद में अमेरिका मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए सांसद आसन के पास पहुंच गए।

हिंसा में 538 लोगों की जान गई: रिपोर्ट

ईरान में विरोध प्रदर्शन रविवार को भी हुए। दो हफ्ते से जारी प्रदर्शनों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 538 हो गई है। अमेरिका की एक मानवाधिकार संस्था के मुताबिक, 10,600 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है।

ग्रीनलैंड पर अटैक का ट्रंप ने मांगा प्लान

ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर संभावित हमले के लिए अपनी स्पेशल फोर्स को योजना बनाने का आदेश दिया है। डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, वेनेजुएला पर हुए अमेरिकी हमले और वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने की सफलता से फोर्स काफी उत्साहित है और इसी वजह से दुनिया के सबसे बड़े द्वीप ग्रीनलैंड पर जल्द कब्जा करने की तैयारी पर काम कर रही है।

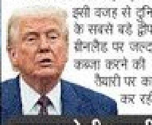

क्यूबा को दी धमकी... 'बहुत देर न हो जाए'

ट्रंप ने रविवार को क्यूबा को चेतावनी दी कि उसे डील करनी चाहिए, नहीं तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वेनेजुएला से क्यूबा को मिलने वाला तेल और पैसा रोक दिया जाएगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'क्यूबा को अब कोई तेल या पैसा नहीं मिलेगा। मैं सुझाव देता हूं कि वह डील करे, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए।'

पालम में 13 वर्षों के बाद सबसे कम तापमान

दिल्ली-NCR में सीज़न की पहली शीतलहर का सितम, तापमान 2.9°C तक गिरा

शीतलहर का ऑरेंज अलर्ट ठंड में कर्तव्य पथ पर तैनात सुरक्षाकर्मी।

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली के पालम में 13 साल बाद सबसे कम तापमान दर्ज किया गया। रविवार को न्यूनतम तापमान महज 3 डिग्री सेल्सियस रहा। यह सामान्य से 4.3 डिग्री सेल्सियस कम है। पिछले 13 वर्षों में पालम का तापमान जनवरी में इतना कम नहीं रहा। आया नगर में यह 2.9 डिग्री सेल्सियस रहा। इस सीजन की यह पहली शीतलहर रही। सोमवार को आसमान साफ रहेगा। कई जगह शीतलहर की स्थिति रहेगी।

इससे पहले, कुछ जगहों पर दिन के समय शीतलहर की स्थिति रही थी। मगर, न्यूनतम तापमान के आधार पर यह पहली शीतलहर है। अगले दो दिन ठंड और अधिक बढ़ सकती है। मौसम विभाग ने शीतलहर को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। लोगों के लिए राहत की बात यही है कि दिन में अच्छी धूप निकल रही है। पेज 3

दो दिन बाद प्रदूषण खराब स्तर पर पहुंचा

प्रदूषण का स्तर दो दिन बाद बेहद खराब से कम होकर खराब स्तर पर पहुंचा है। अगले तीन दिनों तक प्रदूषण का स्तर बेहद खराब रह सकता है। रविवार को दिल्ली का AQI 291 रहा। गाजियाबाद 283, गुरुग्राम का 280, फरीदाबाद 246 और नोएडा का 260 रहा।

नोएडा के स्कूलों में 15 तक हुई छुट्टी

ठंड की वजह से गौतमबुद्ध नगर में पहली से आठवीं तक के बच्चों की छुट्टी 15 जनवरी तक बढ़ा दी गई है। गाजियाबाद में नर्सरी-पांचवीं क्लास तक स्कूल बंद रहेंगे। छठी से लेकर 12वीं तक के स्कूल 10:00 से 3:00 बजे तक चलेंगे।

चेतावनी के बाद X ने गलती मानी, अश्लील कंटेंट रोकेगा

■ पीटीआई, नई दिल्ली

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की कड़ी चेतावनी के बाद एलन मस्क के स्वामित्व वाले सोशल मीडिया मंच 'एक्स' ने Grok AI से जुड़ी अश्लील सामग्री के मामले में अपनी गलती स्वीकार कर ली है और भारतीय कानूनों का पालन करने का भरोसा दिया है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, कार्रवाई के तहत अब तक करीब 3,500 आपत्तिजनक कंटेंट ब्लॉक किए गए हैं और 600 से अधिक खातों को हटा दिया गया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब ग्रोक एआई पर आपत्तिजनक और बिना सहमति वाली यौन सामग्री को लेकर दुनिया भर की सरकारों का दबाव बढ़ रहा है। नियामक संस्थाएं एआई के दुरुपयोग को लेकर एक्स की कड़ी जांच कर रही हैं।

3,500 आपत्तिजनक कंटेंट ब्लॉक, 600 खाते हटाए गए

एक्स ने सरकार को सूचित किया है कि भविष्य में वह अपने मंच पर अश्लील तस्वीरों की अनुमति नहीं देगा। एक्स के सेफ्टी हैंडल ने भी स्पष्ट किया है कि अवैध सामग्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाती है।

AI image

केंद्र ने नोटिस जारी कर मांगा था जवाब

आईटी मंत्रालय ने 2 जनवरी को Grok AI के जरिए अश्लील और यौन सामग्री के दुरुपयोग को लेकर एक्स को नोटिस जारी कर 72 घंटे में रिपोर्ट मांगी थी। सरकार ने साफ किया कि आईटी अधिनियम और नियमों का पालन अनिवार्य है। उल्लंघन की स्थिति में वैधानिक छूट समाप्त हो सकती है। ग्रोक एआई पर फर्जी खातों से महिलाओं की आपत्तिजनक तस्वीरें और विडियो बनाने के आरोप लगे हैं।

क्रिप्टो यूजर्स की अब लाइव सेल्फी होगी ज़रूरी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: क्रिप्टोकरंसी के जरिए होने वाले फ्रॉड, मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी फंडिंग पर रोक लगाने के लिए वित्त मंत्रालय की फाइनैंशल इंटेलिजेंस यूनिट ने कड़े नए नियम जारी किए हैं। इसके तहत क्रिप्टो एक्सचेंजों को किसी भी नए यूजर को जोड़ते समय केवल फोटो अपलोड की बजाय लाइव सेल्फी लेना अनिवार्य होगा।

क्रिप्टो एक्सचेंज के लिए कड़े किए गए नियम

यूजर को पलक झपकाने या सिर हिलाने जैसे संकेत देकर यह साबित करना होगा कि वह वास्तविक व्यक्ति है। नए नियमों के अनुसार, यूजर की भौगोलिक स्थिति भी दर्ज की जाएगी। PAN के अलावा पासपोर्ट, आधार या वोटर आईडी में से एक अतिरिक्त पहचान पत्र देना होगा। पेज 14

PM बोले, सोमनाथ मंदिर के विरोधी अब भी मौजूद

पीएम सोमनाथ स्वाभिमान पर्व की शौर्य यात्रा में शामिल हुए

कहा, तलवार की नोक पर दिल नहीं जीता जा सकता

> विदेशी आक्रांताओं ने कई सदियों तक भारत को खत्म करने की कोशिशें कीं। लेकिन ना सोमनाथ नष्ट हुआ, ना भारत।
> -नरेन्द्र मोदी, पीएम

■ पीटीआई, सोमनाथ (गुजरात)

पीएम नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आजादी के बाद गुजरात में सोमनाथ मंदिर को फिर से बनाने का विरोध करने वाली ताकतें अब भी सक्रिय हैं। भारत को उन्हें हराने के लिए सतर्क, एकजुट और शक्तिशाली बने रहने की जरूरत है। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में मौजूद ऐतिहासिक मंदिर पर हुए हमलों और इसके पुनर्निर्माण का जिक्र करते हुए मोदी ने रविवार को कहा कि लोगों का दिल तलवार की नोक पर कभी नहीं जीता जा सकता। आततायी अब इतिहास के पन्नों में सिमट गए हैं, लेकिन सोमनाथ मंदिर आज भी शान से खड़ा है। सोमनाथ मंदिर पर हमले की शुरुआत सन् 1026 में महमूद गजनी से हुई। यह मुगल शासक औरंगजेब के हमलों तक जारी रहा। पेज 13

'कच्छ-सौराष्ट्र में निवेश का यही सही समय'

पीएम मोदी ने राजकोट में पांच दिवसीय बिजनेस एग्जिबिशन 'वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस: कच्छ-सौराष्ट्र' की शुरुआत की। उन्होंने इस दौरान कहा कि कच्छ और सौराष्ट्र में निवेश का यही समय है, सही समय है।

काम की खबरें

नमो भारत-मेट्रो इंटरचेंज पर अब एक बार ही जांच

यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए न्यू अशोक नगर में नमो भारत और दिल्ली मेट्रो के बीच इंटरचेंज करने वालों के लिए सिंगल-पॉइंट सिक्योरिटी चेकिंग की शुरुआत की गई है। न्यू अशोक नगर नमो भारत स्टेशन और ब्लू लाइन के न्यू अशोक नगर मेट्रो स्टेशन के बीच यात्रियों को केवल एक बार ही सुरक्षा जांच से गुजरना होगा। पहले इंटरचेंज के दौरान दो बार सिक्योरिटी चेक करनी पड़ती थी, जिससे समय और असुविधा बढ़ती थी। पेज 2

GDA ने घटाई ब्याज दर, होम लोन होगा सस्ता

गाजियाबाद डिवेलपमेंट अथॉरिटी (GDA) प्रॉपर्टी के लिए ब्याज दरों में कटौती करेगा। अभी तक 10.50% सालाना ब्याज देना पड़ता था। अब उतना ही ब्याज लिया जाएगा जितना भारतीय स्टेट बैंक (SBI) लेता है। वर्तमान में SBI की होम लोन दरें लगभग 8.7% के आसपास हैं।

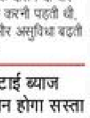

बर्खास्त IAS पूजा खेडकर के घर लूट, जांच

■ पीटीआई, पुणे: महाराष्ट्र की पुणे पुलिस ने पूर्व प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर के इस आरोप की जांच शुरू कर दी है, जिसमें उन्होंने अपनी घरेलू सहायिका पर नशीली दवाएं देकर उन्हें और उनके माता-पिता को बेहोश किया और उन्हें बांधकर फोन और कुछ कीमती सामान चोरी करने का दावा किया है। पुलिस के मुताबिक, खेडकर ने कहा कि हाल ही में नियुक्त नेपाल की निवासी सहायिका फोन और कुछ कीमती सामान लेकर फरार हो गई। पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है।

पूजा खेडकर

किंग कोहली का जलवा, भारत ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया

भारत ने रविवार को पहले वनडे मैच में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराकर तीन मैच की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। दोनों टीमों के बीच दूसरा मैच 14 जनवरी को राजकोट में खेला जाएगा। पेज 11

■ भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने सर्वाधिक 93 रन बनाए, इंटरनैशनल क्रिकेट में सबसे तेजी से 28 हजार रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी बने।

43 साल थी उम्र दिल का दौरा पड़ने से दिल्ली में मौत, संगीत और मनोरंजन जगत में शोक की लहर

नहीं रहे इंडियन आइडल विजेता प्रशांत तमांग

■ पीटीआई, नई दिल्ली

इंडियन आइडल सीजन-3 के विजेता और हाल ही में वेब सीरीज पाताल लोक-2 में नजर आए गायक-अभिनेता प्रशांत तमांग का रविवार को निधन हो गया। वह 43 वर्ष के थे।

प्रशांत तमांग का जन्म 4 जनवरी 1983 को दार्जिलिंग में हुआ था। वह नेपाली भाषी गोरखा परिवार से थे। उनके करीबी मित्र और गायक महेश सेवा के अनुसार, रविवार सुबह दिल्ली के जनकपुरी के घर में उन्हें दिल का दौरा पड़ा। परिजन उन्हें तुरंत अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने पहुंचते ही उन्हें मृत घोषित कर दिया। निधन की खबर सबसे पहले उनके मित्र राजेश घटानी ने सोशल मीडिया पर शेयर की। कई लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

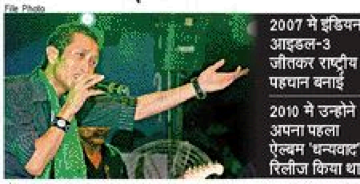

File Photo

2007 में इंडियन आइडल-3 जीतकर राष्ट्रीय पहचान बनाई

2010 में उन्होंने अपना पहला ऐल्बम 'धन्यवाद' रिलीज किया था

'बैटल ऑफ गलवान' में दिखाई देंगे तमांग

प्रशांत तमांग अब सलमान खान अभिनीत आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' में पर्दे पर दिखाई देंगे। यह 17 अप्रैल को रिलीज होने वाली है। तमांग के परिवार में उनकी पत्नी गीता थापा और चार वर्षीय बेटी आरिया तमांग हैं। वह सोशल मीडिया पर बेटी और पत्नी के वीडियो और तस्वीरें साझा करते थे।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 12-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH10 User: cci Time: 01-11-2026 21:58 Color:

शक्ति का अर्थ केवल कार्य करना नहीं, बल्कि मिलकर कार्य करना है।
- हन्ना आरेंट, जर्मन-अमेरिकी दार्शनिक

टकराव टालना ज़रूरी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और केंद्र सरकार के बीच टकराव कोई नई बात नहीं है। कुलपतियों की नियुक्ति से लेकर राज्यपाल की भूमिका और SIR तक, दोनों के बीच के मतभेद कई बार सामने आ चुके हैं। लेकिन, पॉलिटिकल कंसल्टिंग फर्म I-PAC और इसके प्रमुख प्रतीक जैन के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय के छापों की वजह से जो टकराव चल रहा है, उसने केंद्र और राज्य की एजेंसियों को भी आमने-सामने ला दिया है।

एक-दूसरे पर आरोप । ईडी का आरोप है कि ममता ने कार्रवाई में बाधा डाली और बंगाल पुलिस उनकी सरकार के निर्देश पर मनी लॉन्ड्रिंग जांच को विफल करने का प्रयास कर रही है। वहीं, ममता का आरोप है कि केंद्र सरकार अपनी एजेंसी से राजनीतिक दबाव बनाने की कोशिश में है और उसने छापे वाली जगह से सबूत नहीं, अपनी पार्टी के डॉक्युमेंट उठाए थे। ममता का कहना है कि वह सीएम नहीं, बल्कि TMC प्रमुख के तौर पर मौके पर पहुंची थीं। हालांकि यह भेद करना बहुत मुश्किल है कि वह कब पार्टी प्रमुख हैं और कब सरकार प्रमुख। क्या केवल TMC नेता के तौर पर पहुंचने पर साथ में पूरा प्रशासनिक अमला भी पहुंचता?

ममता सरकार बनाम ईडी

राजनीतिक तनाव । जल्द ही यहां विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए शायद ही कोई पक्ष पीछे हटता दिखे। मगर इस तनाव से कानून-व्यवस्था प्रभावित हो रही है। I-PAC पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है। बगैर जांच इसकी सचाई का पता नहीं चल सकता। वहीं, इन घटनाओं का असर अन्य जगहों पर भी दिखने लगा है। बंगाल के नेता प्रतिपक्ष और BJP के वरिष्ठ नेता सुवेंदु अधिकारी ने अपने काफिले पर हमले का आरोप लगाया है, जिस पर गृह मंत्रालय ने रिपोर्ट मांगी है।

केंद्र बनाम राज्य । केंद्र और विपक्षी दलों वाले राज्यों के बीच अनबन का पुराना इतिहास रहा है। लेकिन, बंगाल में अगर यह ज्यादा उग्र दिखता है, तो वजह है दोनों तरफ से ताकत बढ़ाने और नियंत्रण की कोशिश। साल 2018 में ममता सरकार ने CBI को राज्य में दी आम सहमति वापस ले ली थी। इसका मतलब कि अब एजेंसी को हर जांच से पहले बंगाल में विशेष अनुमति लेनी पड़ती है। तब से रिश्ते और कटु हो गए।

सम्मान और सहयोग । चुनावी साल होने की वजह से दोनों तरफ से कुछ भी किया जाता है, तो उसका राजनीतिक पहलू जरूर खोजा जाएगा। संवैधानिक संस्थाओं के बीच इस तरह का संघर्ष किसी के हित में नहीं है। दोनों को एक-दूसरे की सीमाओं का सम्मान और सहयोग करना चाहिए।

नश्तर

आदर की अकुलाहट

वह कॉलेज के शीर्ष पद पर आसीन थे। एक तो शिक्षा विभाग, उस पर श्रेष्ठ छवि वाला कॉलेज, उस पर शीर्ष पद, फिर भी एक कमी उन्हें लगातार सालती। कोई उनकी इज्जत क्यों नहीं करता? इज्जत पाने के लिए वह इतने आकुल थे कि लड़के उन्हें आकुलाचार्य बुलाने लगे। बात उन तक पहुंची तो वह और आकुल हो उठे। उन्होंने एक युक्ति सोची। समाज के तमाम पढ़े-लिखे लोगों को बुलाया जाए और उनसे अपनी इज्जत करवाई जाए।

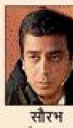

सौरभ श्रीवास्तव

कॉलेज के प्रेक्षागृह में गोष्ठी का आयोजन किया गया। विषय था, हिंदी साहित्य में लेखक की इज्जत। वह सबसे पहले हॉल में पहुंचे। उनकी नजर लेखक की इज्जत पर अटक गई। हिंदी साहित्य से उन्हें कुछ लेना-देना नहीं था, पर इज्जत तो उन्हें अपने लिए चाहिए थी। आयोजन समिति के लोगों ने लेखक को दे दी। उन्होंने एक विद्यार्थी से कह कर पोस्टर के इज्जत वाले हिस्से को ब्लेड से कटवा दिया। विद्यार्थी ने जैसे ही यह काम किया चार-पांच लेखक और कुछ सुनने वाले हॉल में आ गए। अब मंच पर पोस्टर लगा था, हिंदी साहित्य में लेखक की...। इज्जत तो हड़बड़ी में आकुलाचार्य ने विद्यार्थी से लेकर अपने कोट की जेब में रख ली थी। लेखकों को बुरा लगा, वे चुपचाप बाहर जाने लगे तो आकुलाचार्य बोले, 'रुकिए...रुकिए, इज्जत तो आपको हमारी ही करनी है, इसलिए मैंने काटकर पहले ही रख ली।' एक लेखक बोले, 'इज्जत काटने से इज्जत नहीं मिलती।' 'तो कैसे मिलती है?' 'इज्जत, इज्जत देने से मिलती है।' लेखक ने जैसे ही कहा, उन्होंने अपने कोट की जेब से निकाल कर इज्जत उन्हें दे दी। लेखक को गुस्सा तो बहुत आया पर वह शांति से इज्जत लेकर बाहर चले गए। आकुलाचार्य कुछ समझ नहीं पा रहे थे, तब तक विद्यार्थी ने पोस्टर की ओर ध्यान दिलाया। हिंदी साहित्य में लेखक की...आगे क्या? थोड़ी देर सिर खुजाने के बाद उन्होंने कहा, 'लिख दो जरूरत।' विद्यार्थी ने पोस्टर पर चिप्पी लगाई और जरूरत लिखते हुए बुदबुदाया, 'ऐसे विषय रखवाएंगे तो कैसे इज्जत मिलेगी।

एकदा

संकलन : रेनू सैनी

भटकने का मतलब

एक बार स्वामी विवेकानंद राजस्थान के अलवर पहुंचे। वहां दीवान रामचंद्र ने उनके विचार सुने तो उन्हें महाराजा मंगल सिंह से मिलवाया। महाराज स्वामीजी से काफी प्रभावित हुए। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, 'स्वामीजी, आप इतने विद्वान हैं कि चाहें तो एक ही स्थान पर रहकर आराम से जीवन बिता सकते हैं। फिर आप भटकते क्यों हैं?' महाराज की यह बात सुनकर स्वामीजी ने शांत स्वर में पूछा, 'आप स्वयं एक राजा हैं। आपकी जिम्मेदारी अपनी प्रजा का कल्याण है, फिर आप शासन छोड़कर अंग्रेज अधिकारियों के साथ शिकार खेलने में इतना समय क्यों बिताते हैं?' दरबार में सन्नाटा छा गया। सभी को लगा महाराज क्रोधित हो जाएंगे। पर महाराज मुस्कराए और बोले, 'स्वामीजी, मुझे शिकार खेलना अच्छा लगता है।' स्वामीजी ने कुछ क्षण मौन रखा, फिर कहा, 'मुझे भी भटकना अच्छा लगता है। पर मेरे और आपके अच्छा लगने में एक अंतर है।' 'वह कैसे?' प्रश्न का जवाब देते हुए स्वामीजी बोले, 'आप केवल निजी खुशी के लिए भटकते हैं, जबकि मैं ऐसा भारत देखना चाहता हूं, जहां प्रेम, और समानता हो।' महाराज उनके चरणों में झुक गए और बोले, 'स्वामीजी, आपने मेरी आंखें खोल दीं।'

Subrata Dhar

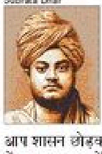

राजनीति में बेमेल गठबंधन नई बात नहीं, पर महाराष्ट्र ने सबको पीछे छोड़ा

हमारी दोस्ती तो सत्ता के लिए है

महाराष्ट्र में BJP के कांग्रेस और AIMIM के साथ गठबंधन ने राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोर लीं। बाद में तीनों दलों ने अपने-अपने तरीके से डैमेज कंट्रोल किया। फिर भी लगता है कि अंत में BJP फायदे में रही।

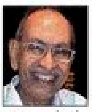

गंगाधर ढोबले

परदे के पीछे । ये गठबंधन ठाणे जिले के अंबरनाथ और विदर्भ के अकोला जिले के अकोट नगर परिषदों में हुए थे। इन जगहों पर किसी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था, तो धुर वैचारिक विरोधियों ने हाथ मिला लिए। इन गठबंधनों को तोड़ने की औपचारिकता तीनों दलों ने पूरी कर ली है और घटना पर मानो परदा डाल दिया है, क्योंकि 15 जनवरी को 29 महानगर पालिकाओं के चुनाव होने हैं। लेकिन, परदे के पीछे अनौपचारिक खेल वैसा ही चल रहा है।

गढ़ में सेंध । बात पहले दौर के 20 दिसंबर के चुनाव की है। अंबरनाथ नगर परिषद में कुल 59 सीटें हैं। यह इलाका एकनाथ शिंदे का गढ़ माना जाता है। यहां राज्य में सत्तारूढ़ महायुती के तीनों घटक दल- एकनाथ शिंदे की शिवसेना, BJP और अजित पवार की NCP अपने बलबूते लड़े। बहुमत किसी को नहीं मिला। शिंदे सेना 27 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी, पर 30 के बहुमत से 3 कम थी। BJP ने शिंदे सेना को सत्ता से दूर रखने के लिए साथी अजित पवार और कांग्रेस से गठजोड़ कर लिया। BJP की तेजश्री करंजुले नगराध्यक्ष चुनी गईं।

उलटफेर जारी । पहले कांग्रेस के सभी नगरसेवकों ने BJP का कमल थामा और फिर शिंदे सेना ने अजित NCP के 4 नगरसेवकों को अपने साथ मिला लिया। दो निर्दलीय भी शिंदे सेना में चले गए और आंकड़ा बहुमत से ज्यादा 33 हो गया, जबकि BJP के पास 26 सीटें बची हैं। आगे भी यहां कुछ भी हो सकता है। अकोट नगर परिषद में भी कुछ ऐसी ही स्थिति है। कुल 33 सीटों में से 11 BJP के पास हैं। अंबरनाथ में शिंदे सेना, अजित पवार, BJP एक-दूसरे के खिलाफ लड़े, लेकिन यहां वे एक हो गए। AIMIM भी आ गई। BJP की माया धुले नगराध्यक्ष चुनी गईं।

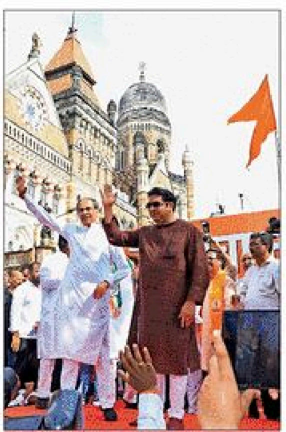

महाराष्ट्र निकाय चुनाव

- कई जगह पुराने गठबंधन टूटे, नए बने
- उद्धव और राज ठाकरे ने मिलाया हाथ
- अस्तित्व की लड़ाई में एक हुए दोनों पवार

साथ आए परिवार । 29 महानगर पालिकाओं के होने वाले चुनाव में भी बेमेल गठबंधन हुए हैं। हालात ऐसे हैं कि कौन किसके साथ है, इसका पता लगाना मुश्किल हो जाए। कहीं BJP के नेतृत्व वाली महायुती बिखर गई है तो कहीं कांग्रेसनीत महाविकास आघाड़ी टूट गई है। चित्र ऐसा है कि मित्र दल एक-दूसरे के विरोध में खड़े हैं तो परस्पर विरोधी अब मित्र बने हुए हैं। उद्धव और राज - दोनों ठाकरे एक हो गए हैं। अजित और शरद - दोनों पवार गलबहियां डाले हुए हैं। ठाकरे और पवार - दोनों ही राजनीतिक ब्रैंड अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। कांग्रेस के नाम लेवा बहुत कम हैं।

कहीं दोस्ती, कहीं दुश्मनी । मुंबई समेत ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, पिंपरी-चिंचवड, नागपुर, नासिक जैसी प्रमुख महापालिकाओं में ठाकरे बंधुओं का गठजोड़ है। पुणे, पिंपरी-चिंचवड के होमटर्फ पर अजित और शरद पवार साथ हैं। BJP मुंबई में शिंदे सेना और अजित की NCP के साथ है। ठाणे में शिंदे सेना और BJP का साथ है। पनवेल में BJP, शिंदे सेना, अजित और आठवले की RPI का गठजोड़ है। नवी मुंबई में शिंदे सेना और BJP अलग-अलग लड़ रहे हैं। नागपुर में BJP अकेले है, जबकि शिंदे सेना और अजित की NCP एक संग।

सुविधा की राजनीति । कोल्हापुर में राज, उद्धव के साथ नहीं हैं। वहां उन्होंने कांग्रेस, शरद पवार और शेतकरी संघटना से दोस्ती कर ली है। यह केवल बानगी है, अन्य महानगर पालिकाओं में भी कमोबेश यही स्थिति है। गठबंधनों की जोड़तोड़ और नए बनते गठबंधनों का आधार वैचारिक नहीं है। मामला केवल सुविधा की राजनीति का है।

निर्विरोध चर्चा में । कोई 66 नगरसेवक निर्विरोध चुने गए हैं। इनमें सर्वाधिक 43 BJP के, 19 शिंदे सेना के और दो अजित पवार की NCP के हैं। यानी निर्विरोध जीतने वालों में सत्तारूढ़ महायुती के ही 64 उम्मीदवार हैं। गठजोड़, तोड़फोड़ की राजनीति किस तरह करवट बदल रही है, यह इससे साफ होगा।

पुराना ट्रेंड । देश में बेमेल गठबंधन बनना नई बात नहीं। कांग्रेस के विरोध में 1967 में पहली बार ऐसे गठबंधनों का प्रयोग हुआ। जनसंघ (आज की BJP), मोरारजी देसाई की संगठन कांग्रेस, समाजवादी दल, CPI और CPM इसमें शामिल थे। इसका आधार साझा विचारधारा नहीं थी, उनकी साझा दुश्मन इंदिरा कांग्रेस थी। इससे बनी जनता पार्टी भी बाद में टूट गई। लेकिन इस बार सब कुछ अलग है, राजनीतिक विचारधारा के प्रति निष्ठा हाशिए पर है और किसी भी तरह जीतकर सत्ता हथियाने वाली राजनीतिक मानसिकता हावी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

समय के साथ दिमाग़ को भी बदलना पड़ता है

कोई चीज चली जाती है, पर उसकी आदत पीछे ही छूट जाती है। । दर्जन भर दिन गुजरे, पर तमाम लोगों के दिमाग से 2025 नहीं उतरा। उनकी बातों में बीते साल का जिक्र ऐसे आता है, जैसे वही मौजूदा हो। इसमें किसी की गलती भी नहीं - जिसे सीखते-जीते 365 दिन गुजरे, उसे 12 दिनों में कैसे भुलाया जाए!

नई चीजों के साथ तालमेल बैठाना अधिकतर मुश्किल ही होता है। और वैसे भी साल के बदलने से बस तारीखें ही नहीं, बहुत कुछ बदलता है - नए नियम, गाइडलाइंस, नए रेट। दिमाग को रिकैलिब्रेट करना पड़ता है इनके हिसाब से, लेकिन यही तो चुनौती है, जिसका जिक्र किया स्टीफन हॉकिंग ने, कि परिवर्तन के अनुकूल ढलने की क्षमता ही बुद्धिमत्ता है। इस बदलाव को अपनाने और उसके मुताबिक ढलने में भी आनंद है। नई व्यवस्था, नई तकनीक या नया नियम पहली नजर में बोझ लगता है - कि बेवजह की उलझन बढ़ गई। लेकिन, जैसे-जैसे हम उसे समझते हैं, वही चीज हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन जाती है। जीवन इसी तरह अपनाने, बदलने और आगे बढ़ने का नाम है। जो बदलना ही है, उसे रोके रखने में ऊर्जा खपाने से फायदा नहीं। वही एनर्जी लगाई जा सकती है बदलाव को अपनाने में।

नई चीजों के साथ तालमेल बैठाने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि हम समय के साथ चलते रहते हैं। जो लोग बदलाव को अपनाते हैं, वे पीछे नहीं छूटते। वे नई पीढ़ी से जुड़ते हैं, नई सोच को समझते हैं और खुद को अपडेट रखते हैं। इससे आत्मविश्वास भी बढ़ता है और जीवन में जड़ता नहीं आती।

AI Image

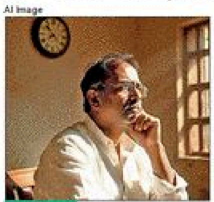

जीवन आनंद

शैलेंद्र पांडेय

बदलाव हमें धैर्य भी सिखाता है। हर नई चीज तुरंत समझ में नहीं आती, हर नियम तुरंत सहज नहीं लगता। लेकिन यही सीखने की प्रक्रिया हमें भीतर से मजबूत बनाती है। जब हम किसी नई चुनौती को पार कर लेते हैं, तो अपने आप पर भरोसा और गहरा होता है।

बदलाव से भागना आसान है, पर इसे अपनाना जीवन को सरल बनाता है। नई चीजों के साथ तालमेल बैठाने का आनंद इसी में है कि हम हर नए मोड़ पर खुद को थोड़ा और बेहतर पाते हैं। जीवन बहता रहता है, और जो उसके साथ बहना सीख लेता है, उसे सुकून और संतुलन मिलता है।

न केवल नए से काम चल सकता है और न केवल पुराने से। इन दोनों का तालमेल चाहिए जिंदगी में। पुराना अनुभव और नया ज्ञान मिलकर नया नजरिया देते हैं। इससे समझ बेहतर होती है और यह समझ कहती है कि नए के लिए हमेशा तैयार रहेंगे, तो मन में आशंका की जगह उत्सुकता होगी। खुश रहने के लिए सरप्राइज तो चाहिए ही।

THE SPEAKING TREE

और पढ़ने के लिए देखें www.speakingtree.nbt.in

अधिक पैसा आराम दे सकता है, लेकिन शांति नहीं ला सकता

संजय कालिया

कुछ दिन पहले वृंदावन जाना हुआ। दर्शन के बाद एक विदेशी व्यक्ति से मुलाकात हुई। सहज जिज्ञासा में मैंने उनसे पूछा कि वह यहां क्यों आए हैं? उन्होंने मुस्कराकर कहा, 'मैं शांति की तलाश में आया हूं।' उनका यह सरल वाक्य मेरे मन में देर तक गूंजता रहा।

आज की तेज, प्रतिस्पर्धा भरी बेचैन दुनिया में हम जिन चीजों के पीछे भाग रहे हैं - धन, पद, प्रसिद्धि - ये हमें संतोष नहीं, केवल थकान देती हैं। भीतर कहीं एक खालीपन बना रहता है, जिसे भरने के लिए हम और अधिक पाने की कोशिश करते हैं। जबकि वास्तव में जिसे हम खोज रहे हैं, वह कोई वस्तु नहीं, बल्कि शांति है। यह शांति किसी दूर देश या तीर्थ में नहीं, हमारे अपने भीतर छिपी हुई है।

AI Image

शांति तब शुरू होती है जब हम अपने विचारों के शोर को धीमा करना सीखते हैं। जब हम शिकायतों से दूर होकर जीवन को सादगी से देखने लगते हैं। दया का एक छोटा-सा भाव, मौन का एक क्षण, एक सच्ची प्रार्थना या एक कोमल मुस्कान - ये सब भीतर संतुलन और सामंजस्य को जन्म देते हैं। शांति धैर्य और करुणा की मिट्टी में बीज की तरह धीरे-धीरे अंकुरित होती है। लेकिन हम अक्सर मान लेते हैं कि बढ़िया घर, अधिक पैसा या बड़ी उपलब्धियां हमें शांति देंगी, लेकिन ये अधिक से अधिक हमें आराम दे सकती हैं, शांति नहीं। ध्यान, प्रार्थना, गहरी सांसें और मौन इस भीतर की यात्रा के विश्वसनीय साथी हैं। जैसे हवा थमने पर दीपक की लौ अधिक उजास देती है, वैसे ही जब मन के तूफान शांत होते हैं, तो आत्मा अपनी पूरी चमक से प्रकट होती है। जैसे बादलों के पीछे सूर्य हमेशा मौजूद रहता है, वैसे ही विचारों के कोलाहल के पीछे शांति पहले से रहती है।

जब मन अपनी ही दौड़ से थककर रुकता है, तभी शांति का द्वार खुलता है। जब हम स्वयं को जैसे हैं, वैसे ही स्वीकार करना सीखते हैं, तब जीवन बोझ नहीं रह जाता- वह एक सहज और शांत अनुभव बन जाता है।

कांटे की बात

विधानसभा चुनाव के लिए SIR के बाद राज्य के वोटरों की संख्या 2.89 करोड़ घटकर 12.56 करोड़ रह गई, वहीं पंचायत चुनाव के लिए SIR के बाद ग्रामीण वोटरों की 40 लाख बढ़कर 12.69 करोड़। ये दोनों आंकड़े तो सही नहीं हो सकते।

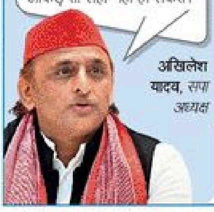

अखिलेश यादव, *सपा अध्यक्ष*

डेटा Window

ग्रीनलैंड से चीन पर निशाना साध रहे ट्रंप

डॉनल्ड ट्रंप हर हाल में ग्रीनलैंड को अमेरिका का हिस्सा बनाना चाहते हैं। वजह है रेयर अर्थ मिनरल्स की मौजूदगी, खनिज भंडार के सहारे चीन को टक्कर देना।

15 लाख टन रेयर अर्थ मिनरल्स ग्रीनलैंड में

04 लाख वर्ग किमी में 38 खनिजों के भंडार

19 लाख टन का भंडार US में, पर जरूरत ज्यादा

उत्पादन में कौन आगे (हजार टन में)

चीन	अमेरिका	म्यांमार	ऑस्ट्रेलिया	थाईलैंड+नाइजीरिया
270	45	31	13	13

ग्रीनलैंड का खजाना लुभा रहा है ट्रंप को

9.19 करोड़ टन का भंडार है पूरी दुनिया में

3.90 लाख टन उत्पादन होता है हर साल

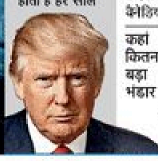

नियोडाइमियम : इलेक्ट्रिक वाहन
फेल्डस्पार : कांच व सिरेमिक
ग्रेफाइट : परमाणु रिएक्टर, लिथियम आयन बैटरी
Molybdenum : एयरोस्पेस, ऑटो
प्लैटिनम ग्रुप मेटल्स : ऑटो, इलेक्ट्रॉनिक्स, चिकित्सा उपकरण
टाइटेनियम : स्पेस, सैन्य उपकरण
वैनेडियम : जेट इंजन, विमान, परमाणु ऊर्जा

कहां कितना बड़ा भंडार (भंडार लाख मीट्रिक टन में)

देश	भंडार
चीन	440
ब्राजील	210
भारत	69
ऑस्ट्रेलिया	57
रूस	38

जनता जंक्शन

इरफान

क्यों लगती है शराब की लत, क्या है इसका साइंस

मृत्युंजय राय

भारत में शराब की खपत साल 2000 से 2019 के बीच तेजी से बढ़ी। साल 2000 में जहां प्रति व्यक्ति शराब की खपत 2.3 लीटर थी, वह 2019 में बढ़कर 5.5 लीटर हो गई। भारत आज अल्कोहलिक ड्रिंक्स का दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा बाजार है। यह बाजार करीब 35 बिलियन डॉलर का है।

2019 के एक सरकारी सर्वे में पता चला था कि 10-75 आयु वर्ग में हर सात में से एक भारतीय शराब पीता है। भारत में शराब की खपत बढ़ने की वजह आर्थिक तरक्की है। शहरीकरण भी एक कारण है। फिर बदलते लाइफस्टाइल ने भी इसमें बड़ी भूमिका निभाई है। मगर इसके दुखद पहलू भी हैं। 2019 में भारत में शराब की वजह से 3.40 लाख लोगों की जानें गईं।

'Why We Drink Too Much: The Impact of Alcohol on Our Bodies and Culture' नाम की किताब में डॉक्टर चार्ल्स नोल्स ने बताया है कि शराब की लत क्यों पड़ती है और क्यों इसकी आदत छोड़ना आसान नहीं होता। इसे बताने के लिए उन्होंने निजी संदर्भों और पॉपुलर साइंस की मदद ली है। वह अपने बारे में लिखते हैं कि शराबखोरी की वजह से उनके वैवाहिक जीवन पर बुरा असर पड़ता चला गया। वह अच्छे पिता भी नहीं रहे थे। बुरी तरह शराब पीने से उन्हें खुद का अहसास तक नहीं रहता था और खुदकुशी के खयाल तक आने लगे थे।

निजी संदर्भों की वजह से यह किताब सिर्फ विषय के साइंटिफिक पहलुओं तक सीमित नहीं रह जाती। इस वजह से उनके लेखन में भावनात्मक पहलू भी जुड़ता है। इन संदर्भों को पढ़कर रीडर यह समझ सकता है कि शराब की लत कैसे किसी व्यक्ति के निजी जीवन पर बुरा असर डालती है और यह घर के अंदर और बाहर तनाव का कारण बन जाती है। कैसे इसकी लत आपको खुद को तबाह करने की ओर ले जाती है।

चार्ल्स लिखते हैं कि शराब दुनिया का पसंदीदा ड्रग है। जश्न हो, सोशलाइजेशन हो या गम भुलाना हो, लोग इसका सहारा लेते हैं। इसलिए इससे होने वाले नुकसान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

विचार विंडो

AI Image

खैर, इस किताब में शराब छोड़ने का ज्ञान देने से चार्ल्स बचे हैं। यह बताने पर उनका अधिक जोर है कि इसका दिमाग और शरीर पर किस तरह से असर पड़ता है। वह यह भी बताते हैं कि अक्सर जो लोग सोशलाइजेशन के लिए शराब पीना शुरू करते हैं बाद में उन्हें इसकी आदत क्यों पड़ जाती है, क्यों शराब के बगैर उनका काम नहीं चलता।

उन्होंने यह भी बताया है कि क्यों कुछ लोगों को शराब पीने में आनंद आता है और क्यों कुछ लोग इसे बिल्कुल पसंद नहीं करते। किताब में यह लिखा गया है कि इसके पीछे जेनेटिक्स, माहौल और ओढ़ी हुई उम्मीदें होती हैं। चार्ल्स इसे समझाने के लिए न्यूरोसाइंस और epidemiology की मदद लेते हैं, लेकिन उन्होंने इसे ऐसी भाषा में लिखा है कि साइंस से अनजान रीडर भी इन्हें समझ सकें।

चार्ल्स ने किताब में पहले हुई रिसर्च का हवाला देते हुए बताया है कि जेनेटिक वेरिएंट्स का अल्कोहल मेटाबॉलिज्म पर क्या असर होता है। फिर स्ट्रेस और सनसनी की चाहत किस तरह से शराब की इच्छा पैदा करते हैं। यानी जो लोग बहुत अधिक शराब पीते हैं, उसका कोई एक कारण नहीं होता। चार्ल्स यह भी बताते हैं कि किस तरह से मॉडर्न कल्चर शराबखोरी को बढ़ावा देता है, जैसे- दफ्तर के आयोजन हों या जश्न का कोई भी मौका। किताब में यह भी लिखा गया है कि किस तरह से विज्ञापन की दुनिया इसका लाभ उठाती है।

चार्ल्स शराब पर प्रतिबंध के हिमायती नहीं हैं। न ही वह 30 दिनों में शराब की लत से छुटकारा दिलाने का दावा करते हैं। हां, उन्होंने ऐसे तथ्य जरूर पेश किए हैं, जिन्हें पढ़कर रीडर खुद सोचने को मजबूर हो जाए कि शराब के साथ उसका रिश्ता कैसा है।

रीडर्स मेल
www.edit.nbt.in

बाहरी हस्तक्षेप गलत

यह पत्र 10 जनवरी को प्रकाशित संपादकीय 'दूर रहे अमेरिका' से संबंधित है। बाहरी प्रतिबंध और हस्तक्षेप किसी भी देश के लिए अच्छा नहीं होता है। इससे आम जनता को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचता है। ईरान की तरह भारत भी औपनिवेशिक शोषण झेल चुका है, इसलिए वह संप्रभुता और आत्मनिर्णय के महत्व को समझता है। इस बात को रेखांकित करना होगा कि अंतरराष्ट्रीय टकराव का बोझ देश की आम जनता पर पड़ना उचित नहीं है। समस्याओं का हल युद्ध या दबाव से नहीं, बल्कि संवाद और आंतरिक सुधार से निकालना बेहतर होता है। और भारत इसे बेहतर समझता है।

प्रभात अरोड़ा, ईमेल से

nbtedit@timesofindia.com पर अपनी राय नाम-पते के साथ मेल करें।

एक समय था जब मोहम्मद सिराज 2022-23 में वनडे फॉर्मेट में दुनिया के नंबर-1 बोलर थे। अगर उन्हें दोबारा से लगातार मौके दिए जाएंगे तो मुझे पूरा विश्वास है कि वह फिर से नंबर वन बोलर की पोजिशन हासिल कर सकते हैं। -इरफान पठान, पूर्व पेसर, भारत

104.70

के स्ट्राइक रेट से 13* मैचों में 623 रन बनाए हैं भारत के शुभमन गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ ODI मैचों में। यह दोनों देशों के बीच इस फॉर्मेट में कम से कम 500 रन बनाने वाले बल्लेबाजों में सर्वाधिक स्ट्राइक रेट है

कोहली ने खेली 93 रन की पारी जिससे भारत ने पहले वनडे में न्यूजीलैंड पर दर्ज की 4 विकेट से जीत

नए साल में भी 'विराट शो' जारी

अपनी पारी के दौरान विराट कोहली

वाइट बॉल चैलेंज

■ एजेंसियां, वडोदरा: भारतीय टीम 22 दिन के ब्रेक के बाद मैदान पर थी। ब्रेक से पहले पिछले साल साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में विराट कोहली ने दो शतक लगाए थे। ब्रेक के बाद नए साल में भी विराट उसी लय में नजर आए, हालांकि वह शतक से महज सात रन से चूक गए लेकिन एक बार फिर टीम इंडिया की जीत के नायक जरूर बने। उन्होंने वडोदरा के नए मैदान पर 93 रन की आकर्षक पारी खेली जिसकी बदौलत भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले में चार विकेट से जीत हासिल कर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली।

न्यूजीलैंड ने डेरिल मिचेल (84), हेनरी निकोल्स (62) और डेवोन कॉन्वे (56) के अर्धशतकों की मदद से आठ विकेट पर 300 रन बनाए। इससे पहले सिर्फ एक बार ही साल 2010 में बेंगलुरु में खेले गए वनडे में भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ 300 प्लस के टारगेट को हासिल कर पाया था। यानी चुनौती मुश्किल थी लेकिन टॉप फॉर्म में चल रहे विराट और चोट के बाद वापसी कर रहे कप्तान शुभमान गिल व श्रेयस ने अपनी शानदार पारियों से इसे आसान बना दिया। विराट ने 44 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। पिछले पांच वनडे मैचों में यह उनकी पांचवीं फिफ्टी प्लस पारी थी। वापसी कर रहे शुभमान ने 71 गेंद प 56 रन की सूझबूझ भरी पारी खेली, वहीं श्रेयस ने 47 गेंद पर आक्रामक 49 रन बनाए जिसमें चार चौके और एक छक्का शामिल रहा। विराट-गिल के बीच 118 रन की और विराट-श्रेयस के बीच 77 रन की साझेदारी हुई। इन तीनों के आउट होने के बाद भारत ने फटाफट कुछ और विकेट गंवा दिए, जिससे भारतीय खेमे में हलचल बढ़ गई। लेकिन केएल राहुल (नॉट आउट 29 रन) और हर्षित राणा (29) ने आखिरी में 37 रन की अहम साझेदारी करके टीम की जीत पक्की कर दी। राहुल ने लगातार दो चौके और एक छक्का लगाकर भारत को छह गेंद शेष रहते 306 के टोटल तक पहुंचा दिया।

गिल ने की सतर्क शुरुआत: लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने रोहित शर्मा (26) का विकेट जल्दी गंवा दिया। लेकिन फिर कप्तान शुभमान और विराट ने पारी को संवारा। विराट पूरे अटैकिंग मोड में नजर आए। वह क्रीज पर आते ही 20 गेंद पर छह चौकों की मदद से 27 रन पर पहुंच गए। गिल ने सतर्क शुरुआत की। उन्होंने 27 गेंद पर 13 रन बनाए, लेकिन आंखें जमने के बाद उन्होंने भी पारी तेज की और 46 गेंद पर 36 रन पर पहुंच गए।

मिचेल ने संभाला एक छोर: विराट और रोहित के बाद वर्ल्ड रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज डेरिल मिचेल उम्मीदों पर खरे उतरे जिससे न्यूजीलैंड की टीम मध्य क्रम के लड़खड़ाने के बावजूद उबरने में सफल रही। कॉन्वे और निकोल्स ने आदर्श शुरुआत कराई लेकिन न्यूजीलैंड का मध्य क्रम इसका फायदा उठाने में विफल रहा। इसके बाद मिचेल ने 71 गेंद की पारी के दौरान पांच चौके और तीन छक्के लगाए।

यहां भी सबसे तेज विराट

भारतीय बल्लेबाजी के दिग्गज विराट कोहली ने रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे कम पारियों में 28,000 रन पूरे करने वाले खिलाड़ी बनने का रेकॉर्ड बनाया। इसके साथ ही वह दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए। सर्वाधिक इंटरनैशनल रन के मामले में अब उनसे आगे केवल सचिन तेंडुलकर हैं। विराट ने अपनी 624वीं पारी में यह मुकाम हासिल किया। उन्होंने यह उपलब्धि न्यूजीलैंड के लेग स्पिनर आदित्य अशोक की गेंद पर चौका जड़कर पूरी की। तेंडुलकर ने 644वीं पारी में यह आंकड़ा छुआ था, जबकि श्रीलंका के दिग्गज कुमार संगकारा, जो 28,000 रन क्लब में शामिल तीसरे खिलाड़ी हैं, ने 666वीं पारी में यह कारनामा किया था। 37 वर्षीय विराट इस मैच में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 27,975 रन बनाकर उतरे थे। तेंडुलकर ने 782 पारियों में 34,357 रन बनाए हैं, जबकि संगकारा ने 666 पारियों में 28,016 रन बनाए। फरवरी 2023 में कोहली 25,000 रन तक पहुंचने वाले सबसे तेज बल्लेबाज बने थे, जब उन्होंने 549 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। अक्टूबर 2023 में विराट ने 26,000 रन का आंकड़ा भी सबसे तेजी से पार किया। सितंबर 2024 में उन्होंने अपनी 594वीं पारी में 27,000 रन पूरे किए थे।

16 फिफ्टी प्लस पारियां खेली हैं विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में। ये सर्वाधिक है। सचिन तेंडुलकर (13) लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं

100 प्लस की पार्टनरशिप की न्यूजीलैंड के ओपनर्स ने जोकि 27 सालों में भारत में भारत के खिलाफ वनडे मैच में पहले विकेट के लिए उसकी सेंचुरी पार्टनरशिप है

इंटरनैशनल क्रिकेट में सर्वाधिक रन

रन	प्लेयर
34357	सचिन तेंडुलकर
28068	विराट कोहली
28016	कुमार संगकारा
27483	रिकी पॉन्टिंग
25957	माहेला जयवर्धने
25534	जाक कालिस
24208	राहुल द्रविड़
22358	ब्रायन लारा

स्कोरकार्ड

न्यूजीलैंड: डेवोन कॉन्वे बो राणा 56, हेनरी निकोल्स कॉ राहुल बो राणा 62, विल यंग कॉ राहुल बो सिराज 12, डेरिल मिचेल एलबीडब्ल्यू बो प्रसिद्ध कृष्णा 84, ग्लेन फिलिप्स कॉ श्रेयस बो कुलदीप 12, मिचेल हे बो कृष्णा 18, माइकल ब्रेसवेल रन आउट 16, जाक फोक्स बो सिराज 1, क्रिस्टियन क्लार्क नॉट आउट 24, काइल जेमीसन नॉट आउट 8 **एक्स्ट्राज:** 7 **टोटल:** 50 ओवर में आठ विकेट पर 300 रन **विकेट:** 1-117, 2-126, 3-146, 4-170, 5-198, 6-237, 7-239, 8-281 **बोलिंग:** मोहम्मद सिराज 8-0-40-2, हर्षित राणा 10-0-65-2, वॉशिंगटन सुंदर 5-0-27-0, प्रसिद्ध कृष्णा 9-0-60-2, कुलदीप यादव 9-0-52-1, रविंद्र जाडेजा 9-0-56-0

भारत: रोहित शर्मा कॉ ब्रेसवेल बो जेमीसन 26, शुभमान गिल कॉ फिलिप्स बो अशोक 56, विराट कोहली कॉ ब्रेसवेल बो जेमीसन 93, श्रेयस अय्यर बो जेमीसन 49, रविंद्र जाडेजा कॉ क्लार्क बो जेमीसन 4, केएल राहुल नॉट आउट 29, हर्षित राणा कॉ हे बो क्लार्क 29, वॉशिंगटन सुंदर नॉट आउट 7 **एक्स्ट्राज:** 13 **टोटल:** 49 ओवर्स में छह विकेट पर 306 रन **विकेट:** 1-39, 2-157, 3-234, 4-239, 5-242, 6-279 **बोलिंग:** काइल जेमीसन 10-1-41-4, जाक फोक्स 10-0-49-0, आदित्य अशोक 6-0-55-1, क्रिस्टियन क्लार्क 10-0-73-1, माइकल ब्रेसवेल 8-0-56-0, ग्लेन फिलिप्स 4-0-21-0, डेरिल मिचेल 1-0-7-0

स्पोर्ट्स QUIZ

इस पेज पर छपी खबरों में ही इन सवालों का जवाब है।

1. टेनिस प्लेयर आर्यना सबालेंका ने अपने करियर में कुल कितनी WTA ट्रॉफी जीती हैं?
A) 25 B) 18 C) 27 D) 22
2. आन से यंग किस देश की जानी-मानी बैडमिंटन प्लेयर हैं?
A) जापान B) साउथ कोरिया C) मलयेशिया D) थाईलैंड

कल के जवाब
1. B) माइकल ब्रेसवेल 2. D) जवागल श्रीनाथ

लकी WINNER

1. शेखर सिंघानिया गाजियाबाद, यूपी
2. राजेश्वर शर्मा विकास पुरी, दिल्ली
3. खालिद नसीम कल्याणपुर, लखनऊ

आप अपने जवाब हमें **9319282367** पर अपने नाम, तस्वीर और शहर/गांव के नाम के साथ वॉट्सऐप करें। एक 'लकी विनर' का नाम और तस्वीर हम कल के अंक में छापेंगे। दो अन्य विजेताओं के नाम भी प्रकाशित होंगे।

फटाफट खबरें

यंग ने जीता खिताब

■ कुआलालंपुर: दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी साउथ कोरिया की आन से-यंग ने चीन की वांग झीयी को 21-15, 24-22 से हराकर विमिंस सिंगल्स में लगातार तीसरा मलयेशिया ओपन खिताब अपने नाम किया। मेंस सिंगल्स में थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसर्न ने फाइनल में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी शी यूकी के चोट के कारण मैच से हटने के बाद खिताब अपने नाम किया।

दूसरे पर रहे मोर्टारा

■ मेक्सिको सिटी: एडुआर्डो मोर्टारा ने इलेक्ट्रिक रेसिंग सीरीज के दूसरे दौर में रविवार को यहां दूसरा स्थान हासिल कर महिंद्रा रेसिंग को मौजूदा फॉर्मूला-ई सीजन का पहला पोडियम स्थान दिलाया। इस भारतीय टीम के दूसरे ड्राइवर निक डी व्रीज हालांकि रेस पूरी नहीं कर सके।

कलिंगा लांसर्स जीत के साथ टॉप पोजिशन पर

लांसर्स ने शूटआउट में HIL-GC को 3-1 से दी शिकस्त

■ एजेंसियां, रांची: वेदांता कलिंगा लांसर्स ने मेंस हॉकी इंडिया लीग (HIL) में रविवार को HIL-GC को कड़ी टक्कर के बाद शिकस्त दी। नियमित समय में मुकाबला 1-1 की बराबरी पर खत्म हुआ, जिसके बाद शूटआउट में लांसर्स ने 3-1 से जीत दर्ज की। मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में नियमित समय में वेदांता कलिंगा लांसर्स के लिए अनीत यादव (19वें मिनट), जबकि HIL-GC के लिए अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स (23वें मिनट) ने गोल किए। खास बात यह रही कि पूरे मैच में लांसर्स ने एक भी पैनल्टी कॉर्नर नहीं गंवाया। इस जीत के साथ लांसर्स अंक तालिका में टॉप पोजिशन पर पहुंच गई।

हॉकी इंडिया लीग

शूटआउट बेहद रोमांचक रहा। लांसर्स के लिए आर्थर वान डोरेन ने संयम दिखाते हुए गोल किया, जबकि HIL-GC के अनीत यादव चूक गए। इसके बाद दिलप्रीत सिंह ने निर्णायक गोल दागकर लांसर्स के लिए जीत पक्की कर दी।

रांची रॉयल्स ने बंगाल टाइगर्स को हराया

रांची: रांची रॉयल्स ने अपने घरेलू दर्शकों के सामने शानदार अंदाज में पहली जीत दर्ज की। रॉयल्स ने मैच के आखिरी छह मिनट में चार गोल दागकर डिफेंडिंग चैंपियन बंगाल टाइगर्स को 4-1 से हराया। तीन क्वॉर्टर में टाइगर्स का दबदबा रहा लेकिन अंतिम क्वॉर्टर पूरी तरह रांची रॉयल्स के नाम रहा। 54वें मिनट में कप्तान टॉम बून ने टाइगर्स के खिलाड़ी से गेंद छीनी और स्कोर 1-1 कर दिया।

पहले वनडे में बांग्लादेश के अंपायर ने भी निभाई ड्यूटी

बांग्लादेश वेन्यू विवाद

शरफुद्दौला इब्ने थे टीवी अंपायर

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) और टी20 विश्व कप विवाद के बीच एक नया घटनाक्रम सामने आया है, जिसने कई लोगों की भौंहें चढ़ा दी हैं। वडोदरा में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए पहले वनडे के दौरान बांग्लादेश के अंपायर शरफुद्दौला इब्ने शाहिद सैकत भी अंपायरिंग पैनल में शामिल थे। मैच में बांग्लादेश के शरफुद्दौला बतौर टीवी अंपायर मौजूद थे। वह ICC द्वारा नियुक्त अधिकारी हैं और बिना किसी रुकावट या परेशानी के अपना काम कर रहे हैं।

यह सब ऐसे समय में हुआ है, जब BCB आगामी टी20 वर्ल्ड कप में सुरक्षा का हवाला देकर अपनी टीम के मैचों को भारत से बाहर कराने का आग्रह ICC से कर रहा है। जहां तक टी20 वर्ल्ड कप की बात है, शरफुद्दौला के अलावा बांग्लादेश के गाजी सोहेल भी टूर्नामेंट के दौरान अंपायरिंग टीम का हिस्सा होंगे।

डोनाल्ड को है भरोसा- विराट ज़रूर खेलेंगे वर्ल्ड कप में

एक्सपर्ट की राय

एलन डोनाल्ड

■ एजेंसियां, केपटाउन: साउथ अफ्रीका के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज एलन डोनाल्ड ने माना कि विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से थोड़ी जल्दी संन्यास लिया, लेकिन उनका कहना है कि इस भारतीय स्टार बल्लेबाज में इतनी भूख और जुनून है कि वह 2027 के वनडे वर्ल्ड कप तक खुद को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बनाए रखेंगे। डोनाल्ड ने आईपीएल 2014-15 सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का बोलिंग कोच रहते हुए कोहली के साथ काम किया है।

उन्होंने कोहली के वर्क इथिक्स पर जोर देते हुए कहा, 'आप जानते हैं, मैंने फिटनेस और खेल को लेकर जज्बे के मामले में किसी खिलाड़ी में विराट जितनी भूख नहीं देखी। मेरे मन में उनके लिए बेहद सम्मान है। वह खुद को फिट रखने के मामले में चैंपियन हैं। कोई भी उनके जितना मेहनत नहीं करता। वह किसी मशीन की तरह हैं। मुझे वाकई टेस्ट मैचों में उनकी कमी महसूस होती है। उन्होंने थोड़ा जल्दी संन्यास लिया, लेकिन संदेह नहीं कि हम उन्हें वनडे क्रिकेट और वर्ल्ड कप में खेलते हुए देखेंगे।'

टाटा स्टील चेस

ब्लिट्ज ओपन का खिताब वेस्ली को

■ एजेंसियां, कोलकाता: अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो ने एक दौर का खेल शेष रहते टाटा स्टील चेस इंडिया ब्लिट्ज ओपन का ओपन वर्ग का खिताब जीत लिया, जबकि रविवार को भारत के निहाल सरीन उप विजेता रहे। विमिंस कैटिगरी में अमेरिका की कारिसा यिप ने रोमांचक प्लेऑफ में खिताब जीता। भारत की वंतिका अग्रवाल रनरअप रहीं। ओपन वर्ग में वेस्ली ने 12 अंक के साथ खिताब अपने नाम किया जबकि सरीन के नाम 11 अंक रहे। भारत के ही अर्जुन एरिगैसी 11 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे। वेस्ली ने भारत के विदित गुजराती को हराया। वेई यी ने भारतीय दिग्गज विश्वनाथन आनंद को शिकस्त दी जो आठ अंक के साथ आठवें स्थान पर रहे।

सोफी ने दिलाई जायंट्स को जीत

सोफी डिवाइन

■ एजेंसियां, नवी मुंबई: सोफी डिवाइन की विस्फोटक पारी के अलावा आखिरी ओवर में उनकी गेंदबाजी की बदौलत गुजरात जायंट्स ने संडे को डब्ल्यूपीएल के रोमांचक मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 4 रनों से शिकस्त दे दी। सोफी (95 रन, 42 बॉल, 7 फोर, 8 सिक्स) की शानदार बल्लेबाजी से जायंट्स ने 20 ओवर्स में 209 रनों का विशाल स्कोर बनाया। दिल्ली की गेंदबाज नंदिनी शर्मा ने हैट्रिक समेत कुल पांच विकेट लिए। जवाब में दिल्ली की टीम ओपनर लिजेल ली (86 रन, 12 फोर, 3 सिक्स) और लॉरा वोल्वार्ट (77 रन, 38 बॉल, 9 फोर, 3 सिक्स) की उम्दा पारियों के बावजूद लक्ष्य तक पहुंचकर भी उससे थोड़ा दूर रह गई। अंतिम ओवर में सोफी ने दो विकेट झटकते हुए दिल्ली को जीत के लिए जरूरी 7 रन नहीं बनाने दिए।

सबालेंका, मेदवेदेव का खिताब पर कब्ज़ा

डेनियल मेदवेदेव

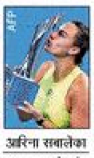

आर्यना सबालेंका

■ एजेंसियां ब्रिस्बेन: दुनिया की नंबर 1 महिला टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने मार्ता कोस्तयुक को सीधे सेटों में हराकर लगातार दूसरी बार ब्रिस्बेन इंटरनैशनल का खिताब अपने नाम किया जो उनकी कुल मिलाकर 22वीं ट्रॉफी है। वहीं, पुरुष सिंगल्स में रूस के डेनियल मेदवेदेव ने प्रतिद्वंद्वी ब्रैंडन नाकाशिमा को शिकस्त देकर इस ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमाया।

बेलारूस की आर्यना ने सिर्फ एक घंटे 17 मिनट में 6-4, 6-3 से जीत हासिल की। दूसरी ओर, मेंस सिंगल्स के फाइनल में डेनियल मेदवेदेव ने अमेरिका के ब्रैंडन नाकाशिमा को सीधे सेटों में 6-2 7-6 से हराकर खिताब जीत लिया।

स्वितोलिना ने ऑकलैंड में ट्रॉफी की अपने नाम

वेलिंगटन: यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना ने ऑकलैंड में खेले गए एएसबी क्लासिक में जीत के साथ करियर का 19वां डब्ल्यूटीए टूर खिताब अपने नाम किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त स्वितोलिना ने फाइनल में चीन की सातवीं वरीयता प्राप्त वांग शिनयू को 6-3, 7-6 से हराया। यह 13वीं रैंकिंग की स्वितोलिना का 24 फाइनल मुकाबलों में 19वां खिताब रहा।

12 राशियां और आपका दिन

ARIES 21 Mar - 19 Apr
आज के दिन बेहतर होगा कि आप अपने काम में ज्यादा ध्यान दें। दोपहर में किसी कारण आपको खुद पर कंट्रोल करना पड़ सकता है। दिनभर आलस का माहौल रहेगा। आपकी परेशानी का कारण छोटी-मोटी टेंशन है। शाम को घर में अधिक समय बिताने से आपको अच्छा लगेगा।

TAURUS 20 Apr - 19 May
आज दिनभर आपका शेड्यूल काफी बिजी रहेगा। शाम तक अच्छी खबरें मिलेंगी और आप फायदे में भी रहेंगे। प्रोफेशनल मामलों में सावधानी बरतने से होने वाले नुकसान को बचाया जा सकता है। इन्वेस्टमेंट के मामलों में आज जोखिम उठाया जा सकता है। आज के समय का लाभ उठाएं।

GEMINI 21 May - 21 Jun
आज का दिन एंटरटेनमेंट से भरा है। दोपहर तक कोई टेलीफोन कॉल के जरिए किसी खास मामले में जानकारी दे सकता है। स्टूडेंट अपना ज्यादा से ज्यादा ध्यान पढ़ाई में लगाएं तो फायदा मिलेगा। बिजनेसमैन अपने धंधे में नई तकनीकें अपना सकते हैं। जो भी कदम उठाएंगे, उसमें लाभ होगा।

CANCER 22 Jun - 22 July
आज का दिन आपके लिए स्पेशल साबित हो सकता है। किसी एक ही तरकीब पर काम करना काफी रहेगा। फिजूल की टेंशन में अपना समय बर्बाद न करें। आज कोई रिस्क वाला काम न करें। कार्यक्षेत्र में आपके कार्य कौशल की प्रशंसा होगी। आपको आज नई जिम्मेदारियां दी जाएंगी।

LEO 23 July - 22 Aug
आज का आपका दिन बहुत अच्छा बीतेगा। दिन में कोई बात या फिर दिमाग में कोई नया आइडिया हो तो फौरन किसी अपने के साथ साझा करें। रिश्तेदारों से अनबन दूर करने का समय है। दोस्तों के साथ रहने से फायदा हो सकता है। किसी खास घरवाले से कहासुनी होगी। सावधान रहें।

VIRGO 23 Aug - 22 Sep
आज आपका दिन काफी बिजी कर देने वाला होगा। सोच-समझकर उठाए गए कदम का फायदा होगा और इससे खुशी होगी। पुराने समय से चली आ रही टेंशन भी कम हो जाएगी। अगर आप दूसरों की मदद करेंगे तो आपकी मदद करने वाले भी आएंगे। ईमानदारी से जो काम करेंगे वह फलदायक रहेगा।

LIBRA 23 Sep - 22 Oct
आपको दिन के पहले हिस्से में फोन कॉल्स के जरिए आज कोई खुशखबरी मिलेगी। ऑफिस के साथी भी टीमवर्क से खुश होंगे। लेन-देन और बिजनेस में खास हो सकता है। साथ ही दिया हुआ धन आज लौटेगा। हेल्थ पर ध्यान भी देने की जरूरत है, अन्यथा आगे चलकर स्वास्थ्य संबंधी कष्ट होंगे। रोमांस के मामले में आज का दिन अच्छा है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

SCORPIO 23 Oct - 21 Nov
आज आपको दिन के पहले हिस्से में थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है। आलस्य को त्यागें। शाम तक मुनाफे के कई मौके आएंगे। घूमने-फिरने के मौके जब भी आते हैं, आप हमेशा तैयार रहते हैं। ऐसा ही मौका आज शाम भी है। आज किसी मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होंगे और अच्छे लोगों से मुलाकात भी होगी।

SAGITTARIUS 22 Nov - 21 Dec
आज आपका टाइम अच्छा है। इसका पूरा फायदा उठाएं। भविष्य से जुड़ी किसी योजना की नींव डाल सकते हैं। ऑफिस में साथियों से बहस में न उलझें। आपकी कोई इच्छा आज पूरी होगी। घूमने-फिरने से कोई जरूरी काम बन सकता है। किसी अभियान में आपकी जीत हो सकती है।

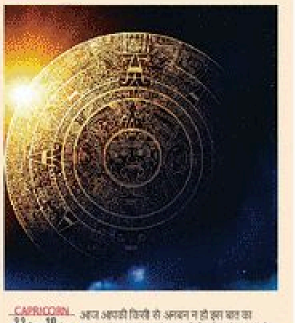

CAPRICORN 22 Dec - 19 Jan
आज आपकी किसी से अनबन न हो इस बात का ध्यान रखें। कामकाज में आपकी स्थितियां बेहतर होंगी। बिजनेस में मुनाफे की आस रहेगी और सामाजिक जिंदगी में भी कामयाबी हासिल होगी। दिनभर काम करने लायक बहुत से काम हैं लेकिन किसे करना है और किसे नहीं यह आपको सोचना है।

AQUARIUS 20 Jan - 18 Feb
आज टीमवर्क से काम करने वाला दिन है। ऑफिस में अपने साथियों के साथ मिलकर काम करने से अच्छे रिजल्ट मिलेंगे। बातचीत से कोई नया फायदे का आइडिया आ सकता है। आज के दिन अपने दोस्त के लिए तोहफा खरीदेंगे तथा अपनी जेब का खास ख्याल रखें।

PISCES 19 Feb - 20 Mar
आज का दिन आपके लिए काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। आहिस्ता-आहिस्ता आगे बढ़ने से ही फायदा होगा। अगर आप यूं ही अपनी कोशिशें जारी रखें तो अटके हुए काम भी बन जाएंगे। सबकुछ भूलकर अपने काम में जुट जाएं, शायद यह स्वार्थ का आखिरी दौर होगा। बाहर फिजूलखर्ची करने के बजाय घरवालों के साथ समय गुजारें। वाहन प्रयोग में सावधानी बरतें, वाहन अचानक खराब हो जाने से खर्च बढ़ सकता है।

क्या कहते हैं आपके नंबर

(12 जनवरी - 18 जनवरी 2026)

आचार्य नंदिता पांडे

● **मूलांक 1**
(जन्म तिथि 1, 10, 19, 28)
इस सप्ताह आपके कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी एवं आप अपने भविष्य के बारे में प्लानिंग कर कुछ ठोस निर्णय ले सकते हैं। इस सप्ताह आपको सफलता हासिल होगी और उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। आर्थिक मामलों में भी सफलता के संयोग बन रहे हैं एवं अपने घर-परिवार में ही कुछ रेनोवेशन आदि आप करवा सकते हैं। प्रेम संबंध में संघर्ष करना पड़ेगा। सप्ताह के अंत में किसी बात को लेकर मन परेशान रहेगा।

● **मूलांक 2**
(जन्म तिथि 2, 11, 20, 29)
इस सप्ताह आपकी कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी और आपको अपने प्रोजेक्ट को सफल बनाने के कई अवसर मिलते जाएंगे। आर्थिक मामलों में साधारण स्थितियां रहेंगी एवं अपने निवेशों पर कंट्रोल करके रहेंगे तो अधिक धन प्राप्ति होगी। इस सप्ताह प्रेम संबंध में आपसी मतभेद बढ़ेंगे और आपका मन बेचैन रहेगा। सप्ताह के अंत जीवन में सुख-समृद्धि प्राप्त करने के कई अवसर आपको प्राप्त होंगे।

● **मूलांक 3**
(जन्म तिथि 3, 12, 21, 30)
कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी एवं धीरे-धीरे सफलता मिलेगी। इस सप्ताह प्रोजेक्ट द्वारा सुख-समृद्धि के संयोग बनते जाएंगे, लेकिन लाभ मिलने में थोड़ा समय लगेगा। आर्थिक मामलों में व्यय अधिक हो सकते हैं। अगर आप संयम के साथ निर्णय लेंगे तो आप जीवन में सुखी रहेंगे और धन लाभ भी रहेगा। प्रेम संबंध में अचानक से सुधार आएंगे एवं मन प्रसन्न रहेगा। सप्ताह के अंत में किसी बात को लेकर मन परेशान रहेगा।

● **मूलांक 4**
(जन्म तिथि 4, 13, 22, 31)
आर्थिक मामलों के लिए यह सप्ताह शुभ सप्ताह है एवं धन लाभ की प्रबल स्थितियां बनती जा रही हैं। इस सप्ताह किसी नए निवेश से धन प्राप्ति हो सकती है। प्रेम संबंध में आपसी प्रेम बेहतर तभी होगा जब आप अपनी राय खुल कर सामने रखेंगे। कार्यक्षेत्र में साझेदारी में किए गए कार्य द्वारा कष्ट उत्पन्न हो सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध में समय अनुकूल होता जाएगा एवं आप अपने जीवन में जोश से भरे रहेंगे।

● **मूलांक 5**
(जन्म तिथि 5, 14, 23)
इस सप्ताह आपकी लव लाइफ में सुंदर संयोग बनेंगे एवं समय रोमांटिक बीतेगा। बच्चों से संबंधित सुखद समाचार भी आपको इस सप्ताह प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र में एक बहुआयामी दृष्टिकोण के साथ किसी भी निर्णय पर पहुंचेंगे तो जीवन में सुखी रहेंगे। आर्थिक मामलों में व्यय अधिक हो सकता है एवं आपको इस पूरा सप्ताह अपने निवेशों पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

● **मूलांक 6**
(जन्म तिथि 6, 15, 24)
इस सप्ताह आपको रचनात्मक कार्यों द्वारा सफलता हासिल होगी एवं मन प्रसन्न रहेगा। प्रेम संबंध में समय अनुकूल रहेगा एवं लव लाइफ को रोमांटिक बनाने में आपको किसी की मदद भी मिल सकती है। सप्ताह के अंत में किसी अपने से मिलने अस्पताल जाना पड़ सकता है।

● **मूलांक 7**
(जन्म तिथि 7, 16, 25)
प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होता जाएगा एवं लव लाइफ में आपको अपने साथी द्वारा काफी अटेंशन मिलेगी। कार्यक्षेत्र में साझेदारी द्वारा सफलता हासिल होगी एवं रचनात्मक कार्यों में आपका मन लगेगा। आर्थिक मामलों में अपनी सोच पर अडिग रहेंगे तो जीवन में सुखी रहेंगे। सप्ताह के अंत में समय अनुकूल होता जाएगा।

● **मूलांक 8**
(जन्म तिथि 8, 17, 26)
कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी एवं सुख समृद्धि के शुभ संयोग बनते जाएंगे। एक नई शुरुआत आपके जीवन में सुखद परिणाम लेकर आएगी। आर्थिक दृष्टिकोण से भी समय अनुकूल रहेगा। प्रेम संबंध में सुखद समाचार प्राप्त होगा एवं मन प्रसन्न रहेगा।

● **मूलांक 9**
(जन्म तिथि 9, 18, 27)
कार्यक्षेत्र में एक नई शुरुआत आपके जीवन में सुकून लेकर आएगी एवं प्रोजेक्ट सफलता के मार्ग में आगे बढ़ेंगे। आर्थिक मामलों में समय धीरे-धीरे अनुकूल होता जाएगा एवं धन लाभ के मौके बनते जाएंगे। इस सप्ताह प्रेम संबंध में रोमांस की भी एंट्री होगी। सप्ताह के अंत में अगर लापरवाही नहीं बरती तो जीवन में सुकून प्राप्त होगा एवं सुख-समृद्धि प्राप्त करेंगे।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

यह वर्ष रजत पाद से प्रवेश हो रहा है। वर्ष का स्वामी बृहस्पति जनवरी तक जहां आपके विशेष परिश्रम को उजागर करेगा। वहीं, फरवरी के महीने में आपको बौद्धिक प्रयासों में भी आशातीत सफलता प्राप्त होगी। मार्च-अप्रैल में कुछ जातकों को अनियोजित तरीके से धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। मई-जून में दूर व नजदीक की धार्मिक यात्रा का योग बनेगा। इस दौरान की गई यात्रा सफल होगी। जुलाई-अगस्त में मंगल ग्रह आपके कर्म क्षेत्र और व्यय पर हावी रहेगा। सितंबर में नए व्यापारिक कार्यों का आयोजन होगा। अक्टूबर अंत तक अधिकतर जातकों का भाग्य उदय अपने बुद्धि बल और पुरुषार्थ से होगा। विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष प्रतियोगिताओं में सफलता कारक रहेगा। नवंबर-दिसंबर में अविवाहितों के विवाह होंगे। विशेष परिणामों के लिए हनुमान जी की पूजा व मंगलवार का व्रत हितकारी सिद्ध होगा। -आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

कल का पंचांग (मंगलवार, 13 जनवरी 2026)

राष्ट्रीय मिति पौष 24, शक संवत 1947, माघ कृष्ण, दशमी, मंगलवार, विक्रम संवत 2082। सौर पौष मास प्रविष्टे 30, रजब 23, हिजरी 1447 (मुस्लिम) तदनुसार अंग्रेजी तारीख 13 जनवरी 2026 ई.। सूर्य उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु। राहुकाल दोपहर 3 बजे से 4 बजकर 30 मिनट तक। दशमी तिथि अपराह्न 3 बजकर 18 मिनट तक उपरांत एकादशी तिथि का आरंभ। चंद्रमा दिन-रात तुला राशि पर संचार करेगा। आज के व्रत त्योहार-मकर में बुध, बुध विक्रम।

सुडोकू

4	6	2		8	9			
		8						9
				5	7	4		
	4	5						2
		7				9		
9						7	8	
		1	7	2				
7						1		
			3	9		8	4	7

TELEVISION

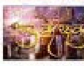

big magic

09:00 बबलू डबलू
10:00 बहुत बढ़कर
11:00 रुद्र के रक्षक
11:30 अलादीन
12:00 चक्रधारी अजेय कृष्ण
13:30 भ से भाई
14:00 हम पांच
15:00 अजब देश की गजब कहानी
16:30 प्यार मोहब्बत हैपी लाइफ
18:30 रुद्र के रक्षक
21:00 वीरा

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 12-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH12 User: cci Time: 01-11-2026 20:26 Color:

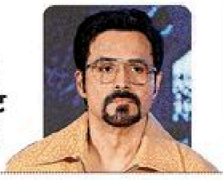

इमरान हाशमी ने कहा, धुरंधर जैसी फिल्मों को सेलिब्रेट किया जाना चाहिए

नवभारत टाइम्स NBT Delhi Times OF INDIA masala mix

MONDAY, JANUARY 12, 2026 ADVERTORIAL, ENTERTAINMENT, PROMOTIONAL FEATURE

अदा शर्मा ने इंडस्ट्री में आने वाले न्यूकमर्स को दिए टिप्स

@adah_ki_adah

अदा शर्मा ने फिल्म इंडस्ट्री में आने वाले न्यूकमर्स को सफलता के टिप्स दिए हैं। उनका कहना है कि फिल्म इंडस्ट्री उतार-चढ़ाव से भरी हुई है, ऐसे में नए लोगों को बस फोकस बनाए रखना है और पॉजिटिव सोच के साथ आगे बढ़ते रहना है। एक बातचीत में उन्होंने कहा, 'न्यूकमर्स को मेरी सलाह है कि अगर वे इंडस्ट्री जॉइन करना चाहते हैं, तो उन्हें मुश्किलों के दौर में भी डटकर खड़ा रहना चाहिए। इंडस्ट्री में बहुत सारे उतार-चढ़ाव हैं। आप सिर्फ फाइनल मूवी देखते हैं, लेकिन उस मूवी या रोल तक पहुंचने के लिए कई ऑडिशंस देने पड़ते हैं, कई रिजेक्शन झेलने पड़ते हैं, कई दिन बिना काम के गुजरते हैं और कई सालों तक इंतजार करना पड़ता है।'

उन्होंने आगे कहा, 'इन तमाम मुश्किलों के बाद शायद एक ब्रेक मिलता है लेकिन वह कब मिलेगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है। एक फिल्म सुपरहिट होने के बाद भी अगली फिल्म कब मिलेगी, यह भी पता नहीं होता। ऐसे में मन को मजबूत रखना बहुत जरूरी है। इंडस्ट्री में सफलता की कोई निश्चित समय सीमा नहीं होती और रिजेक्शन आम बात है।' अदा ने यह भी सुझाव दिया कि नए लोग संगीत आदि ऐसे भी शौक जरूर रखें, जो मन को शांत रखने में मदद करते हैं।'

मेरी बेटी बचपन से ही समझदार रही है: महिमा

रेखा खान

बेटी अरीना के साथ महिमा चौधरी

महिमा चौधरी ने हमसे बातचीत में सिंगल पैरेंटिंग की चुनौतियों पर बात करते हुए कहा, 'मेरी बेटी अपने ग्रैंड पैरेंट्स के साथ पली-बढ़ी है, तो उसकी इतनी डिमांड्स नहीं होतीं। बचपन से वह समझदार है। उसको ऐसा लगता था कि मेरे पास पैसे नहीं हैं। असल में मैं ही उसे समझाया करती थी कि बेटा हम यह नहीं कर सकते, हमारे पास पैसे नहीं हैं। जब वह बहुत छोटी थी तो बहुत सा सामान चुनने के बाद भी जरूरत का ही सामान लेती थी।'

'कहानियां वही याद रहती हैं जो दिल छू लें'

@randeephooda

रणदीप हुड्डा

रणदीप हुड्डा को कई बार बड़े-बड़े मंचों पर हरियाणवी में बात करते हुए देखा गया है। अब रणदीप ने अपनी जड़ों से जुड़े रहने की अहमियत पर बात की है। उन्होंने कहा कि उनके लिए भाषा और संस्कृति कोई बाधा नहीं बल्कि अपनी पहचान को आकार देने का एक साधन रही है। उन्होंने कहा, 'मेरा हमेशा से मानना रहा है कि समय के साथ आगे बढ़ते हुए हमें अपनी जड़ों को थामे रखना चाहिए। मेरे लिए भाषा और संस्कृति कोई रुकावट नहीं, बल्कि वे साधन हैं जो हमारी पहचान को एक आकार देती हैं और यह तय करती हैं कि हम दुनिया को कैसे देखते हैं।'

'क्षेत्रीय भाषाओं का सम्मान करने वाली कहानियों की जरूरत है'

इस बातचीत के दौरान रणदीप ने माना कि जो कहानियां क्षेत्रीय भाषाओं में होती हैं वही लोगों को याद रहती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी कहानियों की जरूरत है। बकौल रणदीप, 'जो कहानियां हमारे साथ सबसे लंबे समय तक रहती हैं, वे वही होती हैं जो अपनी सी लगें, जिन्हें हमने महसूस किया हो और जो सच्चाई से निकली हों। क्षेत्रीय भाषाओं और सांस्कृतिक पहचान का सम्मान करने वाली कहानियों से जुड़ना मेरे लिए स्वाभाविक है क्योंकि यह उन मूल्यों को दर्शाता है जिन्हें मैं हमेशा से अपने साथ लेकर चला हूं।'

पत्नी लिन संग रणदीप हुड्डा

जल्द ही पैरेंट्स बनने वाले हैं रणदीप-लिन

निजी जिंदगी की बात करें तो रणदीप और उनकी पत्नी लिन लैशराम जल्द ही पैरेंट्स बनने वाले हैं। पिछले महीने कपल ने सोशल मीडिया पर अपने हैंडल से इसकी घोषणा की थी। एक साझा पोस्ट में उन्होंने लिखा था, 'दो साल का प्यार, रोमांस, और अब एक नन्हा सा वाइल्ड बन हमारी जिंदगी में आने वाला है।'

NBT कम्युनिटी कनेक्ट

गुर्जर समाज के लिए रिश्ते जोड़ने और सामूहिक सेवा का पर्व है मकर संक्रांति

Mohit.Chandela@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: मकर संक्रांति का पर्व देशभर में उल्लास और आस्था के साथ मनाया जाता है, लेकिन गुर्जर समाज में यह पर्व सिर्फ मौसम के बदलाव का संकेत नहीं, बल्कि रिश्तों को जोड़ने, बुजुर्गों का मान बढ़ाने और सामूहिक सेवा का उत्सव भी है। परंपरा और आधुनिकता के संगम में गुर्जर समाज आज भी उन रीतियों को जीवित रखे हुए है, जो पीढ़ियों से संस्कारों का आधार रही हैं।

> समाज के लोगों ने बताया दान-पुण्य कर मनाया जाता है संक्रांति का त्योहार

गुर्जर समाज से जुड़े हितेंद्र डेढ़ा ने बताया कि संक्रांति की सुबह घरों में विधिवत पूजा-अर्चना होती है। भोजन में खीर और मलीदा विशेष रूप से बनाए जाते हैं, हालांकि समय के साथ कचौड़ी, मीठे पुए और पकौड़े जैसे व्यंजन भी शामिल हो गए हैं। इस दिन का सबसे भावुक पक्ष वह परंपरा है, जिसमें घर की बहुएं दादा-दादी, बुआ-फूफा, सास-ससुर, जेठ-जेठानी जैसे बड़े-बुजुर्गों को कपड़े, रुपये और मिठाई भेंट कर गीत गान के साथ उनका सम्मान करती हैं।

गुर्जर समाज में मकर संक्रांति का एक अनोखा सामाजिक पक्ष भी है- रूठने की परंपरा। मान्यता है कि इस दिन बुजुर्गों का रूठना शुभ होता है और उन्हें मनाना रिश्तों में नई मिठास घोलता है। रूठे बुजुर्गों को नए कपड़े और उपहार देकर मनाया जाता है। समाज के लोगों ने कहा कि दिल्ली के शहरीकरण के बीच भी कुछ गांव ऐसे हैं, जो अपनी जड़ों से जुड़े हैं। पूर्वी दिल्ली का चिल्ला गांव इसका जीवंत उदाहरण है। हितेंद्र डेढ़ा बताते हैं कि गांव के केंद्र में स्थित प्राचीन शिव मंदिर में हर साल संक्रांति पर विशाल भंडारे का आयोजन होता है, जिसमें गांव वाले दूध, देसी घी, चावल और अन्य खाद्य सामग्री के साथ आर्थिक सहयोग भी देते हैं।

घर की बहुएं अपने बड़े और बुजुर्गों का गीत गाकर सम्मान करती हैं

- सुबह पूजा के बाद घरों में खीर-मलीदा के साथ कचौड़ी, मीठे पुए, पकौड़े का भी चलन
- ऐसी मान्यता है कि इस दिन रूठे बुजुर्गों को नए कपड़े और उपहार देकर मनाया जाता है

संक्रांति के दिन मंदिर में सीता-राम का पाठ होता है। मंत्र-पाठ के बाद लड़के देसी घी के हलवे का वितरण किया जाता है। सुबह होते ही पूरा गांव खीर के लिए दूध लेकर मंदिर पहुंचता है। भोग अर्पित करने और कन्याओं को प्रसाद खिलाने के बाद भंडारे की शुरुआत होती है। आज भी यहां प्राकृतिक पत्तलों पर प्रसाद परोसा जाता है- खीर, पूड़ी और सब्जी के साथ।

मान्यता है कि संक्रांति के दिन मनाया गया हर मनमुटाव आसानी से मिट जाता है। चिल्ला गांव और गुर्जर समाज की ये परंपराएं बताती हैं कि समय बदले, शहर बदले, लेकिन संस्कार और संबंध आज भी उतने ही मजबूत हैं।

सीपी के सेंट्रल पार्क में मनेगा उत्तरैणी पर्व

Poonam.Bisht@timesofindia.com

■ नई दिल्ली : उत्तराखंड की लोक संस्कृति के अहम पर्व उत्तरैणी-मकरैणी को इस बार दिल्ली-एनसीआर में भव्य तरीके से मनाने की तैयारी है। पर्वतीय लोकविकास समिति इस बार कनॉट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क में इसका आयोजन करने जा रही है। शनिवार शाम प्रेस क्लब में इस बारे में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि यह आयोजन पर्वतीय लोकविकास समिति सुखी परिवार फाउंडेशन एवं विभिन्न प्रवासी पर्वतीय संस्थाओं के सहयोग से करने जा रही है।

पर्वतीय लोकविकास समिति ने की इसे लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस

> उत्तराखंड की लोक संस्कृति के पर्व का 14 जनवरी को होगा आयोजन

पर्वतीय लोकविकास समिति के परामर्शदाता एवं राष्ट्रीय उत्तरैणी स्वागत समिति के अध्यक्ष, सीए राजेश्वर पैन्यूली ने बताया कि यह आयोजन दिल्ली में होने वाले अन्य आयोजनों से अलग और विशिष्ट होगा। उत्तरैणी अभियान के संयोजक प्रो. सूर्य प्रकाश सेमवाल ने बताया कि राष्ट्रीय उत्तरैणी महोत्सव 2026 में प्रो. राकेश भट्ट के निर्देशन में पौराणिक 'पांडव कथा - चक्रव्यूह' का मंचन होगा। साथ में सृष्टि रक्षा एवं समरसता महायज्ञ होगा। इसके अलावा छात्र-छात्राओं के लिए चित्रकला एवं रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता होगी। भारत के विभिन्न राज्यों के लोकनृत्य एवं लोकगीतों की प्रस्तुति होगी।

वहीं न्यू अशोक नगर में श्री गुरु माणिक नाथ सर्वजन कल्याण समिति कालीबाड़ी मंदिर में 14 जनवरी को उत्तरैणी मकरैणी का आयोजन करने जा रही है। समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह भंडारी ने बताया कि दिल्ली में उनका संगठन पिछले 10 वर्षों से इस महापर्व का आयोजन कर रहा है।

फूल फूल बोलू के बुरांस बोलू... जैसे खास गीतों ने बांधा समां

■ एनबीटी रिपोर्ट

घुघुती फाउंडेशन की ओर से दिल्ली के मयूर विहार फेज-3 स्थित रेडफॉक्स पार्क में 9 से 11 जनवरी तक हुए तीन दिवसीय 'राज्योत्सव' सांस्कृतिक कार्यक्रम में एक से बढ़कर एक कलाकारों ने हर शाम प्रस्तुतियां दीं। शुक्रवार सुबह कार्यक्रम का शुभारंभ घुघुती फाउंडेशन के नागेंद्र दत्त शर्मा ने दीप जलाकर किया।

> तीन दिवसीय 'राज्योत्सव' में नरेंद्र सिंह नेगी ने दी प्रस्तुति

सुबह के सत्र में उत्तराखंडी भजन कीर्तन मंडली प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें उत्तराखंड कीर्तन मंडली न्यू कोंडली दिल्ली की टीम पहले स्थान पर रही। शुक्रवार शाम गढ़ रत्न नरेंद्र सिंह नेगी ने अपने गीतों से समां बांधा। उन्होंने "धरती हमरा गढ़वाल की" से प्रस्तुति शुरू की और उसके बाद त्रियुगीनारायण, यखी पहाड़ी मा नड़ु ह्वे गे भारी, फूल फूल बोलू के बुरांस बोलू, लागी बडुली जैसे एक से बढ़कर एक सुपरहिट गीत सुनाए। इसके अलावा अनिल बिष्ट ने हनुमंत बलबीरा, ऐजा ए भानुमति पाखी बजारा जैसे मंत्रमुग्ध गीतों से समां बांध दिया।

मयूर विहार फेज-3 के रेडफॉक्स पार्क में 9 से 11 जनवरी तक हुआ आयोजन

वहीं शनिवार शाम इंदर आर्य, सौरभ मैठाणी ने प्रस्तुति दी। घुघुती फाउंडेशन के आयोजकों ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य उत्तराखंड की समृद्ध लोक संस्कृति, लोक संगीत और परंपराओं को देश की राजधानी में सहेजना एवं प्रचारित करना है।

कौथिग में दिखे पहाड़ी संस्कृति के कई रंग

Poonam.Bisht@timesofindia.com

■ नई दिल्ली : उत्तराखंडी समाज में मेले यानी कौथिग सांस्कृतिक आदान-प्रदान का एक अहम अवसर हुआ करते हैं। ऐसा ही मौका इस शनिवार और रविवार को आरके पुरम में मिला जहां दिल्ली के कोने कोने से उत्तराखंडी लोगों ने पहुंचकर पहाड़ी गीत संगीत, खान पान का आनंद लिया और पहाड़ी उत्पादों की खरीदारी की। कौथिग का आयोजन आरके पुरम उत्तराखंड सांस्कृतिक एवं भ्रातृ मंडल ने 11 और 12 जनवरी को सेंट्रल पार्क सेक्टर-12 आरके पुरम में किया। शनिवार शाम गढ़वाली कवि सम्मेलन भी किया गया। इसमें वरिष्ठ साहित्यकार दिनेश ध्यानी, चन्दन प्रेमी, पयाश पोखड़ा, दर्शन सिंह रावत व डॉ सुशील सेमवाल ने कविता पाठ किया। इस अवसर पर स्थानीय विधायक अनिल शर्मा, सांसद बांसुरी स्वराज, पार्षद धर्मवीर सिंह व नई दिल्ली लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारी डाक्टर विनोद बछेती समेत कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित हुए। आयोजन समिति के भाष्करानंद कुकरेती, अध्यक्ष सुनील पोखरियाल, सचिव मोहन सिंह बिष्ट, उपाध्यक्ष दिनेश चंद्र सिंह, मुकेश सुन्दरियाल, पद्मा रावत पोखरियाल, राकेश पोखरियाल, राजीव डोबरियाल, चन्दन असवाल, हरेंद्र कठैत, सुरेश डिमरी, दिनेश जोशी समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

11-12 जनवरी को हुआ कार्यक्रम

> आरके पुरम में संपन्न हुआ दो दिवसीय उत्तराखंडी मेला

बुक फेयर में हुई बीहनि कथा गोष्ठी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: रविवार को कथा धारा द्वारा प्रगति मैदान दिल्ली स्थित भारत मंडपम के एम्फी थियेटर-2 में मैथिली बीहनि कथा गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार नारायण झा ने की, जबकि संचालन वंदना झा ने किया। काशी मिश्र ने टिस, जगदानन्द मनु ने लव, अनिता मिश्र ने सासुर, वंदना मिश्र न बेटी दिवस, कुंदन कर्ण ने SOG, नवागंतुक रचनाकार आशुतोष आनन्द ने चाय रचना का पाठ किया। अंत में नारायण झा ने पहली बार बीहनि कथा पाठ कर अगला आयोजन कोलकाता में करने की घोषणा की। अधिवक्ता मुकेश आनन्द के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

भारत मंडपम में हुआ आयोजन

दिल्ली की धरती पर गूंजे उत्तराखंड के पारंपरिक गीत

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

कुमाऊं सांस्कृतिक कला मंच की ओर से उत्तरैणी पर्व के पावन उपलक्ष्य पर 29वें उत्तरैणी कौथिक एवं उत्तराखण्ड के लोकगीत-लोकनृत्यों पर आधारित उत्तरैणी गीतमाला का भव्य आयोजन बुराड़ी में पारंपरिक उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस मौके पर लोक गायक राकेश खनवाल, लोक गायिका कल्पना चौहान, रोहित चौहान और दीपा नगरकोटी की प्रस्तुतियों से दिल्ली की धरती पर पहाड़ की संस्कृति को जीवंत कर दिया। मौके पर उत्तराखंडी व्यंजन और पारंपरिक उत्पादों के स्टॉल भी आकर्षण का केन्द्र रहे।

कार्यक्रम का उद्घाटन समाजसेवी देवेन्द्र जोशी, भारती जोशी, तेज सिंह नेगी, योगगुरु तारा दत्त पाण्डेय, पूरनचन्द्र काण्डपाल, ललित पांडेय, राजीव दुबे, संजीव कुमार, चंचल त्यागी, संस्था के अध्यक्ष दिनेश चंद्र भट्ट और संस्था के संस्थापक खीम सिंह रावत ने किया। इस मौके पर गिरीश जोशी ने कहा कुमाऊं सांस्कृतिक कला मंच समय-समय पर कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। वहीं, संस्था के संस्थापक खीम सिंह रावत ने कहा कि संस्था की स्थापना का उद्देश्य नई पीढ़ी को अपने त्योहारों, संस्कृति और परंपराओं से जोड़ना है। संस्था के अध्यक्ष दिनेश चंद्र भट्ट ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समृद्ध संस्कृति समाज का दर्पण होती है। कार्यक्रम का समापन भी गुड़ के वितरण से हुआ।

मंदिर तोड़ने वाले इतिहास के पन्नों में सिमटे, सोमनाथ अब भी खड़ा: मोदी

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर प्रधानमंत्री ने कहा- लोगों का दिल तलवार की नोक पर नहीं जीता जा सकता

■ पीटीआई, सोमनाथ (गुजरात)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि गुजरात के सोमनाथ मंदिर का इतिहास हमारे पूर्वजों की वीरता का गीत है। उन्होंने कहा कि मंदिर पर बार बार हमला करने वाले आक्रमणकारी अब इतिहास के पन्नों में सिमट गए हैं, लेकिन सोमनाथ आज भी शान से खड़ा है। जैसे मंदिर को नष्ट करने की कोशिश की गई, उसी तरह विदेशी आक्रमणकारियों ने कई सदियों तक भारत को तबाह करने की कोशिश की, लेकिन न तो सोमनाथ झुका और न ही देश।

मोदी ने कहा, 'आक्रमणकारी आते रहे और धर्म पर आतंकी हमले जारी रहे। लेकिन हर दौर में सोमनाथ का पुनर्निर्माण हुआ।' मोदी ने कहा, सोमनाथ पर हमलों की शुरुआत 1026 में महमूद गजनी के हमले से हुई। 17वीं और 18वीं शताब्दी में औरंगजेब के हमलों तक जारी रही। उन्होंने कहा कि महमूद बेगड़ा और औरंगजेब ने आक्रमण के दौरान मंदिर का स्वरूप बदलने की कोशिश भी की। लेकिन हर हमले के बाद अहिल्याबाई होलकर समेत अन्य शिव भक्तों ने पुनर्निर्माण किया।

> सोमनाथ का 1,000 वर्षों का इतिहास विजय और पुनर्निर्माण का है: पीएम मोदी

'इतिहास छुपाने को लिखी गई किताबें': प्रधानमंत्री ने कहा कि सोमनाथ मंदिर पर हमले नफरत से प्रेरित थे, लेकिन इसे केवल लूटपाट के रूप में पेश करने की कोशिश की गई। मोदी ने कहा, धार्मिक उद्देश्य को छुपाने के लिए किताबें लिखी गईं, जिनमें इसे महज सामान्य लूटपाट के रूप में दर्शाया गया। अगर आक्रमण केवल लूटपाट के लिए होते, तो 1,000 साल पहले हुई पहली बड़ी लूट के बाद ही वे रुक गए होते। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सोमनाथ के पवित्र देवता का अपमान किया गया। मंदिर के स्वरूप बदलने के बार-बार प्रयास किए गए। और हमें यह सिखाया गया कि सोमनाथ को लूट के लिए नष्ट किया गया था। नफरत, अत्याचार का सच्चा इतिहास छुपाया गया।

> आक्रमणकारियों ने सोचा कि मंदिर नष्ट करके उन्होंने जीत हासिल कर ली, लेकिन 1000 साल बाद भी सोमनाथ का झंडा शान से लहरा रहा है। इतिहास में इन 1,000 वर्षों के संघर्ष की कोई बराबरी नहीं - नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

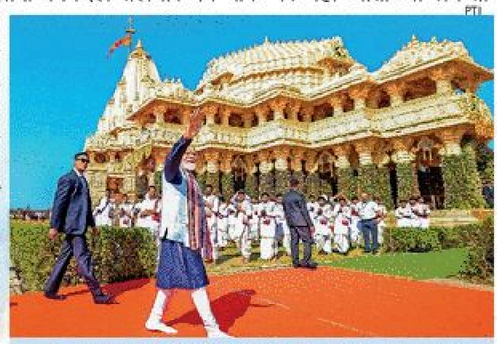

PTI

प्रधानमंत्री ने सोमनाथ में 'शौर्य यात्रा' में भाग लिया। मोदी के हाथ में एक डमरू था, जिसे उन्होंने यात्रा की शुरुआत में थोड़ी देर बजाया और फिर सुरक्षाकर्मियों को सौंप दिया। प्रधानमंत्री ने एक खुली छत वाली गाड़ी से इस भव्य यात्रा का अवलोकन किया।

PM बोले- कच्छ, सौराष्ट्र में निवेश का सही समय है

Suraj.Singh@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** प्रधानमंत्री मोदी ने राजकोट के मारवाड़ी विश्वविद्यालय में 'विकसित गुजरात से विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने वाली पांच दिन के बिजनेस एग्जिबिशन 'वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस: कच्छ एवं सौराष्ट्र' की शुरुआत की। इस दौरान देश और दुनिया से पहुंचे इन्वेस्टर्स से अपील की कि 'कच्छ और सौराष्ट्र में निवेश का यही समय है, सही समय है।' उन्होंने गुजरात की बढ़ती औद्योगिक शक्ति और तकनीक प्रगति की तारीफ की। पीएम ने कहा कि स्क्रू ड्राइवर से लेकर रॉकेट तक के पार्ट्स राजकोट में बनते हैं। शहर मॉडर्न मैन्युफैक्चरिंग का बड़ा हब बन रहा है। कच्छ में दुनिया का सबसे बड़ा हाइब्रिड पार्क बन रहा है, जो पेरिस से पांच गुना बड़ा है। इस मौके पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि आज महाजन, प्रजाजन और प्रशासन के सहयोग से गुजरात आगे बढ़ रहा है। देश के विकास का ग्रोथ इंजन गुजरात बना है।

वाइब्रेंट गुजरात: मोदी ने राजकोट में पांच दिन के बिजनेस एग्जिबिशन 'वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस: कच्छ एवं सौराष्ट्र' की शुरुआत की।

गुजरात में 7 लाख करोड़ का निवेश करेगा रिलायंस

कॉन्फ्रेंस में बिजनेसमैन मुकेश अंबानी ने कहा कि रिलायंस गुजरात में अगले पांच वर्षों में करीब 7 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा। यह निवेश उद्योग, तकनीक, डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, हेल्थ और एजुकेशन के क्षेत्रों में होगा। इस निवेश से लाखों नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे और भारत की आर्थिक ताकत और मजबूत होगी। कहा, जामनगर में देश का सबसे बड़ा AI रेडी डेटा सेंटर तैयार किया जा रहा है। इसका लक्ष्य हर भारतीय के लिए सस्ता और सुलभ AI उपलब्ध कराना है।

कच्छ में पांच साल में अदाणी समूह भी करेगा बड़ा निवेश

उद्यमी करण अदाणी ने कहा कि अदाणी समूह अगले पांच वर्षों में गुजरात के कच्छ क्षेत्र में 1.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा। कहा, अगले 10 वर्षों में मुंद्रा में बंदरगाह क्षमता को भी दोगुना किया जाएगा।

शांति में मोदी की वैश्विक भूमिका: यूक्रेनी राजदूत

कार्यक्रम में भारत में यूक्रेन के राजदूत डॉ. ओलेक्सांद्र पोलिशचुक ने मोदी की तारीफ की। उन्होंने कहा, मोदी वैश्विक नेता बन चुके हैं जो दुनियाभर, खासकर यूक्रेन में शांति के लिए अहम भूमिका निभा रहे हैं।

नॉक किए बिना आया वेटर, होटल देगा मुआवजा

■ NBT रिपोर्ट, चेन्नै: चेन्नै के एक कंज्यूमर कोर्ट ने उदयपुर के लग्जरी होटल द लीला पैलेस को प्रेग्नेंट महिला की प्राइवेसी के उल्लंघन के मामले में सेवा में कमी का दोषी ठहराया। होटल को 10.65 लाख रुपये मुआवजा और रिफंड देने का आदेश दिया गया है। TOI के अनुसार, डिस्ट्रिक्ट कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमीशन, चेन्नै (नॉर्थ) ने 16 दिसंबर को यह आदेश दिया। पीड़िता के मुताबिक, होटल के हाउसकीपिंग स्टाफ ने मास्टर चाबी का इस्तेमाल कर गैरकानूनी तरीके से उनके कमरे में प्रवेश किया, जब वह पति के साथ वॉशरूम में थी।

उत्तराखंड में किसान ने जान दी, गरमाई सियासत

■ NBT रिपोर्ट, देहरादून : ऊधमसिंह नगर में एक किसान की गोली मारकर आत्महत्या से उत्तराखंड की सियासत गरमा गई है। घटना नैनीताल जिले के एक होटल की है। स्यूसाइड से पहले फेसबुक पर लाइव आकर किसान ने पुलिस अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए। विडियो में वह 4 करोड़ रुपये के कथित जमीन फर्जीवाड़े की शिकायत कर रहा है। किसान की पहचान काशीपुर निवासी सुखवंत सिंह (40) के रूप में हुई। घटना के वक्त होटल में किसान का परिवार भी था। मामले ने तूल पकड़ा तो सीएम पुष्कर सिंह धामी ने मैजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए।

प्रभास की फिल्म 'द राजा साब' की स्क्रीनिंग में आग

■ NBT रिपोर्ट: ओडिशा के रायगढ़ा जिले में स्थित एक थिएटर में शुक्रवार शाम अभिनेता प्रभास की फिल्म 'द राजा साब' की स्क्रीनिंग के दौरान आग लग गई। सूत्रों के अनुसार, जब साउथ इंडियन सुपरस्टार प्रभास ने स्क्रीन पर एंट्री की तो कुछ फैंस ने स्क्रीन के सामने आरती की। बताया जा रहा है कि आरती की थाली किसी के हाथ से फिसलकर स्क्रीन के पास पड़े कागजों पर गिर गई, जिससे उनमें आग लग गई। हालांकि, स्थिति को जल्द ही काबू में कर लिया गया।

सरकार, इंडस्ट्री और ट्रेड यूनियन बैठेंगे साथ

Akhilesh.Singh1@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** देश के 29 श्रम कानूनों की जगह लेने वाले 4 लेबर कोड लागू कर चुका श्रम एवं रोजगार मंत्रालय जल्द ही मजदूर संघों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श करने की तैयारी में है। यह कदम इंडियन लेबर कॉन्फ्रेंस (ILC) के तहत उठाया जाएगा। यह इस मायने में खास है कि ILC का आयोजन 2015 के बाद से अब तक नहीं हो सका है और तमाम ट्रेड यूनियनें इसे लेकर सवाल करती रही हैं। एक अधिकारी ने बताया, 'श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने ILC का आयोजन जल्द कराने के लिए निर्देश दिए हैं। संबंधित पक्षों से इस बारे में संपर्क किया जा रहा है। वर्कर्स और इंडस्ट्री के साथ विचार-विमर्श होगा। लेबर कोड और वेतन आयोग सहित सभी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा होगी।' सरकार ने लेबर कोड के ड्राफ्ट रूल्स 30 दिसंबर को प्री-पब्लिश करने के बाद पब्लिक की प्रतिक्रिया लेने के लिए 45 दिनों का समय तय किया है।

> लेबर कोड के खिलाफ 10 सेंट्रल ट्रेड यूनियनों ने 12 फरवरी को हड़ताल का ऐलान किया

हिंद मजदूर सभा के महासचिव हरभजन सिंह सिद्धू ने NBT से कहा, 'भारत इंटरनैशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन का संस्थापक सदस्य है, लेकिन हाल यह है कि 2015 से ILC की बैठक नहीं बुलाई गई है। श्रम संघों से बात किए बिना 4 लेबर कोड लागू करने का ऐलान कर दिया गया।' RSS से संबंधित भारतीय मजदूर संघ (BMS) ने भी इसी महीने मांडविया से मिलकर ILC जल्द कराने की मांग उठाई थी। ILC राष्ट्रीय स्तर पर एक त्रिपक्षीय मंच है। इसमें सरकार के अलावा ट्रेड यूनियनें और इंडस्ट्री के प्रतिनिधि होते हैं। इसे मजदूरों और इंडस्ट्री से जुड़ी चुनौतियों पर मिलजुलकर चर्चा करने के लिए बनाया गया था। इसका पिछला 46वां सम्मेलन जुलाई 2015 में हुआ था।

10 सेंट्रल ट्रेड यूनियनों ने लेबर कोड के विरोध में 12 फरवरी को देशभर में हड़ताल का ऐलान किया है। संयुक्त किसान मोर्चा और जॉइंट फ्रंट ऑफ एग्रीकल्चरल वर्कर्स ने भी इसे समर्थन दिया है।

बजट में केंद्र से ज्यादा पैसा क्यों मांग रहे राज्य?

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

AI Image

लगातार दो तिमाहियों में हैल्दी GDP ग्रोथ के बाद हाल में केंद्र सरकार ने मौजूदा वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था के 7.4% की रफ्तार से बढ़ने का अनुमान दिया। इस बीच, राज्य कह रहे हैं कि उनकी कमाई घट रही है। आगामी आम बजट से पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ एक अहम बैठक में राज्यों ने कहा कि उन्हें विशेष मदद दी जाए।

GST का असर: 22 सितंबर को GST दरें घटी थीं। SBI रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक, इसके चलते वित्त वर्ष में राज्यों और केंद्र का कुल लॉस 1.11 लाख करोड़ रुपये का हो सकता है, लेकिन कम रेट के चलते उपभोग बढ़ने से नेट लॉस कम रहेगा। शनिवार को हुई प्री-बजट मीटिंग में विपक्ष शासित राज्यों ने यह मुद्दा उठाया।

सेस का मसला: एक बड़ा मुद्दा सेस और सरचार्ज का भी है। राज्यों को केंद्र के टैक्स रेवेन्यू का 41% हिस्सा मिलता है, लेकिन सेस, सरचार्ज में उनका हिस्सा नहीं होता। राज्यों ने कहा, कुछ हिस्सा उन्हें दिया जाए।

केंद्रीय योजनाओं का मुद्दा: केंद्र की नई योजनाओं में राज्यों की बढ़ी हिस्सेदारी, लोन सीमा बढ़ाने और प्राकृतिक आपदाओं के लिए विशेष पैकेज की मांग भी की गई।

DBT का असर: कई राज्य सरकारें चुनावी वादों के मुताबिक लोगों को डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर (DBT) के जरिए पैसे दे रही हैं। DBT स्कीमों पर बढ़ते खर्च से राज्यों के राजस्व घाटे और विकास कार्यों पर असर पड़ने की चिंता भी जताई गई।

NBT AI टाइम मशीन

आज है राष्ट्रीय युवा दिवस

आज के दिन भारत में हर साल राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया जाता है। ये दिन स्वामी विवेकानंद की जयंती भी है। स्वामी जी का मानना था कि युवाओं की ऊर्जा से ही देश का भविष्य बदल सकता है। भारत सरकार ने 1984 में इस दिन की घोषणा की थी। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को स्वामी के आदर्शों और 'उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए' जैसे विचारों के लिए प्रेरित करना है।

NBT

Front Page-2

नवभारत टाइम्स। नई दिल्ली

सोमवार, 12 जनवरी 2026

भविष्य में बढ़ेगी युवाओं की भूमिका

ChatGPT के अनुसार, भविष्य में दुनिया की सबसे बड़ी युवा शक्ति भारत के पास होगी, जो काम, तकनीक और फैसलों में आगे रहेगी। युवा सिर्फ नौकरी नहीं करेंगे, बल्कि नौकरी देने वाले भी बनेंगे। भविष्य का भारत AI इंडिया बनेगा, जिसकी कमान युवा संभालेंगे। लीडरशिप दिल्ली-मुंबई से नहीं, गांव-गांव से निकलेगी। स्वच्छता, पर्यावरण, महिला सशक्तीकरण जैसे अभियानों में युवाओं की बड़ी भागीदारी रहेगी। युवा सिर्फ वोट नहीं देंगे, बल्कि नीतियां बनाने में हिस्सा लेंगे।

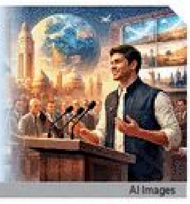

AI Images

क्रिप्टो से जुड़ी KYC के लिए लाइव लोकेशन देना भी होगा ज़रूरी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

क्रिप्टोकरंसी के जरिए फ्रॉड पर अंकुश लगाने के लिए वित्त मंत्रालय की फाइनैंशल इंटेलिजेंस यूनिट ने कड़े नियम जारी किए हैं। क्रिप्टो एक्सचेंजों को किसी भी यूजर को जोड़ते समय नए नो योर कस्टमर नियमों के तहत उसकी लाइव सेल्फी अपने रिकॉर्ड पर लेनी होगी। यह भी दर्ज होगा कि यूजर भौगोलिक रूप से कहां मौजूद है। साथ ही, PAN के अलावा यूजर को एक और ID प्रूफ देना होगा। इसमें पासपोर्ट, आधार या वोटर ID का उपयोग हो सकता है। मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादियों के रुपये-पैसे पहुंचाने वाले नेटवर्क पर अंकुश लगाने के लिए नए नियम जारी किए गए हैं।

एक्सचेंज को यूजर PAN के साथ एक और ID लेना होगा

समय और IP एड्रेस के अलावा इसके लिए जगह का अक्षांश और देशांतर भी दर्ज किया जाएगा। वहीं, पेनी ड्रॉप मेथड के तहत 1 रुपये के ट्रांजैक्शन से पक्का किया जाएगा कि बैंक खाता एक्टिव है और यूजर का ही है। यूजर को अपनी पहचान के लिए PAN के अलावा पासपोर्ट, आधार या वोटर आईडी देनी होगी। साथ ही ईमेल और फोन नंबर पर OTP से वेरिफिकेशन होगा। लाइवलीनेस डिटेक्शन टेक्नोलॉजी के जरिए पक्का करना होगा कि रजिस्टर करने वाला क्लाइंट ही अकाउंट बनाने की प्रक्रिया पूरी कर रहा है।

AI Image

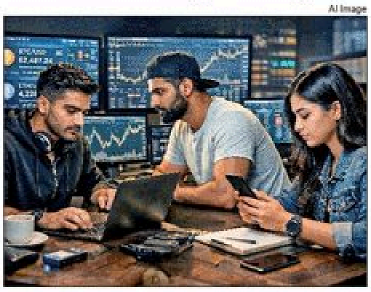

ज्यादा रिस्क तो हर 6 महीने में KYC अपडेट

क्लाइंट ID, पता, 5 साल के ट्रांजैक्शन को सेफ रखना होगा

एक्सचेंजों को 'ज्यादा रिस्क' वाले क्लाइंट्स का हर 6 महीने पर KYC अपडेट करना होगा। बाकियों के लिए यह काम साल में एक बार होगा। एक्सचेंजों से क्लाइंट ID, पता और कम से कम 5 साल के ट्रांजैक्शन की जानकारी सुरक्षित रखने को कहा गया है। अगर कोई जांच शुरू हो, तो ऐसी जानकारी जांच पूरी करने तक सुरक्षित रखनी होगी। हाई रिस्क वाले क्लाइंट्स की कैटिगरी में ऐसे लोग या इकाइयां हैं, जिनके संबंध टैक्स हेवेन देशों से हैं। वैश्विक संस्था ने जिन लोगों और इकाइयों को ब्लैक लिस्ट में रखा है, वे भी हाई रिस्क कैटिगरी में होंगे।

इनीशियल कॉइन या टोकन ऑफरिंग ज्यादा रिस्क वाला

गाइडलाइंस में इनीशियल कॉइन ऑफरिंग या इनीशियल टोकन ऑफरिंग को ज्यादा रिस्क वाला कहा गया है। इसमें आमतौर पर ब्लॉकचेन स्टार्टअप्स बिटकॉइन जैसी ज्यादा चलन वाली क्रिप्टोकरंसीज या स्थापित करंसी के बदले में पब्लिक को नए डिजिटल टोकन जारी करते हैं। गाइडलाइंस में कहा गया है कि इनमें मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फाइनैंसिंग का जोखिम ज्यादा है। एनॉनिमिटी एनहांसिंग क्रिप्टो टोकन, टंबलर्स और मिक्सर्स को उनकी ओनरशिप, ओरिजिन या ट्रांजैक्शन वैल्यू छिपाने के लिए डिजाइन किया जाता है।

इकोनॉमिक SPEED News

नेपाल में राजशाही के समर्थकों ने राजा की

बहाली की मांग लेकर रविवार को काठमांडु में रैली निकाली। लोग राजा पृथ्वी नारायण शाह की प्रतिमा लेकर नारे लगाते दिखे।

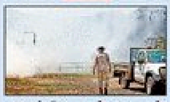

ऑस्ट्रेलिया में आग में 300 बिल्डिंग तबाह

हो गई। 70 से ज्यादा विमान आग पर काबू पाने में जुटे हैं। घटना में एक व्यक्ति की मौत हुई है।

पाकिस्तान के सिंध में हिंदू किसान की

गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसके बाद हिंदू समुदाय ने प्रदर्शन किया। आरोपी को पुलिस ने अरेस्ट किया है।

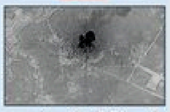

US सेना ने सीरिया में ISIS के ठिकानों पर

स्ट्राइक की है। दिसंबर में हुए हमले के जवाब में कार्रवाई हुई। यह अटैक 'ऑपरेशन हॉकआई' के तहत हुआ।

SPEED News पर आप अपनी राय हमें 9220747220 पर वट्सऐप करके बताएं।

प्रदर्शन के आगे झुका ईरान? राष्ट्रपति ने कहा- बात करेंगे

पेजेश्कियान का ऐलान- लोगों की चिंताएं दूर करना हमारी जिम्मेदारी, लेकिन...

■ एपी/आईएएनएस, दुबई

ईरान में इन दिनों हालात काफी तनावपूर्ण बने हुए हैं। ईरान के सुप्रीम नेता अयातुल्लाह खामेनेई के खिलाफ लोगों का गुस्सा देखने को मिल रहा है। महंगाई और बेरोजगारी से आक्रोशित लोग रविवार को भी सड़कों पर दिखे। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने कहा है कि सरकार प्रदर्शन कर रहे लोगों की बात सुनेगी, लेकिन कुछ दंगाई ऐसे भी हैं जो पूरे समाज को नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं।

कुछ लोग समाज को नष्ट करने की कोशिश में: राष्ट्रपति

पेजेश्कियान ने कहा, 'लोगों की चिंताएं हैं, हमें उनके साथ बैठकर बात करनी चाहिए और अगर यह हमारी जिम्मेदारी है, तो उनकी समस्याओं को हल करना चाहिए। लेकिन उससे भी बड़ी जिम्मेदारी यह है कि हम कुछ दंगाइयों को पूरे समाज को बर्बाद करने की इजाजत न दें।' ईरान के सरकारी टीवी चैनल ने रविवार को राष्ट्रपति का यह इंटरव्यू दिखाया। पहले कहा गया था कि यह शनिवार को प्रसारित होगा, लेकिन उस दिन इसे नहीं दिखाया गया। वहीं, ईरान के अटॉर्नी जनरल मोहम्मद मोवाहेदी आजाद ने शनिवार को चेतावनी दी कि प्रदर्शनों में भाग लेने वाले किसी भी व्यक्ति को 'अल्लाह का शत्रु' माना जाएगा और इसके लिए मृत्युदंड का भी प्रावधान है। ईरान के सरकारी टेलीविजन की ओर से प्रसारित बयान में कहा गया है कि दंगाइयों की मदद करने वालों को भी इस आरोप का सामना करना पड़ेगा।

AP

PTI

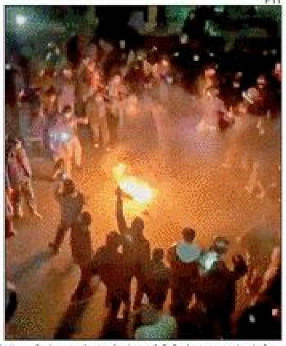

इस्तांबुल में प्रदर्शन के दौरान ईरान के अपदस्थ शाह के बेटे रजा पहलवी की तस्वीर लिए लोग दिखे। वहीं, तेहरान में प्रदर्शन के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं।

इंटरनेट, फोन लाइनें काटीं, मुश्किलें बढ़ीं

ईरान में पिछले 2 हफ्ते से जारी प्रदर्शन में रविवार तक 538 लोगों के मरने का दावा रायटर्स ने किया। वहीं, अमेरिकी मानवाधिकार संस्था ने कहा कि 116 लोग मारे गए हैं। प्रदर्शन के मद्देनजर ईरान में इंटरनेट और फोन लाइन काट दी गई है, जिससे प्रदर्शन का वास्तविक अनुमान लगाने में मुश्किल आ रही है। ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर कालिबाफ ने कहा कि उन्होंने ईरानी हमले के संभावित लक्ष्यों की सूची में इस्राइल को भी शामिल किया है।

तुरंत वेनेज़ुएला छोड़ें अमेरिका के लोग: US

अमेरिका के विदेश मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले कांसुलर मामलों के ब्यूरो ने शनिवार को चेतावनी जारी की है। ब्यूरो ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानें फिर से शुरू होने के बाद वेनेजुएला में मौजूद अमेरिकी नागरिकों को तुरंत देश छोड़ देना चाहिए। ब्यूरो ने 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा गया कि वेनेजुएला की सुरक्षा स्थिति अभी स्थिर नहीं है। (IANS)

'ईरान आजादी चाहता है, US मदद को तैयार'

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने प्रदर्शनकारियों को समर्थन देते हुए सोशल मीडिया पर कहा, 'ईरान आजादी चाहता है जो शायद उसने पहले कभी नहीं देखी थी। अमेरिका मदद के लिए तैयार है।' 'न्यूयॉर्क टाइम्स' और 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' ने बताया कि ट्रंप को ईरान पर हमले के लिए सैन्य विकल्प दिए गए थे लेकिन उन्होंने अब तक अंतिम निर्णय नहीं लिया है।

US ने H-1B की फीस बढ़ाई, 1 मार्च से लागू

■ NBT रिपोर्ट

AI Image

अमेरिकी नागरिकता और इमिग्रेशन सर्विस (USCIS) ने H-1B वीजा समेत कई इमिग्रेशन कैटिगरी के लिए प्रीमियम प्रोसेसिंग फीस बढ़ाने का ऐलान किया है। नई दरें 1 मार्च से लागू होंगी और इस तारीख के बाद पोस्ट की गई सभी अर्जियों पर लागू होंगी। इसका सीधा असर भारतीय प्रोफेशनल्स और छात्रों पर पड़ेगा, क्योंकि वे H-1B, L-1, रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड और OPT श्रेणियों में बड़ी संख्या में आवेदन करते हैं। रेट बढ़ने के बाद H-1B समेत अधिकांश फॉर्म I-129 वीजा कैटिगरी के लिए प्रीमियम प्रोसेसिंग फीस 2,805 डॉलर से बढ़कर 2,965 डॉलर हो जाएगी। रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड के लिए फॉर्म I-140 की फीस भी इतनी ही होगी। छात्रों से जुड़े फॉर्म I-539 और रोजगार अनुमति से जुड़े फॉर्म I-765 की फीस में भी बढ़ोतरी की गई है।

दुश्मन कहीं भी हो, ढूंढ लेगा भारत का सैटलाइट

■ पीटीआई, नई दिल्ली

भारत की अंतरिक्ष एजेंसी ISRO सोमवार को निगरानी रखने वाला एक सैटलाइट लॉन्च करेगी। इसका नाम अन्वेषा (Anvesha) या EOS-N1 है। इस सैटेलाइट को DRDO ने बनाया है। PSLV-C62 रॉकेट के जरिए श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से इसे लॉन्च किया जाएगा।

PSLV C62 रॉकेट से इसको आज लॉन्च करेगा 'अन्वेषा'

यह सैटलाइट आसमान में भारत की एक और आंख बनेगा। दुश्मनों के छिपे वाहन, हथियार और सैनिकों को स्पेक्ट्रल सिग्नेचर से पहचानकर भारतीय सेना की मदद करेगा। ISRO के मुताबिक, लॉन्च वीकल और सैटेलाइट को जोड़ दिया गया है। सोमवार सुबह 10:18 बजे सैटलाइट की लॉन्चिंग होगी।

File

मुख्य बातें

- मुख्य पेलोड EOS-N1 के अलावा, PSLV यूरोपीय डेमोंस्ट्रेटर सैटलाइट समेत विदेशी एजेंसियों के 17 सैटलाइट भी ले जाएगा।
- अन्वेषा का इस्तेमाल पर्यावरण की निगरानी, संसाधनों का नक्शा बनाने, आपदा प्रबंधन में मदद करने और योजना बनाने में भी होगा।
- आसमान में भारत की एक और आंख के रूप में काम करेगा। PSLV-C62, पोलर सैटलाइट लॉन्च वीकल का 64वां मिशन है।

अब फोटो छपवाने का मौका भी

खबरों का ज्ञान

रोज की खबरों पर कितनी पैनी नजर है, आजमाएं

1. पृथ्वी की निगरानी में माहिर सैटलाइट को इसरो आज लॉन्च करेगा, इसका नाम क्या है?
A. वरुण B. चील C. अन्वेषा
2. जर्मनी के चांसलर का क्या नाम है, जो आज से भारत दौरे पर हैं?
A. फ्रेडरिक मर्त्स
B. गेरहार्ड श्रोडर
C. एंजेला मर्केल
3. ईरान के राष्ट्रपति का क्या नाम है, जिन्होंने प्रदर्शनकारियों से बातचीत का संकेत दिया?
A. मसूद पेजेश्कियान
B. अली खामेनेई
C. इब्राहिम रईसी
4. अमेरिका ने H1-B के लिए प्रोसेसिंग फीस बढ़ाई है, यह इस साल कब से लागू होगी?
A. 1 अप्रैल B. 1 मार्च C. 30 जनवरी
5. ऑपरेशन हॉकआई के तहत किस देश की सेना ने सीरिया में ISIS को निशाना बनाया?
A. चीन B. ब्रिटेन C. अमेरिका

कल के जवाब

A1 B. BNP A2 A. आदित्य-L1 A3 C. राजिंदो गोर A4 C. रजा पहलवी A5 A. अफगानिस्तान

लकी विनर्स

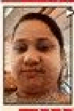

1. शिखा वायल, नजफगढ़, दिल्ली
2. वेदांशी, नई दिल्ली
3. वारिस अली खान, लखनऊ

ऐसे भेजें अपने जवाब

अपने नाम, शहर के साथ जवाब भेजें nbtreader@timesofindia.com पर, साथ में फोटो भी भेजें। सब्जेक्ट में KKG लिखें। हर दिन सभी सही जवाब देने वाले तीन चुनिंदा रीडर्स में से एक का फोटो और दो के नाम छापे जाएंगे। जवाब आज के पेपर की खबरों में ही छिपे हैं।

सेफ्टी फीचर में दिक्कत से लाइट यूटिलिटी हेलिकॉप्टर मिलने में देरी

File

सेना और एयरफोर्स के पुराने चीता और चेतक हेलिकॉप्टर को करना है रिप्लेस

संसद की स्टैंडिंग कमिटी में भी उठ चुका है मुद्दा, एयरफोर्स को दो LCA-मार्क1 ट्रेनर का भी इंतजार

Poonam.Pandey
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** इंडियन एयरफोर्स और आर्मी को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) से मिलने वाले लाइट यूटिलिटी हेलिकॉप्टर (LUH) का इंतजार काफी लंबा हो गया है। सूत्रों के मुताबिक, LUH के सेफ्टी फीचर में जरूरी सुधार होना है, जिसकी वजह से इसमें लगातार देरी हो रही है। सिर्फ LUH ही नहीं, एयरफोर्स को अब तक LCA-मार्क1 जेट भी पूरे नहीं मिल पाए हैं। इसके पीछे भी सेफ्टी को वजह बताया जा रहा है। HAL से इस बारे में उनका पक्ष जानने की कोशिश की गई लेकिन HAL ने कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया।

इंडियन आर्मी और एयरफोर्स लेह और सियाचिन जैसे दुर्गम इलाकों में सामान पहुंचाने और लोगों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने के लिए चीता और चेतक हेलिकॉप्टर का इस्तेमाल करती है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से कई चीता और चेतक हेलिकॉप्टर दुर्घटना का शिकार हुए हैं। इन्हें रिप्लेस करने की जरूरत कई सालों से बताई जा रही है लेकिन इन्हें रिप्लेस करना अब तक शुरू नहीं हुआ है। HAL लाइट यूटिलिटी हेलिकॉप्टर बना रहा है लेकिन इनमें लगातार देरी हो रही है। आर्मी एविएशन के पास अभी करीब 180 चीता, चेतक और चीतल हेलिकॉप्टर हैं। करीब 130 हेलिकॉप्टर 30 से 50 साल पुराने हैं। इन्हें रिप्लेस करने के लिए LUH की जरूरत है। LUH को 2021 में ही इनिशियल ऑपरेशनल क्लियरेंस (IOC) मिल गया था लेकिन तकनीकी दिक्कतों की वजह से ये अब तक आर्मी और एयरफोर्स की जरूरत पूरी करने लायक नहीं बन पाया है।

आर्मी के पास अभी 180 चीता, चेतक, चीतल हेलिकॉप्टर हैं

अब तक मार्क-1 भी नहीं मिले पूरे

एयरफोर्स को अब तक मार्क-1 (यानी तेजस का पुराना वर्जन) भी पूरे नहीं मिल पाए हैं। एयरफोर्स ने 40 एलसीए-मार्क1 (तेजस) का ऑर्डर किया था। इसमें से कुल 38 तेजस एयरफोर्स को मिले हैं जिसमें 6 ट्रेनर हैं। दो ट्रेनर अब भी एयरफोर्स को नहीं मिल सके हैं। ये मसला 2023 में संसद की स्टैंडिंग कमिटी के सामने भी उठा था। तब भी एयरफोर्स की तरफ से बताया गया था कि '40 एलसीए काफी वक्त पहले ही मिल जाने चाहिए थे लेकिन अब भी इनमें से दो नहीं मिल पाए हैं'।

मोदी और मर्त्स में बातचीत आज

■ **पीटीआई, नई दिल्ली:** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्त्स (Friedrich Merz) के बीच सोमवार को होने वाली बातचीत में व्यापार, निवेश, अहम टेक्नॉलजी और रक्षा जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाना मुख्य एजेंडा रहेगा।

J&K में दिखे संदिग्ध ड्रोन

■ **पीटीआई, जम्मू:** जम्मू-कश्मीर के सांबा, राजौरी और पुंछ जिलों में रविवार शाम अंतरराष्ट्रीय सीमा और LoC के पास कई इलाकों में संदिग्ध ड्रोन की गतिविधि देखी गई। ये सभी फ्लाइंग ऑब्जेक्ट पाकिस्तान की तरफ से आए। कुछ मिनट तक भारतीय इलाके में मंडराए और फिर वापस लौट गए।

Apple CEO की तलाश? रेस में कौन ...

2011 से टिम कुक हैं CEO, कंपनी के सीनियर लीडर्स से बोले- अब थकने लगा हूं

■ NBT रिपोर्ट

Apple के मौजूदा CEO टिम कुक अब 65 साल के हो गए हैं। खबर है कि उन्होंने कंपनी के सीनियर लीडर्स से कहा है कि वह अब थोड़ा थकने लगे हैं और काम का बोझ कम करना चाहते हैं। TOI के मुताबिक, टिम कुक पूरी तरह रिटायर नहीं होंगे, बल्कि कंपनी के बोर्ड के चेयरमैन की भूमिका निभा सकते हैं। वह 2011 में स्टीव जॉब्स के पद छोड़ने के बाद से CEO हैं।

नए CEO की रेस में सबसे आगे नाम है जॉन टर्नस का। 50 साल के जॉन टर्नस Apple के हार्डवेयर प्रमुख हैं। जॉन टर्नस पिछले 24 साल से Apple में काम कर रहे हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत Mac की स्क्रीन डिजाइन करने से की थी और धीरे-धीरे पूरे हार्डवेयर डिविजन के हेड बने। जॉन टर्नस भी टिम कुक की तरह बहुत बारीकियों पर ध्यान देने वाले और शांत स्वभाव के माने जाते हैं। Apple के लिए सबसे अहम माने जाने वाले प्रॉडक्ट iPhone की सप्लाई चेन की उन्हें गहरी समझ है। टर्नस ने कई बड़े फैसले लिए हैं। जैसे 2018 में iPhone में LIDAR सेंसर जोड़ने का विचार आया था, लेकिन यह हर फोन में डालना महंगा पड़ता। तब टर्नस ने इसे सिर्फ प्रो मॉडल तक सीमित रखने की सलाह दी। उनका मानना था कि जो लोग प्रीमियम फोन लेते हैं, वे ज्यादा पैसे देने को तैयार होंगे।

नए CEO के सामने क्या होंगी चुनौतियां

हालांकि सवाल यह भी है कि क्या Apple को अब एक अच्छे मैनेजर की जरूरत है या फिर किसी बड़े विजन वाले लीडर की। टिम कुक के दौर में Apple ने लगातार मुनाफा कमाया और हर साल तय समय पर नए प्रॉडक्ट आते रहे। नए CEO की रेस में और भी नाम हैं, जैसे सॉफ्टवेयर हेड क्रेग फेडरिघी, सर्विसेज चीफ एडी क्यू, मार्केटिंग हेड ग्रेग जोस्वियाक और रिटेल प्रमुख डियर्ड्रे ओ'ब्रायन। अमेरिका की टैरिफ पॉलिसी, चीन पर फैक्ट्रियों की निर्भरता और AI के मामले में पीछे रह जाना, चुनौतियां होंगी।

ICMR की स्टडी इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की स्टडी में बताया गया कि देरी की वजह से 30% मरीज हो जाते हैं अपंग

स्ट्रोक के 38% मरीज 24 घंटे बाद पहुंच पाते हैं अस्पताल

Hemwati.Rajaura1
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** किसी मरीज को स्ट्रोक आने के बाद देरी से अस्पताल पहुंचना भारत में एक बड़ी स्वास्थ्य चुनौती है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (ICMR) की स्टडी ने स्थिति की गंभीर तस्वीर पेश की है। इसके मुताबिक, स्ट्रोक के करीब 38% मरीज लक्षण शुरू होने के 24 घंटे बाद अस्पताल पहुंचते हैं, जिसका सीधा असर उनके इलाज और जान बचने की संभावना पर पड़ता है। नतीजा यह कि तीन महीने के भीतर 28% मरीजों की मौत हो जाती है और करीब 30% मरीज गंभीर रूप से अपंग हो जाते हैं। यह स्टडी देश के 30 बड़े अस्पतालों में भर्ती 34,792 स्ट्रोक मरीजों के डेटा पर आधारित है। स्टडी 7 जनवरी 2026 को इंटरनैशनल जर्नल ऑफ स्ट्रोक में प्रकाशित हुई है। इसके प्रमुख लेखक ICMR के नैशनल सेंटर फॉर डिजीज इन्फॉर्मेटिक्स एंड रिसर्च, बेंगलुरु के डॉ. प्रशांत माथुर हैं।

हर सात में एक मरीज 45 साल से कम उम्र का: स्टडी के मुताबिक, स्ट्रोक अब सिर्फ बुजुर्गों की बीमारी नहीं रही। हर सात में से एक मरीज 45 साल से कम उम्र का है। रिसर्च में सामने आया कि स्ट्रोक की सबसे बड़ी वजह हाई ब्लड प्रेशर है, जो करीब 75% मरीजों में पाया गया। इसके अलावा तंबाकू का सेवन और डायबिटीज भी बड़े जोखिम कारक हैं। स्ट्रोक के असर को कम करने के लिए शुरुआती साढ़े 4 घंटे बेहद अहम होते हैं।

AI Image

43,792 पर हुई यह स्टडी। ये मरीज देश के 30 बड़े अस्पतालों में भर्ती थे।

FAST फॉर्मूला

लक्षण कैसे पहचानें और क्या करें...

डॉक्टरों के मुताबिक, जब भी स्ट्रोक के मुख्य लक्षण दिखें तो (FAST फॉर्मूला याद रखें)

- **F: Face (चेहरा):** चेहरा एक तरफ से टेढ़ा होना, मुस्कुराने में दिक्कत
- **A: Arm (हाथ):** हाथ या पैर में अचानक कमजोरी या सुन्नपन, हाथ उठाने में परेशानी
- **S: Speech (बोलने में दिक्कत):** बोली लड़खड़ाना, साफ बात न कर पाना या समझने में परेशानी
- **T: Time (समय):** ये लक्षण दिखते ही समय गंवाए बिना अस्पताल पहुंचें

स्ट्रोक होने पर क्या करें

- एक मिनट भी बर्बाद न करें, तुरंत मरीज को नजदीकी बड़े अस्पताल ले जाएं
- एंबुलेंस बुलाएं, खुद दवा देने की कोशिश न करें
- मरीज को कुछ खिलाएं-पिलाएं नहीं
- लक्षण शुरू होने का सही समय डॉक्टर को जरूर बताएं
- बीपी, शुगर, हार्ट की बीमारी की जानकारी डॉक्टर को दें
- स्ट्रोक में शुरुआती 4.5 घंटे गोल्डन पीरियड होते हैं। इसी दौरान इलाज मिलने पर जान और दिमाग दोनों बच सकते हैं

नई दिल्ली / एनसीआर › 12-18 जनवरी 2026 › वर्ष 2, संख्या 2 › पेज 6 › मूल्य ₹6.00

NBT Wealth
नवभारत टाइम्स

पुरानी कार बेचें या स्क्रैप करें?
जानिए कब पुरानी कार को कब बेच देना फायदेमंद है और कब स्क्रैप कराना। स्क्रैप का पूरा कानूनी प्रोसेस भी जानें।
देखें PG-5

कॉपर बना रिटर्न का नया सितारा
सोना-चांदी की तेजी के बीच कॉपर ने 60% से ज्यादा रिटर्न दिया है। जानिए निवेश के मौके और इससे जुड़े जोखिम।
देखें PG-3

आपकी बात

NBT Wealth आपको कैसा लगता है, इसमें क्या पसंद आता है और क्या नहीं, आप और किन विषयों पर लेख पढ़ना चाहते हैं? आप कॉल करके अपनी बात नोट करा सकते हैं। आपका संदेश संपादक तक पहुंच जाएगा।

कॉल करें 011-4978 0064
आज दिन में 11 बजे से 12 बजे तक

अंदर देखें ये खास स्टोरी

2026 में बाजार कहां होगा, किस पर करें भरोसा?

डेढ़ साल में शेयर बाजार ने निवेशकों की धैर्य की कड़ी परीक्षा ली है। मिडकैप और स्मॉलकैप में भारी गिरावट ने यह भरोसा तोड़ा है कि बाजार से पैसा बनाना आसान है। ऐसे माहौल में 2026 को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। ग्रोथ, कम महंगाई और रिकॉर्ड निचली ब्याज दरों के साथ भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत स्थिति में है, लेकिन विदेशी निवेशकों की बिकवाली, कमजोर कॉरपोरेट अर्निंग्स और IPO की बाढ़ जोखिम बढ़ा रही है। विशेषज्ञ मानते हैं कि 2026 में संयम और सही सेक्टर चुनने वालों के लिए मौके बन सकते हैं। यहां जानें कि कैसी कंपनियां निवेशकों को बेहतर रिटर्न दे सकती हैं।

देखें PG-3

ठीकठाक कमाते हैं, फिर भी पैसा कम क्यों लगता है?

अच्छी सैलरी, घर, निवेश और सुविधाएं होने के बावजूद अगर भीतर से लगता है कि पैसा कभी पर्याप्त नहीं है, तो यह सिर्फ आमदनी का सवाल नहीं है। यह सोच, तुलना और डर का असर भी हो सकता है। आज कई लोग कागज पर अमीर हैं, लेकिन मन से असुरक्षित महसूस करते हैं। बढ़ती महत्वाकांक्षाएं, लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन, कर्ज की EMI, सोशल मीडिया की तुलना और भविष्य का डर मिलकर ऐसा माहौल बना देते हैं कि संतोष गायब हो जाता है। समस्या तब और बढ़ती है, जब कोई साफ फाइनैंशल प्लान या इमरजेंसी फंड नहीं होता। असली आर्थिक सुकून ज्यादा कमाने से नहीं, बल्कि खर्च, बचत और निवेश के संतुलन से आता है। जानें कि यह संतुलन कैसे पाएं, ताकि जीवन में बेचैनी कम हो।

देखें PG-2

काम की खबरें

AI Image

BHIM से तुरंत निकाल सकेंगे PF का पैसा

नौकरीपेशा लोगों के लिए EPFO बड़ी सुविधा लाने जा रहा है। अगले 2-3 महीनों में PF का अडवांस पैसा BHIM ऐप के जरिए तुरंत निकाला जा सकेगा। बाद में इसे दूसरे UPI ऐप्स पर भी शुरू किया जा सकता है। इस नई पहल के जरिए क्लेम वेरिफिकेशन के बाद बीमारी, पढ़ाई और दूसरी खास जरूरतों के लिए पैसा सीधे आपके UPI से जुड़े बैंक खाते में भेज दिया जाएगा। शुरुआत में निकासी की एक सीमा तय की जा सकती है।

PF के लिए अपर सैलरी लिमिट बढ़ाने की तैयारी

सरकार EPFO में पीएफ कटौती की मंथली सैलरी लिमिट को 25,000 से 30,000 रुपये करने की तैयारी में है। अभी PF के लिए 15,000 रुपये की अपर सैलरी लिमिट तय है। यानी PF कटौती सिर्फ 15,000 रुपये की बेसिक सैलरी तक ही अनिवार्य है। अगर किसी की बेसिक सैलरी 15,000 से ज्यादा है, तो PF कटवाना उसकी और कंपनी की आपसी सहमति पर निर्भर करता है। लिमिट बढ़ने से ज्यादा कर्मचारी पीएफ और पेंशन के दायरे में आएंगे। साथ ही बड़ा पेंशन फंड बनाने में भी मदद मिलेगी।

बिना OTP, e-Sign नहीं खुलेगा NPS अकाउंट

नैशनल पेंशन सिस्टम (NPS) में ऑनलाइन अकाउंट खोलने की प्रक्रिया अब पहले से ज्यादा सुरक्षित कर दी गई है। पेंशन रेगुलेटर PFRDA ने नया नियम जारी किया है, जिसके तहत ऑनलाइन NPS रजिस्ट्रेशन करते समय अब OTP या e-Sign से पहचान वेरिफिकेशन जरूरी होगा। पहले यह सिर्फ एक विकल्प था, लेकिन अब इसके बिना फॉर्म पूरा नहीं माना जाएगा। OTP या e-Sign के जरिए ही नियम-शर्तों की मंजूरी ली जाएगी।

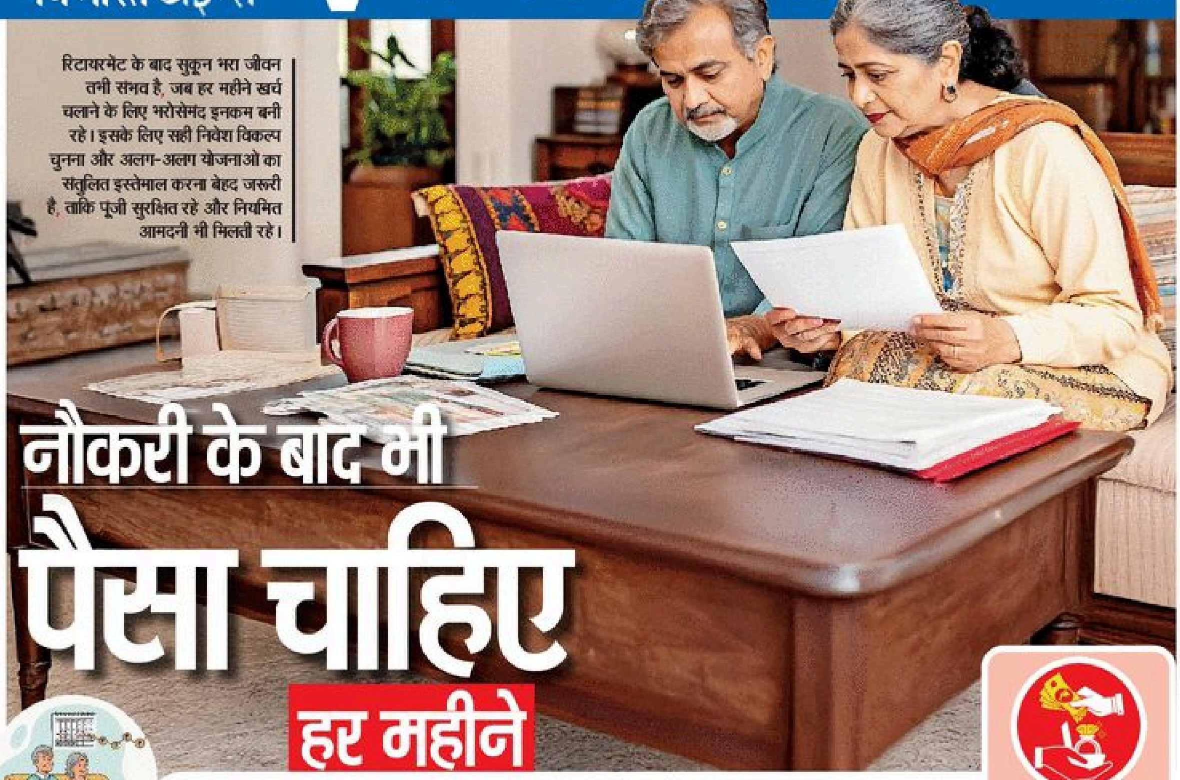

रिटायरमेंट के बाद सुकून भरा जीवन तभी संभव है, जब हर महीने खर्च चलाने के लिए भरोसेमंद इनकम बनी रहे। इसके लिए सही निवेश विकल्प चुनना और अलग-अलग योजनाओं का संतुलित इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है, ताकि पूंजी सुरक्षित रहे और नियमित आमदनी भी मिलती रहे।

नौकरी के बाद भी पैसा चाहिए हर महीने

सुदेश रंजन
Sudesh.Ranjan
@timesofindia.com

रिटायरमेंट के बाद सैलरी बंद हो जाती है, लेकिन खर्च नहीं रुकते। ऐसे में जरूरी है कि एकमुश्त मिली रकम को ऐसे निवेश में लगाया जाए, जहां से हर महीने पैसा आता रहे। पेंशन स्कीम, सरकारी सेविंग प्लान और बाजार आधारित विकल्प इस जरूरत को पूरा करने में मदद कर सकते हैं।

रिटायरमेंट जीवन का वह चरण है, जहां नौकरी की भागदौड़ खत्म होती है और व्यक्ति अपने लिए समय निकालना चाहता है। इस दौर को कई लोग नए जीवन की शुरुआत मानते हैं। आमतौर पर इस समय तक बच्चों की पढ़ाई, शादी, घर जैसी बड़ी जिम्मेदारियां पूरी हो चुकी होती हैं और उम्मीद यही रहती है कि अब जीवन सुकून से गुजरे। लेकिन यह सुकून तभी संभव है, जब हर महीने खर्च चलाने के लिए एक स्थायी और भरोसेमंद इनकम सोर्स मौजूद हो। अक्सर प्राइवेट और पब्लिक सेक्टर में काम करने वाले लोग रिटायरमेंट के बाद प्रोविडेंट फंड और ग्रैच्युटी से मिलने वाली एकमुश्त रकम पर निर्भर रहते हैं। समस्या तब शुरू होती है, जब यह तय नहीं होता कि इस पैसे को कहां और कैसे निवेश किया जाए, ताकि हर महीने नियमित इनकम मिलती रहे और पूंजी भी जल्दी खत्म न हो। इसीलिए जरूरी है कि रिटायरमेंट से काफी पहले निवेश की सही प्लानिंग शुरू की जाए और रिटायरमेंट के बाद भी खर्च और आय में संतुलन बना रहे।

NPS

नैशनल पेंशन सिस्टम (NPS) का मकसद है कि नौकरी के दौरान की गई बचत से रिटायरमेंट के बाद नियमित पेंशन मिल सके। नए नियमों के तहत अब NPS खाता 85 साल की उम्र तक चालू रखा जा सकता है। रिटायरमेंट पर अगर खाते में ₹8 लाख है, तो पूरा पैसा एकमुश्त निकाल सकते हैं और एन्युटी खरीदना जरूरी नहीं है। ₹12 लाख से ज्यादा कॉर्पस होने पर निजी क्षेत्र के निवेशकों को अब केवल 20% राशि से एन्युटी खरीदनी होती है, पहले यह 40% थी। इसके अलावा Systematic Unit Redemption (SUR) जैसी नई सुविधा से पैसा धीरे-धीरे निकाला जा सकता है।

डाकघर मासिक आय योजना (POMIS)

जो लोग जोखिम से बिल्कुल बचना चाहते हैं और हर महीने तय इनकम चाहते हैं, उनके लिए डाकघर मासिक आय योजना अच्छा विकल्प है। इसमें फिलहाल 7.4% सालाना ब्याज है, जिसका भुगतान हर महीने किया जाता है। योजना की अवधि 5 साल होती है। व्यक्तिगत खाते में अधिकतम 9 लाख और जॉइंट खाते में 15 लाख तक निवेश किया जा सकता है। ब्याज टैक्सेबल होता है और इसमें 80C के तहत टैक्स छूट नहीं मिलती। हालांकि TSD नहीं कटता। निवेशक समय से पहले पैसा निकालना चाहें तो 1 से 3 साल के बीच 2% और 3 से 5 साल के बीच 1% की पेनल्टी लगती है। 9 लाख निवेश करें तो करीब 5,550 प्रति माह की इनकम हो सकती है, जबकि 15 लाख पर 9,250 प्रति माह मिल सकते हैं।

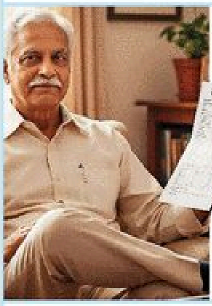

म्यूचुअल फंड

मान लीजिए आपकी रिटायरमेंट में अभी 15 साल बाकी हैं, तो म्यूचुअल फंड में SIP के जरिए अभी से हर महीने निवेश शुरू कर देना समझदारी है। इक्विटी फंड में SIP से बाजार के उतार-चढ़ाव का औसत लाभ मिलता है और लंबे समय में बेहतर रिटर्न की संभावना रहती है। अगर हर साल SIP की रकम 10% बढ़ाई जाए, तो 15 साल में अच्छा-खासा कॉर्पस तैयार हो सकता है। रिटायरमेंट के बाद इसी कॉर्पस से SWP (सिस्टमैटिक विड्रॉल प्लान) के जरिए हर महीने तय रकम निकाली जा सकती है। मान लें, 15 साल में 20 लाख निवेश करके 36 लाख का कॉर्पस बन गया। म्यूचुअल फंड में लंबे समय में 12-14% रिटर्न मिल जाता है। अब आप सालाना 8-10% के हिसाब से नियमित इनकम ले सकते हैं। इससे इनकम भी मिलती रहती है और पूंजी भी पूरी तरह खत्म नहीं होती। टैक्स के लिहाज से भी SWP फायदेमंद है, क्योंकि इसमें सिर्फ रिटर्न वाले हिस्से पर टैक्स लगता है, मूल निवेश पर नहीं। फाइनैंशल ईयर में 1.25 लाख रुपये से कम रिटर्न पर टैक्स जीरो हो सकता है।

बैंक FD

सीनियर सिटिजंस के लिए बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट भरोसेमंद और आसान विकल्प है। खासतौर पर नॉन-क्यूम्युलेटिव एफडी में निवेश पर आपको हर महीने या हर तिमाही ब्याज मिलता रहता है। इसमें मूल राशि पूरी तरह सुरक्षित रहती है और ब्याज से इनकम होती है। इसके अलावा FD लैडरिंग रणनीति अपनाकर आप ब्याज दरों में बदलाव का फायदा भी उठा सकते हैं। इसमें पूरी रकम को एक ही एफडी में लगाने के बजाय अलग-अलग अवधि की कई छोटी एफडी कराई जाती हैं, जैसे 1 साल, 2 साल, 3 साल और 5 साल की एफडी। इससे हर साल कोई न कोई एफडी मैच्योर होती रहती है, जिसे निकाल सकते हैं या बेहतर ब्याज दर पर फिर से निवेश कर सकते हैं।

G-Secs

आरबीआई रिटेल डायरेक्ट (RBI Retail Direct) के जरिए निवेशक सीधे सरकारी बॉन्ड (G-Secs) में निवेश कर सकते हैं, जिसमें 50 साल तक की अवधि वाले बॉन्ड भी हैं। इनमें निवेश सुरक्षित (Sovereign Guarantee) माना जाता है। लंबी अवधि के बॉन्ड उनके लिए अच्छे हैं जो रिटायरमेंट बाद या अगली पीढ़ी के लिए निश्चित ब्याज दर (Coupon Rate) लॉक करना चाहते हैं। जरूरत पर इन्हें सेकंडरी मार्केट में बेच सकते हैं। इन पर ब्याज FD से थोड़ा अधिक होता है। RBI रिटेल डायरेक्ट गिल्ट अकाउंट फ्री है।

पेंशन प्लान

पेंशन या रिटायरमेंट प्लान ऐसे फाइनैंशल प्रोडक्ट होते हैं, जिनमें नौकरी के दौरान नियमित प्रीमियम जमा करके रिटायरमेंट के लिए कॉर्पस तैयार किया जाता है। रिटायरमेंट के बाद इस फंड से एक हिस्सा एकमुश्त निकाला जा सकता है और बाकी रकम से हर महीने नियमित पेंशन मिलती है। LIC की जीवन शांति और जीवन उमंग जैसी योजनाएं इसी मॉडल पर काम करती हैं और इनमें पेंशन के साथ जीवन बीमा कवर भी मिलता है। कुछ ULIPs में भी नियमित आय का विकल्प है।

8.2%
SCSS पर सालाना ब्याज मिलता है, जिसका भुगतान तिमाही होता है।

60
साल या उससे अधिक उम्र के लोग इस योजना में निवेश कर सकते हैं।

वरिष्ठ नागरिक बचत योजना

वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (SCSS) खासतौर पर सीनियर सिटिजंस के लिए बनाई गई सरकार समर्थित योजना है। इसका उद्देश्य है कि रिटायरमेंट के बाद प्रोविडेंट फंड और ग्रैच्युटी से मिली एकमुश्त रकम को सुरक्षित तरीके से निवेश कर उससे नियमित इनकम मिलती रहे। इस योजना में 60 या उससे अधिक उम्र के लोग निवेश कर सकते हैं। विशेष परिस्थितियों में 55 से 60 के बीच के सेवानिवृत्त कर्मचारी और 50 वर्ष के रक्षाकर्मी भी पात्र होते हैं। इसमें खाता व्यक्तिगत रूप से या जीवनसाथी के साथ संयुक्त रूप से खोला जा सकता है। वर्तमान में SCSS पर सालाना 8.2% ब्याज मिलता है, जिसका भुगतान तिमाही किया जाता है। हालांकि ब्याज दरें हर तिमाही में सरकार तय करती है। इसमें न्यूनतम ₹1,000 और अधिकतम ₹30 लाख तक निवेश कर सकते हैं। योजना की अवधि 5 साल होती है, जिसे 3 साल के लिए बढ़ा सकते हैं।

इस योजना से मिलने वाला ब्याज पूरी तरह टैक्सेबल होता है, यानी आपकी इनकम टैक्स स्लैब के अनुसार इस पर टैक्स देना होता है। हालांकि ओल्ड टैक्स रिजीम में धारा 80C के तहत निवेश की गई राशि पर ₹1.5 लाख तक की टैक्स छूट मिलती है, लेकिन टीडीएस लागू हो सकता है। SCSS का सबसे बड़ा फायदा इसकी सुरक्षा है, क्योंकि यह पूरी तरह सरकार समर्थित योजना है। तिमाही ब्याज की वजह से यह नियमित इनकम का भरोसेमंद साधन है।

इस राह में कुछ सावधानियां भी ज़रूरी हैं

इनकम स्कीम कैसे चुनें?

- सबसे पहले यह तय करें कि रिटायरमेंट के बाद हर महीने आपको कितनी इनकम चाहिए, ताकि रोजमर्रा के खर्च, शौक और जरूरतें आराम से पूरी हो सकें।
- मेडिकल खर्चों का आकलन जरूर करें, क्योंकि उम्र बढ़ने के साथ इलाज पर खर्च ज्यादा होता है, इसलिए हेल्थ इंश्योरेंस को प्लानिंग में शामिल करें।
- महंगाई दर को हमेशा ध्यान में रखना चाहिए, क्योंकि इसके कारण समय के साथ पैसों की कीमत घटती चली जाती है, इसलिए ऐसी स्कीम चुनें जो महंगाई को मात दे सके।
- अपनी जोखिम लेने की क्षमता समझें, कम जोखिम वालों के लिए गारंटीड इनकम स्कीम और थोड़ा जोखिम वालों के लिए म्यूचुअल फंड SWP जैसे विकल्प बेहतर होते हैं।
- एक ही स्कीम पर निर्भर रहने के बजाय अलग-अलग विकल्पों को मिलाकर संतुलित पोर्टफोलियो बनाएं। इससे सुरक्षा के साथ बेहतर रिटर्न की गुंजाइश रहती है।

क्या खयाल रखें?

- सर्टिफाइड फाइनैंशल प्लानर पंकज मठपाल कहते हैं कि रिटायरमेंट के लिए काफी पहले प्लानिंग शुरू करनी चाहिए।
- रिटायरमेंट कॉर्पस बनाने के लिए इक्विटी और गोल्ड में इन्वेस्टमेंट करना चाहिए। इसमें 70-80 पर्सेंट इक्विटी होना चाहिए।
- रिटायरमेंट से पांच साल पहले इक्विटी का हिस्सा धीरे-धीरे कम कर देना चाहिए।
- इन्फ्लेशन को देखते हुए कुल रिटायरमेंट राशि का 60-70 पर्सेंट हाइब्रिड म्यूच्युअल फंड में निवेश करके SWP के जरिए नियमित आय पाने की योजना बनानी चाहिए। आपके इससे नियमित आय के साथ आपका कॉर्पस भी बढ़ता रहेगा।
- अपनी जरूरत, जोखिम क्षमता और टैक्स स्थिति समझें और जरूरत हो तो फाइनैंशल सलाहकार से सलाह जरूर लें।

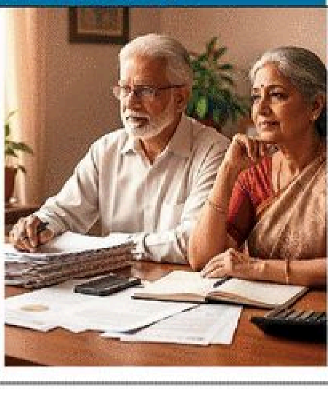

इन्फ्लेशन को देखते हुए आपके खर्चे भी बढ़ते रहेंगे। इसलिए पहले कम रकम निकालें, बाद के दिनों में इसे थोड़ा-थोड़ा बढ़ा सकते हैं। साथ ही 20 पर्सेंट सीनियर सिटिजंस सेविंग्स स्कीम में भी निवेश कर सकते हैं। और कुछ पैसा फिक्स्ड डिपॉजिट और डेट फंड में इमरजेंसी फंड के रूप में निवेश करना चाहिए।
– पंकज मठपाल, CFP

स्मार्ट मनी मूल्स

2026 में अपने पैसे को सुरक्षित रखें, बढ़ाएं भी

2026 वह साल हो सकता है, जहां योजना, धैर्य और रणनीति के साथ आप न सिर्फ अपने पैसे को सुरक्षित रखेंगे, बल्कि उसमें इजाफा भी कर पाएंगे। प्रीति कुलकर्णी, संकेत धनोरकर, रिजु मेहता, अभिनव कौल, समीर भारद्वाज बता रहे हैं ऐसे 10 स्मार्ट मनी टिप्स, जो 2026 में आपके पैसे को समझदारी से संभालने और बढ़ाने में आपकी मदद कर सकते हैं।

नया साल शुरू हो गया है। अगर 2025 निवेशकों, टैक्स देने वालों और बीमा लेने वालों के लिए बड़ा साल था, तो 2026 उससे भी ज्यादा अहम साबित हो सकता है। अमेरिका-भारत ट्रेड डील इस साल का सबसे बड़ा मुद्दा रहेगा। इसके साथ ही कॉरपोरेट कंपनियों की कमाई में सुधार और GDP यानी देश की कुल आमदनी के मजबूत आंकड़े भी देखने को मिल सकते हैं। सरकार के बड़े GST सुधारों का असली असर भी अब दिखाई देना शुरू होगा।

दूसरी तरफ, व्यापार बातचीत में अनिश्चितता और रुपये के और कमजोर होने की आशंका यह बताती है कि अब निवेश को सिर्फ भारत तक सीमित नहीं रखना चाहिए। आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय शेयरों, म्यूचुअल फंडों और गिफ्ट सिटी (GIFT City) से मिलने वाली योजनाओं में आम निवेशकों की भागीदारी बढ़ने की संभावना है। घरेलू बाजार में, स्मॉल-कैप (छोटी कंपनियों) के महंगे हो जाने की वजह से लार्ज-कैप (बड़ी कंपनियां) और चुनिंदा मिड-कैप (मध्यम कंपनियां) इस समय ज्यादा बेहतर विकल्प माने जा रहे हैं।

RBI पहले ही संकेत दे चुका है कि आगे ब्याज दरों में ज्यादा कटौती की गुंजाइश नहीं है। इसलिए फिक्स्ड-इनकम जैसे बॉन्ड, डेट फंड में निवेश करने वालों को अपनी रणनीति फिर से बनानी पड़ेगी।

1 करियर में आगे बढ़ना है तो AI को अपनाइए

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) अब भविष्य की तकनीक नहीं रह गया है, यह मौजूदा समय में ही रोजमर्रा के काम के लिए हमारी जरूरत बन चुका है। आज कंपनियां AI को एक बुनियादी स्किल मानने लगी हैं। जो लोग AI के साथ काम करना सीख रहे हैं, वे काम तेज, बेहतर और कम समय में कर रहे हैं। AI आपकी नौकरी नहीं छीनता लेकिन जो लोग AI का इस्तेमाल सीखते हैं, वे उन लोगों को पीछे छोड़ देते हैं, जो नहीं सीखते। आप चाहें तो रिपोर्ट लिखें, ई-मेल तैयार करें, प्रेजेंटेशन बनाएं या रिसर्च करें, AI टूल्स आपका काम आसान कर सकते हैं।

क्या करें?

- शुरुआती स्तर पर 2-3 AI टूल चुनें और रोजमर्रा के काम में उनका लगातार उपयोग करें।
- AI से तैयार आउटपुट की अंतिम समीक्षा हमेशा खुद करें, ताकि गुणवत्ता बरकरार रहे।
- कंट्रोल आपके हाथ में रहना चाहिए। यानी, AI को सहायक मानिए, अंतिम जिम्मेदारी आपकी ही होती है।

> AI से नौकरी छिनने का खतरा नहीं है, खतरा इस बात का है कि जो लोग AI नहीं सीखते, वे पीछे रह जाएंगे और उनकी जगह वे लोग ले लेंगे, जो AI का इस्तेमाल जानते हैं। *- नीति शर्मा, CEO, TeamLease Digital*

2 लार्ज-कैप शेयरों, क्वालिटी कंपनियों पर ध्यान दें

आज की स्थिति में लार्ज-कैप की कीमतें मिड-कैप और स्मॉल-कैप की तुलना में ज्यादा उचित हैं। निफ्टी मिडकैप-150 पुराने औसत P/E (प्राइस-टू-अर्निंग) यानी शेयर की कीमत बनाम कमाई से लगभग 45% महंगा चल रहा है। 2026 में लार्ज-कैप शेयरों पर भरोसा रखना बेहतर रहेगा, क्योंकि बड़ी कंपनियों के शेयरों में उतार-चढ़ाव कम होता है जब छोटे या मिड-कैप शेयर महंगे और जोखिम भरे रहते हैं।

क्या करें?

- बैंकिंग, NBFCs और रक्षा (defence) जैसे क्षेत्रों की क्वालिटी कंपनियों में निवेश करें।
- लंबी अवधि के लिए निवेश रोककर रखें। 5 साल से अधिक का समय आपके पक्ष में हो सकता है।

2025 में लार्ज कैप्स ने संभाला बाजार

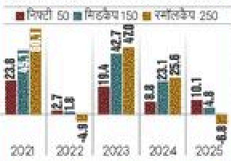

> 3-5 साल में लार्ज-कैप शेयर बेहतर रह सकते हैं। निजी बैंक, IT सेक्टर में आकर्षक मौके दिखते हैं। *- रुकुन तारापंदानी, PPFAS म्यूचुअल फंड*

3 रिटायरमेंट फंड के लिए कॉरपोरेट NPS चुनिए

नैशनल पेंशन सिस्टम (NPS) में 2025 में कई बदलाव हुए हैं। अब इसमें 100% तक इक्विटी में निवेश की अनुमति है, अनिवार्य एन्युटी 40% से घटकर 20% की गई है और फंड अब सोना और चांदी में भी निवेश कर सकते हैं। इन बदलावों से लंबे समय में रिटायरमेंट फंड बड़ा बन सकता है, कम अनिवार्य एन्युटी से पैसे पर ज्यादा कंट्रोल होगा और 15 साल बाद एग्जिट का विकल्प इसे काफी लचीला बना रहा है।

कॉरपोरेट NPS से कैसे घटता है टैक्स

ग्रॉस सैलरी ₹30 लाख (बेसिक ₹12 लाख सालाना) | स्रोत: क्लीयरटैक्स

	न्यू टैक्स रिजीम (NPS के साथ)	न्यू टैक्स रिजीम (NPS के बिना)
नियोक्ता योगदान	₹1.68 लाख (बेसिक का 14%)	NIL
कर्मचारी योगदान	NIL	NIL
टैक्स (सेस भी)	423384	475800

> मल्टीपल स्कीम फ्रेमवर्क, गोल्ड-सिल्वर ETF, ज्यादा कंपनियों में निवेश से NPS का कॉर्पस मजबूत होगा। *- सुमित शुक्ला, एक्सिस पेंशन फंड*

4 वैश्विक निवेश को समय के साथ फैलाएं

2025 में विदेशी बाजारों में निवेश करने वाले ग्लोबल फंड ने मजबूत रिटर्न दिए और घरेलू उतार-चढ़ाव में पोर्टफोलियो को सहारा मिला। अमेरिका और एशियाई बाजारों के साथ करंसी मजबूती से रिटर्न बढ़े। 2026 में निवेश को वैश्विक स्तर पर फैलाने का संकेत है।

कैसे निवेश करें

- अंतरराष्ट्रीय इक्विटी फंड, ETFs, फीडर फंड जैसे विकल्पों में निवेश पर विचार करें।
- किसी एक फंड में एक ही बार बहुत ज्यादा पैसा न डालें, SIP या चरणों में इसे बढ़ाएं।
- समय-समय पर निवेश का संतुलन (rebalance) करते रहें और केवल एक क्षेत्र पर अधिक निर्भर न रहें।

> ग्लोबल निवेश केवल रिटर्न के लिए नहीं, जोखिम को साझा करने और ऐसी कंपनियों तक पहुंच के लिए भी जरूरी है, जो भारत में नहीं हैं। *- हर्षद चेतनवाला, माई वेल्थ ग्रोथ*

5 फिक्स्ड इनकम में 'बारबेल स्ट्रैटजी' अपनाइए

2025 में निवेशकों को उम्मीद थी कि ब्याज दरों में बड़ी कटौती होगी और बॉन्ड से अच्छा फायदा मिलेगा, लेकिन RBI ने कुल 1.25% की ही कटौती की। आगे कटौती की गुंजाइश सीमित दिख रही है, इसलिए फिक्स्ड-इनकम निवेश में बारबेल स्ट्रैटजी अपनाना होगा।

> लंबी अवधि वाले आक्रामक दांवों का दौर खत्म हो रहा है। अब समय ज्यादा संतुलित रणनीति का है, जहां 'एक्रुअल' और 'बारबेल' जैसी रणनीतियों पर ध्यान देना चाहिए। *- देवांग शाह, एक्सिस म्यूचुअल फंड*

क्या करें?

- डंबल/बारबेल में जैसे वजन दोनों सिरों पर होता है, वैसा ही तरीका निवेश में आजमाएं।
- एक हिस्सा शॉर्ट-टर्म बॉन्ड में नियमित, स्थिर ब्याज के लिए, दूसरा हिस्सा लॉन्ग-ड्यूरेशन गवर्नमेंट बॉन्ड में डालें ताकि जब मौका मिले, तब अतिरिक्त फायदा मिल सके।

6 GIFT City के जरिए विदेश में निवेश बढ़ाएं

भारतीय निवेशकों के लिए विदेशी निवेश पर लंबे समय से सीमाएं रही हैं। GIFT City एक ऑफशोर फाइनैंशल जोन है, जो अलग टैक्स और नियमों के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों में आम निवेशकों को भी निवेश का आसान मौका देता है।

क्या करें?

- GIFT City आधारित अंतरराष्ट्रीय इक्विटी फंडों, PMS या अन्य प्रोडक्ट को देखें।
- सीधे विदेशी शेयर या ETF खरीदने की अपेक्षा टैक्स, रिपोर्टिंग आसान है। निवेश से पहले तुलना करें।

₹4.5 लाख से निवेश की शुरुआत हो सकती है।

> गिफ्ट सिटी ऐसा प्लैटफॉर्म है, जो स्थानीय निवेशकों को आसानी से विदेशी फंड में निवेश का मौका देकर डाइवर्सिफिकेशन को बेहतर करता है। *- श्रीकांत सुब्रमण्यन, CEO, आनंदिक वेल्थ*

7 सोना-चांदी से दूरी नहीं, पर लालच भी न करें

2025 में सोना-चांदी ने शानदार प्रदर्शन किया। सोना विशेष रूप से केंद्रीय बैंकों की खरीद और वैश्विक आर्थिक तनाव के कारण यह ऊपर रहा। वहीं चांदी का तेजी से उछाल विभिन्न कारणों से देखा गया। लेकिन यह जरूरी नहीं कि दोनों में यह सीधी रफ्तार हमेशा बनी रहे।

> लंबी अवधि में सोने का नजरिया सकारात्मक है। लेकिन कोई भी संपत्ति सीधी लाइन में नहीं बढ़ती। बीच में उतार-चढ़ाव आएंगे। *- चिराग मेहता, क्वांटम AMC*

क्या करें?

- संतुलित तरीके से पोर्टफोलियो में रखें, प्रमुख हिस्सा न बनाएं।
- गोल्ड ETF, गोल्ड-लिंक्ड फंड या डायवर्सिफाइड गोल्ड निवेश जैसे विकल्प पर विचार करें।
- कीमतें बहुत ऊंची हों, तो सिर्फ बढ़त देखकर न खरीदें।

2026 में निवेश की सफलता योजना, धैर्य, सही असेट एलोकेशन पर निर्भर करेगी।

लार्ज-कैप, ग्लोबल निवेश और संतुलित फिक्स्ड-इनकम स्ट्रैटजी आजमाएं।

NPS, EPF, टैक्स और इंश्योरेंस में सही फैसले लॉन्ग टर्म फाइनैंशल सिक्योरिटी को और मजबूत करेंगे।

AI स्किल, सही टैक्स क्लेम और रिस्क कवर के बिना आगे बढ़ना मुश्किल हो सकता है।

8 EPF योगदान में दिखाएं समझदारी

हाल में EPF से जुड़ी शिकायतें बढ़ी हैं और 2023-24 में 25% क्लेम KYC या रिकॉर्ड गड़बड़ी के कारण रिजेक्ट हुए। ऐसे में कर्मचारी चाहें तो EPF योगदान सीमित कर सकते हैं, बशर्ते कंपनी सहमत हो। 15,000 से अधिक बेसिक सैलरी पर पूरा 12% देना जरूरी नहीं है।

> EPF रिकॉर्ड सही है, तो क्लेम आसान है और 8% से ज्यादा टैक्स-फ्री रिटर्न मिलता है। रिकॉर्ड में गड़बड़ी पर पैसा निकालना मुश्किल हो जाता है। *- कुणाल काबरा, Kustodian.Life*

क्या करें?

- कंपनी से कहिए EPF को न्यूनतम पर रखें, यानी ₹15,000 का 12% ही।
- बची रकम अन्य निवेश जैसे MF/ETF/NPS में डालें।
- EPF रिकॉर्ड और KYC को हमेशा सही रखें ताकि भविष्य में क्लेम में परेशानी न आए।

9 सिर्फ सही टैक्स डिडक्शन्स लें, सबूत हमेशा रखें

आयकर विभाग अब डेटा के आधार पर जांच कर रहा है। बैंक, सैलरी और निवेश का मिलान हो रहा है, इसलिए गलत HRA, फर्जी दान और विदेशी संपत्ति छुपाने पर नोटिस बढ़े हैं। गलत टैक्स दावा करना अब जोखिम भरा है।

क्या करें?

- रेंट रिसीट, रेंट एग्रीमेंट, बाकी टैक्स-सबूत (घर खरीद/बीमा/डोनेशन) को संभालकर रखें।
- ध्यान दें कि माता-पिता को दिया किराया भी दिखाना जरूरी है।
- दान (Donation) के लिए 80G की रसीद, संस्था का सही विवरण हमेशा रखें। अगर नोटिस आए तो वही आपके काम आएगा।

> माता-पिता को दिए गए किराए तक की जांच 2025 में हुई। इसलिए रेंट एग्रीमेंट, रेंट रिसीट संभालकर रखें। माता-पिता को मिल रहा किराया उनकी ITR में 'आय' के रूप में दिखाने को कहें। *- मयंक मोहनका, चार्टर्ड अकाउंटेंट*

10 डोमेस्टिक ट्रैवल इंश्योरेंस लेना नहीं भूलें

अक्सर लोग घरेलू यात्रा में ट्रैवल इंश्योरेंस को गैरजरूरी मानते हैं, जबकि यही सबसे बड़ी भूल है। फ्लाइट कैंसल या देरी, मेडिकल इमरजेंसी, लगेज खोना और नॉन-रिफंडेबल खर्चों में ट्रैवल इंश्योरेंस बड़ी राहत देता है।

> घरेलू ट्रैवल इंश्योरेंस लेते समय सबसे जरूरी है कि इसकी फाइन प्रिंट को पढ़ें। खासकर यह देखें कि पॉलिसी किन चीजों को कवर नहीं करती। *- उदयन जोशी, SBI जनरल इंश्योरेंस*

क्या करें?

- घरेलू ट्रैवल के लिए भी साधारण ट्रैवल इंश्योरेंस जरूर लें।
- पॉलिसी के नियम और 'exclusions' (जो कवर में नहीं आते) को ध्यान से पढ़ें।
- अधिक समय की यात्रा, बुजुर्गों के लिए विस्तृत कवर चुनें।

ठीकठाक कमाई, पर पैसा कम लगता है?

असली आर्थिक आजादी इसमें नहीं कि कितना कमाते हैं, कैसे जीते हैं- ये मायने रखता है

2 दो दूनी चार

रमेश तिवारी
Ramesh.Tiwari@timesofindia.com

अच्छी सैलरी, अपना घर और निवेश होने के बावजूद कई लोग भीतर से खुद को गरीब महसूस करते हैं। वजह सिर्फ पैसा नहीं, बल्कि हमारा नजरिया, तुलना, डर और गलत फाइनैंशल आदतें हैं। समझदारी यही है कि पैसे को साधन मानें, अपनी पहचान नहीं।

हो सकता है कि आपकी सैलरी देश के टॉप 20% लोगों में हो। 2 BHK फ्लैट में रहते हों। म्यूचुअल फंड में हर महीने SIP करते हैं। इसके बाद भी सब कुछ कम लग सकता है। सालाना 20 लाख से ज्यादा कमाने वाले बहुत से लोग भीतर ही भीतर गरीब सरीखा महसूस करते हैं। असल में पैसा सिर्फ गिनने की चीज नहीं है, यह हमारे मन के अंदर गहराई से जुड़ा होता है। कई बार बैंक बैलेंस अच्छा होने के बाद भी अंदर-ही-अंदर पैसे की कमी महसूस होती है। यह कोई नखरा नहीं है। यह बढ़ती महत्वाकांक्षाओं और सिस्टम की कमियों का टकराव है। मुंबई की चॉल से लेकर नोएडा की गेटेड सोसाइटी तक, पैसा होते हुए भी गरीब महसूस करने की वजहें अलग-अलग हो सकती हैं।

हमारे दिमाग के अंदर कुछ सोच के पैटर्न काम करते हैं। अगर जीवन की शुरुआत में पैसों की कमी देखी हो, तो वही अनुभव आगे चलकर भी दिमाग में रेफरेंस पॉइंट बन जाता है। हम इस बात पर ज्यादा ध्यान देते हैं कि कहीं कोई मौका खो न जाए, बजाय इसके कि हमारे पास पहले से क्या है। सोशल मीडिया, विज्ञापन और दोस्त हमें दिखाते रहते हैं कि 'बेहतर जीवन' कैसे जिया जा सकता है। बाहरी मापदंड हावी हो जाते हैं, तो अमीरी में भी गरीबी महसूस होती है। ऐसी तुलना से अपनी उपलब्धियां छोटी लगने लगती हैं।

अक्सर लोग कंजूस नहीं दिखना चाहते। वे साबित करने के लिए वो दिल खोलकर मेहमानों, दोस्तों आदि के लिए खर्च कर देते हैं। खर्च के बाद लगने लगता है कि कोई गलती कर दी। बहुत सारे घरों में पति-पत्नी को छोटे-छोटे खर्चों पर लड़ते हुए देखा जा सकता है। कोई एक पक्ष खर्च घटाने के पक्ष में होगा, कोई बढ़ाने के पक्ष में। अब दोनों को ये तौलना होगा कि कहीं खतरों पर

रिएक्शन जरूरत से ज्यादा तो नहीं। ये भी मुमकिन है कि खतरों को हल्के में लिया जा रहा हो। दोनों ही स्थितियां ठीक नहीं।

कई बार पुराना डर हमारे अंदर हावी होता है। जैसे नौकरी चले जाने का खतरा सबसे ज्यादा सताता है। अगर ये न हो तो हमें सबसे सुरक्षित महसूस करना चाहिए। तब भी खूब डराता है अचानक आने वाला खर्च। जैसे मेडिकल खर्च आ जाए या किसी हादसे के बाद गाड़ी की मरम्मत करानी हो। अगर कमाई फ्रीलांस या कमिशन पर निर्भर हो। सबसे ज्यादा मुश्किल देता है कर्ज का बोझ। अब Tier-2 शहरों में भी शादियां 50 लाख रुपये के खर्च पर हो रही हैं। ये खर्च खुशी को कर्ज का जाल बना देती देता है। अच्छी सैलरी वाला शख्स चाहे तो 1 करोड़ रुपये का फंड बना सकता है, लेकिन EMI उसे खा जाती है। जैसे-जैसे कमाई बढ़ती है, वैसे-वैसे खर्च भी अपने आप बढ़ने लगते हैं। बड़ा घर, महंगी गाड़ी, विदेश में छुट्टियां। इसे ही लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन कहते हैं। आज लग्जरी पर पैसा तो खर्च कर दिया, लेकिन वह निवेश भी

> **आम तौर पर पैसा कम नहीं होता, हमारी उम्मीदें अक्सर ज्यादा हो जाती हैं। तुलना, कर्ज, लाइफस्टाइल और डर मिलकर ऐसा अहसास पैदा करते हैं कि सब कम लगने लगता है। असली सुकून प्लानिंग और संतुलन से आता है, रकम से नहीं।**

बन सकता था। नतीजा यह होता है कि पर्याप्त पैसे का टारगेट बार-बार आगे खिसकता रहता है और संतोष कभी आता ही नहीं। आदतें नया नॉर्मल बना लेती हैं और भूख बनी रहती है। कई लोग कागज पर अमीर होते हैं, लेकिन जेब में नकद कम होता है। घर, बिजनेस या लंबे निवेश में पैसा फंसा होता है, जिससे रोजमर्रा की सुरक्षा महसूस नहीं होती। अकाल और बंटवारे जैसे इतिहास ने हमारे दिमाग को कमी के डर से ऐसा बना दिया है कि नुकसान हमें फायदे से दोगुना चुभता है।

अगर इमरजेंसी फंड न हो और कोई साफ फाइनैंशल प्लान न बना हो, तो मन हमेशा बेचैन रहता है। असल सुकून पैसे की मात्रा से नहीं, बल्कि इस भरोसे से आता है कि आगे का रास्ता साफ है। असली आर्थिक आजादी का मतलब असीमित पैसा नहीं है। मतलब है, अपनी जरूरतों के हिसाब से जी पाना। बिना तनाव के खर्च और बचत का संतुलन। भविष्य को लेकर मन का शांत रहना। कभी कभी इंसान को लगता है कि ज्यादा कमाऊंगा, तभी मेरी कीमत है। इस तरह सोचने से अपराध-बोध भी होता है। खर्च की एक सीमा तय करनी ही होगी। बाकी पैसे को बचत में डाला जा सकता है। अपनी हकीकतों के अनुसार लक्ष्य तय करें। दूसरों को देखकर नहीं, अपने लिए। अपनी कुल संपत्ति साफ-साफ लिखें। आपके पास क्या है और क्या बकाया है, इसका हिसाब जब कागज पर दिखता है, तो डर कम होता है। ये समझना होगा कि पैसा एक साधन है, मेरी पहचान नहीं। 3-6 महीने का खर्च अलग रखने से मानसिक सुकून मिलता है।

कुछ लोगों ने एक इलाज पहले से ढूंढ रखा है। पैसे की सच्चाइयों से खुद को दूर रखो। कभी भी अपनी सैलरी स्लिप मत देखो। अपने बैंक पासबुक को मत देखो। इनकम टैक्स अगर अग्रिम चुकाने की जरूरत है, फिर भी उसे टाल दो। क्रेडिट कार्ड का बिल कम से कम चुकाओ। लेकिन ये सब करने से समस्या खत्म नहीं होने वाली है। थोड़े वक्त के लिए अहसास हो सकता है कि गरीबी अब डरा नहीं रही। लेकिन ये आदतें सचमुच में गरीब बना सकती हैं। पैसे होते हुए भी कृत्रिम कमी बनाए रखना एक अस्थिर आर्थिक रणनीति है। यह न केवल व्यक्ति की क्षमता को सीमित करती है, बल्कि समाज और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए नकारात्मक संकेत देती है। जब संसाधन उपलब्ध हों और फिर भी उनका उपयोग न किया जाए, तो अवसर नष्ट होते हैं। वास्तविक समृद्धि बचत और निवेश के संतुलन से आती है।

ESOP क्या है और यह कैसे काम करता है?

रिजु मेहता
Riju.Mehta@timesofindia.com

ESOP सिर्फ बोनस नहीं, बल्कि कर्मचारियों को कंपनी का भागीदार बनाता है। सही योजना के साथ यह वेल्थ क्रिएशन, टैक्स प्लानिंग और लंबे करियर ग्रोथ में मददगार है।

ESOP यानी Employee Stock Option Plan एक इंसेंटिव देने वाला टूल है। यह कंपनी का ऐसा प्लान है, जिसमें कर्मचारियों को कंपनी के शेयर लेने का मौका मिलता है, वह भी तय, आम तौर पर कम कीमत पर। इसका शुरुआती विचार 1956 में अमेरिकी अर्थशास्त्री और वकील लुई केल्सो ने दिया था। भारत में ESOP खासकर 1990 के दशक में टेक कंपनियों के साथ लोकप्रिय हुआ।

ESOP कैसे काम करता है?

जब कंपनी ESOP देती है, तो यह कहती है कि 'अगर आप हमारे साथ इतने साल काम करेंगे, तो आपको हमारे शेयर छूट पर मिलेंगे।' यह समय वेस्टिंग पीरियड कहलाता है। इस दौरान शेयर एक ट्रस्ट में रहते हैं, कर्मचारी इन्हें तुरंत नहीं बेच सकता और कर्मचारी को कंपनी में बने रहना पड़ता है। वेस्टिंग पीरियड पूरा होने के बाद कर्मचारी शेयर खरीद सकता है, जिसे Exercise करना कहते हैं। वह चाहे तो तुरंत बेच सकता है, चाहे तो कुछ साल तक रख सकता है।

टैक्स कब लगता है?

कर्मचारी पर टैक्स आमतौर पर दो बार लगता है। एक बार जब वह ESOP से शेयर खरीदता है (छूट और असली मार्केट कीमत के अंतर पर) और फिर जब वह शेयर बेचता है (खरीद और बिक्री कीमत के अंतर पर)। इसलिए ESOP लेते समय टैक्स प्लानिंग जरूरी होती है।

कंपनियों के लिए फायदे

- टैलेंटेड लोगों को आकर्षित करने में मदद मिलती है।
- वेस्टिंग पीरियड के कारण कर्मचारी लंबे समय तक जुड़े रहते हैं।
- कर्मचारियों की परफॉर्मेंस बढ़ती है, क्योंकि कंपनी बढ़ेगी तो उनका फायदा भी बढ़ेगा।

कर्मचारियों के लिए फायदे

- छूट पर मार्केट प्राइस से कम कीमत पर शेयर मिलते हैं।
- अगर शेयर बढ़ गया, तो बाद में बेचकर अच्छा पैसा बन सकता है।
- शेयर रखने पर कंपनी मुनाफा बांटे तो अतिरिक्त आय होती है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 12-01-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD3 User: cci Time: 01-10-2026 22:46 Color:

2026 में कैसा रहेगा शेयर बाज़ार, कहां लगाना चाहिए पैसा?

मृत्युंजय राय
Mrityunjay.Ray@timesofindia.com

पिछले डेढ़ साल में शेयर बाजार ने निवेशकों की कड़ी परीक्षा ली है। मिडकैप और स्मॉलकैप में गिरावट से भरोसा डगमगाया है। ऐसे में सवाल है कि 2026 में बाजार का रुख क्या होगा और किन सेक्टर्स में समझदारी से पैसा लगाया जाए।

डेढ़ साल से कुछ कम अरसा हुआ होगा, जब ज्यादातर घरेलू निवेशकों का शेयर बाजार से पैसा नहीं बना है। इससे पहले यानी कोविड-19 महामारी के दौरान मार्केट ने बॉटम बनाया था। इस बॉटम से अच्छी रिकवरी हुई और इस दौरान ट्रेडरों, निवेशकों और म्यूचुअल फंड में पैसा लगाने वालों ने अच्छा प्रॉफिट कमाया। इससे ऐसा माहौल बना कि शेयर बाजार से पैसा बनाना बहुत ही आसान है।

जो लोग पैसा बना रहे थे, वे दोस्तों-रिश्तेदारों को सलाह दे रहे थे कि तुम भी इस तरह से अच्छा मुनाफा कमा सकते हो। सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (SIP) की सलाह फाइनेंशल प्लानर और फंड मैनेजर ही नहीं, आम लोग भी एक-दूसरे को देने लगे थे। अब हालात बदल गए हैं। म्यूचुअल फंड निवेशकों की हालत खराब है। डिफेंस और मार्केट इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे सेक्टर्स को छोड़ दें तो बहुत कम ऐसे फंड हैं, जिन्होंने पिछले एक साल में दहाई अंकों में रिटर्न दिया है। मिडकैप और स्मॉलकैप म्यूचुअल फंडों की हालत बहुत ही बुरी है।

निवेशकों के मन में यह सवाल है कि इन हालात में क्या करना चाहिए? कहीं 2026 में भी पिछले 15 महीने वाली स्थिति का सामना तो नहीं करना पड़ेगा? इन सवालों का जवाब देने से पहले यह समझते हैं कि शेयर बाजार में हुआ क्या है? और अगर 2026 में मार्केट से पैसा बनेगा तो कहां बनेगा?

जिन लोगों को यह पहेली समझ में नहीं आ रही है कि बेंचमार्क इंडेक्स के नए लाइफ टाइम के करीब होने पर भी उनका पोर्टफोलियो क्यों कहीं नहीं जा रहा है। उन्हें यह बात समझनी चाहिए कि शेयर बाजार में यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। पहले भी ऐसे दौर आते रहे हैं। यह बात सच है कि 2025 ने निवेशकों का तगड़ा इम्तिहान लिया। पिछले साल मार्केट ने बड़े उतार-चढ़ाव देखे। वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताएं बढ़ीं।

नए साल में दाखिल होने के बाद भी निवेशकों का जोश ठंडा पड़ा हुआ है, लेकिन यह भी याद रखना चाहिए कि बहुत मायूसी भी नहीं पसरी हुई है। लोग सतर्क हैं, लेकिन उन्हें आने वाले समय में बेहतर रिटर्न की आशा है। उन्हें मायूसी छंटने का इंतजार है। जिन निवेशकों में संयम नहीं है, उन्हें नया साल भी निराश कर सकता है। मगर जो लोग सोच-समझकर पैसा लगाते हैं, उनके लिए 2026 के अच्छा रहने की संभावना है।

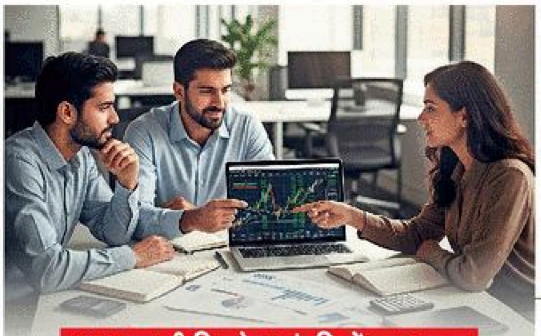

IPO का भी लिस्टेड कंपनियों पर असर

जिस तरह से यहां IPO आ रहे हैं, उसका भी लिस्टेड कंपनियों पर असर हुआ है। निवेशकों का बहुत सारा पैसा पहली बार बाजार में आने वाली इन कंपनियों में जा रहा है। IPO को लेकर यह दीवानगी हैरान भी करती है क्योंकि इनमें से ज्यादातर का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इतिहास भी यही सिखाता है। दरअसल, IPO अक्सर ऊंचे वैल्यूएशन पर आते हैं। इनसे प्रमोटर मालामाल होते हैं। आजकल बड़ी संख्या में ऐसी कंपनियां भी बाजार में आ रही हैं, जिन्होंने मुनाफा नहीं कमाया है। उनमें से कइयों के शेयर रेकॉर्ड वैल्यूएशन पर ट्रेड कर रहे हैं।

अर्थव्यवस्था तो ठीक है, मगर...

भारत की मैक्रो-इकॉनमी यानी पूरी अर्थव्यवस्था की सेहत देखें तो स्थिति अच्छी दिख रही है। इस वित्त वर्ष में देश की GDP ग्रोथ 7.4% रहने का अनुमान है। अमेरिका के भारतीय निर्यात पर 50% के टैरिफ को देखते हुए यह बहुत शानदार आंकड़ा कहा जा सकता है। रिजर्व बैंक की ब्याज दरें रेकॉर्ड लो लेवल पर हैं। खुदरा महंगाई दर भी कम है। बुरी खबर रुपये में कमजोरी जरूर है, लेकिन ऐसे वक्त में जब निर्यात क्षेत्र चुनौतियों का सामना कर रहा है, इससे मदद की उम्मीद है। भारत 4 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी है। अगर 7 से 8 साल में यह दोगुनी हो जाए तो हैरानी नहीं होनी चाहिए। लेकिन इसका मतलब यह भी नहीं है कि सतर्क न रहा जाए। नए साल में भी जोखिम बने हुए हैं। अमेरिका के साथ व्यापार समझौते का निवेशकों को इंतजार है। पिछली दो तिमाहियों में भारतीय कंपनियों की अर्निंग ग्रोथ भी अच्छी नहीं रही है।

फिर निवेशकों को क्या करना चाहिए?

बैंक और NBFC शेयरों ने हालिया कमजोरी में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। ये नए साल में भी अच्छा कर सकते हैं। इंश्योरेंस, कैपिटल मार्केट इन्फ्रास्ट्रक्चर, सीमेंट जैसे सेक्टर्स में मजबूत फंडामेंटल्स वाली कंपनियों से भी पैसा बन सकता है। याद रखें, लॉन्ग टर्म में बाजार ने निराश नहीं किया है। फिर जिन कंपनियों का वैल्यूएशन ठीक हो और जिनमें मुनाफे में बढ़ोतरी की रफ्तार बनी रहेगी, उनसे यकीनन रिटर्न मिलेगा।

सोना-चांदी ने निवेशकों को किया मालामाल
कॉपर का भी बंपर रिटर्न

कीमती मेटल जैसे सोना-चांदी की कीमतों में पिछले एक साल में बंपर बढ़ोतरी हुई और ये रिटर्न के मामले निवेशकों के चहेते बने हुए हैं। इस तेजी में दबे पांव इंडस्ट्रियल मेटल जैसे कॉपर और एल्युमिनियम में भी ऐसा उछाल आया कि अब निवेशक पिछले एक महीने में करीब 55% चढ़ चुके हिंदुस्तान कॉपर जैसे अन्य मेटल

60% से ज्यादा का रिटर्न दिया एक साल में कॉपर फ्यूचर्स ने

- गिरावट पर खरीदारी बढ़ेगी और कॉपर अगली रैली का अहम मेटल रह सकता है।
- COMEX में कॉपर स्टॉक एक साल में 4.4 गुना बढ़ा।

अमेरिका की ब्याज दरें, टैरिफ बदलाव कॉपर कीमतों को प्रभावित कर रहे हैं।

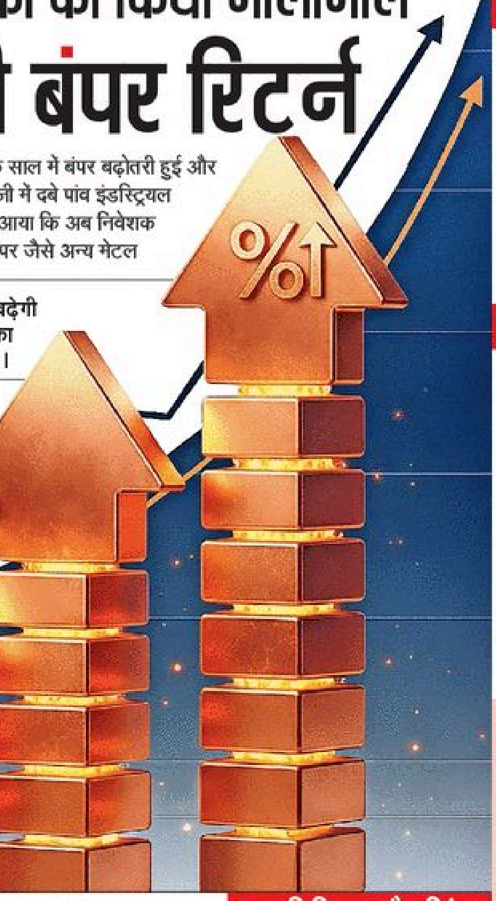

सुधा श्रीमाली
Sudha.Shrimali@timesofindia.com

ARSSBL के नवीन माथुर कहते हैं कि COMEX में कॉपर स्टॉक तेजी से बढ़ा है। विशेषज्ञ मानते हैं कि गिरावट पर खरीदारी आएगी और आने वाले महीनों में कीमतें 14,000 डॉलर प्रति टन तक जा सकती हैं।

सोने में 74% और चांदी में 167% की बढ़ोतरी के बाद अब तेजी का माहौल इंडस्ट्रियल मेटल कॉपर में दिख रहा है। पिछले एक साल से मजबूत इंडस्ट्रियल डिमांड की वजह से कमोडिटीज की कीमतों में काफी उछाल आया। एक जनवरी को कॉपर की कीमतें 62.83% बढ़कर 1,292.50 रुपये थीं, जो एक साल पहले 793.55 रुपये थीं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया (MCX) पर कॉपर एक साल में 796 रुपये से बढ़कर 1,197 रुपये हो गया। बंपर रिटर्न के बावजूद भारत में कॉपर और अन्य इंडस्ट्रियल मेटल में निवेश के विकल्प सीमित हैं। ऐसे में रिटेल निवेशकों के हाथ से फायदे का यह मौका निकल सा गया। हालांकि जानकारों का कहना है कि आने वाले समय में मजबूत इंडस्ट्रियल डिमांड की वजह से कमोडिटीज की कीमतों में उछाल आ सकता है।

इतनी क्यों बढ़ रही कॉपर की कीमतें?

कमोडिटी एक्सपर्ट और केडिया कैपिटल सर्विसेज के प्रमुख अजय केडिया के अनुसार, ग्लोबल सप्लाई की चिंताओं के कारण कॉपर की कीमतें रेकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंची हैं। कॉपर $13,300 प्रति टन से ऊपर के अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है और यह बढ़ोतरी इस साल ग्लोबल सप्लाई में कमी के आसार के चलते है।

केडिया ने बताया कि खदानों में रुकावट और रिफाइंड कमी का अनुमान 2026 में लगभग 3,30,000 टन है। इधर US टैरिफ की धमकियों से शिपमेंट की फ्रंट-लोडिंग हो रही है, जिससे दूसरी जगहों पर उपलब्धता कम हो रही है। स्ट्रक्चरल डिमांड में तेजी है, जैसे EVs, रिन्यूएबल्स, डेटा सेंटर और AI खदानों की सप्लाई ग्रोथ से ज्यादा तेजी से डिमांड बढ़ा रहे हैं।

सप्लाई की कमी और स्ट्रक्चरल डिमांड ग्रोथ के मजबूत मेल के कारण लंदन मेटल एक्सचेंज पर मेटल की कीमतें $13,000 प्रति मीट्रिक टन से ऊपर रेकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। चिली, पेरू, इंडोनेशिया जैसे प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में रुकावटों और वेनेजुएला के आसपास उभरते जोखिमों ने खदान उत्पादन को सीमित कर दिया है, जबकि रिफाइंड तांबे की कमी 2026 तक बढ़ने की उम्मीद है। एक और महत्वपूर्ण वजह यह रही कि अमेरिका ने कॉपर को 'क्रिटिकल मिनरल' यानी बेहद जरूरी खनिज की कैटिगरी में डाल दिया। जब किसी मेटल को इस तरह का दर्जा मिलता है, तो सरकारें उसके स्टॉक, सुरक्षा और सप्लाई पर ज्यादा ध्यान देती हैं। इससे निवेशकों के भरोसे में इजाफा हुआ और कीमतों में तेजी दिखने लगी।

'अब कॉपर बनने जा रहा अगली रैली का हीरो'

आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड (ARSSB) में कमोडिटीज, करंसी और GIFT IFSC के डायरेक्टर नवीन माथुर कहते हैं कि 2025 में कॉपर में जो तेजी दिखी, वह कोई अचानक आई हुई शॉर्ट-टर्म रैली नहीं, बल्कि मार्केट में हो रहे बड़े और स्ट्रक्चरल बदलावों का नतीजा है। कॉपर की कीमतें आज अपने रिकॉर्ड हाई लेवल के आसपास चल रही हैं, क्योंकि बाजार को सच में सप्लाई की कमी महसूस हो रही है।

2025 की शुरुआत से लंदन मेटल एक्सचेंज (LME) के गोदामों में रखे कॉपर का स्टॉक लगभग 48% घट चुका है। दूसरी तरफ, इलेक्ट्रिफिकेशन, इलेक्ट्रिक वाहन, पावर ग्रिड और AI डेटा सेंटर जैसे सेक्टरों में कॉपर की मांग लगातार बढ़ रही है। यानी, एक तरफ मांग तेज है और दूसरी तरफ सप्लाई बढ़ नहीं पा रही।

नई खदानें बहुत कम खुल रही हैं, पुरानी खदानों से निकलने वाले अयस्क की क्वालिटी घट रही है और खदानें शुरू करने में कई साल लग जाते हैं। इसी वजह से मार्केट टाइट हो गया है। माथुर के मुताबिक, 2026 तक कॉपर की सप्लाई में 1 लाख टन से ज्यादा की कमी होने की आशंका है, जो आगे भी कीमतों पर दबाव बनाए रख सकती है।

कमोडिटी क्या है?

कमोडिटी (Commodity) ऐसी बुनियादी चीजें होती हैं, जिनकी जरूरत हर जगह होती है और जिन्हें बड़े पैमाने पर खरीदा-बेचा जाता है, जैसे गेहूं, चावल, चीनी, कॉफी, सोना, चांदी, कॉपर (तांबा), एल्युमिनियम, जिंक, कच्चा तेल (क्रूड ऑयल), गैस। इनकी खासियत यह होती है कि ये जहां भी बनें, एक जैसी मानी जाती हैं। दिल्ली का गेहूं और पंजाब का गेहूं, दोनों गेहूं ही हैं। इनका दाम बाजार तय करता है यानी मांग-सप्लाई के हिसाब से कीमत ऊपर-नीचे होती रहती है। इनका इस्तेमाल आगे चीजें बनाने में होता है, जैसे तांबे से तार बनते हैं, तेल से पेट्रोल-डीजल बनता है, गेहूं से आटा बनता है। यानी, कमोडिटी कच्चा माल होती है।

कमोडिटी में निवेश कैसे?

MCX (फ्यूचर्स ट्रेडिंग)

भारत में कमोडिटी ट्रेडिंग का सबसे बड़ा प्लेटफॉर्म है: Multi Commodity Exchange (MCX)। यहां आप सोना, चांदी, कॉपर, एल्युमिनियम, जिंक, क्रूड ऑयल जैसी कमोडिटी में फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट खरीद-बेच सकते हैं। यहां आप असली सोना या तांबा नहीं लेते, बल्कि अभी कीमत फिक्स करते हैं, भविष्य में बेचने/खरीदने का कॉन्ट्रैक्ट लेते हैं। उदाहरण के लिए अगर आपको लगता है कि कॉपर आज ₹800 है और आगे ₹900 हो जाएगा, तो आप MCX पर कॉन्ट्रैक्ट खरीद लेते हैं। यदि कीमत ऊपर गई तो आपको फायदा, लेकिन नीचे गई तो नुकसान।

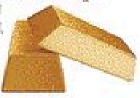

क्या ध्यान दें? इसमें रिस्क ज्यादा है क्योंकि मार्जिन देना पड़ता है, कीमत तेजी से गिर-बढ़ सकती है। यह ट्रेडिंग जैसा है, निवेश जैसा नहीं। यह तरीका केवल उन्हीं के लिए सही है जो मार्केट समझते हैं, रोज कीमत देख सकते हैं, रिस्क झेल सकते हैं।

ETF/कमोडिटी फंड

जिन्हें सुरक्षित, आसान तरीका चाहिए, उनके लिए एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ETF) और कमोडिटी फंड बेहतर हैं। आप एक फंड में पैसा लगाते हैं, फंड आपके लिए सोना या कॉपर/मेटल से जुड़े असेट खरीदता है और आपकी उनमें हिस्सेदारी हो जाती है। उदाहरण के लिए, Gold ETF, Silver ETF, Global commodity funds, Metal/Mining funds. ETF और माइनिंग-फोकस्ड फंड के जरिए इंटरनैशनल मार्केट में निवेश का भी विकल्प है।

क्या ध्यान दें? ये शेयर बाजार में ट्रेड होते हैं। आप इन्हें डीमैट अकाउंट से खरीद-बेच सकते हैं। इसमें असली मेटल रखने का झंझट नहीं होता, धोखा या मिलावट का डर नहीं होता, छोटे-छोटे अमाउंट से निवेश कर सकते हैं, रिस्क थोड़ा कम होता है।

शेयर (माइनिंग/मेटल कंपनियां)

इसमें आप आप सीधे कमोडिटी नहीं खरीदते, बल्कि उन कंपनियों के शेयर खरीदते हैं जो कॉपर की माइनिंग करती हैं, एल्युमिनियम बनाती हैं, सोना/चांदी प्रोसेस करती हैं, जैसे हिंदुस्तान कॉपर, NALCO, वेदांता, हिंदुस्तान जिंक आदि।

क्या ध्यान दें? इसका फायदा है कि डिविडेंड भी मिल सकता है, कंपनी बढ़ेगी तो शेयर भी बढ़ेगा और लंबी अवधि में बेहतर मौका है। लेकिन यहां जोखिम भी कंपनी की परफॉर्मेंस पर निर्भर है, सिर्फ कमोडिटी की कीमत पर नहीं।

एल्युमिनियम और जिंक

- एल्युमिनियम तीन साल से ज्यादा के ऊंचे स्तर पर ट्रेड कर रहा है। नतीजतन, NALCO और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) के शेयरों में जबरदस्त खरीदारी देखने को मिली है। दोनों स्टॉक अब तक के ऊंचे स्तर पर ट्रेड कर रहे थे।
- 2 जनवरी तक LME जिंक इन्वेंट्री घटकर 1,06,325 टन हो गई। शंघाई फ्यूचर्स एक्सचेंज पर जिंक इन्वेंट्री में लगभग 44.5% की गिरावट आई।
- UK में एल्युमिनियम वायदा $3,100 प्रति टन से ऊपर चला गया है। सप्लाई में कमी के संकेतों से कीमतें बढ़ी हैं। लंदन मेटल एक्सचेंज पर जिंक की कीमतें $3,200 प्रति टन से ऊपर चढ़ गईं, जो जनवरी 2023 के बाद सबसे ऊंचा है।
- चांदी, तांबा और एल्युमिनियम की बढ़ती कीमतों से मेटल स्टॉक्स में खरीदारी बढ़ी है।

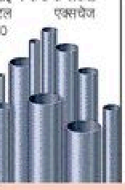

मौजूदा निवेशक क्या करें?

- अजय केडिया का कहना है कि अभी के हालात में बेहतर रणनीति यह है कि कॉपर को होल्ड करें, लेकिन साथ-साथ रिस्क मैनेजमेंट का ध्यान भी रखें।
- पूरा पैसा एक साथ नहीं लगाए रखें और समय-समय पर आंशिक प्रॉफिट बुक करते रहें।
- फिलहाल कॉपर से निकलने की कोई जल्दी न दिखाएं।
- आने वाले समय में कॉपर की मांग मजबूत रहने की उम्मीद है। मीडियम टर्म के लिए इसका आउटलुक पॉजिटिव है।
- अगर कॉपर की कीमत $13,000 प्रति मीट्रिक टन से ऊपर चली जाती है, तो निवेशक थोड़ा-थोड़ा करके प्रॉफिट निकाल सकते हैं।

नए निवेशक क्या करें?

- अगर आप शुरुआती निवेशक हैं, तो MCX ट्रेडिंग से शुरुआत न करें। ETF या फंड बेहतर रहेगा।
- अच्छी क्वालिटी के मेटल/माइनिंग शेयर भी ले सकते हैं।
- डीमैट अकाउंट हो तो ETF चुनें।
- 2 साल नहीं, कम से कम 3-5 साल का लक्ष्य रखें।
- एकदम बड़ा पैसा न लगाएं, धीरे-धीरे SIP जैसी सोच रखें।

SMART STATS

1 Top 5 SIPs

Top 5 equity schemes based on 10-year SIP returns

Scheme	Returns
Quant Small Cap Fund(G)	23.75
Nippon India Small Cap Fund(G)	21.76
Quant Infrastructure Fund(G)	21.75
ICICI Pru Infrastructure Fund(G)	21.59
Edelweiss Mid Cap Fund-Reg(G)	21.03

7 Jan 2016 to 7 Jan 2026 | % ANNUALISED RETURNS As on: 8 Jan 2026

2 Top 5 SWPs

Top 5 conservative hybrid scheme based on 3-year return

Scheme	Returns
Parag Parikh Conservative Hybrid Fund-Reg(G)	11.17
ICICI Pru Regular Savings Fund-Reg(G)	10.28
DSP Regular Savings Fund-Reg(G)	10.12
SBI Conservative Hybrid Fund-Reg(G)	10.08
Kotak Debt Hybrid Fund(G)	10.06

SWP: SYSTEMATIC WITHDRAWAL PLAN | % ANNUALISED RETURNS AS ON 8 Jan 2026

किसका, कैसा रिटर्न?

यहां अलग-अलग कैटिगरी में रिटर्न के आधार पर शीर्ष 5 और सबसे कम रिटर्न देने वाले 5 फंड्स की सूची दी गई है, ताकि निवेशक समझ सकें कि हाल के महीनों में किन फंड्स का कैसा प्रदर्शन रहा है।

Equity: Large Cap (3-year returns)

अव्वल	Returns	फिसड्डी	Returns
Nippon India Large Cap Fund(G)	19.92	PGIM India Large Cap Fund(G)	12.26
ICICI Pru Large Cap Fund(G)	18.82	LIC MF Large Cap Fund-Reg(G)	12.87
DSP Large Cap Fund-Reg(G)	18.47	Sundaram Large Cap Fund-Reg(G)	12.90
Bandhan Large Cap Fund-Reg(G)	18.42	Axis Large Cap Fund-Reg(G)	13.59
Invesco India Largecap Fund-Reg(G)	18.23	Union Largecap Fund-Reg(G)	13.60

Equity: Flexi Cap (3-year returns)

अव्वल	Returns	फिसड्डी	Returns
Motilal Oswal Flexi Cap Fund-Reg(G)	23.25	Samco Flexi Cap Fund-Reg(G)	3.11
Parag Parikh Flexi Cap Fund-Reg(G)	22.60	Shriram Flexi Cap Fund-Reg(G)	11.77
HDFC Flexi Cap Fund(G)	22.31	UTI Flexi Cap Fund-Reg(G)	12.52
Invesco India Flexi Cap Fund-Reg(G)	22.07	Taurus Flexi Cap Fund-Reg(G)	13.68
Bank of India Flexi Cap Fund-Reg(G)	21.90	PGIM India Flexi Cap Fund-Reg(G)	13.79

Equity: Mid Cap (3-year returns)

अव्वल	Returns	फिसड्डी	Returns
Invesco India Midcap Fund-Reg(G)	27.36	PGIM India Midcap Fund-Reg(G)	14.13
WOC Mid Cap Fund-Reg(G)	26.75	Quant Mid Cap Fund(G)	14.35
Edelweiss Mid Cap Fund-Reg(G)	26.63	Taurus Mid Cap Fund-Reg(G)	16.64
HDFC Mid Cap Fund-Reg(G)	26.04	UTI Mid Cap Fund-Reg(G)	17.95
Motilal Oswal Midcap Fund-Reg(G)	26.01	SBI Midcap Fund-Reg(G)	18.44

Equity: Small Cap (3-year returns)

अव्वल	Returns	फिसड्डी	Returns
Bandhan Small Cap Fund-Reg(G)	30.80	PGIM India Small Cap Fund-Reg(G)	14.15
ITI Small Cap Fund-Reg(G)	25.47	SBI Small Cap Fund-Reg(G)	14.32
Mahindra Manulife Small Cap Fund	25.35	Kotak Small Cap Fund(G)	15.69
Invesco India Smallcap Fund-Reg(G)	24.61	Tata Small Cap Fund-Reg(G)	15.88
Nippon India Small Cap Fund(G)	21.70	Canara Rob Small Cap Fund-Reg(G)	16.43

Hybrid: Aggressive (3-year returns)

अव्वल	Returns	फिसड्डी	Returns
ICICI Pru Equity & Debt Fund(G)	19.86	PGIM India Aggressive Hybrid Equity	12.04
BOI Mid & Small Cap Equity & Debt	19.17	Groww Aggressive Hybrid Fund	12.10
JM Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	18.36	Shriram Aggressive Hybrid Fund	12.12
Mahindra Manulife Aggressive Hybrid	17.32	Tata Aggressive Hybrid Fund	12.18
Edelweiss Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	17.15	HDFC Hybrid Equity Fund(G)	12.28

ANNUALISED RETURNS IN %, As on: 8 Jan 2026

काम की खबर

SIF पर MF कंपनियों को देनी होगी पूरी जानकारी

SEBI ने स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड्स (SIF) के लिए रिपोर्टिंग का फॉर्मेट तय कर दिया है। अब सभी म्यूचुअल फंड और असेट मैनेजमेंट कंपनियों (AMC) को SIF से जुड़ी जानकारी, जैसे वे न्यूनतम निवेश सीमा का पालन कर रही या नहीं, फंड मैनेजर की योग्यता, निवेश की रणनीति आदि जानकारी एक ही तरीके से देनी होगी।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 12-01-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD4 User: cci Time: 01-10-2026 22:46 Color:

क्रेडिट कार्ड EMI और पर्सनल लोन में किसे चुनें?

Gain Guide

मृत्युंजय त्रिपाठी
Mrityunjay.Tripathi@timesofindia.com

EMI ने खर्च को आसान बनाया है, लेकिन सही विकल्प न चुनने पर यही सुविधा लंबे समय का बोझ बन जाती है। क्रेडिट कार्ड EMI और पर्सनल लोन दिखने में एक जैसे लगते हैं, मगर उनकी लागत, जोखिम और असर अलग-अलग होते हैं। इसलिए समझदारी से चुनें।

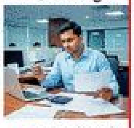

- *EMI की अवधि 6-12 महीने से अधिक है, तो समान प्रोफाइल पर पर्सनल लोन की कुल लागत कम निकलती है।*
- *नो-कॉस्ट EMI एकदम मुफ्त नहीं होती। इसमें कैश डिस्काउंट नहीं होता।*

आप अपनी ख्वाहिशों को लेकर यदि जरा-सा भी ढीले पड़े, तो कोई न कोई लोन आपके जीवन में दाखिल होने को तैयार खड़ा है। नियम साफ कहता है कि अगर लोन कमाने के लिए नहीं लिया जा रहा, तो उससे बचना चाहिए। लेकिन हकीकत यह है कि आज EMI पर खरीदारी हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुकी है। मोबाइल फोन, टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन ही नहीं, शादी, इलाज, यात्रा और यहां तक कि छोटे-मोटे घरेलू खर्च भी EMI में बदले जा रहे हैं। शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक BNPL (Buy Now Pay Later), 'नो-कॉस्ट EMI' और ऐप के जरिए तुरंत मिलने वाले पर्सनल लोन तेजी से लोकप्रिय हुए हैं। जैसे ही कोई नया स्मार्टफोन लॉन्च होता है या फेस्टिव सीजन आता है, ग्राहकों के सामने विकल्प खड़े हो जाते हैं- क्रेडिट कार्ड EMI या पर्सनल लोन? बैंक और फाइनैंस कंपनियां दोनों ही विकल्पों को 'सबसे सस्ता', 'सबसे आसान' और 'झंझट-फ्री' बताकर बेचती हैं। लेकिन फाइनैंशल एक्सपर्ट्स साफ कहते हैं कि इन दोनों के बीच का फर्क समझे बिना लिया गया फैसला आपकी मेहनत की कमाई पर भारी पड़ सकता है।

लोन ऑप्शन है, समाधान नहीं

EMI ने खर्च करना आसान बना दिया है, लेकिन यही आसानी कई बार कर्ज के जाल में भी फंसा सकती है। EMI में खरीदारी करते वक्त सबसे बड़ी गलती यही होती है कि लोग मासिक किस्त देखकर खुश हो जाते हैं और यह भूल जाते हैं कि कुल मिलाकर कितना पैसा लौटाना पड़ेगा। याद रखिए, लोन कोई इनकम नहीं है। यह भविष्य की कमाई को पहले ही खर्च कर देने जैसा है।

ब्याज दर किसकी कम?

किसी भी कर्ज की असली कीमत उसकी ब्याज दर तय करती है। पर्सनल लोन की ब्याज दरें आम तौर पर स्थिर होती हैं। अगर आपका क्रेडिट स्कोर अच्छा है और इनकम स्थिर है, तो यह करीब 10.5% से 15% सालाना तक मिल सकता है। कुछ मामलों में यह इससे थोड़ा ऊपर भी जा सकता है, लेकिन फिर भी यह क्रेडिट कार्ड के मुकाबले कम रहता है।

- दूसरी तरफ, क्रेडिट कार्ड EMI की ब्याज दरें शुरुआत में बहुत आकर्षक लगती हैं। कई बार कार्ड कंपनियां 0% या बहुत कम ब्याज का दावा करती हैं। लेकिन असलियत यह है कि अधिकतर क्रेडिट कार्ड EMI की इफेक्टिव दर 15% से 24% सालाना के बीच होती है।
- सबसे खतरनाक स्थिति तब बनती है, जब आप क्रेडिट कार्ड का पूरा बिल नहीं चुकाते और सिर्फ 'मिनिमम ड्यू' भरते हैं। ऐसी हालत में बाकी बकाया रकम पर 30% से 48% तक सालाना ब्याज लग सकता है। यानी करीब 3% से 3.5% प्रति महीना। यह भारत के सबसे महंगे कर्जों में से एक है।

प्रोसेसिंग फीस और GST

- पर्सनल लोन लेते समय बैंक और NBFC आम तौर पर लोन राशि का 1% से 3% तक प्रोसेसिंग शुल्क लेते हैं। इसके अलावा स्टांप ड्यूटी और कुछ कानूनी खर्च भी जुड़ सकते हैं।
- क्रेडिट कार्ड EMI में प्रोसेसिंग फीस आम तौर पर कम या फिक्स्ड होती है, जैसे 99, 199 या 299 रुपये। यही वजह है कि लोग इसे सस्ता मान लेते हैं। लेकिन यहां सबसे बड़ा छुपा खर्च है GST।
- क्रेडिट कार्ड EMI के ब्याज पर हर महीने 18% GST लगता है। यानी आप सिर्फ ब्याज ही नहीं, उस ब्याज पर टैक्स भी दे रहे होते हैं। लंबी अवधि में यह टैक्स कुल लागत को काफी बढ़ा देता है। पर्सनल लोन में मासिक GST नहीं होता है।
- याद रखिए, प्रोसेसिंग फीस, प्री-पेमेंट चार्ज, लेट फीस, बाउंस चार्ज, डॉक्यूमेंट फीस- लगभग हर सर्विस चार्ज पर 18% GST अलग से लगता है।

छोटे-छोटे चार्ज मिलकर बड़ा बोझ

पर्सनल लोन में डुप्लीकेट स्टेटमेंट, फोरक्लोजर लेटर, NOC या अमोर्टाइजेशन शेड्यूल जैसी चीजों के लिए आमतौर पर ₹100 से ₹500 तक का चार्ज लिया जाता है। अगर आप रीपेमेंट मोड बदलते हैं, जैसे बैंक अकाउंट या NACH बदलना, तो उस पर भी अलग फीस लग सकती है। कई बार प्री-पेमेंट या फोरक्लोजर चार्ज भी वसूला जाता है, जिस पर 18% GST अलग से जुड़ जाता है। क्रेडिट कार्ड EMI में भी ऐसे ही चार्ज छुपे रहते हैं। EMI बीच में बंद करने, स्टेटमेंट की डुप्लीकेट कॉपी आदि पर चार्ज है। लगभग हर सर्विस चार्ज पर 18% GST है। लेट फीस, पेनल्टी ब्याज और GST मिलकर खर्च को और बढ़ा देते हैं।

इंश्योरेंस: जरूरी या जबरदस्ती?

कई लेंडर पर्सनल लोन के साथ क्रेडिट लाइफ इंश्योरेंस या पर्सनल एक्सीडेंट कवर 'सुझाव' के नाम पर जोड़ देते हैं। प्रीमियम लोन में जोड़ दिया जाता है और आप उस पर भी ब्याज चुकाते हैं।

टैक्स बेनिफिट: सच और भ्रम

पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड EMI पर कोई सीधा टैक्स फायदा नहीं है। पर्सनल लोन का पैसा घर की खरीद, रेनोवेशन या बिजनेस में लगे तो कुछ शर्तों पर ब्याज को टैक्स में क्लेम कर सकते हैं।

सिर्फ मिनिमम ड्यू भरते हैं?

क्रेडिट कार्ड में मिनिमम ड्यू आमतौर पर कुल बकाया का 5-10% होता है। इसे भरने से कर्ज खत्म नहीं होता। इससे सिर्फ लेट फीस बचती है, जबकि पूरी बकाया रकम पर 30-48% सालाना ब्याज चलता रहता है।

क्रेडिट कार्ड का हो सही इस्तेमाल तो...

क्रेडिट कार्ड EMI महंगी मानी जाती है, लेकिन सही कार्ड और समय पर भुगतान हो तो फायदे भी होते हैं। कई कार्ड EMI पर रिवॉर्ड पॉइंट्स, कैशबैक और एयर माइल्स देते हैं। लेकिन एक EMI चूकते ही पेनल्टी, ब्याज और क्रेडिट स्कोर को नुकसान होकर ये फायदे खत्म हो जाते हैं।

प्री-पेमेंट और फोरक्लोज़र

पर्सनल लोन में प्री-पेमेंट और फोरक्लोजर चार्ज लग सकते हैं, खासकर शुरुआती वर्षों में। क्रेडिट कार्ड EMI में भी आप बीच में EMI बंद कर सकते हैं, लेकिन कई कार्ड कंपनियां इस पर 3% से 4.5% तक चार्ज लेती हैं। यह फाइन प्रिंट में छुपा होता है।

हिडन चार्ज से कैसे बचें?

- बैंक या NBFC से 'Most Important Terms & Conditions (MITC)' और चार्जेज लिस्ट की कॉपी ध्यान से पढ़ें।
- फीस, पेनल्टी और टैक्स को हाइलाइट करें और EMI कैलकुलेटर से लोन की असली लागत खुद निकालें।
- कई बैंक/NBFC की केवल ब्याज दर न देखें, बल्कि प्रोसेसिंग फीस, प्री-पेमेंट, फोरक्लोजर नियम, इंश्योरेंस प्रीमियम, GST समेत कुल भुगतान जरूर देखें।

EMI की अवधि

- पर्सनल लोन आम तौर पर 1 से 6 साल तक का मिल जाता है। लंबी अवधि से मासिक EMI कम रहती है और कैश-फ्लो पर दबाव कम पड़ता है। हालांकि लंबी अवधि में ब्याज अधिक देना पड़ता है, लेकिन कम ब्याज दर से कुल लागत मैनेजेबल रहती है।
- क्रेडिट कार्ड EMI की अवधि सीमित होती है, आमतौर पर 3, 6, 9, 12 या अधिकतम 24 महीने। इससे EMI आम तौर पर ऊंची होती है। इस दौरान क्रेडिट लिमिट ब्लॉक रहती है।

सुविधा बनाम समझदारी

क्रेडिट कार्ड EMI का सबसे बड़ा फायदा इसकी सुविधा है। कार्ड स्वाइप किया, कुछ क्लिक किए और खरीदारी EMI में बदल गई। यही वजह है कि इसे "ईजी मनी" कहा जाता है। पर्सनल लोन में बैंक आपकी आय, नौकरी, मौजूदा EMI, क्रेडिट स्कोर और खर्चों का पूरा आकलन करते हैं। प्रक्रिया थोड़ी लंबी और झंझट वाली लगती है, लेकिन इसी जांच की वजह से ब्याज दर अक्सर कम मिलती है।

सबसे ज़रूरी सलाह

- सिर्फ EMI की रकम नहीं, हमेशा कुल भुगतान देखें।
- क्रेडिट कार्ड में मिनिमम ड्यू की आदत न बनाएं।
- बड़ा लोन लें तो कई बैंकों/NBFC के कर्ज की तुलना करें।
- लोन जरूरत के लिए लें, शौक या दिखावे के लिए नहीं।

EMI मिस हुई तो नुकसान

पर्सनल लोन की EMI तय तारीख पर नहीं कटती है, तो बैंक या NBFC सबसे पहले लेट पेमेंट चार्ज लगाता है, जो आमतौर पर ₹500 से ₹1,000 प्रति EMI हो सकता है। अगर EMI ऑटो-डेबिट (ECS/NACH) या चेक से कटनी थी और वह बाउंस हो जाती है, तो अलग से बाउंस चार्ज लगता है, जो फिर से ₹500-₹1,000 तक हो सकता है और उस पर 18% GST अलग से। कुछ लेंडर ओवरड्यू अमाउंट पर अतिरिक्त ब्याज भी जोड़ देते हैं। EMI मिस होते ही क्रेडिट ब्यूरो को रिपोर्ट हो जाती है और क्रेडिट स्कोर गिर जाता है।

...तो क्रेडिट कार्ड महंगा

क्रेडिट कार्ड EMI मिस होने पर नुकसान पर्सनल लोन से कहीं ज्यादा तेज और महंगा होता है। सबसे पहले फिक्स्ड लेट फीस लगती है, जो ₹500 से ₹1,000 तक हो सकती है। EMI का बकाया अमाउंट रिवॉल्विंग क्रेडिट में चला जाता है। इस बकाया पर 2%-4% प्रति महीना यानी 24%-48% सालाना तक का भारी ब्याज लग सकता है। बाउंस चार्ज+GST अलग से।

"छोटी रकम और कम अवधि के लिए क्रेडिट कार्ड EMI सुविधाजनक हो सकता है, लेकिन बड़ी जरूरत और लंबी अवधि में पर्सनल लोन सुरक्षित रहता है। हालांकि फैसला EMI के साथ ही चार्ज आदि समेत कुल भुगतान देखकर करना चाहिए। - *बबलू कुमार सिंह, CFP*"

"क्रेडिट कार्ड EMI और पर्सनल लोन दोनों के अलग फायदे हैं। क्रेडिट कार्ड EMI तुरंत मिल जाती है, लेकिन ब्याज ज्यादा हो सकता है। पर्सनल लोन बड़ी रकम और लंबी अवधि के लिए बेहतर है, क्योंकि इसकी ब्याज दर कम होती है। - *संजय त्रिपाठी, चार्टर्ड अकाउंटेंट*"

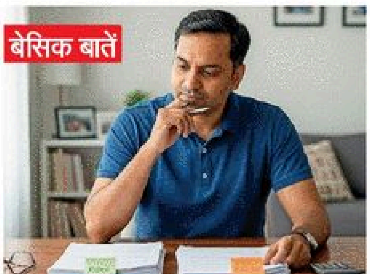

बेसिक बातें

इंश्योरेंस में राइडर और ऐड-ऑन में क्या फर्क है?

रिजु मेहता
Riju.Mehta@timesofindia.com

इंश्योरेंस लेते समय सिर्फ बेस पॉलिसी न देखें। यह भी समझें कि राइडर या ऐड-ऑन में से आपके लिए क्या सही है। अगर आपको कम खर्च में किसी खास जोखिम से बचाव चाहिए, तो राइडर बेहतर हो सकता है और अगर ज्यादा व्यापक सुरक्षा चाहिए, तो ऐड-ऑन ज्यादा काम का होता है।

जब आप हेल्थ, लाइफ, मोटर या ट्रैवल इंश्योरेंस लेते हैं, तो कई बार बाद में महसूस होता है कि पॉलिसी में कोई जरूरी कवरेज कम है। ऐसे में कंपनियां दो विकल्प देती हैं- राइडर और ऐड-ऑन।

राइडर क्या होता है?: राइडर आपकी मूल पॉलिसी के साथ जुड़ने वाला अतिरिक्त लाभ होता है। यह उसी पॉलिसी का हिस्सा बन जाता है, अलग से कोई नई पॉलिसी नहीं बनती। राइडर आमतौर पर उसी इंश्योरेंस कंपनी से मिलता है, जिससे आपकी बेस पॉलिसी ली गई है।

ऐड-ऑन कवर क्या होता है?: ऐड-ऑन एक तरह से अलग इंश्योरेंस कवर होता है, जो मौजूदा पॉलिसी के साथ जोड़ा जाता है। इसमें अलग शर्तें होती हैं और कई बार अलग डॉक्यूमेंट भी। जैसे ट्रैवल इंश्योरेंस में बैगेज लॉस कवर या ट्रिप डिले कवर। ये अलग ऐड-ऑन होते हैं, जिन्हें किसी ट्रैवल पॉलिसी के साथ जोड़ा जा सकता है। ऐड-ऑन ज्यादा लचीले होते हैं और किसी दूसरी कंपनी से भी लिए जा सकते हैं।

RIDER VS ADD-ON

- **स्ट्रक्चर:** राइडर बेस पॉलिसी का ही हिस्सा होता है, जबकि ऐड-ऑन एक अलग कवर होता है।
- **पॉलिसी डॉक्यूमेंट:** राइडर के लिए नया डॉक्यूमेंट नहीं बनता, ऐड-ऑन के लिए अलग डॉक्यूमेंट हो सकता है।
- **नियम और शर्तें:** राइडर बेस पॉलिसी की शर्तों में बदलाव कर सकता है, ऐड-ऑन बेस पॉलिसी की शर्तों को नहीं बदलता।
- **इंश्योरर:** राइडर सिर्फ उसी इंश्योरर से मिलता है, ऐड-ऑन मौजूदा या नई कंपनी से भी लिया जा सकता है।
- **प्लान से जुड़ाव:** राइडर किसी खास प्लान के लिए होता है, ऐड-ऑन आमतौर पर किसी भी पॉलिसी में जोड़ा जा सकता है।
- **लागत:** राइडर आमतौर पर सस्ता होता है, जबकि ऐड-ऑन का खर्च ज्यादा हो सकता है।

कम ब्याज़ का मतलब हमेशा सस्ता लोन नहीं होता, कुल लागत देखना भी ज़रूरी है

सिर्फ लोन की कम EMI देखकर धोखा न खाएं

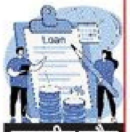

यासमीन हुसैन
Yasmin.Hussain@timesofindia.com

हर नए साल के साथ नए संकल्प आते हैं। कई संकल्प पर्सनल सुधार पर फोकस करते हैं, तो कुछ बड़े फाइनैंशल फैसलों में बदल जाते हैं, जैसे कार या घर खरीदना। लेकिन यह लगभग तय है कि ये लक्ष्य हमें लोन की ओर ले जाते हैं। इससे पहले कि आप अपने 2026 के संकल्पों को EMI में बदलें, यहां कुछ जरूरी बातें हैं, जिन्हें ध्यान में रखना चाहिए।

- *लोग सोचते हैं कि दूसरे बैंक जाने पर EMI कम होगी। मगर कई फीस और चार्ज मिलकर फायदा कम कर देते हैं। इसलिए पहले अपने बैंक से रेट घटाने को कहें, तभी ट्रांसफर की सोचें।*
- *जब बोनस या अतिरिक्त पैसे मिलें, तो खर्च की जगह लोन में प्री-पेमेंट डालें। इससे टेन्योर घटेगा और ब्याज बहुत बच जाएगा।*

नया साल आते ही लोग सपने बनाने लगते हैं, जैसे नया घर लेना, कार खरीदना, बच्चों की पढ़ाई के लिए प्लान बनाना या कोई बड़ा काम शुरू करना। जैसे ही बड़ी खरीदारी की बात आती है, एक शब्द हमेशा बीच में आ जाता है- लोन। भारत में ज्यादातर परिवार बड़ी खरीदारी अपनी बचत से पूरी नहीं कर पाते। ऐसे में होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन ही सहारा बनते हैं। 2025 में रीपो रेट में करीब 1.25% की कटौती हुई है, तो बैंक और NBFC फिर से एक्टिव हैं। हर जगह ऑफर दिखने लगे हैं- 'सबसे सस्ती EMI', 'लो इंटरेस्ट लोन', 'सीमित समय का ऑफर'। लेकिन सच्चाई यह है कि कम EMI दिखाई देने का मतलब हमेशा सस्ता लोन नहीं होता। लोन लेने से पहले यह देखना जरूरी है कि EMI आपकी जेब के हिसाब से है या नहीं, पूरे लोन में कितना ब्याज देना पड़ेगा और क्या यह लोन सच में जरूरी है या सिर्फ लालच की वजह से लिया जा रहा है। वैसे भी बैंकों और लोन ऐप्स के ऑफर सुनने में अच्छे लगते हैं, लेकिन पीछे शर्तें छुपी होती हैं।

सबसे पहले देखें EMI आपकी जेब संभाल पाएगी या नहीं

लोन लेने का पहला नियम बहुत सीधा है: 'ऐसा लोन कभी न लें, जिससे घर के महीने का खर्च चलाना मुश्किल हो जाए।' MortgageWorld.in के फाउंडर विपुल पटेल कहते हैं कि होम लोन की EMI टैक्स कटने के बाद मिलने वाली सैलरी के करीब 50-55% से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। अगर इससे ज्यादा EMI हो गई, तो बचत रुक जाती है, किसी इमरजेंसी में हालत खराब हो जाती है, हर महीने तनाव बढ़ता जाता है। कम आय वालों के लिए EMI का हिस्सा और छोटा होना चाहिए, क्योंकि उनके खर्च पहले से सीमित होते हैं। ज्यादा कमाने वालों के पास थोड़ा लचीलापन हो सकता है। एक और बड़ी गलती लोग यह करते हैं कि भविष्य की सैलरी बढ़ने के भरोसे लोन ले लेते हैं। RentenPe की CEO सारिका शेट्टी कहती हैं कि लोन हमेशा आज की कमाई देखकर लें। बोनस, प्रमोशन, या आने वाली आमदनी को पक्का मानकर EMI बढ़ाना बहुत जोखिम भरा है।

एक आसान नियम

पर्सनल लोन EMI	टेक-होम सैलरी के 10% तक
कार लोन EMI	15% तक
होम लोन EMI	50-55% तक

ब्याज दरों की तुलना करना जरूरी

हममें से बहुत लोग वही बैंक चुन लेते हैं, जहां अकाउंट है। लेकिन यह हमेशा समझदारी नहीं होती। अलग-अलग बैंक और NBFC एक ही ग्राहक को अलग-अलग दर पर लोन देते हैं। थोड़ा-सा फर्क भी लंबे समय में लाखों रुपये बढ़ा या घटा सकता है। 1 अक्टूबर 2019 के बाद बैंकों के ज्यादातर होम लोन रेपो रेट से जुड़े हुए हैं। इसका मतलब है कि RBI दर घटाता है, तो बैंक को फायदा ग्राहकों तक पहुंचाना पड़ता है। लेकिन NBFCs पर यह लागू नहीं होता। वे चाहें तो दर घटा दें, पर पुराने ग्राहकों को फायदा न भी दें।

हर ऑफर सही नहीं होता

बैंक और लोन ऐप्स शुरुआत में EMI कम दिखाते हैं, लेकिन कुछ महीनों के बाद EMI अपने आप बढ़ जाती है। प्रोसेसिंग फीस कम बताते हैं, लेकिन बाकी छुपे चार्ज बाद में जोड़कर खर्च बढ़ा देते हैं। लोन के साथ जबरदस्ती इंश्योरेंस, एक्सटेंडेड वारंटी और कई ऐड-ऑन जोड़ देते हैं। इसलिए पूरा एग्रीमेंट पढ़ें, हिडन चार्जेस देखें, सिर्फ मार्केटिंग और ऑफर देखकर न फंसें।

लंबा टेन्योर EMI ब्याज बढ़ा देता है

लोग कहते हैं कि '25-30 साल का लोन लो, EMI आराम से भरोगे।' सच्चाई यह है कि EMI कम तो कुल ब्याज ज्यादा होता है। ₹50 लाख का लोन, 20 साल के लिए, 8.5% पर है, तो ब्याज ₹54 लाख होगा।

क्या करें?

- संभव हो तो छोटा टेन्योर चुनें।
- सैलरी बढ़े तो EMI भी थोड़ा बढ़ाएं।
- बोनस, टैक्स रिफंड से प्री-पेमेंट करें।
- खासकर शुरुआत में ज्यादा चुकाएं, क्योंकि शुरुआती EMI में ब्याज ज्यादा होता है।
- कार के केस में लंबा लोन और भी गलत है, क्योंकि कार की वैल्यू गिरती है और आप सालों तक ब्याज देते रहते हैं। इसलिए बहुत लंबा कार लोन सही नहीं।

कब लोन शिफ्ट करना फायदेमंद है?

विपुल पटेल सीधा नियम बताते हैं, 'दूसरे बैंक में तभी जाएं, जब नई दर पुरानी से कम से कम 0.25-0.35% कम हो।' यह इस पर भी निर्भर है कि कितने साल का लोन बाकी है।

- आपका लोन 15 साल से ज्यादा बचा है, तो 0.25-0.35% का छोटा फर्क भी फायदा दे सकता है।
- 10-15 साल बचे हैं, तो कम से कम 0.50-0.75% का अंतर होना चाहिए।
- 10 साल से कम बचा है, तो लगभग 1% का बड़ा फर्क नहीं दिखे, तब तक शिफ्ट करने का मतलब नहीं है।

उधार लेते समय इन जालों से बचें

- रेपो रेट घटने के बाद अक्सर लोग EMI कम करने की गलती करते हैं। अगर EMI वही रखें और टेन्योर घटाएं, तो कुल ब्याज कम पड़ेगा और लोन सस्ता होगा।
- कार लोन में डीलर कई चीजें जोड़ देता है- एक्सटेंडेड वारंटी, ऐक्सेसरीज, इंश्योरेंस टॉप-अप, सर्विस पैक। इन पर भी वही ब्याज लगता है। इससे लोन महंगा हो जाता है।
- ऐप और बैंक पर दिखने वाले Pre-approved कार/होम लोन मार्केटिंग का तरीका है, आपकी जरूरत के हिसाब से नहीं होते। उन्हें 'खर्च की अनुमति' मत समझें, पहले जांच करें।
- साइन से पहले लोन एग्रीमेंट पढ़ें, चार्जेस देखें, इंश्योरेंस क्लॉज समझें, प्री-पेमेंट, फोरक्लोजर रूल्स देखें, छुपे हुए चार्ज लोन महंगा कर देते हैं।

बैंक बदलने से लोन की कुल लागत कैसे बदलती है?

₹50 लाख का होम लोन, 25 साल के लिए हो और ब्याज दर 0.60% (60 bps) कम हो जाए, तो स्विच करने के बाद EMI वही रखते हुए आप 14.9 लाख रुपये बचा सकते हैं।

विवरण	मौजूदा बैंक	नया बैंक (कम EMI)	नया बैंक (EMI वही)
होम लोन ब्याज (%)	7.95%	7.35%	7.35%
टेन्योर (महीनों में)	300	300	261
लोन राशि (₹)	50,00,000	50,00,000	50,00,000
EMI (प्रति माह)	38,425	36,463	38,425
कुल ब्याज (₹)	65,27,604	59,38,930	50,34,182

सीख क्या?

सिर्फ EMI कम करना हमेशा अच्छा नहीं। EMI वही रखकर टेन्योर कम करें तो ज्यादा फायदा होगा। बैंक बदलने से पहले सभी चार्जेस भी जोड़कर देखें।

पुरानी कार बेचें या स्क्रैप करें?

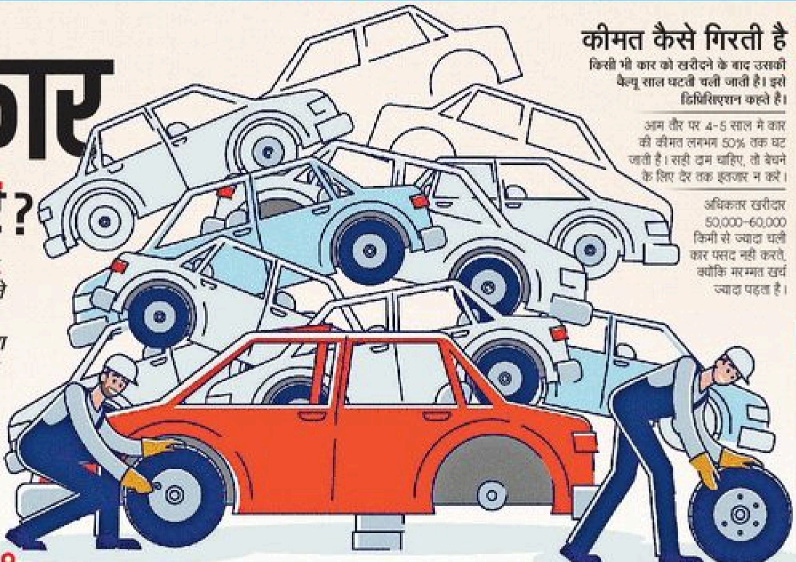

रिजु मेहता
Riju.Mehta
@timesofindia.com

पुरानी कार बेचनी है या स्क्रैप करनी है, ज्यादातर लोग इसी दुविधा में फंस जाते हैं। कई बार सही कीमत नहीं मिलती, तो कई लोग समझ नहीं पाते कि स्क्रैपिंग प्रोसेस कैसे होता है। यहां जानिए, कब कार स्क्रैप करना बेहतर है और पूरा प्रोसेस कैसे चलता है।

अगर आपकी कार अपने राज्य में तय की गई कानूनी उम्र पार कर चुकी है और अब उसे चलाने की अनुमति नहीं है, तो आपके पास दो रास्ते होते हैं या तो उसे स्क्रैप करवा दें या फिर ऐसे राज्य में बेच दें, जहां उसकी उम्र सीमा अभी बाकी हो। उदाहरण के लिए, दिल्ली-NCR में आम तौर पर 15 साल पुरानी पेट्रोल कार और 10 साल पुरानी डीजल कार सड़कों पर नहीं चल सकतीं। लेकिन ज्यादातर राज्यों में ऐसा नहीं है। वहां आप कार चला सकते हैं बशर्ते कि उसका RC (रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट) रिन्यू करवाएं, हर 5 साल में फिटनेस सर्टिफिकेट बनवाएं। हालांकि अगर आपको दूसरे स्टेट में कार बेचने की झंझट लगती है, तो फिर आपके पास एक ही विकल्प बचता है- कार स्क्रैप करना।

आप चाहें तो कार को उसकी तय उम्र से पहले भी स्क्रैप करवा सकते हैं, अगर कार किसी बड़े एक्सीडेंट में बहुत खराब हो गई हो, मरम्मत का खर्च बहुत ज्यादा आ रहा हो, बार-बार फिटनेस और दूसरे नियम पूरे करने में भारी खर्च हो रहा हो। CarDekho ग्रुप के मैनेजिंग एडिटर अजीत मेनन कहते हैं कि अगर मरम्मत, नियमों का पालन, फिटनेस फीस मिलाकर इतना खर्च हो जाए कि कार की असली वैल्यू के बराबर या उससे भी ज्यादा हो जाए, तो स्क्रैप करना ज्यादा समझदारी है। पिछले कुछ सालों में कार की फिटनेस फीस काफी बढ़ गई है और कई राज्यों में पुरानी कारों पर ग्रीन टैक्स भी लगाया जाता है। RC रिन्यू करते समय हर 5 साल बाद यह टैक्स लग सकता है। यह आमतौर पर रोड टैक्स का 10-25% होता है। छोटी कारों के लिए 3,000-5,000 तक और बड़ी कारों और SUVs के लिए 5,000-10,000 तक खर्च हो सकता है। इसीलिए, सब जोड़कर देखें कि कुल खर्च कितना बैठ रहा है। हो सकता है कि बेहिसाब खर्च करने से बेहतर हो कार स्क्रैप कर देना।

बेच देना बेहतर रहेगा?

अगर कार चलने लायक है, RC वैध है, फिटनेस और पॉल्यूशन टेस्ट पास हो जाता है, तो आप उसे पुरानी कार के बाजार में अच्छी कीमत पर बेच सकते हैं। अच्छी तरह मैंटेन कार 10 साल बाद भी ठीक-ठाक दाम दिला सकती है। विशेषज्ञ कहते हैं कि कार बेचने का सबसे सही समय आमतौर पर 5 से 8 साल के बीच होता है। दिल्ली-NCR के सरकारी मान्यता प्राप्त स्क्रैपिंग सेंटर (RVSF) से जुड़े विक्रांतजीत बक्शी (CEO, Pinerview Technology) कहते हैं कि सबसे अच्छा समय कार को बेचने का 5 साल बाद होता है या फिर 1 लाख किलोमीटर चलने से पहले। इसके बाद कार में दिक्कतें बढ़ती हैं और मैंटेनेंस ज्यादा होता है। ज्यादातर लोग 5 साल का ऑटो लोन लेते हैं, इसलिए 5 साल बाद लोन भी खत्म हो जाता है। यही समय कार बेचने के लिए सुविधाजनक रहता है।

कीमत कैसे गिरती है

किसी भी कार को खरीदने के बाद उसकी वैल्यू साल घटती चली जाती है। इसे डिप्रिसिएशन कहते हैं।

आम तौर पर 4-5 साल में कार की कीमत लगभग 50% तक घट जाती है। सही दाम चाहिए, तो बेचने के लिए देर तक इंतजार न करें।

अधिकतर खरीदार 50,000-60,000 किमी से ज्यादा चली कार पसंद नहीं करते, क्योंकि मरम्मत खर्च ज्यादा पड़ता है।

कब बेच देना समझदारी है?

- कंपनी उस मॉडल को बनाना बंद कर दे
- **कोई नई सरकारी नीति आने की आशंका हो**
- बाजार के ट्रेंड बदल रहे हों
- **आगे रिसेल वैल्यू तेजी से गिरने की संभावना हो**

अजीत मेनन का कहना है कि जब तक कार भरोसा देती है और अच्छा प्रदर्शन कर रही है, तब तक बेचने से बेहतर कीमत मिल जाती है। इंतजार करने पर कई बार कीमत अचानक गिर जाती है।

पुरानी कार के कितने पैसे?

कार स्क्रैप कराने पर मिलने वाली रकम कई बातों पर तय होती है। यानी, हर किसी को एक जैसी कीमत नहीं मिलती। विक्रमजीत बक्शी बताते हैं कि कीमत मुख्य रूप से इन बातों पर निर्भर करती है...

- कार कौन-सी कंपनी और कौन-सा मॉडल है
- कार की हालत कैसी है
- कार का कर्ब वेट (यानी चलने के लिए तैयार कार का असली वजन)
- कार में कितना मेटल, स्टील, एल्यूमिनियम आदि है

आखिर में, स्क्रैप कीमत का बेसिक फार्मूला यही होता है जितना ज्यादा वजन और धातु, उतनी ज्यादा कीमत।

अगर कार अब भी चलने लायक है और उसके कुछ पार्ट्स (जैसे दरवाजे, इंजन पार्ट्स, शीशे, टायर) दोबारा इस्तेमाल किए जा सकते हैं, तो स्क्रैपर आपको थोड़ी ज्यादा रकम दे सकता है।

कितनी कीमत मिलती है? अजीत मेनन के अनुसार

- छोटी हैचबैक कारों पर 15-25 हजार मिलते हैं।
- **मिड-साइज सेडान और SUV पर लगभग ₹25,000-₹40,000 तक मिल सकते हैं।**
- बड़ी SUV और लग्जरी कारों के लिए करीब ₹40,000-₹60,000 तक मिल सकता है।

यह सिर्फ अंदाजा है। कार की हालत, उम्र, पेपर और बाजार की कीमत पर राशि कम-ज्यादा हो सकती है।

स्क्रैप कैसे करवाएं?

स्टेप 1

सबसे पहले अपने राज्य में मौजूद रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटी (RVSF) से संपर्क करें। इनकी पूरी लिस्ट आपको VAHAN पोर्टल पर मिलेगी: **vscrap.parivahan.gov.in** (RVSF details सेक्शन में)

यानी, कार कहीं भी स्क्रैप करवाएं लेकिन सिर्फ सरकार से मान्यता प्राप्त स्क्रैपर के पास ही जाएं।

स्टेप 2

इसके बाद आपको कुछ डॉक्यूमेंट जमा करने होते हैं:

- कार का RC (रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट)
- PAN कार्ड
- बैंक अकाउंट की डिटेल्स (जहां पैसा आएगा)
- कैंसल चेक
- मालिक का आईडी प्रूफ
- अगर कार के मालिक की मौत हो चुकी है, तो साथ में डेथ सर्टिफिकेट या सक्सेशन सर्टिफिकेट (वारिस का प्रमाण) भी देना होगा।

स्टेप 3

जब स्क्रैपर (RVSF) आपके डॉक्यूमेंट चेक कर लेता है और कार अपने पास ले लेता है तो वह आपको एक डॉक्यूमेंट देता है: Certificate of Deposit (CoD). इस CoD की मदद से आप नई गाड़ी खरीदते समय मिले डिस्काउंट, कुछ टैक्स में रियायत का फायदा ले सकते हैं।

स्टेप 4

जब आपकी कार पूरी तरह स्क्रैप हो जाती है, तो RVSF का काम होता है Certificate of Vehicle Scrapping (CVS) को ऑनलाइन VAHAN वेबसाइट पर अपलोड कर देना। यानी, सरकार के रिकॉर्ड में साफ दर्ज हो जाता है कि आपकी कार अब खत्म (स्क्रैप) हो चुकी है।

स्टेप 5

RVSF कार का फिजिकल चेसिस नंबर (जिससे वाहन की पहचान होती है) छह महीने तक संभालकर रखता है। इसके बाद, तय नियम के अनुसार, उसे भी नष्ट कर दिया जाता है।

स्टेप 6

पूरा प्रोसेस खत्म होने के बाद स्क्रैपर कार का कबाड़ बेचता है, उसका मूल्य निकालता है और फिर पैसा सीधे आपके बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करता है। यानी कार जमा करो, डॉक्यूमेंट दो, CoD लो, कार स्क्रैप होगी, CVS अपलोड होगा और आखिर में पैसा आपके खाते में आएगा।

स्क्रैप के क्या फायदे होते हैं?

कार स्क्रैप पर बहुत ज्यादा पैसा न मिले, तो भी स्क्रैपिंग के कई फायदे होते हैं, जिन्हें लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। सबसे बड़ा फायदा मिलता है- सर्टिफिकेट ऑफ डिपॉजिट (CoD)। यह दस्तावेज रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटी (RVSF) देती है, इसका मतलब होता है कि आपकी कार आधिकारिक तौर पर स्क्रैप के लिए जमा कर दी गई है।

स्क्रैपिंग कहां कराएं? कार स्क्रैप लोकल कबाड़ी का काम नहीं है। इसे सिर्फ ऑथराइज्ड RVSF (Registered Vehicle Scrapping Facility) ही कर सकती है। दिल्ली-NCR में ऐसे 5-6 सेंटर्स हैं और पूरे देश में करीब 190 से ज्यादा RVSF काम कर रहे हैं।

कार डीरजिस्टर कैसे होती है?

जब कार स्क्रैप हो जाती है, तो अगला जरूरी कदम होता है कार को RTO के रिकॉर्ड से हटवाना, यानी डीरजिस्ट्रेशन। आइए पूरा प्रोसेस समझते हैं।

स्टेप 1

कार स्क्रैप होने के बाद रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटी (RVSF) VAHAN पोर्टल पर Certificate of Vehicle Scrapping (CVS) अपलोड कर देती है। यही डॉक्यूमेंट डीरजिस्ट्रेशन में काम आता है।

स्टेप 2

अब आपके पास दो विकल्प होते हैं: आप खुद RTO जाकर डॉक्यूमेंट जमा करें या RVSF आपकी तरफ से यह काम कर दे। दोनों तरीके मान्य हैं।

स्टेप 3

खुद RTO में आवेदन करते हैं, तो ये डॉक्यूमेंट लगते हैं: ओरिजिनल RC, कार का चेसिस नंबर (मार्किंग/डिटेल), आपकी पहचान और पता प्रमाण, स्क्रैप की गई कार की फोटो, फॉर्म 29 और फॉर्म 30 और साथ में CVS (स्क्रैप सर्टिफिकेट)।

स्टेप 4

कई बार RTO अंडरटेकिंग मांगता है। इसमें लिखकर देना होता है कि कार पर कोई बकाया लोन, इंश्योरेंस क्लेम पेंडिंग नहीं है, कार केस, चोरी या गलत गतिविधि में शामिल नहीं। यानी, गाड़ी की लीगल हिस्ट्री साफ होनी चाहिए।

स्टेप 5

जब RTO आपके सारे कागजों की जांच पूरी कर लेता है, तो RC कैंसल कर देता है और कार आधिकारिक रूप से दर्ज से हटा दी जाती है। यानी, अब वह कार कानूनी रूप से अस्तित्व में नहीं मानी जाती।

स्टेप 6

अगर आपने यह काम RVSF को सौंप दिया था, तो RVSF खुद RTO से प्रक्रिया पूरी करवाता है और डीरजिस्ट्रेशन हो जाने के बाद आपको जानकारी दे देता है।

स्क्रैप से मिले CoD पर छूट

CoD के बदले आम तौर पर रोड टैक्स में 25% तक की छूट, रजिस्ट्रेशन फीस माफ (यह छूट किस राज्य में कितनी होगी, यह राज्य और व्हीकल कैटेगरी पर निर्भर करता है।) के अलावा किसी भी ब्रैंड की नई कार लेते समय अगर आप ऑथराइज्ड स्क्रैपर का सर्टिफिकेट दिखाते हैं, तो कंपनी से भी कुछ डिस्काउंट मिल सकता है। ध्यान रहे यह छूट हर जगह नहीं होती। कई जगह यह पूरी तरह कंपनी और राज्य सरकार के निर्णय पर निर्भर रहती है। अजीत मेनन बताते हैं कि असल जिंदगी में ये फायदे हर जगह बराबर नहीं मिलते। अलग-अलग राज्यों में टैक्स छूट अलग-अलग होती है और ऑटो कंपनियों की तरफ से मिलने वाला डिस्काउंट आम तौर पर ₹10,000 से ₹25,000 तक ही होता है। यानी स्क्रैपिंग से फायदा होता है लेकिन चमत्कार जैसी बड़ी छूट मिलना हर बार संभव नहीं होता।

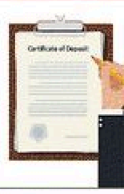

CoD बेच भी सकते हैं

CoD का इस्तेमाल करके नया वाहन खरीदते समय छूट ले सकते हैं, जो पूरे देश में मान्य है। कार कहीं भी स्क्रैप कराई हो, फर्क नहीं पड़ता। अगर आप अभी नई कार नहीं लेना चाहते, तो यह CoD बेच भी सकते हैं (ट्रेड कर सकते हैं)। वाहन स्क्रैप पॉलिसी के तहत DigiELV जैसे प्लेटफॉर्म पर CoD को कैश या दूसरे बेनिफिट्स के बदले बेचा जा सकता है।

काम की खबर

NCR में 6 महीने में 50 हजार को मिलेंगे फ्लैट!

प्रवेश सिंह
Pravesh.Singh@timesofindia.com

NCR के रियल एस्टेट मार्केट के लिए यह साल बायर्स और निवेशकों के लिहाज से राहत भरा रहने की उम्मीद है। 2017-18 में करीब 3.5 लाख बायर्स नोएडा, ग्रेटर नोएडा के प्रोजेक्टों में फंसे हुए थे। 2022 के बाद से बाजार में फिर से भरोसा लौटना शुरू हुआ, जो 2026 में और साफ नजर आ रहा है। अनुमान है कि अगले 6 से 7 महीनों में नोएडा और ग्रेटर नोएडा के अलग-अलग प्रोजेक्टों में करीब 50 हजार फ्लैट बायर्स को पजेशन मिल सकता है। बड़ी संख्या में प्रोजेक्ट OC और CC के करीब पहुंच चुके हैं।

साथ ही रेपो रेट में हालिया कटौती का फायदा भी होम लोन पर दिखने लगा है, जिससे EMI कम हुई है और नए खरीदारों का भरोसा बढ़ा है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अब खरीदार केवल नए लॉन्च नहीं, बल्कि समय पर डिलीवरी और डिवेलपर के ट्रैक रिकॉर्ड को देख रहे हैं। एस्कोटिका हाउसिंग के MD दिनेश जैन के मुताबिक, सस्ते होम लोन और बेहतर कनेक्टिविटी के चलते 2026 में मिड और प्रीमियम सेगमेंट में स्थिर ग्रोथ देखने को मिल सकती है। वहीं केपी ग्रुप के फाउंडर राकेश सिंघल मानते हैं कि बढ़ते किराए और सस्ते लोन मिलकर लोगों को किराए की बजाय अपना घर खरीदने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

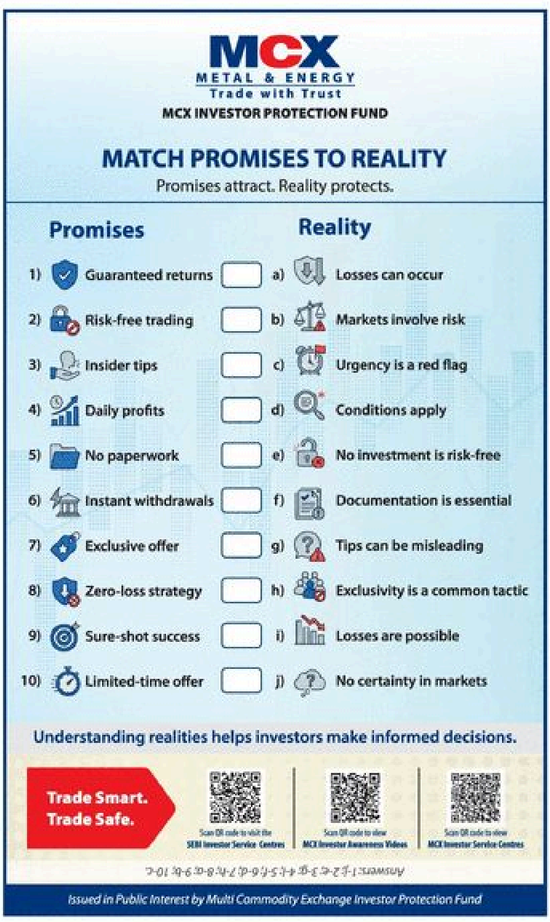

डिजिटल अरेस्ट कर स्कैमर ने भेजा थाने

NRI डॉक्टर दंपती ने बताई कैद के दौरान की आपबीती

■ NBT रिपोर्ट, ग्रेटर कैलाश

ग्रेटर कैलाश के एनआरआई डॉक्टर दंपती को 17 दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर 14 करोड़ 85 लाख ऐंठने के बाद स्कैमर ने ही सलाह दी थी कि नजदीकी थाने जाकर सीज किए गए पैसों को रिलीज कराने का ऑर्डर ले लीजिए। इसके बाद 9 जनवरी को जैसे ही वे थाने पहुंचे तब अहसास हुआ कि उनके साथ बहुत बड़ा स्कैम हुआ है। 10 जनवरी को उन्होंने साइबर क्राइम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद आईएफएसओ ने एफआईआर दर्ज की। जांच में पता चला कि दंपती ने डिजिटल अरेस्ट के दौरान अलग-अलग बैंक खातों में RTGS के जरिए पैसे ट्रांसफर किए थे। केनरा और दूसरे बैंक अकाउंट स्टेटमेंट में एंट्री दर्ज है। 8 ट्रांजैक्शन से 14 करोड़ 85 लाख रुपये वसूले गए। स्कैम की यह रकम Floresta Foundation नाम के अकाउंट में गई थी। यह घटना 24 दिसंबर 2025 से 9 जनवरी 2026 के बीच हुई। पुलिस को शुरुआती बयान से पता चला कि डॉ ओम तनेजा और इनकी पत्नी डॉ इंदिरा तनेजा ने करीब 48 साल तक अमेरिका में रहकर UN में सर्विस की। रिटायर होने के बाद साल 2016 में भारत आ गए।

पैसे रिलीज कराने के लिए थाने जाने को बोला था

डॉ दंपती ने बताया कि 24 दिसंबर को एक फोन आया। कॉल करने वाले ने खुद को TRAI से बताया। कहा कि आज आपका सिम बंद हो जाएगा। क्योंकि आपके सिम से अश्लील कंटेंट भेजे गए हैं। डॉ इंदिरा तनेजा यह सुनकर चौंक गईं। उन्होंने ऐसे किसी कंटेंट के बारे में साफ इनकार किया। जिसके बाद कहा गया कि आपके सिम के खिलाफ 26 कंप्लेंट हैं। उसने मुंबई के कोलाबा पुलिस स्टेशन में कॉल कनेक्ट करने की बात कही। दूसरी तरफ से फर्जी पुलिस ऑफिसर सामने था। उसने कहा कि आपके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग इमेल और फर्जी खातों से जुड़ी 26 शिकायतें आई हैं। इसके बाद स्कैमर ने अरेस्ट वॉरंट इशू का डर दिखाया। उन्हें कहा गया कि मामला देश की सुरक्षा से जुड़ा है और अगर जानकारी लीक हुई तो उनकी और उनके पति की जान को खतरा है। यहीं से डॉक्टर दंपती को डिजिटल अरेस्ट कर लिया गया।

AI Image

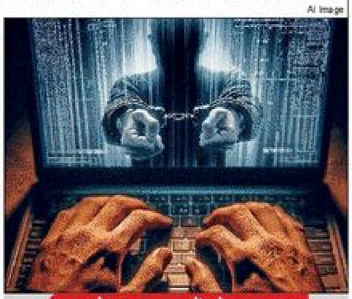

14 करोड़ 85 लाख ऐंठने का मामला

- NRI डॉक्टर दंपती को 17 दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर 14 करोड़ 85 लाख ऐंठने का मामला
- स्कैमर ने ही सलाह दी थी कि नजदीकी थाने जाकर सीज किए गए पैसों को रिलीज कराने का ऑर्डर ले लीजिए
- जैसे ही वे थाने पहुंचे तब अहसास हुआ कि उनके साथ बहुत बड़ा स्कैम हुआ है
- कुल 8 ट्रांजैक्शन से 14 करोड़ 85 लाख रुपये वसूले गए
- डॉ ओम तनेजा और पत्नी डॉ इंदिरा तनेजा ने करीब 48 साल तक UN में सर्विस की

बैंक में सुनाते थे झूठी कहानी

24 दिसबर से 9 जनवरी तक डॉक्टर दंपती को लगातार विडियो कॉल पर रखा गया। जब भी इंदिरा को बाहर जाना होता, किसी से बात करनी होती या बैंक जाना होता तो स्कैमर उनके पति के फोन पर विडियो कॉल करके सब सुनते और देखते थे। दंपती ने बताया कि अमेरिका में बच्चों को कॉल करने पर भी विडियो कॉल चालू रखनी होती थी। सोशल मीडिया, वट्सऐप और दोस्तों से दूरी बनाकर रखने के लिए कहा गया। हर समय यह कहकर डराया गया कि जान को खतरा है। खुद को कभी कोलाबा पुलिस, कभी ड्यूटी ऑफिसर, तो कभी सुप्रीम कोर्ट से जुड़ा अधिकारी बताया। विडियो कॉल पर नकली जज बैठाया गया। इंदिरा से सुप्रीम कोर्ट के नाम पर कई लेटर लिखवाए गए। जिनमें सामाजिक सेवा, NGO, ट्रस्टी होने की जानकारी तक शामिल करवाई गई। उन्हें भरोसा दिलाया गया कि अगर पैसे जांच के लिए ट्रांसफर कर दिए गए तो RBI के जरिए सब रिफंड हो जाएगा और क्लीन चिट मिल जाएगी। जब इंदिरा पहली बार बैंक गईं, तो मैनेजर ने बड़ी रकम ट्रांसफर करने का कारण पूछा। उन्होंने वही कहानी सुनाई जो ठगों ने उन्हें पहले से सिखाई थी।

गणतंत्र दिवस पर होगी 11 दिन परिंदों की पार्टी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

File Photo

गणतंत्र दिवस पर होने वाले एयर शो के दौरान एयरोप्लेन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस बार राजधानी के पक्षियों को बोनलेस चिकन दिया जाएगा। वन विभाग ने पक्षियों को एयर शो के फ्लाइट कॉरिडोर से दूर रखने के मकसद से यह रणनीति तैयार की है। 15 जनवरी से 26 जनवरी तक यह अभियान चलाया जाएगा। वन विभाग ने इसके लिए टेंडर जारी कर दिया है। टेंडर के मुताबिक, इस दौरान में पक्षियों को 1,270 किलो से ज्यादा बोनलेस चिकन दिया जाएगा।

एयर शो के दौरान पक्षियों को कंट्रोल करने के लिए रणनीति

हर साल 26 जनवरी से पहले एयर फोर्स के साथ मिलकर ऐसे उपाय किए जाते हैं, ताकि कम ऊंचाई पर उड़ने वाले फाइटर जेट्स को पक्षियों से टकराने के खतरे से बचाया जा सके। एयर शो के दौरान पक्षियों का टकराना गंभीर खतरा माना जाता है। एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि यह एक बचाव अभियान है। चील जैसे पक्षी खुले इलाकों और खाने की चीजों की ओर जल्दी आकर्षित होते हैं। अगर ये फ्लाइट कॉरिडोर में आ जाएं तो खतरा बन सकते हैं। इस साल पहली बार भैंस के मांस की जगह चिकन का यूज किया जा रहा है ताकि वाइल्डलाइफ मैनेजमेंट और गणतंत्र दिवस समारोह के बीच बैलेंस बनाया जा सके। यह अभियान राजधानी में तय 20 जगहों पर चलेगा।

नमो भारत और दिल्ली मेट्रो के बीच सिंगल-पॉइंट सिक्योरिटी चेक शुरू

NBT 2 मिनट में पढ़ें

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

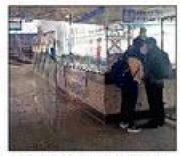

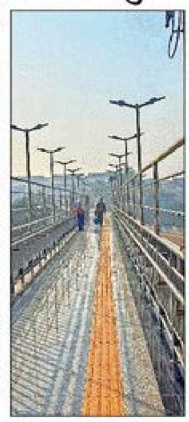

यात्रियों की सुविधा के लिए न्यू अशोक नगर में नमो भारत और दिल्ली मेट्रो के बीच इंटरचेंज करने वाले यात्रियों के लिए सिंगल-पॉइंट सिक्योरिटी चेकिंग की शुरुआत कर दी गई है। इस नई व्यवस्था से दोनों नेटवर्क के बीच ट्रैवल ज्यादा आसान और समय बचाने वाला हो गया है। इस सुविधा के लागू होने के बाद न्यू अशोक नगर में नमो भारत स्टेशन और ब्लू लाइन के मेट्रो स्टेशन के बीच इंटरचेंज करने वाले यात्रियों को अब सिर्फ एक बार ही सुरक्षा जांच से गुजरना होगा।

यात्रियों की सुविधा के लिए न्यू अशोक नगर में हुई शुरुआत

अब दिल्ली मेट्रो के वे यात्री जो नमो भारत के जरिए मेरठ की ओर जाते हैं, उन्हें इंटरचेंज के दौरान दोबारा सुरक्षा जांच नहीं करानी पड़ेगी। इसी तरह, नमो भारत से आने वाले यात्रियों को नोएडा की ओर मेट्रो पकड़ने के लिए फिर से सिक्योरिटी चेक से नहीं गुजरना होगा। इसके लिए दोनों स्टेशनों को जोड़ने वाले इंटरचेंज फुट ओवर ब्रिज और मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-2 पर नया सिक्योरिटी चेक पॉइंट बनाया गया है। इसी कड़ी में गाजियाबाद नमो भारत स्टेशन पर भी एक नए फुट ओवर ब्रिज की शुरुआत की गई है।

नोएडा एयरपोर्ट को मिल सकती है कंडीशनल एनओसी, हुआ ऑडिट

Maneesh.Aggarwal
@timesofindia.com

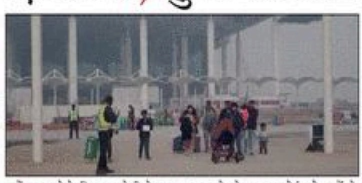

■ **नई दिल्ली:** ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (BCAS) और सीआईएसएफ द्वारा दिसंबर में नोएडा (जेवर) एयरपोर्ट के किए गए सिक्योरिटी ऑडिट में मिली 25 से अधिक कमियों के बाद अब जनवरी में फिर से यहां का सिक्योरिटी ऑडिट किया गया है। सूत्रों ने बताया कि इसमें पाया गया है कि कंक्रीट की बाउंड्रीवॉल की जगह काफी दूरी तक लोहे की फेंसिंग खड़ी करने और सीआईएसएफ जवानों के लिए उपयुक्त वॉच टावर न बनाए जाने समेत जो भी कमियां मिली थीं, उन्हें दूर करने के लिए अब तेजी से काम किया जा रहा है।

सिक्योरिटी वॉच टावर न बनाए जाने समेत मिली कई कमियां

सूत्रों का कहना है कि इसे देखते हुए ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि बीसीएएस द्वारा नोएडा एयरपोर्ट को फिलहाल कंडीशनल एनओसी दी जा सकती है। जिसमें अधूरे सुरक्षा कार्य को टाइम लिमिट के साथ पूरा करना होगा। इसमें नोएडा एयरपोर्ट मैनेजमेंट से बीसीएएस अंडरटेकिंग लेगा। तभी बीसीएएस की तरफ से नोएडा एयरपोर्ट को शर्तों के साथ एनओसी दी जा सकती है। सूत्रों ने यह भी बताया कि इस एनओसी देने का मतलब यह नहीं होगा कि सुरक्षा मानक पूरे किए बिना यहां से एयर ऑपरेशंस शुरू कर दिए जाएं। एनओसी का मतलब अभी केवल इस एयरपोर्ट के उद्घाटन तक सीमित रहेगा। इसके बाद जब एयरपोर्ट पूरी तरह से तमाम सुरक्षा मानकों पर खरा उतर जाएगा।

पानी के लिए मोहताज हुए गुड़गांव के 10 लाख लोग

Surender.singh
@TimesofIndia.com

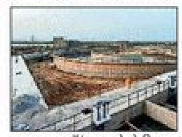

लाइन का जॉइंट खुलने से दिक्कत

■ **गुड़गांव:** शहर में रविवार को भी अधिकतर एरिया में पानी की सप्लाई नहीं हो सकी। इससे 10 लाख से अधिक लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी। शुक्रवार रात को चंदू वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट की मास्टर लाइन का जॉइंट खुलने से यह दिक्कत हुई। रविवार को दिनभर रिपेयरिंग का काम चलता रहा। जीएमडीए की टीम को मास्टर लाइन को डी-वॉटरिंग करने में 24 घंटे से अधिक समय लगा। करीब 250 एमएलडी पानी की डी-वॉटरिंग की गई। अधिकारियों का दावा है कि सोमवार सुबह चंदू प्लांट से पानी की सप्लाई बहाल कर दी जाएगी। जिसके बाद शहर के सभी इलाकों में पानी की सप्लाई सुचारु रूप से शुरू हो जाएगी।

शहर में चंदू वॉटर प्लांट से जुड़ी मास्टर लाइनों की लंबाई 215 किमी के करीब है। दावा है कि सोमवार सुबह चंदू प्लांट से क्षमता के अनुसार पूरे पानी की सप्लाई होगी। रविवार को दिनभर लोग टैंकर के अलावा पानी खरीद कर काम चलाते रहे। ओल्ड सिटी के अलावा अधिकतर नए सेक्टरों में पानी की सप्लाई नहीं हुई। शहर में चंदू वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से 400 एमएलडी पानी की सप्लाई होती है। बसई प्लांट से 300 एमएलडी पानी की सप्लाई की जाती है। इस तरह हर दिन 700 एमएलडी पानी शहर में सप्लाई होता है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 12-01-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD6 User: cci Time: 01-10-2026 22:45 Color:

NPS वात्सल्य

75% तक इक्विटी

पढ़ाई-इलाज के लिए निकाल पाएंगे पैसे

स्नेहा कुलकर्णी
NBTwealth
@timesofindia.com

सरकार ने बच्चों के भविष्य के लिए शुरू NPS वात्सल्य योजना को लेकर नए नियम जारी कर दिए हैं। पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी यानी PFRDA ने इस स्कीम से जुड़ी निवेश, आंशिक निकासी, एग्जिट और आगे जारी रखने से संबंधित पूरी गाइडलाइन जारी की है।

पैसा कहां निवेश होगा?

इस योजना में निवेश को मैनेज करने के लिए अभिभावक PFRDA में रजिस्टर्ड किसी भी पेंशन फंड को चुन सकते हैं। निवेश अलग-अलग असेट क्लास में किया जाएगा, जिनकी सीमा पहले से इस तरह तय है:

- सरकारी बॉन्ड और इससे जुड़े निवेश: **15% से 20%**
- डेट इंस्ट्रूमेंट्स (कर्ज आधारित निवेश): **10% से 30%**
- मनी मार्केट या शॉर्ट-टर्म डेट इंस्ट्रूमेंट्स: **अधिकतम 10%**
- इक्विटी और उससे जुड़े निवेश: **50% से 75%**
- हालांकि, मनी मार्केट में निवेश की 10% की सीमा तभी लागू होगी, जब स्कीम का कुल कॉर्पस ₹5 करोड़ से ज्यादा हो जाएगा।

आंशिक निकासी कब?

आंशिक निकासी (Partial Withdrawal) की अनुमति कुछ खास जरूरतों के लिए ही होगी, जो इस प्रकार हैं:

- बच्चे की पढ़ाई
- किसी गंभीर या तय बीमारी
- अगर बच्चे को 75% से ज्यादा विकलांगता हो जाए।

इसके लिए कुछ शर्तें भी तय की गई हैं...

- अकाउंट खुलने के कम से कम 3 साल बाद ही आंशिक निकासी की जा सकती है।
- **25% तक राशि निकाली जा सकती है, लेकिन उस पर मिले रिटर्न को नहीं निकाला जा सकता।**
- 18 साल से पहले 2 बार आंशिक निकासी होगी।
- **18 साल पूरे होने और KYC पूरा करने के बाद, 18 से 21 साल की उम्र के बीच भी अधिकतम 2 बार आंशिक निकासी की जा सकेगी।**

18 साल का होने पर क्या होगा?

जब बच्चा बालिग यानी 18 साल का हो जाएगा, तब उसके पास कई विकल्प होंगे।

वह इस योजना में अधिकतम 3 साल तक बना रह सकता है।

इस दौरान उसे नया KYC और नॉमिनी की जानकारी जमा करनी होगी।

जब तक KYC पूरा नहीं होता, तब तक पैसा नहीं निकाला जा सकता है, लेकिन निवेश पर रिटर्न मिलता रहेगा।

KYC होने के बाद, निवेशक इनमें से कोई एक विकल्प चुन सकता है:

NPS जारी रखना। पूरी जमा राशि को NPS के All Citizen Model या किसी अन्य लागू मॉडल में ट्रांसफर किया जा सकता है।

अगर कुल कॉर्पस ₹8 लाख से कम है, तो पूरी रकम एक साथ निकाली जा सकती है।

80% तक निकाला जा सकता है कुल जमा रकम का एकमुश्त और बाकी रकम से एन्युटी प्लान खरीदना होगा।

यदि 21 वर्ष की आयु तक कोई स्पष्ट विकल्प नहीं चुना जाता है, तो खाता स्वचालित रूप से उच्च जोखिम इक्विटी ओरिएंटेड ऑप्शन में बदल जाएगा।

अकाउंट खोलने के लिए क्या चाहिए?

बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र और अभिभावक का पहचान, पते का प्रमाण देना होगा। जैसे आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट, वोटर आईडी, PAN कार्ड। अगर अभिभावक NRI या OCI हैं, तो बच्चे का NRE या NRO बैंक अकाउंट (सोल या जॉइंट) भी जरूरी होगा।

वैश्विक घटनाक्रम के साथ TCS, HCL टेक, इंफोसिस, RIL के नतीजे अहम

भंवर में बाज़ार, चुनिंदा शेयरों में ही मौका

इस हफ्ते शेयर मार्केट

अखिलेश प्रताप सिंह
Akhilesh.Singh1
@timesofindia.com

LKP सिक्योरिटीज के सीनियर टेक्निकल एनालिस्ट रूपक डे ने कहा, 'निफ्टी अब 50 EMA से नीचे आ गया है। यह कमजोरी बढ़ने का संकेत है। शॉर्ट टर्म में ट्रेंड कमजोर रह सकता है। इंडेक्स 25550-25500 की ओर जा सकता है। ऊपर की ओर 25850 पर रेजिस्टेंस है।'

टैरिफ पर अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की बयानबाजी और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने पिछले हफ्ते शेयर बाजार को झकझोर दिया। दो हफ्तों से बढ़त का सिलसिला ही नहीं टूटा, निफ्टी करीब 2.5% गिर गया। यह पिछले 3 महीनों में सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट रही। विशेषज्ञों का कहना है कि इस हफ्ते भी अमेरिकी ट्रेड डील और वैश्विक तनाव के पहलू अहम रहेंगे। साथ ही TCS, HCL टेक, इंफोसिस, RIL और जियो फाइनैंशल सर्विसेज जैसी कंपनियों के तिमाही नतीजे भी असर दिखाएंगे। मार्केट में कमजोरी का ट्रेंड बना रह सकता है, लिहाजा निवेशकों को सतर्कता बरतनी चाहिए।

कैसा रहेगा माहौल?

चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग के सीनियर एनालिस्ट आकाश शाह ने कहा, 'वैश्विक अनिश्चितता और टैरिफ से जुड़ी चिंता के बीच निवेशक जोखिम से बचना चाहते हैं। टेक्निकल मोमेंटम पर प्रेशर है और निकट भविष्य में गिरावट का संकेत मिल रहा है। सेंसेक्स के लिए 84100 और इससे ऊपर 84400 पर रेजिस्टेंस है। नीचे की ओर 83100-83000 जोन में अहम सपोर्ट है। मौजूदा जोन के करीब खरीदारी का रुझान दिख सकता है, लेकिन ठोस बढ़त के लिए ऊपर का रेजिस्टेंस लेवल पार करना होगा। तभी सेंटिमेंट बुल्स के फेवर में जाएगा।'

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा, 'नए साल के पहले पूरे हफ्ते में गिरावट के बाद अब वैश्विक व्यापार और तिमाही नतीजों की तस्वीर साफ होने पर मार्केट की दिशा तय होगी। भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर पॉजिटिव डिवेलपमेंट से शॉर्ट टर्म में रिबाउंड आ सकता है। वोलैटिलिटी बनी रह सकती है, खासतौर से अमेरिका से कारोबार वाली मेटल्स और ऑयल एंड गैस कंपनियों के शेयरों में। दमदार डोमेस्टिक फंडामेंटल्स, अच्छी GDP ग्रोथ और मजबूत क्रेडिट ट्रेंड्स को देखते हुए चुनिंदा शेयरों में खरीदारी दिख सकती है।'

AI image

किधर जाएगा निफ्टी?

इस हफ्ते शेयर मार्केट के बारे में एंजेल वन के चीफ मैनेजर ओशो कृष्ण ने कहा, 'निफ्टी के लिए अगला सपोर्ट एरिया 25500-25400 जोन में है। 25900 पर रेजिस्टेंस दिखाई दे रहा है। ठोस ब्रेकआउट पर ही खरीदारी का अच्छा रुझान दोबारा बन सकेगा। लाइट पोजिशन बनाए रखें और किसी भी बाउंस का उपयोग लॉन्ग पोजिशंस से निकलने में करें।'

इन पर रहेगी नज़र

इस हफ्ते तिमाही नतीजों का सीजन तेज रहेगा। 12 जनवरी को TCS, HCL टेक और इरीडीयम एवेन्यू नतीजे जारी करेंगे। 13 को ICICI लोंबार्ड, ICICI प्रूडेंशियल लाइफ, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, टाटा एलेक्सी और जस्ट डायल के नतीजे आएंगे। 14 जनवरी को इंफोसिस और ICICI प्रू AMC, HDB फाइनैंशल, 16 को टेक महिंद्रा, विप्रो और RIL के नतीजों पर नजर रहेगी।

किन पर है दांव?

- एलारा कैपिटल ने JSW स्टील (टारगेट प्राइस ₹994) और SAIL (TP ₹129) को सेल रेटिंग दी है। इसने टाटा स्टील (TP ₹187), हिंडाल्को इंडस्ट्रीज (₹868) और जिंदल स्टील (TP ₹1123) को खरीदने की सलाह दी है।
- **HDFC सिक्योरिटीज ने डॉ रेड्डीज (TP ₹1320) और ऑरस लैब्स (TP ₹1040) को बेचने की सलाह दी है। इसने IPCA लैब्स (TP ₹1660), ल्यूपिन (TP ₹2170) और एरिस लाइफ (TP ₹1970) को खरीदने की सलाह दी है।**
- एमके ग्लोबल ने HDFC लाइफ इंश्योरेंस (TP ₹850), ICICI प्रू लाइफ (TP ₹725), LIC (TP ₹1100), मैक्स फाइनैंशल (TP ₹1900) और SBI लाइफ (TP ₹1300) को खरीदने की सलाह दी है।

'...तो गिरावट बढ़ेगी'

निफ्टी अब 20 और 50 डे के EMA से नीचे है। 100 डे EMA 25619 पर है और इंडेक्स इससे नीचे गया तो बिकवाली तेज हो जाएगी। इंडेक्स तब 25318 की ओर जा सकता है, जहां अगला बड़ा सपोर्ट है। किसी भी रिकवरी की राह में 25950-26000 जोन में बड़ा रेजिस्टेंस दिख रहा है।

—नंदीश शाह, HDFC सिक्योरिटीज के डिप्टी वाइस प्रेजिडेंट

काम की तारीखें

इन IPOs में मौका

IPO (Initial Public Offering) वह प्रक्रिया है, जिसके तहत कोई निजी कंपनी पहली बार आम लोगों को शेयर बेचती है और शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनी बन जाती है। IPO के बाद कंपनी के शेयर स्टॉक एक्सचेंज पर ट्रेड होने लगते हैं और आम निवेशक भी उसमें हिस्सेदारी ले सकते हैं।

AI image

- **Bharat Coking Coal Limited (BCCL) IPO** 9-13 Jan (₹21-₹23)
- **Amagi Media Labs Ltd. IPO** 13-16 Jan (₹343-₹361)
- **Defrail Technologies IPO** 9-13 Jan (₹70-₹74)
- **Avana Electrosystems IPO** 12-14 Jan (₹56-₹59)
- **Narmadesh Brass Industries IPO** 12-15 Jan (₹515-₹515)
- **Armour Security India Ltd. IPO** 14-19 Jan (₹55-₹57)
- **GRE Renew Enertech Ltd. IPO** 13-16 Jan (₹100-₹105)
- **INDO SMC Ltd IPO** 13-15 Jan (₹141-₹149)

पीटर लिंच ने 'One Up on Wall Street' किताब में बताए हैं तरीके

एक्सपर्ट्स से बेहतर रिटर्न कमाएं!

किताब लाजवाब

मृत्युंजय राय
Mrityunjay.Ray
@timesofindia.com

छोटे निवेशक क्या वाकई बड़े मार्केट एक्सपर्ट्स से बेहतर रिटर्न कमा सकते हैं? मशहूर फंड मैनेजर पीटर लिंच अपनी किताब में कहते हैं कि हां, अगर आप अपने आसपास दिखने वाली चीजों को समझें, चुनिंदा कंपनियों पर होमवर्क करें और धैर्य के साथ लंबे समय तक निवेशित रहें तो यह मुमकिन है।

क्या छोटे निवेशक शेयर बाजार के पेशेवर निवेशकों से अधिक रिटर्न कमा सकते हैं? यह मुमकिन नहीं, इस सवाल को पढ़कर आपके मन में यही जवाब आया होगा। मगर अमेरिकी असेट मैनेजमेंट कंपनी फिडेलिटी के दिग्गज फंड मैनेजर माने जाने वाले पीटर लिंच (Peter Lynch) ने 'One Up on Wall Street' नाम की किताब में यही लिखा है। वैसे, जब यह किताब लिखी गई थी, तब इंटरनेट की दुनिया से हम अनजान थे। सूचनाओं की बाढ़ से निवेशकों का पाला नहीं पड़ता था। गूगल का वजूद नहीं था। तब से अब की निवेश की दुनिया में काफी बदलाव आया है। इसके बावजूद इस किताब की अहमियत कम नहीं होती। इसमें कई ऐसी बातों का जिक्र है, जो आपको बेहतर निवेशक बनने में मदद करती हैं। इसलिए यह किताब पढ़ी जानी चाहिए। इसमें पीटर लिंच लिखते हैं कि सामान्य निवेशक अगर रोजमर्रा की जानकारियों का इस्तेमाल करें और चुनिंदा कंपनियों पर डीप रिसर्च करें तो वे अच्छा रिटर्न कमा सकते हैं।

वह बताते हैं कि छोटे निवेशकों के पास कई ऐसी चीजें होती हैं, जो उन्हें संस्थानों से आगे खड़ा करती हैं। लिंच लिखते हैं कि छोटे निवेशक छोटी कंपनियों में निवेश कर सकते हैं, जबकि संस्थागत निवेशकों कभी उन पर नजर तक नहीं डालते। म्यूचुअल फंड मैनेजरों को किसी कंपनी में निवेश से पहले इनहाउस कमिटी की इजाजत लेनी पड़ती है। उन्हें कमिटी के सामने वे तर्क रखने पड़ते हैं, जिसकी वजह से उन्हें किसी कंपनी में निवेश सही लगता है। छोटे निवेशकों के सामने ये अड़चन नहीं होती।

लिंच यह भी लिखते हैं कि छोटे निवेशकों को रोजमर्रा के जीवन से कैसे स्टॉक आइडियाज मिल सकते हैं। वह बताते हैं कि ये आइडियाज शॉपिंग मॉल, ऑफिस, घर में इस्तेमाल किए जाने वाले सामान को देखकर मिल सकते हैं। वह बताते हैं कि कई बार आप ऐसे सामान या सर्विस का इस्तेमाल करते हैं, जो आपके जानने वालों के बीच लोकप्रिय है। उसकी ग्रोथ काफी तेज होती है। कंपनी का साइज भी तब छोटा होता है। अक्सर ऐसी कंपनियों पर म्यूचुअल फंड हाउसों या संस्थागत निवेशकों की नजर नहीं पड़ती। इसलिए आम निवेशक उनसे पहले ऐसे स्टॉक्स में निवेश कर सकते हैं।

किताब में यह भी बताया गया है कि निवेश की दुनिया में कामयाबी के लिए कॉम्प्लेक्स फॉर्मूले की नहीं, समझदारी की जरूरत होती है। अगर आप किसी छोटी और लोकप्रिय कंपनी के प्रॉडक्ट्स या सर्विस का इस्तेमाल कर रहे हों तो उसके बारे में होमवर्क करिए। अगर वह स्टॉक एनालिसिस के बुनियादी पैमानों पर खरी उतरती हो तो उसमें पैसा लगाइए। इसके बाद कंपनी के ग्रोथ फेज का लाभ उठाने के लिए उसमें तब तक बने रहिए, जब तक कि ये पैमाने कमजोर नहीं पड़ते।

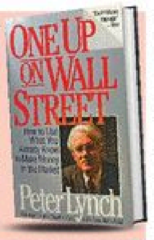

पीटर लिंच बताते हैं कि रोजमर्रा की जिंदगी से मिलने वाले संकेत, सही रिसर्च और धैर्य के साथ किया गया निवेश, आम निवेशकों को भी बड़ी सफलता दिला सकता है।

'कई बार रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले प्रॉडक्ट या सर्विस देने वाली छोटी कंपनियां तेजी से बढ़ती हैं। इन पर बड़े निवेशकों की नजर देर से पड़ती है, जबकि आम निवेशकों को पहले निवेश का मौका मिल सकता है।'

आम निवेशकों के लिए लिखी गई इस किताब को लिंच ने तीन हिस्सों में बांटा है। इसमें पहले वह बताते हैं कि निवेश की तैयारी किस तरह से करें। इसके बाद ऐसी कंपनियां कैसे चुनें, जिनसे अच्छा रिटर्न मिलने की आशा हो। वह यहां कई केस स्टडी भी देते हैं। उन्होंने यह भी बताया है कि निवेशकों का व्यवहार कैसा होना चाहिए। वह निवेशक से पहले खुद को समझने की सलाह देते हैं। वह कितना रिस्क उठा सकता है? उसकी वित्तीय जरूरतें क्या हैं? उसे यह भी समझना चाहिए कि शॉर्ट टर्म में किसी शेयर की कीमत में भारी उतार-चढ़ाव आ सकता है, लेकिन जिस कंपनी की बुनियाद मजबूत हो, उससे लंबी अवधि में अच्छा पैसा बनाया जा सकता है। वह यह भी लिखते हैं कि आम निवेशकों को ब्याज दरों में क्या होने वाला है या मैक्रो-इकॉनमी में, इन पर ध्यान नहीं देना चाहिए। उन्हें सिर्फ यह देखना चाहिए कि उन्होंने जिस कंपनी में निवेश किया है, उसका परफॉर्मेंस कैसा है।

लिंच ने कंपनियों को 6 वर्गों में बांटा है, ये हैं- धीमी ग्रोथ, दिग्गज, तेज ग्रोथ, साइक्लिकल्स, अच्छा असेट और टर्नअराउंड। वह लिखते हैं कि इनमें से हर वर्ग की कंपनियों के जोखिम अलग-अलग होते हैं। अगर कोई निवेशक कंपनी के मिजाज को समझ कर पैसा लगाता है तो उसकी रिटर्न की आशा भी कहीं रियलिस्टिक होती है। वह इस बात को भी बेहतर ढंग से समझता है कि रिटर्न के लिए उस कंपनी में कितने समय के लिए निवेशित रहना होगा।

- **कैसी कंपनियां टेनबैगर्स होती हैं?** खुद लिंच को तेज ग्रोथ और टेनबैगर्स (tenbaggers) कंपनियां पसंद रही हैं। टेनबैगर्स यानी निवेश की अवधि के दौरान जिनके शेयर की वैल्यू 10 गुना हो जाए। वह बताते हैं कि अक्सर ऐसी कंपनियां छोटी, कम जानी-मानी और ऐसे धंधों में होती हैं, जिनमें पैसा लगाने को लेकर मार्केट में उत्साह नहीं होता। वह यह भी बताते हैं कि ऐसी कंपनियों में निवेश करने पर अगर कुछ दांव गलत भी निकल जाएं तो दूसरों से इतना रिटर्न मिलता है, जिससे उसकी भरपाई हो जाती है। लिंच यह भी बताते हैं कि अगर आपके हाथ ऐसी कंपनियां लगती हैं तो धीरज के साथ उनमें लंबे वक्त तक बने रहना चाहिए। इन कंपनियों में तब तक बने रहें, जब तक कि उनकी ग्रोथ तेज बनी रहती है।
- **कैसे करें पहचान?** लेकिन ऐसी कंपनी की पहचान कैसे होगी? अगर यह सवाल आपके मन में है तो उसका जवाब भी लिंच ने इस किताब में दिया है। वह कहते हैं कि अगर आप किसी शेयर में पैसा लगाने का सीधा और आसान जवाब नहीं दे पाते तो उससे दूर रहना चाहिए। मसलन- कंपनी के स्टोर्स की संख्या कितनी तेजी से बढ़ रही है। या वह अपनी लागत में कमी ला रही है या उसके पास ऐसे प्रॉडक्ट्स हैं, जिनमें कॉम्पिटिशन कम है। वह कंपनी की प्रॉफिट ग्रोथ पर करीबी नजर रखने की हिदायत देते हैं। अगर कंपनी के मुनाफे में अच्छी रफ्तार से बढ़ोतरी हो रही हो तो उसमें निवेशित रहकर शानदार रिटर्न हासिल किया जा सकता है। लिंच के शब्दों में टेनबैगर्स स्टॉक ढूंढने का यही तरीका है।

साप्ताहिक आर्थिक भविष्यफल

(12-18 जनवरी 2026)

नन्दिता पाण्डेय
NBTwealth
@timesofindia.com

मेष (22 मार्च-21 अप्रैल)
इस सप्ताह आय बढ़ने के अच्छे मौके मिलेंगे। शुरुआत में धन लाभ के योग बनेंगे और बिजनेस पार्टनरशिप से भी फायदा हो सकता है। जीवनसाथी के सहयोग से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। हालांकि सप्ताह के मध्य में अचानक खर्च बढ़ सकते हैं, खासकर सेहत पर। शुक्रवार के बाद भाग्य साथ देगा। शिक्षा, बैंकिंग, सोलर एनर्जी और ऑप्टिकल इंस्ट्रूमेंट से जुड़े कामों से लाभ संभव है।

वृषभ (22 अप्रैल-21 मई)
सप्ताह की शुरुआत आर्थिक रूप से शुभ रहेगी। आय के नए स्रोत बनेंगे और पुराने कर्ज से राहत मिल सकती है। साझेदारी वाले कामों से भी फायदा होगा। यह सप्ताह कुल मिलाकर समृद्धि देने वाला है। हालांकि अंत में कुछ खर्च सामने आ सकते हैं, इसलिए निवेश पर ध्यान देना जरूरी है। IT, फार्मा, ऑयल-पेट्रोलियम, ऑटोमोबाइल, एयरलाइन, स्टील और बैंकिंग सेक्टर से अच्छे लाभ के योग हैं।

मिथुन (22 मई-21 जून)
सप्ताह की शुरुआत घर-परिवार से जुड़े खर्चों के साथ हो सकती है। हालात बेहतर होंगे और अचानक धन लाभ के योग बनेंगे। शेयर मार्केट या किसी मौके से फायदा मिल सकता है। नए आय स्रोत खुलेंगे और कर्ज से राहत के संकेत हैं। सप्ताहांत में साझेदारी वाले निवेश लाभ देंगे। जीवनसाथी से आर्थिक सहयोग भी मिल सकता है। IT, फार्मा, केमिकल, ऑटोमोबाइल और बैंकिंग से लाभ के योग हैं।

कर्क (22 जून-21 जुलाई)
इस सप्ताह आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स से धन लाभ होगा। परिवार से जुड़े खर्च हो सकते हैं, इसलिए बजट संभालकर चलें। सप्ताह के दूसरे हिस्से में अचानक लाभ के योग बनेंगे, खासकर शेयर मार्केट या किसी अन्य अवसर से। आय के नए रास्ते खुलने की संभावनाएं हैं। रोजमर्रा के काम से भी कमाई होगी। निवेश सोच-समझकर करें। डेयरी, हाइड्रो पावर, डिफेंस, इलेक्ट्रॉनिक्स और रियल एस्टेट से लाभ संभव है।

सिंह (22 जुलाई-21 अगस्त)
इस सप्ताह आपकी वाणी और व्यवहार से लोग प्रभावित होंगे और इससे आर्थिक लाभ होगा। मेहनत और समझदारी से कमाई बढ़ेगी। हालांकि घर-परिवार में खर्च बढ़ सकता है और वाहन चलाते समय सावधानी जरूरी है, नहीं तो नुकसान हो सकता है। सोलर एनर्जी, सर्जिकल इक्विपमेंट, तांबा, शिक्षा, बैंकिंग, डिफेंस और सेमीकंडक्टर से जुड़े कामों में धन लाभ के अच्छे योग बन रहे हैं।

कन्या (22 अगस्त-21 सितंबर)
सप्ताह की शुरुआत सकारात्मक रहेगी। आपकी सोच और व्यवहार से काम आपके पक्ष में होंगे और मान-सम्मान बढ़ेगा। मधुर वाणी धन संचय में मदद करेगी। किसी मुश्किल स्थिति को भी आप समझदारी से संभाल लेंगे। सप्ताह के अंत में मां की सेहत को लेकर चिंता और खर्च संभव है। ट्रेडिंग, मोबाइल, कंप्यूटर, टेलिकॉम, AI, डेटा एनालिटिक्स और इवेंट मैनेजमेंट से लाभ होने के संकेत मिल रहे हैं।

तुला (22 सितंबर-21 अक्टूबर)
सप्ताह की शुरुआत में असमंजस और लापरवाही से खर्च बढ़ सकता है। लेकिन यह स्थिति ज्यादा समय नहीं रहेगी। आपकी समझदारी और तेज फैसलों से हालात सुधरेंगे। सप्ताह के मध्य से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और भाग्य का साथ मिलेगा। दोस्तों और रिश्तेदारों से आर्थिक मदद मिल सकती है। बैंकिंग, ट्रेडिंग, IT, टेलिकॉम, डेटा साइंस, सैटेलाइट, डेयरी और फार्मा से लाभ के योग हैं।

वृश्चिक (22 अक्टूबर-21 नवं.)
सप्ताह की शुरुआत में खर्च बढ़ सकता है, इसलिए आपको अपने निवेशों पर खास ध्यान देने की आवश्यकता है। यात्रा के दौरान भी खर्च अधिक हो सकता है। लेकिन सप्ताह के मध्य से हालात सुधरेंगे और आय बढ़ाने के मौके मिलेंगे। आपकी वाणी और बुद्धि से नए आय स्रोत बनेंगे। सोलर एनर्जी, सर्जिकल उपकरण, सोना-चांदी, तांबा, मेटल इंडस्ट्री और डेयरी प्रॉडक्ट्स से विशेष लाभ संभव है।

धनु (22 नवंबर-21 दिसंबर)
इस सप्ताह मेहनत के दम पर आप आगे बढ़ेंगे। शेयर मार्केट या पैतृक संपत्ति से लाभ मिलने की संभावना है। महिलाओं का सहयोग और उनकी सलाह फायदेमंद रहेगी। सप्ताह के मध्य में खर्च अचानक बढ़ सकते हैं, इसलिए निवेश संभालकर करें। बेवजह की यात्राओं से बचें। हालांकि सप्ताहांत में आर्थिक हालात बेहतर होते चले जाएंगे और आपकी व्यवहार कुशलता से धन लाभ होगा।

मकर (22 दिसंबर-21 जनवरी)
सप्ताह की शुरुआत में धन लाभ के अच्छे योग हैं। भाग्य आपका साथ देगा और आर्थिक मामलों से जुड़ी आपकी यात्राएं फायदेमंद रहेंगी। मेहनत का पूरा फल आपको मिलेगा। बॉस या सीनियर की सलाह से आर्थिक फायदा होगा। शेयर मार्केट, रियल एस्टेट और पैतृक संपत्ति से लाभ संभव है। सप्ताह के अंत में खर्च बढ़ सकते हैं। IT, फार्मा, केमिकल, ऑयल-पेट्रोलियम और ऑटोमोबाइल से लाभ के संकेत हैं।

कुंभ (22 जनवरी-18 फरवरी)
सप्ताह की शुरुआत थोड़ी चुनौतीपूर्ण हो सकती है, लेकिन धीरे-धीरे धन आना शुरू होगा। बिजनेस ट्रिप से फायदा मिलेगा और भाग्य साथ देगा। प्रोजेक्ट से कमाई के योग बनेंगे। सप्ताह के उत्तरार्ध में लाभ संभव है और किसी की मदद से भी फायदा होगा। शेयर मार्केट, रियल एस्टेट, बैंकिंग, शिक्षा, सोना-चांदी, मेटल से लाभ के संकेत हैं।

मीन (19 फरवरी-21 मार्च)
सप्ताह की शुरुआत में, खासकर सेहत पर खर्च बढ़ सकता है। लेकिन सप्ताह के मध्य से स्थिति सुधरेगी और धन आगमन शुरू होगा। भाग्य का साथ मिलेगा और आय के नए अवसर मिलेंगे। निवेश से फायदा हो सकता है। बॉस या सरकारी पक्ष से भी आर्थिक मदद मिल सकती है। बैंकिंग, इंश्योरेंस, शिक्षा, डेयरी, हाइड्रो प्रोजेक्ट, सोना-चांदी और तांबा से लाभ के योग हैं।

(लेखिका ऐस्ट्रो-टैरो रीडर, आध्यात्मिक गुरु और लाइफ कोच हैं।)

यमुना नदी में अक्टूबर के मुकाबले बढ़ गया पल्यूशन

तीन महीने बाद जारी हुई यमुना नदी की पल्यूशन रिपोर्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली पल्यूशन नियंत्रण बोर्ड ने करीब तीन महीने के बाद यमुना नदी की पल्यूशन रिपोर्ट जारी कर दी है। अक्टूबर के बाद से पल्यूशन रिपोर्ट जारी नहीं हो पाई थी। रविवार को नवंबर और दिसंबर की रिपोर्ट सार्वजनिक की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर के बाद यमुना में पल्यूशन बढ़ा लेकिन दिसंबर 2025 में हालात पिछले साल दिसंबर 2024 के मुकाबले कुछ बेहतर रहे हैं।

हालांकि दिसंबर में पिछले साल की तुलना में राहत

रिपोर्ट के अनुसार 3 दिसंबर 2025 को यमुना की अलग-अलग जगहों से पानी के सैंपल लिए गए। इसमें आईएसबीटी ब्रिज से लेकर असगरपुर तक ज्यादातर जगहों पर बीओडी यानी बायोलॉजिकल ऑक्सिजन डिमांड का स्तर तय स्टैंडर्ड से ज्यादा मिला है। पल्ला में बीओडी 1.5 एमजी प्रति लीटर और वजीराबाद में 2 एमजी प्रति लीटर दर्ज किया गया, जबकि स्टैंडर्ड के अनुसार यह 3 एमजी प्रति लीटर या उससे कम होना चाहिए। अन्य जगहों पर बीओडी का स्तर 16 से 25 एमजी प्रति लीटर तक पाया गया है। रिपोर्ट में बताया गया कि दिसंबर 2024 में हालात इससे ज्यादा खराब थे। उस समय यमुना में किसी भी जगह बीओडी का स्तर स्टैंडर्ड के हिसाब से नहीं था। अलग-अलग जगहों पर यह 4 से 70 एमजी प्रति लीटर तक दर्ज किया गया था।

अधिकतर जगह बायोलॉजिकल ऑक्सिजन डिमांड का स्तर तय स्टैंडर्ड से ज्यादा मिला

दिसम्बर 2025 की रिपोर्ट

जगह	BOD	DO	फीकल कोलीफॉर्म
पल्ला	1.5	8	1300
वजीराबाद	2.0	7.6	1300
ISBT ब्रिज	24	0.3	92000
आईटीओ ब्रिज	25	0.7	35000
निजामुद्दीन ब्रिज	16	3.8	54000
ओखला बैराज	17	2.7	28000
आगरा कनाल	17	1.5	24000
असगरपुर	20	0.8	54000

■ पल्ला में बीओडी 1.5 एमजी प्रति लीटर और वजीराबाद में 2 एमजी प्रति लीटर मिला

ठंड ने दिल्ली में तोड़ा 13 साल का रिकॉर्ड

दिल्ली के पालम एरिया में संडे को न्यूनतम तापमान 3 डिग्री दर्ज हुआ

कड़ाके की ठंड: दिल्ली में कुछ जगहों पर दिन के समय भी शीतलहर की स्थिति बनी रही

शीतलहर को लेकर जारी किया ऑरेंज अलर्ट

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

ठंड ने रविवार को पालम में 13 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। यहां न्यूनतम तापमान महज 3 डिग्री दर्ज हुआ। यह सामान्य से 4.3 डिग्री कम है। बीते 13 साल में पालम का तापमान जनवरी में इतना कम नहीं हुआ। संडे को सीजन की पहली शीतलहर चली। इससे पूर्व कुछ जगहों पर दिन के समय शीतलहर की स्थिति रही थी, लेकिन न्यूनतम तापमान के आधार पर यह पहली शीतलहर है। अगले दो दिन ठंड और अधिक बढ़ सकती है। मौसम विभाग ने शीतलहर को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके बाद भी एक दिन का येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस वजह से लोगों को दिन में ठंड से कुछ राहत मिलेगी।

रविवार को अधिकतम तापमान 15.8 डिग्री रहा। यह सामान्य से 1.1 डिग्री कम है। न्यूनतम तापमान 4.8 डिग्री रहा। यह सामान्य से 2.6 डिग्री कम रहा। हवा में नमी का स्तर 53 से 100 प्रतिशत रहा। पालम में न्यूनतम तापमान 3.0 डिग्री, लोदी रोड में 4.6 डिग्री, रिज का 3.7 डिग्री और आया नगर 2.9 डिग्री रहा। वहीं पालम में अधिकतम तापमान महज 15.4 डिग्री रहा।

सोमवार को आसमान साफ रहेगा। कई जगहों पर शीतलहर की स्थिति रहेगी। हल्के से मध्यम कोहरा रहेगा। अधिकतम तापमान 19 डिग्री और न्यूनतम तापमान तीन डिग्री रह सकता है। 13 जनवरी को अधिकतम तापमान 19 से 21 और न्यूनतम तापमान 3 से 5 डिग्री रह सकता है। कुछ जगहों पर शीतलहर की स्थिति रहेगी। 14 जनवरी को शीतलहर का प्रभाव कम होगा। इस दिन के लिए येलो अलर्ट है। आसमान साफ रहेगा। कुछ जगहों पर शीतलहर रहेगी। अधिकतम तापमान 19 से 21 और न्यूनतम तापमान 3 से 5 डिग्री रह सकता है।

इसके बाद 15 से 17 जनवरी तक अधिकतम तापमान 20 से 23 डिग्री रहेगा। न्यूनतम तापमान इस दौरान 5 से 9 डिग्री रहेगा।

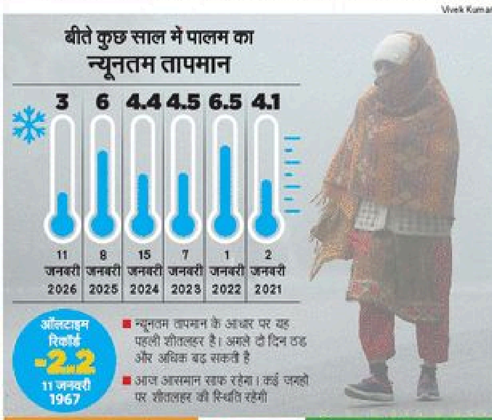

Vivek Kumar

■ न्यूनतम तापमान के आधार पर यह पहली शीतलहर है। अगले दो दिन ठंड और अधिक बढ़ सकती है

■ आज आसमान साफ रहेगा। कई जगहों पर शीतलहर की स्थिति रहेगी

RDAY लाइव ▶

PTI

कर्तव्य पथ पर एक साथ उठते कदम और अनुशासन में सजी ये पंक्तियां सिर्फ परेड की तैयारी नहीं, बल्कि गणतंत्र दिवस की यादों की शुरुआत भी है। 26 जनवरी से जुड़ा आपका अनुभव क्या है। क्या आप कभी इस परेड का हिस्सा रहे हैं या दर्शक दीर्घा में बैठकर इसे लाइव देखा है? अपनी यादें, किस्से और एहसास हमारे साथ साझा करें।

अपने अनुभव आप हमें 9220747220 पर वॉट्सऐप कर सकते हैं या फिर nbtreader@timesofindia.com पर मेल कर सकते हैं। सब्जेक्ट में RDay जरूर लिखें।

दो दिन बाद पल्यूशन का स्तर घटा

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में दो दिन बाद पल्यूशन के स्तर में थोड़ी राहत देखने को मिली है। पल्यूशन बेहद खराब से कम होकर अब खराब स्तर पर पहुंच गया है। हालांकि यह राहत ज्यादा दिन टिकने वाली नहीं है। अनुमान के मुताबिक अगले 3 दिन तक फिर से पल्यूशन का स्तर बेहद खराब रह सकता है। सीपीसीबी के के मुताबिक रविवार को दिल्ली का एक्यूआई 291 दर्ज किया गया, यह खराब स्तर में आता है। एनसीआर के अन्य शहरों की बात करें तो फरीदाबाद का एक्यूआई 246, गाजियाबाद का 283, ग्रेटर नोएडा का 278, गुरुग्राम का 280 और नोएडा का 260 रहा। अनुमान के अनुसार 12 से 14 जनवरी तक पल्यूशन का स्तर फिर से बेहद खराब श्रेणी में जा सकता है। इसके बाद भी हालात में ज्यादा सुधार की उम्मीद नहीं है और अगले करीब 6 दिन तक पल्यूशन बेहद खराब बना रह सकता है।

रविवार को दिल्ली का एक्यूआई 291 रहा

रविवार को हवाओं की रफ्तार 10 से 20 किलोमीटर प्रति घंटे के बीच रही। सोमवार को हवा की रफ्तार घटकर 5 से 10 किलोमीटर प्रति घंटे रहने की संभावना है। मंगलवार को हवाएं 5 से 15 किलोमीटर प्रति घंटे और बुधवार को 8 से 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती हैं।

पल्यूशन को लेकर फैक्ट्रियों को सील करने की तैयारी

NBT रिपोर्ट, कंझावला: दिल्ली में लगातार बढ़ते पल्यूशन को देखते हुए दिल्ली पल्यूशन कंट्रोल कमिटी (DPCC) ने कंझावला इलाके में चल रही फैक्ट्रियों पर कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत 31 दिसंबर से कंझावला इलाके में सैकड़ों औद्योगिक यूनिटों को सील करने के नोटिस जारी किए गए हैं। इस कदम से फैक्ट्री मालिकों में नाराजगी है। कंझावला इंडस्ट्रियल एरिया वेलफेयर एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी रोहित कुमार ने बताया कि DPCC ने कुछ समय पहले इलाके का सर्वे किया था। सर्वे के बाद करीब 400 फैक्ट्रियों को नोटिस भेजे गए हैं। नोटिस में कहा गया है कि जो यूनिट्स DPCC की वैध इजाजत के बिना चल रही हैं, उन्हें सील किया जाएगा। एसोसिएशन ने इस आदेश पर दोबारा विचार करने की मांग की है। इस बारे में पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और DPCC के अधिकारियों को पत्र भी लिखा गया है।

ठिठुरती दिल्ली, तपता कर्तव्य

मिलिए दिल्ली के 'कोल्ड वॉरियर्स' से

जब दिल्ली की ठिठुरती सुबह मे शहर के लोग रजाई मे दुबके होते है, तब कुछ हाथ ऐसे होते है जो सुन्न कर देने वाली हवाओ का सामना कर रहे होते है। ये हाथ- जो बस का स्टयरिंग थामते है, जो सुबह-सुबह आप तक खबरे और सामान पहुंचाते है, जो सड़को पर ट्रैफिक संभालते है। आज बात उन 'कोल्ड वॉरियर्स' की, जिनकी ड्यूटी के आगे ठंड भी हार मान जाती है। टीम NBT की रिपोर्ट:

ट्रैफिक पुलिस

'ठंड की टेंशन नही, बेहतर सेवा देना ही प्राथमिकता'

'जब हम नौकरी जॉइन करते है, तब मौसम की परवाह नहीं करते। जब हम सड़क पर लोगों की मदद करते है, तो एक बेहद सुखद अहसास होता है।' यह कहना है तिमारपुर ट्रैफिक सर्कल के इंस्पेक्टर संतोष कुमार का। इंस्पेक्टर संतोष कुमार ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस की ड्यूटी सुबह 7 बजे से शुरू होकर रात 11 बजे तक चलती है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए रात में एक 'जेडीओ' (JDO) तैनात रहते हैं। उन्होंने साझा किया कि सर्दियों में जब गाड़ियां सड़क से तेज रफ्तार में गुजरती है, तो उनके साथ आने वाली हवा के ठंडे थपेड़े शरीर को लगते है, जो चुनौती को और बढ़ा देते है।

जब हम ड्यूटी पर होते है, तो ठंड की चिंता पीछे छूट जाती है। हमारी प्राथमिकता लोगों को जाम से बचाने की होती है।

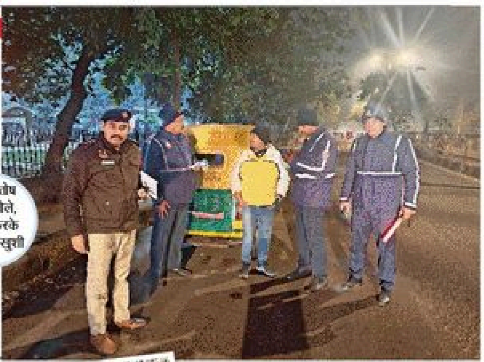

TI संतोष कुमार बोले, ड्यूटी करके मिलती है खुशी

डिलिवरी बॉय

'ठंड में बाइक से डिलिवरी आसान नहीं, लेकिन...'

कड़ाके की ठंड में बाइक से सामान समय पर डिलिवर करना कोई आसान काम तो नहीं है, लेकिन पेट पालने के लिए करना पड़ता है। यह तकलीफ है स्विगी के लिए फूड डिलिवरी करने वाले राम कुमार की। राम कुमार कहते हैं कि पहले थोड़ा ठीक था। 5 किमी के दायरे में सामान डिलिवरी के लिए 50 मिनट मिलता था। लेकिन, अब 15 मिनट कम कर दिया गया है। इससे चैलेंज काफी बढ़ गया है। दिन में थोड़ा ठीक भी रहता है, लेकिन रात में कोहरे और ठंड के बीच बाइक चलाने में काफी दिक्कत होती है।

राम कुमार ने बताया, कैसे ड्यूटी को देते है प्रायॉरिटी

विक्रांत कुमार भी एक कंपनी में गिग वर्कर है

डिलिवरी बॉय

'कस्टमर को सामान समय पर पहुंचाना ही हमारा लक्ष्य'

ठंड पहले की तुलना में काफी बढ़ गई है और सामान की डिलिवरी करना बेहद चुनौती भरा है। चाहे जितने गरम कपड़े कोई पहन ले, लेकिन देर रात बाइक से चलने पर ठंड तो काफी लगती है। एक ऑनलाइन फूड कंपनी के लिए डिलिवरी करने वाले विक्रांत कुमार के सामने भी कई दिक्कतें आती हैं, लेकिन वह काम से छुट्टी नहीं लेते हैं। वह कहते हैं कि ठंड की वजह से सर्दी-जुकाम है। इतनी चुनौतियों और मुश्किलों के बाद भी एक ही लक्ष्य होता है समय पर सामान की डिलिवरी।

डीटीसी बस ड्राइवर

'हम तड़के नहीं निकलेंगे तो दूसरे ऑफिस लेट पहुंचेंगे'

'मैं डीटीसी में ड्राइवर हूं और मेरी ड्यूटी रानी खेड़ा डिपो से शुरू होती है। सुबह 5:30 बजे की पहली ड्यूटी है, इसके लिए अलीपुर अपने घर से मुझे सुबह 5 बजे ही निकलना होता है। घर से डिपो तक पहुंचने के लिए मैं अपनी बाइक का इस्तेमाल करता हूं।' बस ड्राइवर कमल बताते हैं कि सुबह इतनी अधिक ठंड होती है कि कई बार तो कोहरे की वजह से कपड़े तक भीग जाते हैं। सुबह ठंड बहुत होती है, लेकिन हम नहीं निकलेंगे तो कई लोग समय पर ऑफिस नहीं पहुंच पाएंगे।

कमल ने बताया सुबह बाइक से जाना कठिन

अजय सुबह से रात तक चलाते हैं ऑटो

ऑटो ड्राइवर

'ठंड से बचने का हर उपाय बेअसर, पर काम जरूरी'

'इस ठंड से बचने का हर उपाय बेअसर है। कितने भी कपड़े पहन कर आओ, ऑटो चलाने पर ठंड सताएगी ही। अब क्या करें पेट पालना है तो काम तो करना ही पड़ेगा।' यह कहना है द्वारका में रहने वाले ऑटो ड्राइवर अजय राय का। वह कहते हैं कि 3 से 4 डिग्री की ठंड में ऑटो चलाने में काफी दिक्कत होती है। रोज सुबह 6 से रात 12 बजे तक ऑटो चलाते हैं। ठंड तो पूरे दिसंबर और जनवरी परेशान करती है, पर अपना काम नहीं छोड़ सकते हैं।

बस कंडक्टर

'रात को बाइक से घर लौटना काफी कठिन'

डीटीसी बस कंडक्टर अख्तर कहते हैं कि मेरी ड्यूटी शाम की है, घर से दोपहर 3:30 बजे निकलता हूं 4 बजे के बाद ड्यूटी शुरू होती है, लेकिन ड्यूटी खत्म होने के बाद डिपो लौटते समय रात 12 से 12:30 बज जाते हैं। उस टाइम इतनी ठंड होती है कि हाथ तक काम नहीं करते हैं। घर से 3 किमी के डिस्टेंस पर डिपो है। मैं नरेला के सिंघोला डिपो में हूं। ड्यूटी खत्म होने के बाद रात को बाइक से ही घर लौटना पड़ता है। दूसरों को बस से पहुंचाते हैं, लेकिन खुद बाइक से जाने की मजबूरी होती है। इससे चुनौती और बढ़ जाती है।

कंडक्टर अख्तर भी बाइक से ही जाते हैं डिपो

राजेंद्र सुबह 3:30 बजे ही निकल जाते हैं घर से

न्यूजपेपर वेंडर

'35 सालों से जिम्मेदारी से कर रहा हूं काम'

संगम विहार में रहने वाले न्यूजपेपर वेंडर राजेंद्र 35 साल से हर मौसम में लोगों के घरों तक न्यूजपेपर पहुंचा रहे हैं। राजेंद्र कहते हैं कि इन दिनों सुबह कड़ाके की ठंड है, लेकिन अखबार तो पहुंचाना ही है। बीते 35 साल से अब तक मैंने शायद ही कोई छुट्टी ली हो। परिवार में दो बेटी व दो बेटे हैं। बेटियां अब बड़ी हो गई हैं। उनकी शादी के लिए रुपये जोड़ रहा हूं। रोजाना सुबह 3:30 बजे उठता हूं। पहले आरके पुरम में अखबार आता था। अब मुनिरका में आता है। वहां से अखबार उठाकर घर-घर अखबार पहुंचाता हूं।

न्यूजपेपर वेंडर

'हमारी कोशिश यही कि लोगों को हर हाल में मिले अखबार'

रानी बाग निवासी विनोद मिश्रा बताते हैं कि उनके लिए साल के 365 दिन लगभग एक जैसे होते हैं। हर रोज सुबह करीब साढ़े 4 बजे मैं अखबार सेंटर पर पहुंच जाता हूं। वहां से घर लड़कों के साथ अपने इलाके के करीब 800 घरों में अखबार पहुंचाता हूं। सुबह आठ बजे तक काम निपटाना होता है। ठंड के मौसम में दिक्कतें और बढ़ जाती हैं।

न्यूजपेपर वेंडर

'सर्द मौसम मे सुबह घर से निकलना होता है मुश्किल'

पालम मे रहने वाले अनुज पाठे बताते है कि वे कई वेंडर्स के साथ मिलकर पालम इलाके मे अखबार बांटते है। हमारे यहां करीब एक हजार घरो मे अखबार जाता है, जिसमे एक वेंडर पर लगभग 200 घरो की जिम्मेदारी होती है। अनुज के अनुसार इस समय सबसे बड़ी परेशानी सर्द मौसम है। पिछले तीन दिनो से हालात और बिगड़ गए है।

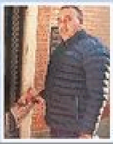

हॉस्पिटल नर्स

'कड़ाके की ठंड में भी कायम है जिम्मेदारियों का जुनून'

'रोजाना सुबह करीब 5 सुबह उठ जाती हूं। कपकपाती ठंड में घर से निकलना आसान नहीं होता, लेकिन जिम्मेदारियों के आगे यह ठंड फीकी पड़ जाती है।' यह कहना है कि द्वारका स्थित इंदिरा गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में तैनात नर्स अनु का। अनु बताती है कि घर से अस्पताल करीब 14 किमी दूर है। इतनी दूर ठंड में जाना आसान नहीं होता।

मुंडका से लेकर पुल प्रह्लादपुर तक बिछेगा नालों का जाल : मुख्यमंत्री

मिशन ड्रेनेज : 1000 करोड़ से ज्यादा के प्रोजेक्ट बदलेंगे सूरत

NBT 2 मिनट में पढ़ें

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली में जलभराव की पुरानी समस्या का स्थायी समाधान निकालने की दिशा में सरकार ने 'ड्रेनेज मास्टर प्लान' की रफ्तार तेज कर दी है। इसके तहत राजधानी के चार प्रमुख नालों के निर्माण और विस्तार के कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अनुसार, दिल्ली में जल-निकासी के लिए पिछला मास्टर प्लान 1970 के दशक में बना था। बढ़ती आबादी और निर्माण गतिविधियों के कारण पुराना सिस्टम प्रभावी नहीं रह गया था, जिससे स्थिति गंभीर होती गई। वर्तमान सरकार अब दिल्ली की भौगोलिक स्थिति और आबादी के दबाव को ध्यान में रखते हुए नालों का पुनर्निर्माण करा रही है। मास्टर प्लान के तहत मुख्य रूप से मुंडका हॉल्ट-सप्लीमेंट्री ड्रेन, एमबी रोड स्टॉर्म वॉटर ड्रेन, किराड़ी-रिठाला ट्रंक ड्रेन और रोहतक रोड ड्रेन को विकसित किया जा रहा है।

मुंडका और किराड़ी में...

- **4.5 किमी** लंबे ट्रंक ड्रेन का प्रस्ताव है रेलवे लाइन के बराबर में।
- **₹220.93 करोड़** इस नाले की लागत है।
- **1,520 एकड़** क्षेत्र के बारिश के पानी को संभालने में सक्षम होगा।
- **15 महीने** में पूरा किया जाएगा काम एनओसी मिलते ही

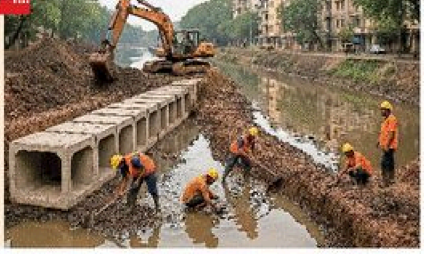

AI Image

पश्चिमी दिल्ली: मुंडका और किराड़ी को बड़ी राहत: पश्चिमी दिल्ली के किराड़ी, मुंडका, बवाना और नांगलोई में जल-निकासी सुधारने के लिए रेलवे लाइन के समानांतर 4.5 किमी लंबे ट्रंक ड्रेन का प्रस्ताव है। सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग द्वारा बनाए जा रहे इस नाले की लागत ₹220.93 करोड़ है।

दक्षिण दिल्ली: एमबी रोड प्रोजेक्ट: लाडो सराय टी-पॉइंट से पुल प्रह्लादपुर तक जलभराव रोकने के लिए एमबी रोड स्टॉर्म वॉटर ड्रेन परियोजना शुरू की गई है। इसमें 11.38 किमी लंबे सड़क के दोनों ओर कुल 22.76 किमी लंबा ड्रेन बनाया जाएगा। इसकी अनुमानित लागत ₹387.84 करोड़ है और इसे दो साल में पूरा करने का लक्ष्य है।

उत्तर-पश्चिम दिल्ली: बाधाएं हुईं दूर: किराड़ी से रिठाला तक 7,200 मीटर लंबे ट्रंक ड्रेन पर काम चल रहा है। डीडीए की इस ₹250.21 करोड़ की परियोजना की क्षमता 1,160 क्यूसेक है। पेड़ों की कटाई की अनुमति मिलने के बाद अब रुके हुए काम में तेजी आएगी। 600 मीटर का काम पहले ही पूरा हो चुका है।

रोहतक रोड: मार्च तक काम पूरा करने का लक्ष्य: रोहतक रोड (एनएच-10) पर पीडब्ल्यूडी द्वारा स्टॉर्म वॉटर ड्रेन का सुधार युद्ध स्तर पर जारी है। ₹184 करोड़ की इस परियोजना के लिए केंद्र सरकार ने भी ₹105 करोड़ की सहायता दी है। सरकार का लक्ष्य इसे मार्च 2026 तक हर हाल में पूरा करने का है।

AI इम्पैक्ट समिट: ग्लोबल गेस्ट के लिए सज रही दिल्ली

AI Image

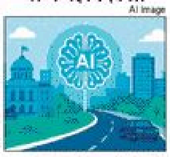

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: NDMC 15 से 20 फरवरी 2026 तक आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' की मेजबानी के लिए व्यापक तैयारियों में जुट गई है। इस शिखर सम्मेलन को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में एक बड़े वैश्विक मंच के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें दुनिया भर के नेता, नीति-निर्धारक, इनोवेटर्स और एआई विशेषज्ञ शामिल होंगे। जी-20 शिखर सम्मेलन जैसी भव्यता और अनुभव प्रदान करने के विजन के साथ, एनडीएमसी ने अपने अधिकार क्षेत्र में एक वृहद नागरिक सुधार कार्यक्रम शुरू किया है। दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव के निर्देशों के अनुरूप की जा रही इन तैयारियों का उद्देश्य विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे, स्वच्छता और सौंदर्य के माध्यम से भारत की तकनीकी प्रगति और आतिथ्य सत्कार की अमिट छाप छोड़ना है। तैयारियों का मुख्य फोकस बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण, विशेष सफाई अभियान और निर्बाध परिचालन व्यवस्था पर है। मुख्य उद्घाटन कार्यक्रम 19 फरवरी को भारत मंडपम में होगा।

मेजबानी के लिए हो रहीं व्यापक तैयारियां

युवाओं के सहयोग से पूरा होगा विकसित दिल्ली का सपना: CM

लंच विद CM : युवाओं संग साझा किया विकसित दिल्ली का विज़न

राष्ट्रीय युवा दिवस (12 जनवरी) की पूर्व संध्या पर युवाओं के साथ विशेष संवाद, 30 युवा हुए लंच में शामिल

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली के कुछ खास युवाओं को दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता के साथ लंच करने का अवसर मिला। युवाओं ने मुख्यमंत्री के साथ न केवल लंच किया, बल्कि उनके साथ कई मुद्दों पर बातचीत भी की। युवाओं ने सीएम के सामने अपने विचार रखे और मुख्यमंत्री के भविष्य को लेकर तैयार रोडमैप के साझे भी किये। दरअसल, यह मौका राष्ट्रीय युवा दिवस (12 जनवरी) की पूर्व संध्या पर दिल्ली के युवाओं के साथ एक विशेष संवाद कार्यक्रम 'लंच विद रेखा गुप्ता' का आयोजन रहा। इस अनौपचारिक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने युवाओं के विचार, सुझाव और आकांक्षाओं को सुना और विकसित दिल्ली के निर्माण में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने पिछले 11 महीने के अपने कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड पेश करते हुए 'विकसित दिल्ली' का खाका भी इन युवाओं के सामने रखा।

मुख्यमंत्री ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि 12 जनवरी, स्वामी विवेकानंद की जयंती, युवाओं की ऊर्जा और विचारों का प्रतीक है। इसी भावना के अनुरूप उन्होंने युवाओं से लगातार संवाद, दिल्ली और देश को बेहतर बनाने की दिशा में शिकायतें, सुझाव और समाधान देते रहने की अपील भी की। रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के विकास में युवाओं की सक्रिय भागीदारी बहुत जरूरी है।

इस मौके पर से युवाओं के साथ बीते 11 वर्षों की नीतियों, वर्तमान सरकार के 11 महीने के कामों और आगामी 11 वर्षों के विकास दृष्टिकोण पर खुला संवाद किया गया। लगभग 30 युवाओं ने मुख्यमंत्री के साथ लंच किया। इस कार्यक्रम में कुछ सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर और सामाजिक कार्यकर्ता भी शामिल हुए।

सरकार के 11 महीने के कामों और आगामी 11 वर्षों के विकास दृष्टिकोण पर खुला संवाद

इनमें संदीप चहल, अंकित सिंह, मनीष तिवारी, सार्थक भगत, अक्षत मिश्रा, आदि शामिल थे। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि युवाओं की आवाज राजधानी तक पहुंचाने और GENZ के लिए नीति निर्माण और क्रियान्वयन में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ऐसे कार्यक्रम और अधिक आयोजित किए जाएं। मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि पूरे देश को वर्ष 2047 तक विकसित भारत के रूप में परिवर्तित करना है। इसके लिए हम 24X7 काम कर रहे हैं। हमारी सरकार भी उनके इसी विज़न पर काम कर रही है।

इस वर्कशॉप में सीखें पुराने कपड़ों का नया इस्तेमाल

एनबीटी रंगमंच क्लब आपके लिए लाया है अपसाइकलिंग क्लोद्स वर्कशॉप जिसमें फैशन डिजाइनर और ब्रैंड अनुभा की फाउंडर अनुभा नाथियार आपको बताएंगी कि इस साल कौन सा फैशन रहेगा ट्रेंड में। इसके साथ वह यह भी बताएंगी आप कैसे अपने पुराने कपड़ों को नए फैशन में ढालकर इस्तेमाल कर सकते हैं और उनका क्या-क्या इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें हिस्सा लेने के लिए आपको करवाना होगा बस रजिस्ट्रेशन।

NBT रंगमंच Club

अनुभा नाथियार, फाउंडर, ब्रैंड अनुभा

तारीख: 15 जनवरी 2026
टाइम: 3 बजे से 4 बजे
वेन्यू: टाइम्स हाउस 7, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली
फीस: निःशुल्क

इस वर्कशॉप में हिस्सा लेने के लिए +91 7003890071 पर फोन करें या वॉट्सऐप करें।

दिल्ली की खबरों के लिए टेलिग्राम पर फॉलो करें t.me/nbtdilli

दिल्ली की खबरों के लिए एक्स पर फॉलो करें @NBTDilli

BJP ऑफिस पर AAP का प्रदर्शन, सिख गुरुओं के अपमान का आरोप

आम आदमी पार्टी ने मामले में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से की माफी की मांग

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

पुलिस प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज समेत कई नेताओं को आईपी स्टेट थाने ले गई, जहां सभी धरने पर बैठ गए

आम आदमी पार्टी (AAP) ने सिख गुरुओं के अपमान का आरोप लगाते हुए भारतीय जनता पार्टी के ऑफिस के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान AAP नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की और बीजेपी के मंत्रियों व नेताओं से सार्वजनिक माफी की मांग की। पार्टी का आरोप है कि बीजेपी मुख्यालय पहुंचने से पहले ही दिल्ली पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर उन्हें रोक लिया और एक-एक कर हिरासत में ले लिया।

प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज समेत कई नेताओं को पुलिस आईपी स्टेट थाने ले गई, जहां वे धरने पर बैठ गए। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि बीजेपी के मंत्रियों और नेताओं ने सिख गुरुओं का अपमान किया है। पार्टी की मांग है कि इस मामले में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सार्वजनिक रूप से माफी मांगें।

उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी मंत्री कपिल मिश्रा ने दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष आतिशी के एक वीडियो में झूठे शब्द जोड़कर उसे फैलाया किया। सौरभ भारद्वाज के मुताबिक फरेंसिक रिपोर्ट से साफ हो चुका है कि वह वीडियो फर्जी था और इससे देश में सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि इस मामले में कपिल मिश्रा के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

सौरभ भारद्वाज ने पुलिस प्रशासन के रवैये पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब पंजाब पुलिस एक दिन में वीडियो क्लिप की फरेंसिक जांच कर सकती है तो दिल्ली पुलिस को 15 दिन क्यों लग रहे हैं। जानबूझकर जांच में देरी की जा रही है। उन्होंने कहा कि जब बीजेपी ने AAP ऑफिस के बाहर करीब दो घंटे प्रदर्शन किया था, तब दिल्ली पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की और बीजेपी नेताओं को हिरासत में नहीं लिया गया।

AAP-BJP में आतिशी के बयान पर बढ़ी तकरार

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

वीरेंद्र सचदेवा

दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी द्वारा दिए गए बयान से जुड़े विवादित विडियो को लेकर बीजेपी और AAP के बीच ठनी हुई है। रविवार को बीजेपी नेताओं ने विवादित विडियो को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर 'आप' को सभी पर एफआईआर दर्ज कराने की चुनौती दी है। बीजेपी नेताओं ने अपने बयान में कहा है कि दिल्ली बीजेपी का कोई भी कार्यकर्ता अरविंद केजरीवाल द्वारा कराई जाने वाली झूठी एफआईआर से डरने वाला नहीं है।

रविवार को इसे लेकर बीजेपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा ने विधानसभा की कार्यवाही के दौरान आतिशी के विवादित बयान से संबंधित विडियो क्लिप 'एक्स' पर साझा की थी, जिसके बाद आप की पंजाब सरकार ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी।

BJP ने विडियो साझा कर आप को दी FIR कराने

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आज वही विडियो क्लिप उन्होंने खुद अपने 'एक्स' अकाउंट पर पोस्ट किया है और हजारों बीजेपी कार्यकर्ताओं से भी इसे साझा करने का आह्वान किया है। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि केजरीवाल और पंजाब सरकार मेरे सहित हजारों बीजेपी कार्यकर्ताओं पर एफआईआर दर्ज करवाकर दिखाएं।

सचदेवा ने कहा कि जिस दिन विधानसभा में यह घटना हुई, उसी दिन आतिशी गोवा चली गईं। इसके बाद लगातार तीन दिनों तक चली विधानसभा कार्यवाही के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने उन्हें नोटिस जारी कर सदन में आकर अपना पक्ष रखने को कहा, लेकिन वे उपस्थित नहीं हुईं। इसके बावजूद केजरीवाल के इशारे पर पंजाब में एफआईआर दर्ज कर दी गई। उन्होंने कहा कि केजरीवाल भली-भांति जानते हैं कि विधानसभा के भीतर घटित किसी भी घटना या विवाद पर संज्ञान लेने का अधिकार केवल विधानसभा अध्यक्ष को होता है। आप के विधायकों द्वारा फरेंसिक जांच की मांग किए जाने के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने जांच के आदेश भी दे दिए थे, लेकिन जांच रिपोर्ट आने से पहले ही पंजाब सरकार ने आतिशी को क्लीन चिट दे दी और कपिल मिश्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी। बीजेपी प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि आप में अंदरूनी फूट साफ नजर आने लगी है।

विकास में दिल्ली देहात का होगा अहम योगदान: इंद्राज

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज ने कहा कि दिल्ली देहात का इलाका विकास की दौड़ में पिछले 11 वर्षों में पीछे रह गया था। अब बीजेपी सरकार ठोस नीति, बेहतर कनेक्टिविटी और खेलों के जरिए दिल्ली देहात की सूरत बदलने की योजनाओं पर काम कर रही है। रविवार को उत्तर-पश्चिमी दिल्ली जिले में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान उन्होंने कहा कि विकसित दिल्ली के लक्ष्य में दिल्ली देहात का योगदान अहम होगा। रविवार को कैबिनेट मंत्री ने कहा कि बवाना के पूंठ कलां में 7.79 करोड़ रुपये की लागत से नया कम्युनिटी सेंटर बनेगा।

TIMES TRIBUTE
PAYING HOMAGE TO THE DEPARTED SOUL
To book your ad logon to ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free)

TIMES TRIBUTES
RATE CARD

Publications	Rates per sq. cms
TOID Capital + NBT (Delhi+NCR)	1295
TOID Full Run ## + NBT (Delhi+NCR)	1360
THE TIMES OF INDIA (Delhi+NCR)	780
THE TIMES OF INDIA (Delhi) Full Run##	900
NAVBHARAT TIMES (Delhi+NCR)	595
THE ECONOMIC TIMES (Delhi+NCR)	715
SANDHYA TIMES (Delhi)	100

Rates effective 5th June 2019

▶ *Placement on specified obit pages only. ▶ This rate benefit is extended up till the size of 320 sq. cm only. ▶ ## Full run includes Delhi City + NCR (Including Gurgaon + Noida) + Chandigarh + Western U.P. + Uttarakhand ▶ TOI Capital (Delhi & NCR) Includes TOI Gurgaon & TOI Noida.

To place an Obituary announcement or Remembrance message please call
Vinod: 9958992088
Pankaj : 8130604727

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई निविदा सूचना

ई निविदा सूचना संख्या 270 to 273-25-26, मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति की ओर से इच्छुक ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिए दिनांक 30.01.2026 को 15.00 बजे तक खुली ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम व स्थान: (1) निविदा संख्या 270: सहायक मंडल इंजीनियर, हनुमानगढ़-द्वितीय के अधीन सादुलपुर - श्रीगंगानगर - हनुमानगढ़ (कैनाल लूपलाईन) खण्ड पर 23. 466 टीकेएम टीडीआर (लूपलाईन) के संबंध में ऐन्सीलरी कार्य करना। अनुमानित लागत मूल्य: Rs. 8843267.13, धरोहर राशि: Rs. 178900.00, (2) निविदा संख्या 271: सहायक मंडल इंजीनियर, भिवानी के अधीन मंडल इंजीनियर/पूर्व के क्षेत्राधिकार में रोहतक भिवानी खण्ड पर विभिन्न ह्यूम पाईप कल्विंग के स्थान पर 1m x 1.2m साईज के आरसीसी बॉक्स का प्रावधान करना। अनुमानित लागत मूल्य: Rs. 196677896.46, धरोहर राशि: Rs. 1133400.00, (3) निविदा संख्या 272: सहायक मंडल इंजीनियर, भिवानी के अधीन गैंग हट, समपार, गेज लॉज, स्टेशनों एवं सेक्शन में कार्यरत लेबर के लिए पीने के पानी की आपूर्ति करना (24 माह के लिए). अनुमानित लागत मूल्य: Rs. 6608904.81, धरोहर राशि: Rs. 132200.00, (3) निविदा संख्या 273: सहायक मंडल इंजीनियर, सूरतगढ़ के क्षेत्राधिकार में 24 माह के लिए विविध पी-वे कार्य करना, अनुमानित लागत मूल्य: Rs. 30011357.37, धरोहर राशि: Rs. 300100.00, नोट: अन्य शर्तें रेलवे की वेब साईट वेब साईट www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है।, पत्रांक: 580-W/TBR 23 466Tkm/ SRPR-SGNR-HMH (CELL) / HMH-II/2025, दिनांक 09.01.2026

63-PM/26

पूर्वोत्तर रेलवे
ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/कार्य, वास्ते मुख्य कारखाना प्रबन्धक, यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर द्वारा नीचे लिखे कार्य के लिये आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं.-01, ई-निविदा सूचना सं: टेण्डर नं. "48-जीकेपी-एमडब्ल्यूएस-2025-26" निविदा कार्य का विवरण: 'प्रोविजन फॉर द वर्क ऑफ अपग्रेडेशन ऑफ टॉइलेट इन नान एसी आईसीएफ कोचेज, क्वान्टिटी-500 कोचेज फॉर जीकेपीएस अंडर पीएच-21 ऐज पर पिंक बुक आइटम नंबर 209/24-25 (514/2023-24) एंड एलोकेशन-बीच', अनुमानित लागत(रू.में): ₹ 54,31,40,265/-, धरोहर राशि (रू.में): ₹ 28,65,700/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: ₹ शून्य, निविदा समापन की तिथि एवं अवधि: 11:00 बजे, दिनांक 07-02-2026, संविदा की अवधि: 18 माह।

• उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण एवं निविदा में भाग लेने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर देखें।

उप मुख्य यांत्रिक इन्जी./कार्य, मुआवि/यांत्रिक-121 यांत्रिक कारखाना,गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्व सांसद केसी त्यागी की किताब का लोकार्पण

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: लोकसभा व राज्यसभा के पूर्व सांसद और वरिष्ठ राजनेता केसी त्यागी की किताब 'संकट की खेती' का लोकार्पण रविवार को दिल्ली में केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने किया। पुस्तक मेले में हुए इस कार्यक्रम में किसानों की समस्याओं, उनके संघर्ष और देश के विकास में उनकी भूमिका पर केंद्रित इस कृति को मौजूदा दौर के लिए बेहद प्रासंगिक बताया गया।

पुस्तक मेले में केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने किया लॉन्च

कार्यक्रम में केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती और भारत रत्न चौधरी चरण सिंह को समर्पित यह पुस्तक किसानों की समस्याओं, उनके संघर्षों और भारत के विकास में उनकी भूमिका को प्रभावी ढंग से सामने लाती है। उन्होंने कहा कि मौजूदा दौर में किसानों के सामने खड़ी चुनौतियों को समझने के लिए यह पुस्तक एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है।

'रक्तदान केवल सेवा ही नहीं, जीवन बचाने का संकल्प है'

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: जय हिंदी सेवादार समिति की ओर से जीटी करनाल रोड स्थित खाटू श्याम धाम मंदिर पर रविवार को 45वां ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया गया। कई लोगों ने रक्तदान किया। समिति के संस्थापक पवन अग्रवाल ने बताया कि रक्तदान केवल सेवा नहीं, जीवन बचाने का संकल्प है। इस मौके पर नोएडा की रेखा अग्रवाल समेत कई लोगों ने ब्लड डोनेट कर लोगों को इसके प्रति प्रेरित किया। इस मौके पर समिति के विजय गुप्ता, मनीष गुप्ता, अरविंद गुप्ता, अंकित बंसल, विशाल गुप्ता समेत कई लोग मौजूद रहे।

बड़ी संख्या में लोगों ने दिया ब्लड

दिल्ली में कानून व्यवस्था बदहाल: AK

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : दिल्ली की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने X पर कहा कि दिल्ली में हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि अब कोई भी सुरक्षित नहीं है। मुख्यमंत्री की अपनी विधानसभा में हुई एक वारदात बीजेपी सरकार की नाकामी और कानून-व्यवस्था के पूरी तरह चरमरा जाने का सबूत है। ये घटना बेहद निंदनीय और अस्वीकार्य है। आम आदमी पार्टी की कार्यकर्ता रचना यादव के परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

वहीं, दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने X पर लिखा कि मुख्यमंत्री के निर्वाचन क्षेत्र शालीमार बाग में उनके आवास से महज 400 मीटर दूर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष रचना यादव की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या न केवल कानून-व्यवस्था की विफलता को उजागर करती है, बल्कि महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े करती है।

"HONOUR. COURAGE. BRAVERY. Three words that you taught us. Three words that help us cope with your loss".

The silent joy of remembering a loved one.
The moments you shared together.
Little moments that make life beautiful.

Share them. With Friends. Relatives. Neighbours. Colleagues. With all those whose lives the departed Soul has touched. Because while life goes on, when you share memories, they stay on forever.

Publications	Total Outlay
The Times of India Delhi/NCR	5,600
TOI+NBT (Delhi/NCR)	8,800
TOI+ET (Delhi/NCR)	6,600

Maximum 10 lines

REMEMBRANCE
SHARING MEMORIES

For any information call
Vinod : 9958992088
Pankaj : 8130604727

पहचान के लिए अपील

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक अज्ञात व्यक्ति जिसका नाम अज्ञात, पुत्र: अज्ञात, पता: अज्ञात जोकि दिनांक 09.01.2026 को जेप्टो स्टोर दामोदर पार्क दिलशाद गार्डन, दिल्ली के बाहर पड़ा हुआ मिला। इसके बाद शव को जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उसे मृत घोषित कर दिया गया। इस सन्दर्भ में DD No. 25A, दिनांक 09.01.2026 पुलिस थाना जीटीबी एन्क्लेव, दिल्ली में रिपोर्ट दर्ज है। मृत शरीर को जीटीबी अस्पताल के मुर्दाघर में भेज दिया गया है। नीचे अज्ञात व्यक्ति की पहचान दी गई है:

नाम: अज्ञात, उम्र: 45 वर्ष, कद: 5'6", रंग: गेहुँआ, चेहरा: अंडाकार, शरीर: पतला, पहनावा: काले रंग की जैकेट और काले रंग का लोअर।

अगर किसी को इस व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी मिले कृपया नीचे दिए गए नंबर पर संपर्क करें।

थाना प्रभारी
पुलिस थाना जीटीबी एन्क्लेव, दिल्ली
फोन: 011-22580946, 7065036031

DP/505/SHD/2026

'एक साथ भजन-भोजन से परिवार बनता है सुखी'

■ NBT न्यूज, नई दिल्ली

स्पेशल ही धर्म कर्म

श्री पीतांबरा पीठ मंदिर विवेकानंद योगाश्रम खुरेजी में सत्संग के मौके पर आचार्य विक्रमादित्य ने कहा कि परिवार में सभी को भजन और भोजन एक साथ बैठकर करना चाहिए। ऐसा परिवार सुखी और संपन्न जीवन जीता है।

जैन साहित्य: विश्व पुस्तक मेले के हॉल नं. 2-3 के क्यू 14 नं. पर जैन दर्शन, योग, साधना साहित्य स्टॉल का शुभारंभ किया गया है। यहां आचार्य श्री विद्यासागरजी और मुनि श्री प्रमाण्य सागरजी द्वारा रचित सौ से अधिक आध्यात्मिक कृतियां उपलब्ध हैं।

सत्संग: सीनियर सिटीजंस काउंसिल आफ दिल्ली द्वारा डीयर पार्क हौजखास सत्संग में पंडित अजय द्विवेदी (कानपुर) ने कहा कि जो भगवान के प्रेम में डूब जाते हैं वे एक दिन अवश्य पार उतर जाते हैं। वहीं राम मंदिर सी-3 जनकपुरी में शालिनी पांडेय द्वारा सुंदरकांड पाठ में सैकड़ों भक्तों ने भाग लिया।

कम्बल वितरित: आचार्य श्री सौभाग्य सागरजी महाराज की प्रेरणा से संस्कार मंच कमेपुरा की महिलाओं भावना, ज्योति, सपना, मेघा, प्रीति, आरती, शानू, मिथिका आदि ने एम्स के बाहर जरूरतमंद लोगों को गर्म वस्त्र और कंबल वितरित किए। उधर, रामभाता झंडेवाला मंदिर के पस्माध्यक्ष रामेश्वरानंद महाराज ने कश्मीरी गेट, रेलवे स्टेशन, निगमबोध घाट की सड़कों पर बेसहारा लोगों को कंबल, शॉल, गर्म कपड़े वितरित किए।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 12-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH05 User: cci Time: 01-11-2026 23:10 Color:

कोई ढूंढ रहा अपनी पहली किताब, कहीं अनुभवी बुकलवर्स का स्वैग

कविता-किस्सों से Vibe Match!

प्रगति मैदान में लगे नई दिल्ली वर्ल्ड बुक फेयर में इन दिनों सिर्फ किताबें नहीं, बल्कि हजारों कहानियां और जज्बात साथ चल रहे हैं। संडे की भारी भीड़ के बीच कोई पहली बार पढ़ने का शौक पाल रहा है, तो कोई मीलों दूर से झोले भरकर यादें समेटने आया है। किताबों के इस मेले में हर शख्स अपनी एक अलग दुनिया तलाश रहा है। यहां शब्दों का जादू और जज्बात का संगम हर दिल को छूता है।

GenZ की नजर से स्पेशल कवरेज

Photos: Tarun Rawat

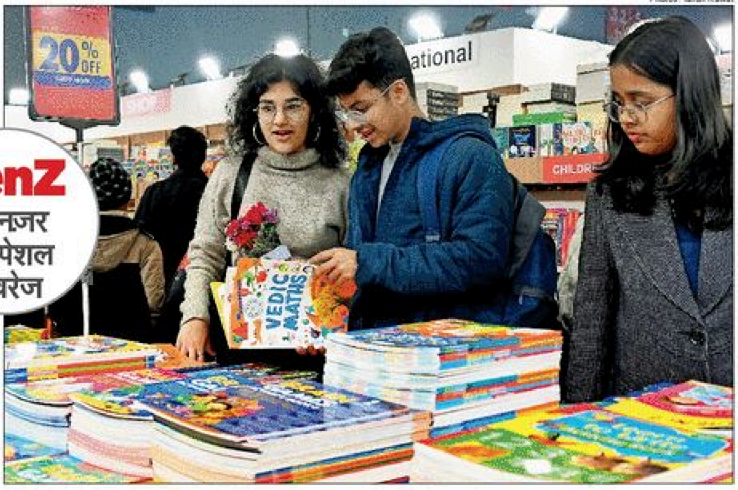

किताबों की खुशबू लौटी, प्रिंट की दुनिया में फिर दिखी चमक

■ राम त्रिपाठी, नई दिल्ली

नई दिल्ली वर्ल्ड बुक फेयर 26 में भाग ले रहे कई प्रकाशकों का मानना है कि छपी किताबों को पढ़ने और पढ़ाने की दुनिया कुछ साल पहले की तुलना में अब ज्यादा सुरक्षित हो गई है। कुछ प्रकाशकों का कहना है कि छपी किताबों की बिक्री का ग्राफ 20 से 30 पर्सेंट तक बढ़ा है। इसका कारण यह है कि समय में आए बदलाव के साथ किताबें अब परंपरागत साहित्य तक सीमित नहीं रहीं। संस्कृति, ऐतिहासिक, पौराणिक, जियोग्राफी, हेल्थ और जीवनी जैसे विषयों पर किताबें बाजार में पहले से ज्यादा संख्या में आ रही हैं।

सीनियर सिटिजन, स्कूली बच्चे अपनी रुचि की किताबें देखने में रहे मशगूल

कई प्रकाशकों का मानना है कि छपी किताबों की बिक्री में एक समय कुछ कमी जरूर आई थी, लेकिन प्रिंट की दुनिया कभी असुरक्षित नहीं रही। कोरोना काल से कुछ साल पहले और उसके बाद के एक दो साल को प्रकाशक प्रिंट मीडिया के लिए संकट का दौर मानते हैं।

प्रकाशकों का कहना, किताबों की बिक्री 30 पर्सेंट तक बढ़ी

रूपा पब्लिकेशन के एमडी कपिल मेहरा बताते हैं कि छपी किताबों की बिक्री 30 पर्सेंट तक बढ़ गई है। उनका कहना है कि कोरोना काल में मोबाइल और टीवी से जुड़े रहने वाले लोगों को भी गंभीर और व्यवस्थित ज्ञान के लिए छपी किताबों की तरफ लौटना पड़ा। प्रभात प्रकाशन के डायरेक्टर प्रभात कुमार का कहना है कि लोग अब भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित किताबें ज्यादा पढ़ रहे हैं। संस्कृति, ऐतिहासिक और पौराणिक विषयों में लोगों की रुचि तेजी से बढ़ी है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन सुविधा के चलते देश के सुदूर इलाकों के लोग भी छपी किताबें ऑर्डर कर मंगवा रहे हैं।

साहित्यकार और किताबवाले पब्लिशर्स के एडिटर राकेश मंजुल का कहना है कि करीब 450 साल पुराना प्रिंट साहित्य का बाजार कभी खत्म नहीं हो सकता। परंपरागत साहित्य के साथ साथ अन्य विषयों पर भी बड़ी संख्या में किताबें पढ़ी जा रही हैं। ऐसे विषयों पर छपी किताबों की मांग भी मजबूत बनी हुई है।

किताबों के पुल पर सधे कदम से की नए सफर की शुरुआत

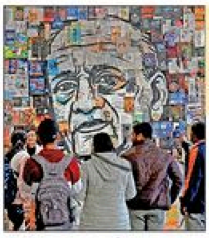

- नरेश सक्सेना और राहत इंदौरी के शब्दों के बहाने अजनबियों के बीच बना अनजाना रिश्ता
- स्कूल-कॉलेज की पढ़ाई से इतर, खुद को तलाशने के लिए साहित्य का दामन थामते दिखे यंग नए पाठक

Devid.Sharma@timesofindia.com

■ **बुक फेयर** के दूसरे दिन मैं प्रगति मैदान के गेट नंबर-10 पर पहुंचा और लोगों की लंबी लाइन में लगकर एंट्री मिली। अंदर पहुंचने के बाद मैं घूमते हुए हॉल नंबर-2 में आ गया, जहां भीड़, किताबें और आवाजें आपस में घुली हुई थीं। इसी माहौल के बीच अचानक एक लाइन कानों में पड़ी 'न पुल पार होता है, न नदी'। विकास ने दराज से एक किताब उठाकर ये लाइन पढ़ी थी और उसे सुनते ही महिमा मुस्कुरा उठी। उनकी ये छोटी सी बातचीत मेरे लिए किसी एंट्री पास जैसी थी। मन में आया कि क्यों न मैं भी इसका हिस्सा बनूं। बुक फेयर में ऐसे ही कितने लोग अपनी-अपनी कहानियां लेकर घूमते हैं। ये छोटी कहानियां ही हैं, जो हजारों किताबों के संसार में लोगों को एक-दूसरे से जोड़ती हैं।

थोड़ा ठहरकर मैंने महिमा और विकास से बात की। विकास ने बताया कि कविता की वो लाइन उसने नरेश सक्सेना के कविता संग्रह से पढ़ी थी। महिमा ने कहा कि वो स्कूल की पढ़ाई से अलग अब अपने लिए पढ़ने की शुरुआत करना चाहती है, इसलिए बुक फेयर में किताबें सर्च करने आई है। साथ में दोस्त भी इसी मकसद से आया है। दोनों पहली बार बुक फेयर पहुंचे थे। कुछ देर बातचीत के बाद वे आसान, तुरंत समझ में आने वाली हिंदी की किताबें ढूंढते हुए भीड़ में गुम हो गए।

उसी भीड़ में आगे बढ़ते हुए मेरी मुलाकात अतिन से हुई। वो शायरी की किताबें खोज रहा था। उसने बताया कि सोशल मीडिया पर उसने राहत इंदौरी की शायरी सुनी है और अब पढ़ने की शुरुआत शायरी से करना चाहता है। इसी दौरान हिंदी की प्रोफेसर नेहा ने हमारी बातचीत सुनी और हाथ में एक किताब थमा दी। ये वही किताब थी, जिसकी एक लाइन सुनकर कुछ देर पहले महिमा के चेहरे पर सवाल-नुमा मुस्कान आ गई थी।

एक अटैची, एक बैग, तीन थैले भरकर ले गईं किताबें

- बदायूं से 4 घंटे ड्राइव करके आईं रिटायर टीचर, जो बेटी के लिए सूटकेस भर किताबें ले गईं
- विजिटर्स ने बताया, ऑनलाइन शॉपिंग के दौर में मेले की भीड़ के बीच खुद किताब चुनने का अनुभव है अनमोल

Atul.Kumar1@timesofindia.com

■ **भारत मंडपम** में किताबों की दुनिया दूसरे दिन भी आबाद रही। संडे होने की वजह से जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, भीड़ भी बढ़ती गई। शाम तक हालात ऐसे हो गए कि पेंगुइन जैसे बड़े पब्लिशर्स के स्टॉल में एंट्री के लिए लंबी कतारें लग गईं। हजारों लोगों की तरह मैं भी स्टॉल दर स्टॉल घूम रहा था। इसी दौरान मेरी नजर एक महिला पर पड़ी। उम्र 55 से ऊपर रही होगी। वह एक कुर्सी पर शांत बैठी आसपास की चहल-पहल देख रही थीं। पहली नजर में लगा कि थककर बैठ गई होंगी। लेकिन पास जाकर देखा तो उनके चारों ओर किताबों का अंबार लगा था। एक अटैची, एक बस्ता और तीन थैले- सब किताबों से भरे हुए थे। उत्सुक होकर मैंने उनसे बात की। उन्होंने बताया कि वह अपनी बेटी का इंतजार कर रही हैं। ये सारी किताबें उसी के लिए खरीदी गई हैं, जबकि बेटी अभी और किताबें लेने गई है। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, मैं रिटायर्ड स्कूल टीचर हूं। बदायूं से चार घंटे ड्राइव करके सिर्फ बुक फेयर के लिए दिल्ली आई हूं।

उन्होंने बताया कि बचपन में उनकी मां भी उन्हें इसी तरह किताबों के मेलों में लेकर जाया करती थीं। वहीं से साहित्य में उनकी रुचि जगी। अब वह अपनी बेटी के साथ पुस्तक मेले में आई हैं। उनके मुताबिक, आज के दौर में ऑनलाइन किताबें मंगवाना आसान है, लेकिन मेले में आकर खुद किताबें चुनने का अनुभव बिल्कुल अलग होता है।

चारों ओर तरह-तरह के लोग अपने-अपने हिस्से का संसार तलाश कर रहे थे। उस भीड़ के बीच उनके बैठ हो जाने का एहसास मेरे लिए खास था। उन्होंने कहा, रिटायरमेंट के बाद अब करने को बहुत कुछ नहीं बचा है। ज्यादातर वक्त बच्चों और किताबों के बीच ही गुजरता है। बात खत्म करते हुए उन्होंने हंसकर कहा, अगले साल दो अटैची लाऊंगी।

कतारों से शुरू हुआ सफर किताबों के रास्ते कहानियों में उतरा

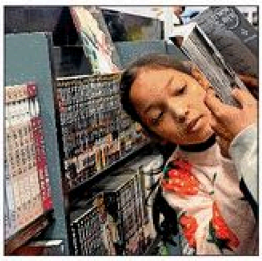

Arvind.Kumar@timesofindia.com

■ **लंबी कतारों** से शुरू होता सफर थमता है, किताबों से सजी गलियों में पहुंचकर। गलियों में पहुंचने पर आंखें दो-चार होती हैं, स्टॉलों से झांकती साहित्यकारों की नज्मों, कविताओं, कहानियों और उपन्यासों से।

तभी मेरे जेहन में 'होश नोमान ओमपुरी' की एक पंक्ति उभर आई कि 'जिस्म तो खाक है और खाक में मिल जाएगा, मैं बहर-हाल किताबों में मिलूंगा तुम को।'

ओमप्रकाश वाल्मीकि की 'जूठन' मिलती है ऐसे ही अनगिनत, अनकही अनुसूचित जातियों की कहानियों से। वो अपनी आत्मकथा के जरिये बयां करते हैं, दलितों की पीड़ा और परिस्थिति। वो कहते हैं कि- 'बर्दाश्त कर लेने का इतना हौसला था कि आज मैं सोचता हूं तो हैरान रह जाता हूं। कितना कुछ छीन लिया है मुझसे इस बर्दाश्त कर लेने की आदत ने।'

- 'जूठन' की पीड़ा से लेकर दुष्यंत कुमार की शायरी तक, पन्नों पर जिंदगी के सच से सामना
- लंबी कतारों के बाद प्रेमचंद और वाल्मीकि की कहानियों में अपनी जड़ों को ढूंढते हुए भी यहां दिखे लोग

जिक्र साहित्य की हो और प्रेमचंद जुबां पर न आएं... नामुमकिन है। बुक फेयर में आए लोगों से बात करने पर उन्होंने बताया कि साहित्य प्रेमी प्रेमचंद को न पढ़े, ऐसा हो नहीं सकता। प्रेमचंद की कहानियों का जिक्र करते हुए एक दर्शक ने बताया कि उनकी कहानियां हर वर्ग को पढ़नी चाहिए।

हाल ही में दिवंगत हुए ज्ञानपीठ अवॉर्ड से सम्मानित विनोद कुमार शुक्ल की किताबें लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती दिखीं।

शाम ढलते जब घर लौटने की बारी आई, तो कोने में छिपा दिखा दुष्यंत कुमार की किताब 'साये में धूप'। उसमें एक पंक्ति लिखी मिली –

मेले में भटके होते तो
कोई घर पहुंचा जाता,
हम घर में भटके हैं,
कैसे ठौर-ठिकाने आएंगे।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 12-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH06 User: cci Time: 01-11-2026 22:51 Color:

कालकाजी में बिल्डिंग में आग, 7 को बचाया

जान जोखिम में डाल दो पुलिसकर्मियों ने सभी को निकाला

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

कालकाजी में शनिवार रात एक रिहायशी इमारत में आग लग गई। आग और धुएं के बीच फंसे 7 लोगों को पुलिसकर्मियों ने जान जोखिम में डाल लोगों की मदद से बचा लिया।

शनिवार रात 10:39 बजे आग की सूचना मिली। दमकल की 4 गाड़ियों को रवाना किया गया। उधर, हेड कॉन्स्टेबल भारत भूषण और कॉन्स्टेबल मनोज तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। एसएचओ अजय कुमार, बीट स्टाफ हेड कॉन्स्टेबल भारत भूषण और कॉन्स्टेबल मनोज के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। इमारत की चौथी मंजिल पर 7 लोग आग और धुएं में फंसे थे। इनमें बुजुर्ग और बच्चे भी थे। दोनों पुलिसकर्मी बिल्डिंग में घुस गए। धुआं इतना था कि सांस लेना मुश्किल हो रहा था, इसके बावजूद दोनों ने हिम्मत नहीं हारी। इसके बाद लोगों की मदद से चौथी मंजिल पर फंसी बिमला (65), गिरीश (37), प्रतिभा (32), वश्वी (12), शुभम (38) समेत दो अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

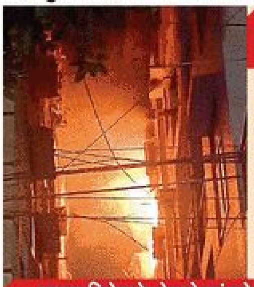

फायर ब्रिगेड के देर से पहुंचने का आरोप

यहां रहने वाले टी. एम. कुमार ने बताया कि आग लगते ही लोगों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी और एहतियात के तौर पर बिजली की सप्लाई भी कटवा दी गई। आरोप है कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर देर से पहुंचीं। संकरी गलियों के कारण आग बुझाने में भी काफी दिक्कत आई। हालांकि, फायर ब्रिगेड ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। राहत की बात यह रही कि पुलिस और लोगों लोगों ने समय रहते बचाव कार्य शुरू कर दिया।

खड़ी कार में लगी आग

बदरपुर इलाके में शनिवार देर रात थाने के गेट नंबर-2 के पास खड़ी कार में आग लग गई। कार में कोई नहीं था। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

लूट के लिए घूम रहा था, अरेस्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: गाजीपुर में हथियार लेकर लूटपाट के इरादे से घूम रहे एक घोषित बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक कट्टा और दो कारतूस बरामद हुए हैं। आरोपी की पहचान गाजीपुर के यूसुफ (31) के तौर पर हुई है। ईस्ट जिले के डीसीपी अभिषेक धानिया ने बताया, 10 जनवरी को पुलिस डीडीए पार्क, पेपर मार्केट, गाजीपुर के पास गश्त पर थी। इसी दौरान पुलिस को देखकर भाग रहे बदमाश को पुलिस ने पकड़ लिया।

आरोपी के पास से कट्टा और दो कारतूस बरामद

रैपिडो राइडर को लूटने वाले पकड़े

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : साउथ ईस्ट डिस्ट्रिक्ट की स्पेशल टास्क फोर्स (STF) ने गोविंदपुरी में चाकू की नोक पर रैपिडो राइडर से हुई लूट की वारदात को सुलझाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से लूटा गया मोबाइल और चाकू बरामद किया गया है। इनकी पहचान अली हुसैन (20) और शिवम (20) के रूप में हुई है। दोनों तुगलकाबाद एक्सटेंशन इलाके के रहने वाले हैं। 9 जनवरी की रात करीब 1:54 बजे गोविंदपुरी थाने को लूटपाट की सूचना मिली थी।

बाइक, कैश और मोबाइल लूटकर ले गए थे

चोरी के दो मामलों में आरोपी अरेस्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: लाजपत नगर थाना पुलिस ने चोरी की दो वारदात का खुलासा करते हुए एक चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से तीन आईफोन, तीन लैपटॉप, एक आईपैड और 25 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, 2 जनवरी को लाजपत नगर-1 स्थित सेंट्रल पार्क निवासी यशवर्धन सिंह चौहान ने ई-एफआईआर दर्ज कराई थी कि देर रात पार्टी के बाद सभी सो गए थे। सुबह 10 बजे जब सभी जागे तो घर में चोरी का पता चला।

3 आईफोन, 3 लैपटॉप, आईपैड और 25 फोन बरामद

तुर्कमान गेट हिंसा में दो और आरोपी गिरफ्तार

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

तुर्कमान गेट इलाके में हुई हिंसा के मामले में दिल्ली पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान तुर्कमान गेट निवासी फहीम उर्फ शानू (30) और चांदनी महल निवासी मोहम्मद शहजाद (29) के तौर पर हुई है। इसके साथ ही इस मामले में अब तक कुल 18 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तुर्कमान गेट के संवेदनशील इलाकों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है। इसके अलावा ड्रोन से इलाके की निगरानी और सीसीटीवी मॉनिटरिंग की जा रही है। स्थिति शांतिपूर्ण है और पूरी तरह नियंत्रण में है। मामले की जांच जारी है। डिजिटल साक्ष्यों का विश्लेषण किया जा रहा है और हिंसा, पत्थरबाजी और गलत सूचना फैलाने में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है।

पुलिस सूत्रों का कहना है कि हिंसा मामले के अलग-अलग 100 से अधिक विडियो, सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लिया गया है। उसमें आरोपी बलवा करते या भागते हुए दिख रहे हैं। पुलिस उसके आधार पर आरोपियों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। करीब 200 लोग हिंसा में शामिल थे। 50 की पहचान कर ली गई है बाकी आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

6 जनवरी की रात दिल्ली के रामलीला मैदान क्षेत्र में स्थित फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान हालात हिंसक हो गए थे। इस दौरान उपद्रवियों ने पुलिसकर्मियों पर पत्थर और कांच की बोतलें फेंकीं, जिसमें इलाके के थाना प्रभारी सहित 5 पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा और आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े थे।

इस मामले में अब तक 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया है

NBT जन्मदिन मुबारक

प्रियंका गांधी

प्रियंका गांधी का जन्म 12 जनवरी 1972 को दिल्ली में हुआ। वे कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और प्रमुख स्टार प्रचारक हैं। दशकों तक पर्दे के पीछे रणनीति बनाने के बाद, 2024 में वायनाड उपचुनाव से उन्होंने अपना पहला चुनाव लड़ा। दादी इंदिरा गांधी की छवि और प्रखर भाषण शैली के लिए वे जानी जाती हैं।

अरुण गोविल

अरुण गोविल का जन्म 12 जनवरी 1958 को हुआ। उन्होंने 1977 में फिल्म 'पहेली' से करियर की शुरुआत की, लेकिन रामानंद सागर की 'रामायण' में भगवान राम के किरदार से वह देशभर में फेमस हुए। एक्टिंग करियर के बाद उन्होंने राजनीति में कदम रखा और 2024 में मेरठ से BJP सांसद चुने गए।

अजय माकन

अजय माकन का जन्म 12 जनवरी 1964 को दिल्ली में हुआ। वे दिल्ली विधानसभा के सबसे युवा अध्यक्ष और केंद्र में खेल और आवास मंत्री रहे। 1993 से 2004 तक राजौरी गार्डन से दिल्ली विधानसभा में प्रतिनिधित्व करते रहे। दो बार लोकसभा सांसद रहने के बाद, फिलहाल कांग्रेस के कोषाध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य हैं।

साक्षी तंवर

साक्षी तंवर का जन्म 12 जनवरी 1973 को राजस्थान के अलवर में हुआ। करियर की शुरुआत दूरदर्शन एंकर के तौर पर की। उन्होंने 'कहानी घर घर की' में पार्वती के किरदार से घर-घर में पहचान बनाई। 'बड़े अच्छे लगते हैं' और सुपरहिट फिल्म 'दंगल' में उनके अभिनय को काफी सराहा गया।

केमिकल बेचने वालों को पुलिस ने किया सावधान

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

गणतंत्र दिवस की सुरक्षा को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने आइज एंड इयर्स को सुपर एक्टिव कर दिया है। लोगों को सतर्क रहने और संदिग्ध गतिविधियों, लोगों या संभावित अपराधों से जुड़ी जानकारी तुरंत शेयर करने की अपील की गई है। पार्किंग अटेंडेंट को हर समय चौकन्ना रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत पुलिस में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया। केमिकल दुकान मालिकों को सलाह दी गई कि वे ऐसे केमिकल और अन्य सामान बेचते समय सावधानी बरतें, जिनका इस्तेमाल विस्फोटक के तौर पर किया जा सकता है। इमरजेंसी रिस्पांस सपोर्ट सिस्टम (ERSS) 112 और दिल्ली पुलिस 'आइज एंड इयर्स' हेल्पलाइन नंबर 14547 शेयर किए गए।

सभी जिलों, मेट्रो, आईजीआई यूनिट में हुए प्रोग्राम के दौरान के दिल्ली पुलिस के ACP- APRO रक्षित और स्पेशल सेल के एसीपी कैलाश बिष्ट ने लोगों को जागरूक करने वाला डिस्कशन सेशन किया। सेशन को दिल्ली पुलिस के ऑफिशियल YouTube चैनल पर लाइव स्ट्रीम किया गया। जिलों और मेट्रो के सभी थानों, IGIA यूनिट्स में सेशन को लाइव देखने के लिए खास इंतजाम किए गए थे। RWAs को CCTV कैमरे लगाने, किराएदारों का वेरिफिकेशन करने और फेरीवालों की एंट्री पर नजर रखने की अहमियत बताई गई। होटल मालिकों को गेस्ट के चेक-इन के समय और सभी ठहरने वालों का रिकॉर्ड ध्यान से रखने के निर्देश दिए। SIM बेचने वालों से कहा गया है कि नए SIM कार्ड देते समय गाइडलाइंस का सख्ती से पालन करें। सेकंड-हैंड कार डीलरों से कहा गया कि वे खरीदारों का सही वेरिफिकेशन और गाड़ी का मालिकाना हक समय पर ट्रांसफर पक्का करें।

गणतंत्र दिवस की सुरक्षा को लेकर किया गया अलर्ट

कुत्ते के भौंकने पर विवाद में मारपीट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

लक्ष्मी नगर में कुत्ते के भौंकने और हमला करने की कोशिश का विरोध करने पर कुत्ते के मालिक ने अपने परिवार और दोस्तों के साथ मिलकर एक युवक की पिटाई कर दी। जान से मारने की भी धमकी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़ित के बयान पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, चितरंजन कुमार (32) परिवार के साथ लक्ष्मी नगर में रहते हैं। उन्होंने बताया कि 7 जनवरी की रात करीब 11:30 बजे वह अपनी कार पार्क कर घर लौट रहे थे। तभी मेन मार्केट रोड, मंगल बाजार के पास उनकी मुलाकात विनय गुप्ता से हुई। वह अपने कुत्ते के साथ था। तभी कुत्ता अचानक भौंकने लगा और हमला करने की कोशिश करने लगा। इस पर उन्होंने विनय ने कहा कि कुत्ते की रस्सी ठीक से पकड़कर रखनी चाहिए। आरोप है कि इस बात पर विनय नाराज हो गया और कहा कि ज्यादा बोलोगे तो कुत्ते को छोड़ दूंगा। विरोध करने पर उसने 7 लोगों को बुला लिया और मारपीट की।

चाकू मारकर लूटा था, 4 गिरफ्तार

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : सेंट्रल जिला के किशनगंज इलाके में एक युवक को चाकू मार कर लूटपाट करने वाले चार आरोपियों को मामला दर्ज होने के बाद 6 घंटे में डीबीजी रोड पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से लूटी गई रकम और वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया गया है। डीसीपी निधिन वाल्सन ने बताया यह जानकारी दी।

स्कूटी हटाने के झगड़े में चाचा-भतीजे पर लाठी-डंडों से हमला

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : इंदिरा पार्क इलाके में मकान के सामने खड़ी स्कूटी को हटाने के विवाद में चाचा-भतीजे पर लाठी-डंडे और नुकीले हथियार से हमला कर दिया गया। चाचा-भतीजे का सिर फट गए। गंभीर हालत में दोनों को पुलिसवालों ने अस्पताल में भर्ती कराया। घायलों की पहचान ब्रजमोहन और राहुल के तौर पर हुई है। उनके बयान पर विवेक विहार पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि ब्रजमोहन और भतीजे राहुल पर पड़ोसियों ने लाठी-डंडे और नुकीले हथियार से हमला किया।

पुलिस केस दर्ज कर मामले की कर रही जांच

एयरपोर्ट लाइन की केबल चोरों ने काटी, हुई दिक्कत

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

मेट्रो पिलर नं-9 के पास मिले केबल

दिल्ली मेट्रो की एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर रविवार सुबह असामाजिक तत्वों द्वारा सिग्नलिंग केबल चोरी करने की कोशिश की। इस वजह से मेट्रो सेवा प्रभावित रही। डीएमआरसी के अनुसार द्वारका सेक्टर-25 यशोभूमि से नई दिल्ली के बीच चलने वाली एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर धौला कुआं मेट्रो स्टेशन और शिवाजी स्टेडियम स्टेशन के बीच लगभग 800 मीटर सिग्नलिंग केबल को काट दिया गया। आईजीआई एयरपोर्ट थाना पुलिस केस दर्ज की मामले की जांच कर रही है।

डीएमआरसी के अनुसार चोर केबल काटने में तो सफल रहे, लेकिन वे केबल के कटे हुए टुकड़े ले जाने में नाकाम रहे। कटे हुए केबल मेट्रो पिलर के पास मिले। केबल कटने से सिग्नलिंग सिस्टम प्रभावित हुआ है। इसके चलते धौला कुआं से शिवाजी स्टेडियम के बीच नई दिल्ली की ओर जाने वाली 'अप लाइन' पर ट्रेनें एहतियातन सिर्फ 25 किलोमीटर प्रति घंटे की सीमित रफ्तार से चलाई गईं। हालांकि, एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के बाकी हिस्सों में मेट्रो सेवा सामान्य रही है।

डीएमआरसी ने इस घटना पर खेद जताते हुए कहा कि इस तरह की केबल चोरी की घटनाएं न केवल परिचालन को प्रभावित करती हैं, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा व सुविधा के लिए भी गंभीर चुनौती हैं। डीएमआरसी के अनुसार दिल्ली मेट्रो इस मामले में कानून-व्यवस्था से जुड़ी एजेंसियों के संपर्क में है। इससे पहले भी मेट्रो के सिग्नलिंग की केबल चोरी हो चुकी है, जिससे मेट्रो ट्रेन का संचालन प्रभावित हो चुका है।

फर्जी डॉक्युमेंट पर लोन लेकर खरीदते थे कारें

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड और फर्जी आईटीआर जैसे डॉक्युमेंट तैयार कर उसके जरिए अलग-अलग बैंकों से लोन लेकर लग्जरी कारें खरीदने वाले गैंग का क्राइम ब्रांच ने खुलासा किया है है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर मर्सिडीज, क्रेटा, अल्टरोज, स्कॉर्पियो-एन और टोयोटा-हायलेक्स जैसी कारें बरामद की हैं। ये लोग लोन लेने के बाद उसकी किस्तें नहीं भरते थे। अंडरग्राउंड होकर दूसरे राज्यों में रजिस्ट्रेशन कराके महंगे दामों पर कारें बेच देते थे। क्राइम ब्रांच के डीसीपी आदित्य गौतम के मुताबिक आरोपियों की पहचान अमन उर्फ श्याम उर्फ राहुल कपूर, धीरज उर्फ आलोक उर्फ सिद्धार्थ और नरेश कुमार के रूप में हुई है।

रेप का वॉन्टेड आरोपी 5 साल बाद अरेस्ट

■ NBT रिपोर्ट, रणहौला: मोहल्ला क्लीनिक में काम करने वाली एक युवती से रेप के मामले में वॉन्टेड आरोपी सुमित मिश्रा को क्राइम ब्रांच ने पांच साल बाद गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को पहले ही कोर्ट भगोड़ा घोषित कर चुका था। क्राइम ब्रांच के डीसीपी संजीव कुमार यादव के अनुसार, 7 मार्च 2021 को रणहौला थाने में एक ग्रैजुएट युवती ने रेप की शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़िता मोहल्ला क्लीनिक में काम करती थी और सिविल डिफेंस में वॉलंटियर की नौकरी के लिए आवेदन करना चाहती थी। इसी सिलसिले में वह सुमित मिश्रा की दुकान पर गई थी।

सफाई को लेकर विवाद में शख्स की नाक काटी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: मैदानगढ़ी में सफाई को लेकर दो पक्षों में हुए विवाद में एक युवक की नाक काट दी गई। युवक को गंभीर हालत में एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने पीड़ित के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को शिकायत में जतिन (21) ने बताया कि वह परिवार के साथ मैदानगढ़ी में रहते हैं। 7 जनवरी दोपहर करीब साढ़े 12 बजे वह पिता के साथ घर पर थे। इसी दौरान नगर निगम का एक सफाई कर्मचारी नाले से निकले कीचड़ को साफ कर सामने के खाली प्लॉट में डाल रहा था। कर्मचारी ने उनके पिता से कस्सी मांगी। पिता ने दे दी। इस पर पड़ोसी ने गाली-गलौज शुरू कर दी और अपने दो बेटों को बुला लिया। इसके बाद तीनों ने चाको नाक काट दी।

TIMES interact — Connecting People, Connecting Needs.
To book your ad | Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free) | Scan QR Code

बिजनेस
बिजनेस प्रस्ताव

PREMIUM EUROPEAN COATING RESINS/ ADDITIVES
We can offer a diverse range of high-performance materials regularly at low prices, including:
• Waterborne Polyurethane Dispersions
• Acrylic Polyols
• Alkyds & Epoxies
• Functional Monomers & Crosslinkers
Please contact: Euro Exim Limited, Manchester (UK), Email: sales@euroeximlimited.co.uk

भर्ती
भर्ती-रिक्त पदों की स्थिति
अन्य रिक्तियां
चालक

कमाओ दिन के रु. 1000 तक (पार्ट टाइम / फुल टाइम) भारत टैक्सी चालक बनाएं। जॉइन करने के लिए भारत टैक्सी ड्राइवर ऐप डाउनलोड करें या कॉल करें - 011-64801000

BOOK YOUR CLASSIFIED ADS
FOR PROPERTY ADS PLEASE CONTACT SUNIL : 9999499496
TO BOOK ONLINE LOG ON TO ads.timesofindia.com

टेंडर और नोटिस
सार्वजनिक सूचना (नोटिस)

IT is informed to all that Acharya Narender Dev Co-Op House Building Society Gurgaon registration No.600(G) has been completed and allotments has been done to all the shareholders/Members. Therefor the society is being woumded /windedup from this Notice date 31st Dec. 2025

व्यक्तिगत
नाम परिवर्तन

I, Sonia, W/o Vasu Dev, born on 01/09/1978, resident of N/493, Chander Shekhar Azad Colony, Delhi-7, have changed my name to Sonia Kamra.

I, Narender Kumar Sharma S/o Gain Chand R/o S-315, First Floor, Panchsheel Park, New Delhi-110017 have changed my name to Narender Sharma for all purposes.

I, NOORAIN ZIA D/O Ahsan Ul Haq R/O G-58 Muradi Road Batla House Jamia Nagar Okhla South Delhi-110025 have changed my name to NOORIN ZIA for all future purpose.

I Tabassum Malik w/o Mukhtyar Malik changing my name from Tabassum to Tabassum Malik.

I Meena W/o Jagjeet Singh R/o 1387/13 Govind Puri Kalkaji New Delhi 19 change my name from Meena to Meena Mahey for all future purposes.

खोया एवं पाया

I, Bhupinder Singh, would like to inform you that my property document, namely the Possession Certificate has been misplaced. The details of the lost document are as under: Name of Allottee: Rajesh P. Shah •LR no. : 20631/2026 Document: Possession Certificate •Issued at the time of allotment of the property Property details: Flat no. 96 C, Rohit Apartment Plot 30 Sector 10 Dwarka New Delhi 110075

Readers are recommended to make appropriate enquires and seek appropriate advice before sending money, incurring any expenses, acting on medical recommendations or entering into any commitment in relation to any advertisement published in this publication. All creatives marked as Advertorial, Spotlight and Promotional Features are to be treated as Advertisements. The Times of India Group doesn't vouch for any claims made by the Advertisers of the products and services. The Printer, Publisher, Editor, and the owners of The Times of India Group publications shall not be held liable for any consequences, in the event such claims are not honoured by the Advertisers.

HEALTH & WELLNESS

SEXOLOGIST DR. VIKRAM SABLOK
सबलोक फार्मेसी चाँदनी चौक फतेहपुरी (बीकानेर वाला के ऊपर) ब्रांच- निकट शालीमार मेट्रो स्टेशन
9811195025
मिलते जुलते नाम से सावधान

बवासीर का इंजेक्शन द्वारा सफल इलाज पेट दर्द, गैस, कब्ज, एसिडिटी का सफल इलाज (अनुभव 25 वर्ष)
सोनू क्लीनिक Dr. A.K. Chaudhary (B.A.M.S.)
K-18, मेन ख्याला रोड, श्याम नगर, विष्णु गार्डन (निकट मदर डेयरी) नई दिल्ली-18
9289626250
9810807952

निःसंतान शुक्राणुओं की कमी धात, स्वप्नदोष, सेक्स पा. आदि गुप्त रोगों के लिए
चेतन आयुर्वेदा
▸बदरपुर ▸दरियागंज ▸भजनपुरा ▸छतरपुर
82, CDR Chowk, Chhatarpur Delhi
9817469817

SEX PROBLEM
बचपन की गलतियों के कारण आयी सभी सेक्स समस्याओं के समाधान के लिए हमारी सलाह द्वारा दवा का सेवन करें और 15 ही दिन में फर्क देखें
सिर्फ ₹955
घर बैठे दवा मंगवायें
सन्यासी आयुर्वेदा
• मंगोलपुरी • कालकाजी
फ्री सलाह: 8527001155

BOOK YOUR EDUCATION ADS
TO BOOK ONLINE LOG ON TO ads.timesofindia.com

TIMES interact SPECIAL

Starting from 2 Crores & Above
• Secured
• Unsecured
• Take over Loan
• Project Loan
• NPA Resolution Assistance
Attractive Rate of Interest
EVER GREEN GLOBAL
DSA Agencies & Consultant - Welcome
7845074199
info@evergreenglobal.in
www.evergreenglobal.in

BOOK YOUR EDUCATION ADS
For booking please contact
Amit : 9811790649

PROPERTY FOCUS

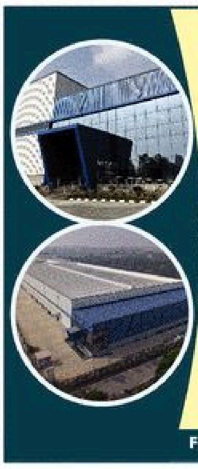

GLOBAL STANDARD GRADE- A LIGHT INDUSTRIAL/ DISTRIBUTION FACILITY AT BANGALORE FOR LEASE

SIZE & LOCATION
• Floor Area 240,000 sq.ft (Leasable 275,000 sq.ft)
• KIADB Narasapura Industrial Area, Bangalore
• On the Bangalore - Kolar - Chennai NH 75 highway

FEATURES
• Brand new Self- Contained & Immediately Available.
• 60 - foot -wide approach road.
• 375 KVA power with transformer & DG bay.
• Environmental Compliance , STP, Land scaping.
• Fire Protection System, FM2 grade Flooring, Offices, LED Lighting, & Provision for Solar.
• Truck Parking Spaces & Driver's Rest Room.

For details call / WhatsApp at + 91 9686126375

TIMES interact
TO ADVERTISE IN THE CLASSIFIEDS SECTION, FOR ANY OF THE BELOW MENTIONED CATEGORIES
MATRIMONIAL · PROPERTY · BUSINESS · RECRUITMENT, EDUCATION · CHANGE OF NAME, LOST & FOUND · SHOPPING · TENDER, PUBLIC NOTICE · SERVICES, VEHICLES, TRAVEL · BIRTHDAY/ ANNIVERSARY ADS

Please call us at the below mentioned nos.

Area / Zone	Contact Person	Mobile No.
Central Delhi1 + North Delhi	Amit Ghosh	98117 90649
Central Delhi2 + Ghaziabad	Sunil Srivastava	99994 99496
South Delhi + Faridabad	Raghav Arora	99999 95460
West Delhi + Dwarka + Gurgaon	Aman Pasricha	93126 33518
East Delhi + Noida	Sumit Negi	98992 68321

AI के ताज़ा अपडेट्स

वट्सऐप पर बनाएं स्टिकर

AI Image

मेटा ने वट्सऐप पर AI से स्टिकर बनाने का फीचर शुरू किया है। लेटेस्ट वर्जन के वट्सऐप में किसी भी चैट को खोलें और मैसेज बॉक्स के पास इमोजी आइकन पर टैप करें। यहां स्टिकर टैब में AI स्टिकर के लिए क्रिएट या प्लस का ऑप्शन मिलेगा।

AI पर रिपोर्ट चेक करने वाले बढ़े

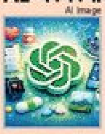
AI Image

OpenAI ने एक स्टडी में बताया कि 4 में से एक यूजर हर हफ्ते हेल्थ से जुड़े सवाल पूछ रहा या रिपोर्ट के बारे में जानकारी मांग रहा है। 55% लोग बीमारी के सिम्पटम्स चेक करने और 40% से ज्यादा ट्रीटमेंट ऑप्शन्स जानने के लिए ChatGPT का इस्तेमाल कर रहे हैं।

Gmail में गूगल का बड़ा अपडेट

AI Image

गूगल Gmail में Gemini पावर्ड AI फीचर्स का एक बड़ा सेट रोल आउट कर रहा है। Google ने AI पावर्ड इनबॉक्स भी पेश किया है, जहां यूजर्स को अपने प्रायोरिटी ईमेल और To-Do लिस्ट अपने आप दिखेंगी। कुछ AI फीचर्स फ्री यूजर्स को भी मिलेंगे।

पूछें AI से जुड़ा कोई भी सवाल, हमारे एक्सपर्ट देंगे जवाब

AI Image

AI से परफेक्ट लुक वाली प्रोफाइल पिक कैसे बनाएं?- बृज मोहन, दिल्ली

जवाब: ChatGPT, Meta AI या Gemini ऐप पर तस्वीर अपलोड करें। तस्वीर अगर प्रोफेशनल लुक में चाहिए तो लिखें, 'इस इमेज को प्रोफेशनल लुक में बदल दें'। बेस्ट रिजल्ट Meta AI ऐप या ChatGPT पर मिल सकता है।

अगर आप भी AI से जुड़ी किसी जानकारी या सवाल का जवाब चाहते हैं, तो हमें nbtreader@timesofindia.com पर ईमेल करें। हमारे एक्सपर्ट आपके सवालों के जवाब देंगे। ईमेल के सब्जेक्ट में AI जरूर लिखें।

टेक्नॉलजी के सबसे बड़े शो CES 2026 में दिखे लाइफ बदलने वाले प्रॉडक्ट

हर साल टेक्नॉलजी की दुनिया का सबसे बड़ा मंच कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शो (CES) यह झलक देता है कि आने वाला कल कैसा होने वाला है। 9 जनवरी तक चले CES 2026 में इस बार 150 से ज्यादा देशों की कंपनियों और स्टार्टअप्स ने करीब 14 हजार ऐसे प्रॉडक्ट्स पेश किए, जो सिर्फ दिखने में फ्यूचरिस्टिक नहीं थे, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी को आसान, सुरक्षित और स्मार्ट बनाने का दावा कर रहे हैं। CES 2026 में दिखाए गए ऐसे ही 10 खास प्रॉडक्ट्स पर प्रदीप तिवारी की रिपोर्ट:

ब्रश करते ही बीमारियां पता चलेंगी

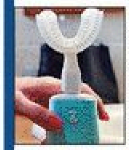

ब्रश करना रोज का काम है, लेकिन अगर उसी समय हेल्थ से जुड़े संकेत भी मिल जाएं तो? Y-Brush नाम की ओरल केयर स्टार्टअप ने अपना Halo स्मार्ट टूथब्रश दिखाया है, जो AI के साथ हेल्थ मॉनिटर जैसा काम करने का दावा करता है। इस ब्रश के हेड में गैस सेंसर लगे हैं, जो सांस में मौजूद कंपाउंड्स को देखकर 300 से ज्यादा बीमारियों के संकेत पकड़ सकता है। कंपनी ने लॉन्च डेट या कीमत के बारे में अभी नहीं बताया है।

सिर्फ 2 मिनट में हो सकेगी खाने की जांच

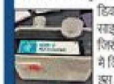

खाने से एलर्जी वाले लोगों के लिए बाहर खाना हमेशा चिंता का कारण होता है। Allergen Alert नाम की डिवाइस पॉकेट साइज लैब है, जिसे CES 2026 में दिखाया गया। इस डिवाइस में खाने का छोटा सा सैंपल डालकर कुछ मिनट में पता चल जाता है कि उसमें ग्लूटेन या डेरी है या नहीं। फिलहाल यह दो एलर्जन ही पहचानती है, लेकिन आगे और विकल्प जोड़े जाएंगे। प्रोफेशनल शेफ और रेस्टोरेंट्स में इसका ट्रायल चल रहा है।

स्मार्ट ओवन, कोई बटन या टच पैड नहीं

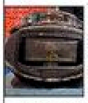

Apecoo कंपनी के AISO स्मार्ट ओवन ने इस बार सबका ध्यान खींचा। यह ओवन दिखने में छोटा है, लेकिन इसके अंदर लगा कैमरा और वेट सेंसर टेक्नॉलजी इसे खास बनाती है। AISO ओवन में खाना डालते ही यह खुद समझ लेता है कि अंदर क्या रखा गया है, उसका साइज क्या है और वजन कितना है। इसके आधार पर यह तय करता है कि खाना कितनी देर और किस तापमान पर पकाना सही रहेगा। अभी बिक्री के लिए नहीं है।

नेकलेस, जो समझेगा आपका मूड

Nirva नाम की कंपनी ने CES 2026 में एक ऐसा AI नेकलेस और ब्रेसलेट पेश किया है, जो आपके मूड और आदतों को समझने की कोशिश करता है। Nirva ज्वेलरी दिनभर आपकी आवाज और व्यवहार से संकेत लेती है और ऐप के जरिए आपकी मानसिक स्थिति, तनाव और दिनचर्या की जानकारी देती है। यह डिवाइस दो दिन तक बिना चार्ज के चल सकता है। कीमत करीब 4200 रुपये तक होगी।

हवा में हो सकेगे मोबाइल चार्ज

वायरलेस चार्जिंग तो अभी भी है, इसमें नई बात क्या? तो नई बात ये है कि आने वाले दिनों में वायरलेस चार्जिंग का मतलब मोबाइल जेब में रखे रहेंगे या हाथ में लिए होंगे तब भी चार्ज हो सकेगा। फिनलैंड की डीप-टेक स्टार्टअप कंपनी Willo ने CES 2026 में ऐसी तकनीक दिखाई है, जो भविष्य में चार्जिंग के लिए तार का कॉन्सेप्ट ही खत्म कर देगी। Willo की वायरलेस पावर टेक्नॉलजी की खास बात यह है कि इसमें किसी चार्जिंग पैड, सही एंगल या फोन को बिल्कुल पास रखने की जरूरत नहीं होती। जैसे ही डिवाइस पावर सोर्स के करीब आता है, वह अपने आप चार्ज होने लगता है। जल्द ही यह चार्जर मार्केट में लॉन्च हो सकता है।

पॉलिथीन को ईंट में बदल देगी यह डस्टबिन

घर में सबसे बड़ी रीसाइक्लिंग समस्या अक्सर प्लास्टिक की थैलियां होती हैं। CES 2026 में स्टार्टअप कंपनी Clear Drop ने इसी के लिए अपना सॉफ्ट प्लास्टिक कंप्रेस्टर (SPC) दिखाया है। यह एक डस्टबिन जैसा है। इसमें प्लास्टिक बैग, रैपर जैसी चीजें डालते जाएं और फिर एक बटन दबाते ही यह प्लास्टिक को गर्म करके दबाव से ईंट जैसी शेप में बना देता है। मार्केट में बिक्री के लिए इस डस्टबिन की कीमत अभी करीब 1.26 लाख रुपये में रखी गई है।

पीरियड के दर्द में राहत देगी यह डिवाइस

पीरियड से जुड़ी तकलीफ को दूर करने के लिए OhmBody ने एक ऐसा वियरेबल डिवाइस पेश किया है, जो बिना दवा के पीरियड के दर्द और लक्षणों को कम करने में मदद करने का दावा करता है। यह कान के पास पहना जाने वाला डिवाइस है, जो नर्व स्टिमुलेशन के जरिए शरीर की कुछ नसों को टारगेट करता है। कंपनी का कहना है कि इससे शरीर रेस्टेड स्टेट में लौटने में मदद पाता है और पीरियड के दौरान होने वाली असहजता में राहत मिलती है। यह 52 हजार रुपये तक में लॉन्च हो सकता है।

बच्चे की प्लानिंग आसान करेगी यह डिवाइस

Mira कंपनी ने फर्टिलिटी ट्रैकर नाम की एक डिवाइस दिखाई है, जो अंडे जैसी है और AI की मदद से हार्मोन लेवल का एनालिसिस करके यूजर को बेहतर फर्टिलिटी इनसाइट देने का दावा करती है। यूजर एक टेस्ट वैंड को यूरिन में डिप करता है, फिर उसे डिवाइस में लगाता है और डेटा ऐप में चला जाता है, जहां रिजल्ट और ट्रैकिंग दिखाई देती है। करीब 22,500 रुपये में यह डिवाइस जल्द मार्केट में आ सकती है।

पैरों पर खड़ा होना सिखाएगी यह डिवाइस

इटली की कंपनी Cosmo रोबॉटिक्स ने Bambini Kids नाम की एक रोबॉटिक डिवाइस दिखाई। इसे 2.5 से 7 साल की उम्र के उन बच्चों के लिए बनाया गया है जिनको जन्म से या दुर्घटना के कारण चलने में कठिनाई होती है। यह रोबॉटिक डिवाइस है जो खास तौर पर पहियों को इलेक्ट्रिक मोटर से चलाने में मदद करता है। बच्चे फिजियोथेरपी के जरिए इससे चलना सीख जाते हैं।

बच्चों का यह स्मार्ट खिलौना पढ़ाएगा भी

CES 2026 में एक स्मार्ट खिलौना Fuzozo भी दिखाया गया। इसे Tuya Smart और Robopoet ने तैयार किया है। यह छोटा सा AI बेस्ड रोबॉट है जो बच्चों से बात कर सकता है और उनके साथ समय बिता सकता है। Fuzozo की सबसे खास बात यह है कि इसे WiFi की जरूरत नहीं पड़ती है। अगर बच्चा उदास है या अकेलापन महसूस कर रहा है, तो Fuzozo मन बहला सकता है।

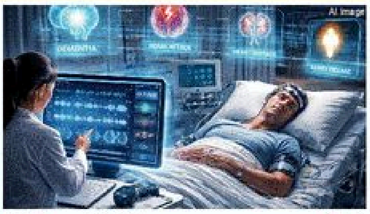
AI Image

नींद को ट्रैक कर बता देंगे 130 बीमारियां: रिसर्च

Pradeep.Tiwari@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** अगर आप सोचते हैं कि नींद सिर्फ थकान मिटाने के लिए होती है, तो अब यह सोच बदलने का वक्त है। अमेरिका की स्टैनफर्ड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों की एक रिसर्च में पता चला है कि हमारी एक रात की नींद आने वाले कई वर्षों की सेहत की जानकारी दे सकती है। दिल की बीमारी, स्ट्रोक, डिमेंशिया (याददाश्त की बीमारी), किडनी फेल होना और यहां तक कि मौत का खतरा भी, इन सबका अंदाजा नींद के पैटर्न से लगाया जा सकता है। यह रिसर्च नेचर मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित हुई है। इसमें वैज्ञानिकों ने एक खास AI मॉडल तैयार किया है, जिसका नाम है SleepFM। यह मॉडल इंसान की नींद के दौरान शरीर में होने वाली गतिविधियों को समझकर भविष्य में होने वाली 130 बीमारियों का अनुमान लगाता है।

नींद में ऐसा क्या होता है, जो AI बता रहा?

जब हम सोते हैं, तब हमारा दिमाग, दिल, सांस और मांसपेशियां लगातार काम कर रही होती हैं। नींद के दौरान दिमाग की तरंगें बदलती हैं, दिल की धड़कन धीमी या तेज होती है, सांस लेने का तरीका बदलता है और शरीर पूरी तरह आराम की स्थिति में जाता है। डॉक्टर जिस जांच को 'स्लीप टेस्ट' कहते हैं, उसमें इन सभी संकेतों को रेकॉर्ड किया जाता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि कई बार इन बीमारियों के लक्षण शरीर में बहुत पहले दिखने लगते हैं, लेकिन हम उन्हें समझ नहीं पाते। नींद उन शुरुआती संकेतों को पकड़ सकती है।

मॉडल का रिजल्ट 75% तक रहा सटीक

AI मॉडल की भविष्यवाणी की सी-इंडेक्स पर सटीकता 0.75 से अधिक आई है, यानी करीब 75% मामलों में मॉडल ने सही जानकारी दी। हार्ट अटैक के मामलों में मॉडल ने 10 में से 8 अनुमान सही बताए। इसी तरह डिमेंशिया के 8.5, किडनी रोग के करीब 8, स्ट्रोक के 7.8 और ब्रेस्ट कैंसर के 10 में से करीब 9 अनुमान सही रहे। इस रिसर्च में करीब 65 हजार लोगों की नींद से जुड़ा डेटा इस्तेमाल किया गया। यह डेटा 5 लाख 85 हजार घंटों की नींद का था।

डिमेंशिया और दिल की बीमारी में नींद का रोल

रिसर्च में पाया गया कि जिन लोगों की नींद बार-बार टूटती है, उनमें आगे चलकर दिमागी बीमारियों का खतरा ज्यादा होता है। इसी तरह सांस से जुड़ी गड़बड़ियां और नींद में ऑक्सीजन की कमी दिल और फेफड़ों की बीमारियों से जुड़ी पाई गई। इस मॉडल ने यह भी दिखाया कि अलग-अलग बीमारियों के लिए नींद के अलग संकेत अहम होते हैं। दिल की बीमारियों में दिल की धड़कन और सांस से जुड़े संकेत ज्यादा जरूरी होते हैं।

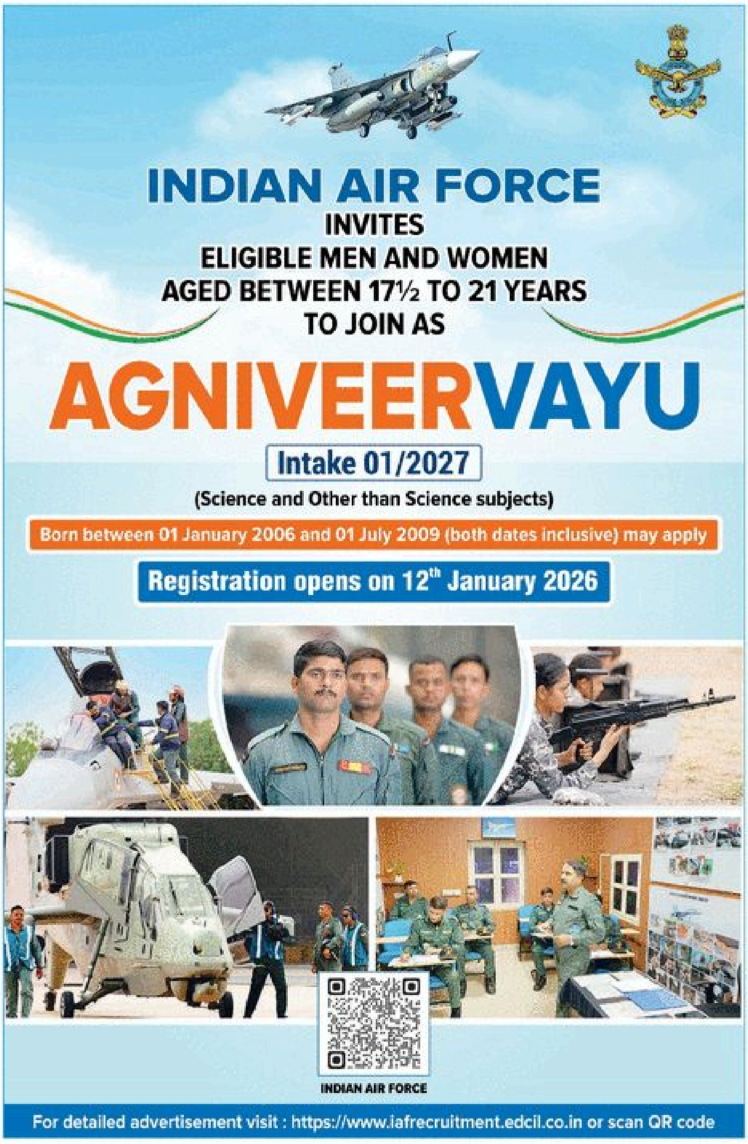

General Candidates	Unmarried	10+2 (Physics, Chem, Bio & English)	Born between 01 Jan 2006 and 01 Jan 2010 (both dates inclusive) may apply
Pharmacist Candidates	Unmarried	BSC (Pharmacy)/Diploma in Pharmacy	Born between 01 Jan 2003 and 01 Jan 2008 (both dates inclusive) may apply
	Married		Born between 01 Jan 2003 and 01 Jan 2006 (both dates inclusive) may apply

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 12-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH08 User: pritambhara.prakash Time: 01-11-2026 22:27 Color:

विचार

सफलता अचानक नहीं मिलती। सही योजना, लगातार मेहनत और समय पर लिए गए फैसले ही व्यक्ति को लक्ष्य तक पहुंचाते हैं और उसे स्थायी सफलता दिलाते हैं। - चाणक्य

कविता

ऐ लड़की उड़..

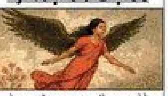

ऐ लड़की उड़ उड़ और उड़ तेरे
पंख ना रुके दूर खुदा हो तुम।
रास्ते में अंगारे हैं लेकिन
पेड़ों की शाखाओं में फूल हो तुम।
प्यार की उम्मीद से सोलह श्रृंगार
करके आई
मगर दहेज के नीचे दबी जा रही
हो तुम।
हुक्का पी रहे हैं वो और बंधुआ
मजदूरी किए जा रही हो तुम।
कब समझेगा ये समाज बन जाता है
ये घर धुंधला आसमान अगर ना
हो तुम।
देखो तो कंधे से कंधा मिल रही हो
पर कुछ को एक आंख ना भा रही
हो तुम।
इतने कष्ट फिर भी कदम न रोकना
क्योंकि आस पास दीप जला रही
हो तुम।
जाने कितने बरस बाद बरखा आई
जिस के साथ अब लौट रही
हो तुम।

-तनुश्री शर्मा,
NBT रीडर

पॉजिटिव सोच के साथ आपने भी कोई कविता लिखी है, तो हमें ईमेल nbtreader@timesofindia.com पर भेजें। जिसे मिल सकता है अगले अंक में छपने का मौका।

उम्मीद का फैक्ट

चावल की वैश्विक रेस में भारत आगे

भारत ने चावल निर्यात के मामले में बड़ी कामयाबी हासिल की है। साल 2025 में भारत का चावल निर्यात 19.4% बढ़कर 21.55 मिलियन टन तक पहुंच गया।

- भारत का चावल निर्यात पिछले साल के मुकाबले 19.4% बढ़ गया है।
- देश ने कुल 21.55 मिलियन टन चावल का निर्यात किया, जो इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है।
- आम लोगों द्वारा खाए जाने वाले नॉन-बासमती चावल के निर्यात में 25% की बड़ी बढ़त दर्ज हुई।
- खुशबूदार बासमती का निर्यात 8% बढ़कर 6.4 मिलियन टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।
- भारत अकेला इतना चावल निर्यात करता है, जितना थाईलैंड, वियतनाम और पाकिस्तान तीनों मिलकर भी नहीं कर पाते।

देश के मंदिरों में 19 वां मिकैनिकल हाथी है चेरुकुन्नू कार्तिकेयन

पलकें झपकाएगा, सूंड से पानी भी छिड़केगा... रोबॉटिक हाथी की ग्रैंड एंट्री

Pritambhara.Prakash
@timesofindia.com

■ केरल के त्रिशूर जिले के श्री बाल सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर में जब एक सुबह हवा में घंटियों की लय घुल जाती है और चंदन की महक बहने लगती है, तभी सामने से एक विशाल काया धीरे-धीरे हरकत में आती है। उसके बड़े कान धीरे-धीरे हिलते हैं, आंखें झपकती हैं, पूंछ लहराती है और सूंड से पानी की महीन बौछार निकलती है। यह है चेरुकुन्नू कार्तिकेयन - मंदिर का पहला रोबॉटिक हाथी।

अब इस मंदिर में अब पूजा और तमाम रस्में इसी हाथी के जरिए होंगी। चेरुकुन्नू कार्तिकेयन करीब तीन मीटर ऊंचा और लगभग 500 किलो वजनी है। इसे रबर, फाइबर, मेटल, मेश, फोम और स्टील से बनाया गया है। इसके अंदर लगे पांच मोटर सिर, कान, आंखें और पूंछ हिलाने के साथ-साथ सूंड उठाने और पानी छिड़कने में सक्षम हैं। बिजली से चलने वाला यह हाथी प्लग इन करने पर तुरंत काम करने लगता है और पहियों के सहारे मंदिर के भीतर आसानी से इधर-उधर ले जाया जा सकता है। इसके ऊपर चढ़ने की सुविधा भी है, जिससे बच्चे और श्रद्धालु इसके करीब जाकर इसे महसूस कर सकते हैं।

एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने PETA इंडिया के साथ मिलकर रोबॉटिक हाथी को मंदिर को भेंट किया। भूमि ने कहा कि हर जीव को आजादी का अधिकार है। चेरुकुन्नू कार्तिकेयन के आने से मंदिर की परंपरा भी निभी और असली हाथियों को उनके प्राकृतिक घरों में रहने का मौका मिला, जिसके वे हकदार हैं।

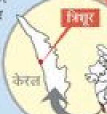

लोगों के बने फेवरेट: PETA इंडिया की डायरेक्टर, एडवोकेसी प्रोजेक्ट्स, खुशबू गुप्ता ने बताया कि साल 2023 में मिकैनिकल हाथियों का इस्तेमाल शुरू किया गया। मंदिरों को यह 19वां रोबॉटिक हाथी मिला है। जो मंदिर ये हाथी अपनाते हैं, वे PETA के साथ एक समझौता करते हैं कि अब कभी असली हाथी नहीं रखेंगे, न ही किराए पर लेंगे।

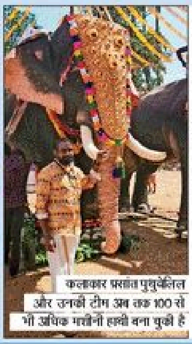

कलाकार प्रशांत पुथुवेलिल और उनकी टीम अब तक 100 से भी अधिक मशीनी हाथी बना चुकी है

करुणा और आस्था

केरल के कलाकार **प्रशांत पुथुवेलिल** और उनकी टीम अब तक 100 से अधिक मशीनी हाथी बना चुके हैं। ये हाथी पारंपरिक सोने जैसी पोशाक, फूलों की मालाएं और रंग-बिरंगी सजावट से सजे होते हैं। प्रशांत कहते हैं कि यह मिकैनिकल हाथी केवल मशीन नहीं, बल्कि करुणा, परंपरा और जिम्मेदारी का प्रतीक है। असली हाथियों को अब तेज धूप, शोर और लंबी परेड का सामना नहीं करना पड़ता। पहले उन्हें घंटों भीड़ और आतिशबाजी में जकड़ा जाता था, जिससे खतरा बढ़ता था। अब मिकैनिकल हाथियों की वजह से पूजा और रस्में सुरक्षित हो गई हैं। हेरिटेज एनिमल टास्क फोर्स के अनुसार, पिछले 15 साल में केरल में हाथियों के हमलों में 526 मौतें हुईं। मिकैनिकल हाथियों ने असली हाथियों को आजादी और सुरक्षा दी है।

संतुलन का मंत्र | भारत के योग को दुनिया भर में फैला रहे हैं ये एक्सपर्ट

सेहत की जंग में उम्मीद जगा रहे ग्लोबल योग गुरु

योग सिर्फ सुबह में पार्क में की जाने वाली कसरत भर नहीं रहा। आज यह दुनिया के बड़े अस्पतालों में कई गंभीर बीमारियों के इलाज का अहम हिस्सा बन चुका है। हाल ही में दिल्ली में आयोजित विश्व स्वास्थ्य संगठन के 'परंपरागत चिकित्सा शिखर सम्मेलन' में योग की इस वैश्विक ताकत की एक खूबसूरत तस्वीर देखने को मिली। 19 दिसंबर को आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया के उन योग साधकों और संस्थाओं को 'प्रधानमंत्री योग पुरस्कार' से सम्मानित किया, जिन्होंने योग के जरिए दुनिया भर में लोगों की जिंदगियां बदली हैं। बता रहे हैं राजेश मिश्रा।

डॉ. कैरन मरियन, अमेरिका

कैंसर के खिलाफ योग का इस्तेमाल

अमेरिका स्थित विल्मोट कैंसर इंस्टिट्यूट में सर्जरी और रेडिएशन की प्रोफेसर **डॉ. कैरन मरियन** कैंसर के मरीजों के इलाज में योग का इस्तेमाल कर रही हैं। उनका शोध कैंसर के इलाज के दौरान होने वाले साइड इफेक्ट्स और दर्द में योग की भूमिका पर आधारित है। डॉ. कैरन ने कहा कि, 'प्रधानमंत्री योग पुरस्कार मेरे उस शोध और कार्य की पहचान है, जिसमें कैंसर रोगियों के सहायक उपचार के रूप में योग का अध्ययन किया गया है। योग के साथ-साथ कई अन्य आयुष पद्धतियां भी कैंसर रोगियों के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकती हैं।'

वैज्ञानिक इलाज को बनाया आधार

दक्षिण कोरिया के **प्रो. जियो लॉन्ग ली** ने योग को सिर्फ आस्था नहीं, बल्कि विज्ञान से जोड़ा है। उन्होंने दक्षिण कोरिया में योग के जरिए प्रिवेंटिव हेल्थ (बीमारियों को होने से पहले रोकना) और थेरेप्यूटिक बेनिफिट्स (इलाज के फायदे) पर काम कर इसे डॉक्टरों के बीच भी लोकप्रिय बनाया है। प्रो. जियो लॉन्ग ली ने कहा, 'योग के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार प्राप्त करना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है। मैं कोरिया में योग के शिक्षण और प्रचार-प्रसार के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास जारी रखूंगा।'

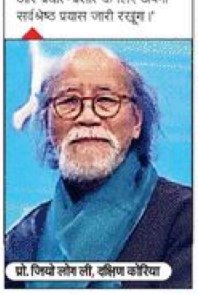

प्रो. जियो लॉन्ग ली, दक्षिण कोरिया

अमीरा अहमद फहमी इब्राहिम, मिस्र

डिप्रेशन के खिलाफ जंग

पीएम योग अवॉर्ड से सम्मानित मिस्र की **अमीरा अहमद फहमी इब्राहिम** ने पिछले 30 सालों में वहां की महिलाओं और युवाओं को डिप्रेशन और एंग्जायटी से बाहर निकालने के लिए योग को 'जीवन पद्धति' के रूप में स्थापित किया है। अमीरा के मुताबिक, 'योग ने मेरा जीवन पूरी तरह बदल दिया। मेरी सोच, नींद, चलना-फिरना, सब कुछ। योग केवल अभ्यास नहीं, जीने की एक पद्धति है। यही संदेश मैं अपने विद्यार्थियों को देती हूं कि योग सबके लिए है। योग जीवन का आधार है और संतुलन ही योग का मूल भाव है।'

हेल्थ सर्विस से योग को जोड़ा

पुरस्कार पाने वालों में शामिल ब्राजील के **मार्कस विनिसियस रोजो रोड्रिग्स** ने योग को पब्लिक हेल्थ सर्विस से जोड़ दिया है। हाई बीपी, डायबिटीज और मोटापे से जुड़ी बीमारियों को रोकने के लिए योग का इस्तेमाल कर रहे हैं। यूके की संस्था 'द ब्रिटिश व्हील ऑफ योग' ने योग सिखाने के लिए कड़े सुरक्षा मानक और साइंटिफिक तरीके तैयार किए हैं, ताकि लोग बिना किसी चोट के डर इसे अपना सकें। क्रोएशिया के योगाचार्य जाद्रांको मिलेक ने कहा, पारंपरिक चिकित्सा के ज्ञान में भारत सर्वोत्तम स्थान है।

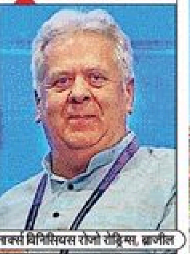

मार्कस विनिसियस रोजो रोड्रिग्स, ब्राजील

> योग ने दुनिया को स्वास्थ्य, संतुलन और सद्भाव का रास्ता दिखाया है। ये सभी विजेता योग के प्रति अनुशासन और समर्पण की मिसाल हैं। इनका जीवन हम सबके लिए प्रेरणा है। -नरेंद्र मोदी, पीएम

> भारत के नेतृत्व में योग वैश्विक जीवनशैली आंदोलन बन चुका है, जो सभी स्वास्थ्य चुनौतियों के लिए संतुलित, टिकाऊ और समग्र समाधान पेश करता है। -प्रतापराव जाधव, केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय

20 की उम्र में सेना को दिया आसमान का रक्षक

स्टूडेंट्स ने बनाई चलती-फिरती लैब, जंग के मोर्चे पर ही तैयार कर देगी ड्रोन

Nirupa.Vatyam@timesgroup.com

■ **हैदराबाद।** बिट्स पिलानी हैदराबाद कैंपस के एक हॉस्टल रूम से शुरू हुए स्टार्टअप अपोलियन डायनेमिक्स ने भारत की ड्रोन युद्धक क्षमता बढ़ाई है। स्टार्टअप ने सेना के लिए चलती-फिरती मोबाइल ड्रोन लैब विकसित की, जो युद्ध के मोर्चे पर रहकर एक महीने में 100 से अधिक FPV ड्रोन तैयार कर सकती है। यह ड्रोन निगरानी और सामरिक ऑपरेशंस में अहम भूमिका निभाते हैं। महज 20 साल के दो छात्रों ने इसे 15-20 दिनों में तैयार कर सेना को सौंपा।

लैब फिलहाल जम्मू में पूरी तरह ऑपरेशनल है और सेना को उपयोग व निर्माण का प्रशिक्षण भी दिया गया। यह यूनिट ट्रक के पीछे तैयार की गई है, जिसमें 3डी प्रिंटर, असेंबल इकाइयां और ग्राउंड स्टेशन हैं। अब सेना ड्रोन असेंबलिंग, मरम्मत और मिशन के लिए तुरंत तैयार रह सकती है।

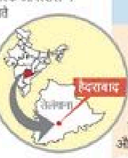

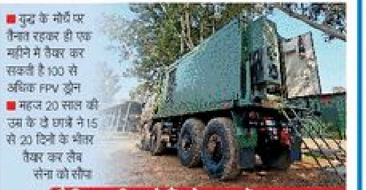

- युद्ध के मोर्चे पर तैनात रहकर ही एक महीने में तैयार कर सकती है 100 से अधिक FPV ड्रोन
- महज 20 साल की उम्र के दो छात्रों ने 15 से 20 दिनों के भीतर तैयार कर लैब सेना को सौंपा

सैनिक सीखते हैं ड्रोन असेंबल करना

स्टार्टअप ने जम्मू के रेजिमेंट परिसर में एक ड्रोन लैब बनाने में सेना की मदद की है। यहां उपकरणों का भंडारण, असेंबलिंग, प्रशिक्षण, रखरखाव किया जाता है। अपोलियन के सीईओ जयंत खत्री के अनुसार, यह लैब यूनिट के साथ मिलकर मजबूत व्यवस्था बनाती है। सीटीओ शौर्य चौधरी कहते हैं, इससे ड्रोन निर्माण सीधे सैनिकों के हाथों में आता है, वे खुद असेंबल और मेंटेन करना सीखकर युद्ध की जरूरत के अनुसार बदलाव कर सकते हैं।

सेना ने भी दी शाबाशी

सेना की ओर से भेजे गए प्रशंसा पत्र में कहा गया है कि लैब ने गुणवत्ता और प्रदर्शन के मानकों को पूरा किया है, जिससे FPV ड्रोन की असेंबलिंग, सोल्डरिंग और प्रोग्रामिंग संभव हो पाई। कंपनी की पेशेवर कार्यशैली, तकनीकी दक्षता और प्रतिबद्धता की सराहना की गई है।

भूटानी लामाओं का ब्लैक हैट ड्रम डांस

जब शांति की ताल पर थिरका बोधगया

PTI

बोधगया की पवित्र धरती पर भूटान मोनेस्ट्री में भूटानी लामाओं ने जब अपना पारंपरिक ब्लैक हैट ड्रम डांस किया, तब हर थाप, हर लय और हर घूमते कदम में विश्व शांति और खुशहाली की कामना की। आनंद का अद्भुत आह्वान।

इस थाने में लगती है बच्चों की क्लास

शाम 4 बजते ही जब 'कानून के हाथ' में डंडा नहीं, होती है चॉक

Amarjeet.Singh1
@timesofindia.com

■ **भोपाल।** हर रोज शाम 4 बजते ही रीवा के अमहिया पुलिस थाने का एक अलग नजारा देखने को मिलता है। अचानक से थाने में शांति छा जाती है। केस फाइलों की जगह पुलिसकर्मियों के हाथ में चॉक आ जाती है और उनकी भूमिका बदल जाती है। पुलिस की वर्दी में वह टीचर बन जाते हैं। 8 महीनों से कानून-व्यवस्था का यह ठिकाना एक क्लासरूम के रूप में भी काम कर रहा है, जहां पुलिस कर्मचारी अपने खर्च पर 100 से अधिक वंचित बच्चों को फ्री में पढ़ाते हैं। इस पहल ने डर को भरोसे में और अधिकार को उम्मीद में बदल दिया है।

अमहिया पुलिस थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल ने बताया कि जो शुरुआत कुछ बच्चों को चटाई बिछाकर पढ़ाने से हुई थी, उसने अब बड़ा रूप ले लिया है। अब यह जगह क्लास 1 से लेकर ऊपर की क्लास के करीब 100 स्टूडेंट्स और तीन टीचर्स वाली क्लास बन चुकी है। अग्रवाल ने बताया कि जब वह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते थे, तब से बच्चों को पढ़ाते थे। उनके अंदर बच्चों को पढ़ाने का विचार समाज को कुछ लौटाने और खाकी वर्दी से जुड़े डर को कम करने की इच्छा से पैदा हुआ। आमतौर पर लोग पुलिस से डरते हैं। जब बच्चे यहां पढ़ते हैं, तो वे और उनके माता-पिता पुलिस का एक अलग चेहरा देखते हैं। हमारे लिए थाने के भीतर बच्चों को पढ़ते देखना बहुत बड़ा तनाव दूर करने वाला अनुभव है। यह अस्थायी स्कूल पूरी तरह थाने के कर्मचारियों के योगदान से चलता है। अग्रवाल ने कहा, कि हम किसी से कोई भी आर्थिक मदद नहीं लेते।

उन्होंने बताया कि बच्चों को पढ़ाने वाले तीन टीचर्स में एक बुजुर्ग रिटायर्ड टीचर भी शामिल हैं। परिवार के छोड़े जाने के बाद वह पास के ही एक वृद्धाश्रम में रहते हैं। अग्रवाल ने बताया, वह रोज यहां पढ़ाने आते हैं। यहां तीन बैच में क्लास लगती है और इनमें ज्यादातर बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले हैं।

पुलिसवाले 100 से अधिक जरूरतमंद बच्चों को फ्री में पढ़ाते हैं, 8 महीनों से यह पुलिस थाना क्लासरूम के रूप में भी कर रहा काम

बेंगलुरु के राइडिंग क्लब्स ऐसे बना रहे सड़क पर नया परिवार

अकेलेपन को 'ब्रेक' और दोस्ती को 'रफ्तार'

Mini.Thomas@timesofindia.com

■ **बेंगलुरु।** ड्राइविंग और बाइकिंग के शौकीन शहर को नए नजरिए से खोज रहे हैं। ब्रेकफास्ट ड्राइव और वीकेंड आउटिंग के जरिए ये न सिर्फ सफर का मजा ले रहे हैं, बल्कि अकेली होती शहरी जिंदगी में लोगों को आपस में जोड़ने का काम भी कर रहे हैं। ऐसे आयोजन लोगों को मिलने-जुलने का मौका दे रहे हैं।

हर साल ग्रुप के साथ लंबी ड्राइव: थार बेंगलुरु 4x4 क्लब हर साल खुद के खर्च पर उत्तर और पूर्वी भारत के लिए ड्राइविंग अभियान आयोजित करता है। इस क्लब को वास्तव ने बनाया है। इस क्लब के लोगों ने ताजा यात्रा सितंबर-अक्टूबर में सियाचिन ग्लेशियर तक की थी। इस दौरान ग्रुप ने लेह, लद्दाख, स्पीति वैली और कश्मीर का सफर किया और उमलिंग ला समेत कई ऊंचे दर्रे पार किए। कुछ मेंबर बेंगलुरु से सियाचिन तक गाड़ी चलाकर गए और लौटे, जबकि कुछ ने चंडीगढ़ से ड्राइव शुरू की।

सियाचिन तक जाने के इस अभियान में 50 थार गाड़ियां और 100 से ज्यादा लोग शामिल थे। यह पूरा अभियान सेल्फ-फंडेड था। आयोजकों ने पहले ही ठहरने से जुड़ी व्यवस्थाएं तय की थीं। ट्रेल तय करने के साथ निजी जमीन मालिकों और वन विभाग से इजाजत भी ली गई।

क्लब नए लोगों के लिए फ्री ऑफ-रोडिंग वर्कशॉप भी कराता है। शनिवार रात ऑनलाइन थ्योरी सेशन होता है और रविवार सुबह ऑफ-रोड ट्रेल पर प्रैक्टिकल ट्रेनिंग। ग्रुप के करीब 700 से 800 मेंबर हैं। क्लब जिम्मेदार ऑफ-रोडिंग पर जोर देता है।

खूबसूरत नजारे: पैंगोंग लेक पर थार बेंगलुरु 4x4 क्लब, लद्दाख में इस ऊंचाई पर करीब 100 लोग ड्राइव कर पहुंचे

अपार्टमेंट से शुरू हुआ रोडस्टर्स

हेब्बल के पास एलएंडटी रेनटी बुलेवार्ड अपार्टमेंट में रोडस्टर्स क्लब के करीब 200 लोग वीकेंड ब्रेकफास्ट ड्राइव पर निकलते हैं। क्लब की मेंबर कीर्ति बताती हैं कि इसका मकसद पड़ोसियों को एक मजेदार कम्युनिटी में जोड़ना है। क्लब उन्हें बेंगलुरु, कर्नाटक और आसपास के राज्यों की सैर कराता है।

> हमारा क्लब सिर्फ ब्रेकफास्ट ड्राइव तक सीमित नहीं। यहां अजनबी जाने-पहचाने चेहरे बन जाते हैं और ड्राइविंग का शौक सबको जोड़ता है। -कीर्ति एन, मेंबर, द रोडस्टर्स क्लब

> सिक्किम की राइड 90 राइडर्स के साथ बेहद यादगार रही। अब हम नागपुर के पास पेंच नैशनल पार्क की आने वाली राइड को लेकर उत्साहित हैं। -मनोहर जोशी, एडमिनिस्ट्रेटर, वेरिस बेंगलुरु राइडर्स (VBR)

फटाफट खबरें

फंदे पर मिला BLO, SIR पर फिर उंगली

■ भाषा, कोलकाता : मुर्शिदाबाद जिले के एक प्राथमिक विद्यालय परिसर में शनिवार को एक BLO फंदे से लटका हुआ मिला। परिवार का आरोप है कि SIR को लेकर काम के अत्यधिक दबाव के कारण उन्होंने आत्महत्या कर ली। रानीतला थाने के एक अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान हमीमुल इस्लाम (47) के रूप में हुई है, जो पैकमरी चार कृष्णपुर बॉयज प्राइमरी स्कूल में शिक्षक और खरिबोना ग्राम पंचायत के अंतर्गत पुरबा अलापुर गांव में एक बूथ पर BLO थे। भगबोला के TMC विधायक रियाज हुसैन सरकार ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की।

NCAP में सिर्फ 4% प्रदूषित शहर: कांग्रेस

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश का कहना है कि देश में वायु प्रदूषण एक राष्ट्रव्यापी स्वास्थ्य संकट बन चुका है, लेकिन सरकार की प्रमुख योजना नैशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (NCAP) इसके मुकाबले बेहद सीमित और नाकाफी है। कांग्रेस के अनुसार, इस समय NCAP के दायरे में भारत के केवल 4% शहर ही आते हैं, जबकि देश के सैकड़ों शहर लगातार गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में हैं। जयराम रमेश ने सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (CREA) की नई स्टडी का हवाला देते हुए यह दावा किया।

BMC चुनाव के लिए महायुति का मैनिफेस्टो जारी

अवैध बांग्लादेशी, रोहिंग्या से मुंबई को मुक्त करने का वादा

Brijesh.Tripathi
@timesofindia.com

■ मुंबई : बीएमसी में सत्ता हासिल करने के लिए जी-तोड़ प्रयास कर रही बीजेपी और शिंदे सेना ने रविवार को अपना घोषणा पत्र जारी किया। विधानसभा चुनाव की तरह बीएमसी चुनाव में भी महिलाओं और Gen-Z को लुभाने के लिए महायुति ने कई घोषणाएं की हैं।

इस दौरान फडणवीस ने मीडिया से कहा, 'हम मुंबई को बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं से मुक्त कराएंगे। आईआईटी की मदद से हम बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान करने के लिए एक एआई टूल विकसित करेंगे।'

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए एक खास स्मॉल इंडस्ट्री पॉलिसी की घोषणा की है। लाडली बहनों को छोटा व्यवसाय शुरू करने के लिए 5 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त लोन देने का वादा किया गया है। बेस्ट बस में महिलाओं को किराये में 50 प्रतिशत छूट और महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने का भी वादा किया गया है।

महायुति के घोषणा पत्र में महिलाओं पर विशेष जोर दिया गया है। इसे मनसे और उद्धव सेना द्वारा हाउसमेड महिलाओं को 1500 रुपये महीने देने की घोषणा के तोड़ के रूप में देखा जा रहा है। वहीं, युवाओं खासकर Gen-Z को अपने पक्ष में करने के लिए स्टार्टअप, इन्क्यूबेशन, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, इनोवेशन हब बनाने जैसी घोषणा की गई है।

महायुति के घोषणा पत्र में मुंबई को गड्ढा मुक्त करने, पाताल लोक प्रोजेक्ट के जरिए मुंबई में ट्रैफिक की समस्या से मुक्ति, झोपड़पट्टी मुक्त मुंबई का सपना, फेरीवाला नीति बनाने, मुंबई में 24 घंटे पानी की व्यवस्था, अब हर साल के बजाय 5 साल में 8 प्रतिशत बढ़ेगी पानी की दर, मुंबई को बाढ़ मुक्त करने पर्यावरण सुरक्षा के लिए 17000 करोड़ रुपये की व्यवस्था, बीएमसी स्कूलों में AI लैब्स, अस्पतालों में बेड बढ़ाने, कैंसर मशीनों के लिए स्पेशल व्यवस्था सहित कई अन्य लुभाने वादे महायुति के घोषणा पत्र में किए गए हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इस संकल्प को तैयार करने के लिए पिछले 2 महीने में मुंबईकरों ने करीब 2.65 लाख सुझाव भेजे थे।

Sanjay Hadkar

बीजेपी और शिंदे सेना ने रविवार को अपना घोषणा पत्र जारी किया।

मैनिफेस्टो की खास बातें

- लघु उद्योग नीति लागू होगी।
- 2029 तक बेस्ट पूरी तरह इलेक्ट्रिक बसों पर चलेगी।
- बेस्ट बसों में महिलाओं को 50% की छूट मिलेगी।
- बेस्ट बसें 5000 से बढ़ाकर 10000 की जाएंगी।

PTI

अंकिता को न्याय के लिए प्रदर्शन।

उत्तराखंड बंद का मिलाजुला असर

■ NBT रिपोर्ट, देहरादून : अंकिता भंडारी हत्याकांड की CBI जांच सुप्रीम कोर्ट के जज की निगरानी में कराने की मांग को लेकर 11 जनवरी को बुलाए गए उत्तराखंड बंद को कई ट्रेड असोसिएशन ने समर्थन दिया। कांग्रेस समेत विभिन्न जनपक्षीय सामाजिक संगठनों ने उत्तराखंड बंद का आह्वान किया था। बंद का असर कई इलाकों में देखा गया। प्रदेशव्यापी आंदोलन को समर्थन के लिए ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण परिक्षेत्र के व्यापार संघों और टैक्सी यूनियन भी बंद में शामिल रहीं।

शाह का दावा- केरल में बनेगी BJP सरकार

■ भाषा/पीटीआई, तिरुवनंतपुरम : तिरुवनंतपुरम निगम में बीजेपी नीत NDA के सत्ता में आने के बाद पहली बार केरल पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पार्टी के मिशन 2026 कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार शुरू किया। उन्होंने कहा कि केरल और पश्चिम बंगाल के चुनाव एक साथ होंगे और दोनों राज्यों में बीजेपी सरकार बनाएगी। कहा, केरल में BJP का वोट शेयर 2026 तक 30-40% तक बढ़ाया जा सकता है।

बंगाल में शुभेंदु अधिकारी की गाड़ी पर हमले में गृह मंत्रालय ने मांगी रिपोर्ट

■ आईएएनएस, कोलकाता

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी की गाड़ी पर हुए कथित हमले के बारे में रिपोर्ट मांगी है। इसके बाद शुभेंदु अधिकारी के कार्यालय से हमले की विडियो फुटेज मंत्रालय को भेजी गई है।

बीजेपी नेता के काफिले पर शनिवार देर शाम पश्चिम मिदनापुर जिले के चंद्रकोना में हमला हुआ, जब वह पुरुलिया जिले में एक राजनीतिक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद कोलकाता लौट रहे थे। शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि पश्चिम मेदिनीपुर जिले के चंद्रकोना रोड मार्केट इलाके में चार-पॉइंट क्रॉसिंग पार करने के बाद कुछ लोगों ने अचानक सड़क जाम कर दी। वे तृणमूल कांग्रेस के झंडे लिए हुए थे। विपक्ष के नेता ने यह भी दावा किया कि सत्ताधारी पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं ने बांस की लाठियों से उनके काफिले पर हमला किया और बुलेटप्रूफ गाड़ी पर भी हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब काफी देर तक चलता रहा, लेकिन स्थानीय पुलिस मौके पर नहीं पहुंची।

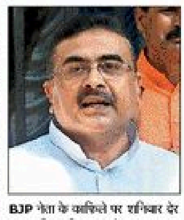

BJP नेता के काफिले पर शनिवार देर शाम पश्चिम मिदनापुर में हमला हुआ।

BJP का प्रदर्शन

पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी पर कथित तौर पर तृणमूल कांग्रेस समर्थकों द्वारा किए गए हमले के बाद बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने रविवार को विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बीजेपी नेता की गाड़ी में आग लगाकर उनकी हत्या करने की साजिश रचने का आरोप लगाया और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

अधिकारी का काफिला किसी तरह मौके से निकलने में कामयाब रहा, जिसके बाद वे सीधे चंद्रकोना पुलिस चौकी गए। केंद्रीय मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार ने हमले की निंदा करते हुए 'एक्स' पर लिखा कि राज्य में लोकतंत्र खत्म हो चुका है।

प्रियंका के जन्मदिन पर आज से UP कांग्रेस का परिवर्तन प्रतिज्ञा अभियान

Hemwati.Rajaura1
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली : कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के जन्मदिन 12 जनवरी से यूपी कांग्रेस 100 दिन की विशेष रणनीति का आगाज करने जा रही है, जिसका सीधा फोकस 2027 के विधानसभा चुनाव पर रहेगा। लखनऊ में सोमवार को कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग परिवर्तन प्रतिज्ञा दिवस की शुरुआत करेगा। UP कांग्रेस कमिटी के मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन मनीष हिंदवी ने बताया कि कांग्रेस 20 मंडलों में सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर 100 दिन की कार्ययोजना जारी करेगी। अभियान के तहत सामाजिक न्याय, जनभागीदारी और संविधान से जुड़े कार्यक्रम पूरे साल होंगे।

प्रियंका गांधी

रेप के तीसरे केस में विधायक गया जेल

■ भाषा, पत्तनमतिट्टा (केरल) : कांग्रेस से निष्कासित विधायक राहुल ममकूटाथिल को रविवार तड़के यौन उत्पीड़न के एक मामले में पलक्कड़ से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। यह उनके खिलाफ रेप का तीसरा केस है। केरल विधानसभा के अध्यक्ष ने कहा कि राहुल ममकूटाथिल को विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित करने की कार्यवाही शुरू करने के बारे में कानूनी सलाह ली जाएगी।

तमिलनाडु में सत्ता साझा कर सकती है BJP-AIADMK

Poonam.Pandey
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली : तमिलनाडु में BJP-AIADMK के बीच सीट शेयरिंग के साथ ही पावर शेयरिंग को लेकर भी बातचीत चल रही है। BJP सूत्रों के मुताबिक, AIADMK इसके लिए लगभग राजी हो गई है कि चुनाव से पहले पावर शेयरिंग का ऐलान भी कर दिया जाएगा। विधानसभा चुनाव के लिए BJP और AIADMK के बीच गठबंधन हुआ है।

पिछले साल अप्रैल में जब BJP नेता अमित शाह तमिलनाडु गए थे तब तमिलनाडु की पार्टी AIADMK की एनडीए में वापसी का ऐलान किया गया। अमित शाह ने BJP और AIADMK गठबंधन का ऐलान किया। शाह ने कहा था कि विधानसभा चुनाव AIADMK नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पाडी पलानीस्वामी (EPS) के नेतृत्व में लड़ा जाएगा और सरकार NDA की बनेगी। हालांकि, इस ऐलान के कुछ वक्त बाद ही AIADMK नेताओं की तरफ से बयान आने लगे, जिसमें कहा जाने लगा कि NDA चुनाव जीतेगी तब भी सरकार AIADMK की बनेगी।

पिछले साल हुई थी AIADMK की NDA में वापसी।

AIADMK नेता एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने भी कुछ मौकों पर कहा कि अगर उनकी पार्टी विधानसभा चुनाव जीतती है तो तमिलनाडु में उनकी पार्टी की सिंगल पार्टी सरकार बनेगी। साथ ही कहा कि हमारा गठबंधन जरूर जीतेगा... लेकिन, सरकार AIADMK ही अकेले बनाएगी। यह गठबंधन AIADMK के नेतृत्व में है, जिसके बाद से ही पावर शेयरिंग का पेच फंसता दिखा। हालांकि सूत्रों के मुताबिक, अब यह मसला सुलझा लिया है। पिछले दिनों ही अमित शाह और AIADMK नेताओं के बीच हुई मुलाकात में BJP की तरफ साफ कह दिया गया कि सरकार NDA की बनेगी यानी BJP भी पावर शेयर करेगी। सूत्रों के मुताबिक, AIADMK नेता चुनाव से पहले खुद ही इसका ऐलान भी कर सकते हैं।

AI Image

कांग्रेस ने मांगा सत्ता में हिस्सा, DMK की ना

■ पीटीआई, डिंडीगुल (तमिलनाडु) : गठबंधन सरकार की संभावना को सिरे से खारिज करते हुए DMK के वरिष्ठ नेता और राज्यमंत्री आई. पेरियासामी ने रविवार को कहा कि मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन सहयोगी दलों के साथ सत्ता साझा न करने के अपने रुख पर पूरी तरह अडिग हैं। पेरियासामी ने तमिलनाडु कांग्रेस की सत्ता में हिस्सेदारी की मांग पर कहा कि ऐसी मांग करना कांग्रेस पार्टी का अधिकार है।

सिटी यूनियन बैंक लिमिटेड
CUB
ऋण वसूली एवं प्रबंधन विभाग
प्रशासनिक कार्यालय: संख्या 24-बी, गांधी नगर, कुंभकोणम - 612 001. ईमेल आईडी: crmd@cityunionbank.in, फोन: 0435-2432322, फैक्स: 0435-2431746

सरफेसी अधिनियम, 2002 के तहत निविदा-सह-नीलामी बिक्री सूचना

[illegible]

[illegible]

आरक्षित मूल्य: रु. 1,60,00,000/-
(रुपये एक करोड़ साठ लाख मात्र)

नीलामी का विवरण

निविदा-सह-नीलामी बिक्री की तिथि	स्थान
20-02-2026	सिटी यूनियन बैंक लिमिटेड, गुड़गांव शाखा, [illegible] - 122001, फोन नंबर 0124-2301001, सेल नंबर 8095482308, 8925983650.

निविदा-सह-नीलामी बिक्री के नियम और शर्तें:
[illegible]

स्थान: कुंभकोणम, दिनांक: 09-01-2026 — प्राधिकृत अधिकारी

पंजीकृत कार्यालय: 149, टी.एस.आर. (बिग) स्ट्रीट, कुंभकोणम, तंजावुर जिला, तमिलनाडु - 612 001, CIN - L65110TN1904PLC001287, टेलीफोन नंबर: 0435-2402322, फैक्स: 0435-2431746, वेबसाइट: www.cityunionbank.com

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय
MINISTRY OF
YOUTH AFFAIRS AND SPORTS
GOVERNMENT OF INDIA

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026
09-12 जनवरी | भारत मंडपम, नई दिल्ली

माय भारत

युवा शक्ति फॉर विकसित भारत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी
से यंग लीडर्स का संवाद

प्रधानमंत्री जी करेंगे युवा नेतृत्व को संबोधित

दिनांक : 12 जनवरी 2026 | समय : सायं 04:00 बजे
स्थान : भारत मंडपम, नई दिल्ली

To watch the Event Live,
Visit DD News or scan the QR code

Follow for more Information: mybharat.gov.in

CBC 47107/13/0016/2526

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in